रजिस्ट्री सं. डीएल(एन)-04/0007/2003--05 REGISTERED No. DL(N)-04/0007/2003—05

सत्यमेव जयते

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

साप्ताहिक/WEEKLY

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 31] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 1—अगस्त 7, 2015 (श्रावण 10, 1937)

No. 31] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 1—AUGUST 7, 2015 (SRAVANA 10, 1937)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

	पृष्ठ सं.
भाग I—खण्ड-1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं.	629
भाग I—खण्ड-2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.	707
भाग I—खण्ड-3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.	1
भाग I—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.	1975
भाग II—खण्ड-1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम.	*
भाग II—खण्ड-1क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ.	*
भाग II—खण्ड-2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट.	*
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं).	*
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं.	*
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिसमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं).	*
भाग II—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश.	*
भाग III—खण्ड-1—उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं.	1029
भाग III—खण्ड-2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेन्टों और डिजाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं और नोटिस	*
भाग III—खण्ड-3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं.	*
भाग III—खण्ड-4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं.	219
भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस.	593
भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दर्शाने वाला सम्पूरक.	*

*आंकड़े प्राप्त नहीं हुए।

CONTENTS

	Page No.
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	629
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	707
PART I—SECTION 3—Notifications relating to resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	1
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	1975
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	*
PART II—SECTION 1A—Authoritative texts in Hindi language, of Acts, Ordinances and Regulations	*
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministry of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories)	*
PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	1029
PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	*
PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	*
PART III—SECTION 4—MisScellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	219
PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	593
PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*

*Folios not received.

भाग I — खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

[(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं]

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 जनवरी 2015

सं. 41-प्रेज/2015—राष्ट्रपति, गणतंत्र दिवस, 2015 के अवसर पर निम्नलिखित अधिकारियों को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

1. श्री डी गौतम सवांग, अपर पुलिस महानिदेशक, एपीएसपी मुख्यालय, हैदराबाद, आंध्र प्रदेश
2. श्री चेन्कू द्वारका तिरुमाला राव, अपर पुलिस महानिदेशक, सीआईडी, हैदराबाद, आंध प्रदेश
3. श्री बथनी श्रीनिवासुलू, उप महानिरीक्षक, एसआईबी, हैदराबाद, आंध्र प्रदेश
4. श्री आनन्द मंडल, उप निरीक्षक, पुलिस थाना-लुमला, अरुणाचल प्रदेश
5. श्री सत्येन्द्र नारायण सिंह, पुलिस महानिरीक्षक, गुवाहाटी, असम
6. श्री धीरेन भुइंया, उप निरीक्षक, उलुबारी, गुवाहाटी, असम
7. श्री अब्दुल सत्तार सैफ, उप निरीक्षक, पुलिस मुख्यालय, पटना, बिहार
8. श्री प्रवीर चन्द्र तिवारी, उप पुलिस अधीक्षक, महानिरीक्षक कार्यालय दुर्ग, छत्तीसगढ़
9. श्री दीपेन्द्र पाठक, संयुक्त पुलिस आयुक्त, आईटीओ, नई दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
10. श्री हरिमोहन मीणा, उप पुलिस आयुक्त, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
11. श्री पाटे कनुभाई नरोत्तम दास, सहायक पुलिस आयुक्त, साइबर सेल, अहमदाबाद, गुजरात
12. श्री गजेन्द्र सिंह राठौड़, अनआर्म्ड पुलिस सब इन्सपेक्टर, राजकोट सिटी, गुजरात
13. डॉ. रमेश चन्द्र मिश्रा, अपर पुलिस महानिदेशक, सीएडब्ल्यू, पंचकुला, हरियाणा
14. श्री बलवीर सिंह ठाकुर, पुलिस अधीक्षक, सिरमोर नाहन, हिमाचल प्रदेश
15. श्री अरुण कुमार चौधरी, पुलिस महानिरीक्षक, जम्मू एवं कश्मीर
16. श्री आलोक पुरी, पुलिस महानिरीक्षक, जम्मू एवं कश्मीर
17. श्री वैंकटेश हनुमंत राव देशमुख, अपर महानिदेशक-सह विशेष सचिव, गृह विभाग, झारखंड, रांची, झारखंड
18. श्री एन शिवा कुमार, पुलिस महानिरीक्षक, पीएंडएम, बंगलुरू, कर्नाटक
19. श्री प्रताप रेड्डी चगमरेड्डी, पुलिस महानिरीक्षक, बंगलुरू, कर्नाटक
20. श्री एम एन बाबू राजेन्द्र प्रसाद, उप पुलिस आयुक्त (यातायात) पूर्व बंगलुरू सिटी, कर्नाटक
21. डॉ. डी नारायण स्वामी, पुलिस अधीक्षक (के एल ए) रामानगर, कर्नाटक
22. श्री शैलेश सिंह, अपर पुलिस महानिदेशक/विशेष कार्य अधिकारी, मुम्बई, मध्य प्रदेश
23. श्री माधव प्रसाद द्विवेदी, अपर पुलिस महानिदेशक, भोपाल, मध्य प्रदेश

24. श्री अन्वेश मंगलम, अपर पुलिस महानिदेशक (दूर संचार), भोपाल, मध्य प्रदेश
25. श्री सुरेन्द्र कुमार पाण्डेय, अपर पुलिस महानिदेशक, (आपदा प्रबंधन एवं होमगार्ड) भोपाल, मध्य प्रदेश
26. श्री के. एल. विश्नोई, अपर पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) मुम्बई, महाराष्ट्र
27. श्री संजय एस. वर्वे, अपर पुलिस महानिदेशक (रेलवे) मुम्बई, महाराष्ट्र
28. श्री अशोक वागमारे, सहायक कमांडेंट, एसआरपीएफ, जीआर-XIII, नागपुर, महाराष्ट्र
29. श्री राजन पाली, उप पुलिस अधीक्षक, फुलगांव मंडल, वर्धा, महाराष्ट्र
30. श्री सदाशिव पाटिल, हेड कांस्टेबल, स्थानीय अपराध शाखा, कोल्हापुर, महाराष्ट्र
31. श्री सोरईश्रम खोमदोन सिंह, पुलिस निरीक्षक, इम्फाल, पश्चिम जिला मणिपुर, मणिपुर
32. श्री जोसफ लाल छुआना, पुलिस अधीक्षक, सीआईडी, आईजोल, मिजोरम
33. श्री खगेश्वर गौडा, पुलिस अधीक्षक, पीएमटी, ओडिशा, कटक, ओडिशा
34. श्री तारका प्रसाद सारंगी, उप पुलिस अधीक्षक, सतर्कता महानिदेशालय, कटक, ओडिशा
35. श्री बीरेश कुमार भवरा,अपर पुलिस महानिदेशक-सह-निदेशक, अन्वेषण ब्यूरो चंडीगढ़, पंजाब
36. श्री ईश्वर चन्दर, पुलिस महानिरीक्षक (सीमा) अमृतसर, पंजाब
37. श्री भूपेन्द्र सिंह, प्रो. उप कुलपति, सरदार पटेल पुलिस सुरक्षा एवं दांडिक न्याय विश्वविद्यालय, जोधपुर, राजस्थान
38. श्री राजीव कुमार दासोत, अपर पुलिस महानिदेशक, सशस्त्र बटालियन, जयपुर, राजस्थान
39. श्री तासी शेरिंग तमांग, अपर पुलिस महानिदेशक, गंगटॉक, सिक्किम
40. श्री सुनील कुमार सिंह, अपर पुलिस महानिदेशक, तमिलनाडु वर्दीधारी सेवा भर्ती बोर्ड चेन्नई, तमिलनाडु
41. श्री पी कनप्पन, पुलिस महानिरीक्षक, आसूचना चेन्नई, तमिलनाडु
42. श्री पी सी शिवाकुमार, विशेष उप पुलिस निरीक्षक, सतर्कता एवं भ्रष्टाचार रोधी मुख्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु
43. श्री रवि गुप्ता, पुलिस महानिरीक्षक उत्तरी क्षेत्र, पुलिस महानिदेशक का कार्यालय, तेलंगाना, हैदराबाद, तेलंगाना
44. श्री वेमुगंटी नवीन चंद, पुलिस महानिरीक्षक (पी एंड एल) हैदराबाद, तेलंगाना
45. श्री राम प्रसाद सेमवाल, सहायक कमांडेंट, दूसरी बटालियन टीएसआर आर के नगर, त्रिपुरा
46. श्री विजय कुमार मौर्या, पुलिस महानिरीक्षक, उत्तर प्रदेश
47. श्री मनमोहन कुमार बासल, पुलिस महानिरीक्षक, पीटीसी, सीतापुर, उत्तर प्रदेश
48. सुश्री तनुजा श्रीवास्तव, पुलिस महानिरीक्षक (कार्मिक) पुलिस महानिदेशक मुख्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
49. श्रीमती तिलोत्तमा वर्मा, पुलिस महानिरीक्षक (आसूचना) मुख्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
50. श्री सत्येन्द्र वीर सिंह, पुलिस उप महानिरीक्षक पीएसी मुख्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
51. श्री विनोद कुमार यादव, उप पुलिस अधीक्षक, कुशीनगर, उत्तर प्रदेश
52. श्री हरि ओम शर्मा, पुलिस उप निरीक्षक (एम) आगरा रेंज आगरा, उत्तर प्रदेश
53. श्री गणेश चन्द्र पंत, पुलिस महानिरीक्षक (दूरसंचार) देहरादून, उत्तराखंड
54. श्रीमती शकुंतला होतियाल, उप पुलिस अधीक्षक, आसूचना मुख्यालय, देहरादून उत्तराखंड
55. श्री चन्द्रमोहन, उप निरीक्षक (सिविल पुलिस) पुलिस थाना गोपेश्वर चमोली, उत्तराखंड
56. श्री संजय मुखर्जी, महानिदेशक, अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
57. श्री सुजीत मित्रा, उप पुलिस आयुक्त (।।), विशेष शाखा, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

58. श्री राजेन्द्र पाल उपाध्याय, पुलिस महानिरीक्षक, चंडीगढ़

59. श्री अरुण कुमार, कमांडेंट, मेघालय, असम राइफल्स

60. श्री संतोष मेहरा, महानिरीक्षक, फ्रंटियर मुख्यालय, गांधीनगर, गुजरात, सीमा सुरक्षा बल

61. श्री राजीव कृष्णा, महानिरीक्षक, (सक्रिय), बल मुख्यालय, नई दिल्ली, सीमा सुरक्षा बल

62. श्री कुलदीप कुमार शर्मा, महानिरीक्षक (मुख्यालय) बल मुख्यालय, नई दिल्ली, सीमा सुरक्षा बल

63. डॉ. मुकेश सक्सेना, महानिरीक्षक/निदेशक चिकित्सा, मुख्यालय स्वास्थ्य महानिदेशालय, नई दिल्ली, सीमा सुरक्षा बल

64. श्री कुलदीप सैनी, उप महानिरीक्षक (कार्मिक) बल मुख्यालय, नई दिल्ली, सीमा सुरक्षा बल

65. श्री श्याम बिहारी सिंह, उप कमांडेंट, 199वीं बटालियन, मार्फत 56 एपीओ, सीमा सुरक्षा बल

66. श्री अमरेन्द्र कुमार सिंह, संयुक्त निदेशक, सीबीआई पटना, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

67. श्री शिवगंगनम वेल्लईपंडी, पुलिस अधीक्षक, एसीबी, चेन्नई, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

68. श्री एन कृष्णामूर्ति, अपर पुलिस अधीक्षक, एससी ।।।, नई दिल्ली, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

69. श्री राजीव द्विवेदी, अपर पुलिस अधीक्षक, एसयू, नई दिल्ली, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

70. श्री सुमन कुमार, उप पुलिस अधीक्षक, बीएसएंडएफसी, मुम्बई, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

71. डॉ. के जयंथ मुरली, महानिरीक्षक, सीआईएसएफ, एसएस मुख्यालय चेन्नई, केन्द्रीय आद्योगिक सुरक्षा बल

72. श्री हेमेन्द्र सिंह, उप कमांडेंट, केन्द्रीय आद्योगिक सुरक्षा बल मुख्यालय नई दिल्ली, केन्द्रीय आद्योगिक सुरक्षा बल

73. श्री गोपाल रघुवरण नायर, सहायक कमांडेंट जेएओ, सीआईएसएफ रिजर्व बटालियन जयपुर, केन्द्रीय आद्योगिक सुरक्षा बल

74. श्री प्रकाश जनार्दन मोहाने, महानिरीक्षक, बीएस पटना, बिहार, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

75. श्री ई निर्मलराज, महानिरीक्षक, अगरतला, त्रिपुरा, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

76. श्री प्रवीण कुमार शर्मा, उप महानिरीक्षक, जम्मू एवं कश्मीर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

77. श्री मोहम्मद राशिद आलम, कमांडेंट, श्रीनगर, जम्मू एवं कश्मीर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

78. श्री मृत्युंजय हाजरा, उप कमांडेंट, पश्चिम मिदनापुर, पश्चिम बंगाल, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

79. श्री सुब्रामणि थंगामणि, उप निरीक्षक (जीडी) इम्फाल, मणिपुर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

80. श्री अन्नालामादा सुनील आच्चा, संयुक्त निदेशक, आसूचना ब्यूरो मुख्यालय, गृह मंत्रालय

81. श्री के के जयमोहन, सहायक निदेशक, एसआईबी, त्रिवेन्द्रम, गृह मंत्रालय

82. श्री विजय कुमार बीर, संयुक्त उप निदेशक, एसआईबी, अमृतसर, गृह मंत्रालय

83. श्री किशोर कुमार शर्मा, सहायक निदेशक, एसआईबी दिल्ली, गृह मंत्रालय

84. श्री अजित कुमार पाण्डेय, सहायक निदेशक, (आईबी) पटना, गृह मंत्रालय

85. श्री वीरेन्द्र प्रताप सिंह, सहायक निदेशक, आसूचना ब्यूरो मुख्यालय, गृह मंत्रालय

86. श्री दिलीप कुमार सोनी, सहायक निदेशक, आसूचना ब्यूरो मुख्यालय, गृह मंत्रालय

87. श्री श्रीरंग बलवंत जोशी, डीसीआईओ, बंगलुरू, गृह मंत्रालय

88. श्री सोनटक हेन्जेमांग वाइफेइ, सहायक निदेशक, एसआईबी, इम्फाल, गृह मंत्रालय

89. श्री सुरन्जीत धर, डीसीआईओ, कोलकाता, गृह मंत्रालय

90. श्री प्रकाश सिंह डंगवाल, उप महानिरीक्षक, आरटीसी करेरा, आईटीबीपी शिवपुरी मध्य प्रदेश, भारत तिब्बत सीमा पुलिस

91. श्री अशोक कुमार यादव, उप कमांडेंट, बल मुख्यालय, आईटीबीपी नई दिल्ली, भारत तिब्बत सीमा पुलिस

92. श्री लेहना सिंह दहिया, ग्रूप कमांडर, मुख्यालय (एनएसजी) पालम, नई दिल्ली, राष्ट्रीय सुरक्षा गारद

93. श्री विनय कृष्णा उनियाल, उप निदेशक (सीसी), फ्रंटियर मुख्यालय दिल्ली, सशस्त्र सीमा बल

94. श्री ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह, महानिरीक्षक, एनआईए मुख्यालय नई दिल्ली, राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण

95. श्री प्रभात कुमार अवस्थी, उप पुलिस अधीक्षक, एनआईए शाखा कार्यालय, लखनऊ, राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण

96. श्री निशीथ कुमार सक्सेना, महानिरीक्षक-सह-मुख्य चिकित्सा आयुक्त, आर. पी. एफ., इलाहाबाद, रेल मंत्रालय

97. श्री लेखराज संध्याना, निरीक्षक, आर. पी. एफ., दिल्ली, रेल मंत्रालय

98. श्री बच्चे सिंह, उप निरीक्षक, आर. पी. एफ., मुरादाबाद, रेल मंत्रालय

2. ये पुरस्कार विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक प्रदान करने वाली नियमावली के नियम 4(ii)के तहत दिए जाते हैं।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 42-प्रेज/2015-राष्ट्रपति, गणतंत्र दिवस, 2015 के अवसर पर निम्नलिखित अधिकारियों को सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

1. श्री जे प्रसाद बाबू, उप महानिरीक्षक-।।।, कुरनुल, आंध्र प्रदेश

2. श्री एम नागेन्द्र राव, अपर पुलिस अधीक्षक, खैराताबाद, हैदराबाद, आंध प्रदेश

3. श्री दोक्का कोटेश्वर राव, अपर पुलिस अधीक्षक, गूंटूर ग्रामीण जिला, आंध्र प्रदेश

4. श्री बंटु अच्युत राव, रैंजिमैंटल आसूचना अधिकारी, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश

5. श्री शेख अल्लाबक्श, उप पुलिस अधीक्षक, आसूचना विभाग एपी, हैदराबाद, आंध्र प्रदेश

6. श्री ए वेंकट राव, पुलिस निरीक्षक, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश

7. श्री डी धनमजया रेड्डी, आर एस आई, पीटीसी, अनंतापुरमू, आंध्र प्रदेश

8. श्री वी वेंकट नारायण, सहायक उप निरीक्षक, विशेष शाखा, गुन्टूर शहरी, आंध्र प्रदेश

9. श्री बी नरसिहा, सहायक उप निरीक्षक, प्रोदातूर यातायात पुलिस थाना वाईएसआर जिला, कदापा, आंध्र प्रदेश

10. श्री के रामाचन्द्र राव, सहायक सुरक्षित पुलिस उप निरीक्षक, विजयवाडा सिटी, आंध्र प्रदेश

11. श्री डी सी कुल्लयप्पा, एआरएसआई, जिला सशस्त्र बल कदापा जिला, आंध्र प्रदेश

12. श्री गंधम सत्यनारायण, पुलिस उप निरीक्षक (ओ/एस), उप पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, आसूचना, ईलुरे जोन, डब्ल्यू जी जिला, आंध्र प्रदेश

13. श्री यू सुन्दर बाबू, हेड कांस्टेबल, छठी बटालियन, एपीएसपी, मंगलागिरी, गुन्टूर, आंध्र प्रदेश

14. श्री मो. हामिद खान, हेड कांस्टेबल, विशाखपट्टनम, आंध्र प्रदेश

15. श्री कट्टीकरा सुन्दरम राजा मुदाली चक्रवर्ती, हेड कांस्टेबल, कुप्पम पुलिस थाना, चित्तूर जिला, आंध्र प्रदेश

16. श्री तुषार तावा, सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश

17. श्री तारकेश्वर सिंह, उप निरीक्षक, सीबी पीएस, एसआईटी, अरुणाचल प्रदेश

18. श्री सुरेन्द्र कुमार, उप पुलिस महानिरीक्षक, बोंगई-गांव, असम

19. श्री लूइश इंड, पुलिस अधीक्षक, विशेष शाखा (पूर्वी क्षेत्र), जोरहट, असम

20. श्री मैनुल इस्लाम मंडल, पुलिस अधीक्षक, धेमाजी जिला, असम

21. श्री कंगकन ज्योति सैकिया, कमांडेंट, लुमडिंग, नौगांव, असम
22. श्री ऐय्या खान, पुलिस उप निरीक्षक, मुख्यालय जामोगुरिहाट, सोनितपुर, असम
23. श्री हिमाद्री भुईंया, पुलिस उप निरीक्षक, मुख्यालय काहलीपाडा, गुवाहाटी, असम
24. श्री बोगीराम बोड़ो, सहायक उप निरीक्षक, धनसिरि ओपी, दिफु, असम
25. श्री देवज्योति बोरा, सहायक उप निरीक्षक, पीआर स्टेशन, सरूपटहाट, गोलाघाट, असम
26. श्री विक्रम राजकुंवर, सहायक उप निरीक्षक (लिपिक), चराइमारी, बक्सा, असम
27. श्री भबेन चन्द्र राभा, हवलदार, कोकराझार डीईआर, असम
28. श्री कृष्ण कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल, (यूबी), कोकराझार डी ई एफ, असम
29. श्री बाबू चन्द्र अमसी, कांस्टेबल, दिफू, असम
30. श्री ओम प्रकाश तिवारी, कांस्टेबल, काहिलीपाड़ा, गुवाहाटी, असम
31. श्री अजिताभ कुमार, उप महानिरीक्षक, केन्द्रीय रेंज पटना, बिहार
32. श्रीमती कासे सुहिता अनुपम, उप महानिरीक्षक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, हैदराबाद, बिहार
33. श्री अमृत राज, उप महानिरीक्षक, सीडीटीएस, हैदराबाद, बिहार
34. श्री मिट्ठू प्रसाद, पुलिस अधीक्षक, सीआईडी पटना, बिहार
35. श्री वीरेन्द्र नारायण झा, कमांडेंट, बीएमपी 14, बिहार
36. श्री जितेन्द्र मिश्रा, रेल पुलिस अधीक्षक, कटिहार, बिहार
37. श्री राजीव रंजन, पुलिस अधीक्षक, विशेष शाखा, पटना, बिहार
38. श्री उदय कुमार सिंह, सार्जेंट मेजर, जमुई, बिहार
39. श्री विपिन कुमार सिंह, उप निरीक्षक, महानिरीक्षक कार्यालय, पटना, बिहार
40. श्री अनिल कुमार वर्मा, आशुलिपिक उप निरीक्षक, पटना, बिहार
41. श्री अमरेन्द्र कुमार, पुलिस उप निरीक्षक, एसटीएफ, पटना, बिहार
42. श्री राजनंदन राय, हवलदार, बीएमपी 14, पटना, बिहार
43. श्री पुरुषोत्तम राम, हवलदार, बीएमपी 14, बिहार
44. श्री त्रयंम्वकेश्वर मलिक, कांस्टेबल, जोनल महानिरीक्षक कार्यालय, पटना, बिहार
45. श्री राजेश कुमार सिन्हा, कांस्टेबल, पुलिस महानिदेशक कार्यालय, बिहार
46. श्री राजगृह शर्मा, हवलदार, सतर्कता अन्वेषण ब्यूरो, पटना, बिहार
47. श्री परशुराम सिंह, कांस्टेबल, सतर्कता अन्वेषण ब्यूरो, पटना, बिहार
48. श्री बालाजी राव सोमावार, कमांडेंट, तीसरी बटालियन सीएएफ, अम्लेश्वर दुर्ग, छत्तीसगढ
49. श्री इरफान उल रहीम खान, उप पुलिस अधीक्षक, जिला दुर्ग, छत्तीसगढ
50. श्री कांशीराम मसराम, निरीक्षक, एसआईबी जगदलपुर, छत्तीसगढ
51. श्री प्रकाश नारायण तिवारी, उप निरीक्षक, कबीरधाम, छत्तीसगढ
52. श्री खेमराज साहू, सहायक उप निरीक्षक, कांकेर, छत्तीसगढ
53. श्रीमती राजश्री देवांगन, हेड कांस्टेबल, जगदलपुर, छत्तीसगढ
54. श्री विनायक सिंह ठाकुर, हेड कांस्टेबल, जिला जगदलपुर, छत्तीसगढ

55. श्री ओंकार नाथ पाण्डेय, हेड कांस्टेबल, 7वीं बटालियन, सीएएफ, भिलाई, जिला दुर्ग, छत्तीसगढ

56. श्री पुरूषोत्तम यादव, हेड कांस्टेबल, जिला दुर्ग, छत्तीसगढ

57. श्री प्यारे लाल सरोज, कांस्टेबल, सीआईडी, पुलिस मुख्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ

58. श्री रेशम लाल घोषले, कांस्टेबल, डीएसबी जिला कोरबा, छत्तीसगढ़

59. श्री सुरेन्द्र सिंह यादव, अपर पुलिस आयुक्त (यातायात) टोडापुर, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली

60. श्री राजेश कुमार, उप पुलिस आयुक्त, मालवीय नगर, दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली

61. श्री परवेज अहमद, उप पुलिस आयुक्त (सुरक्षा), राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली

62. श्री महेश चन्द भारद्वाज, अतिरिक्त उप पुलिस आयुक्त, दक्षिण पश्चिम जिला, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली

63. श्री संजय कुमार त्यागी, पुलिस आयुक्त के स्टाफ अधिकारी, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली

64. श्री चमन लाल भाटी, सहायक पुलिस आयुक्त (यातायात) दक्षिण पश्चिम जिला, द्वारका, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली

65. श्री नारायण सिंह परिहार, सहायक पुलिस आयुक्त, 7वीं बटालियन डीएपी, पीटीएस परिसर, मालवीय नगर, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली

66. श्री भोला राम मान, सहायक पुलिस आयुक्त, राजौरी गार्डन, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली

67. श्री दुर्गा प्रसाद जोशी, निरीक्षक (यातायात), उत्तर जिला, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली

68. श्री अतहर हुसैन, उप निरीक्षक, आईएफए शाखा/पुलिस मुख्यालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली

69. श्री राम स्वरूप, उप निरीक्षक (कार्यकारी), सुरक्षा विनय मार्ग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली

70. श्री गोकुल राम, उप निरीक्षक (कार्यकारी), तीसरी बटालियन डीएपी, पालम कॉलोनी, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली

71. श्री बाल किशन, सहायक उप निरीक्षक (कार्यकारी), सुरक्षा विनय मार्ग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली

72. श्री जयबीर सिंह, हेड कांस्टेबल, दूसरी बटालियन डीएपी, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली

73. श्री सत्यवीर सिंह, हेड कांस्टेबल (कार्यकारी), पुलिस थाना/नबी करीम/सी, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली

74. श्री सतीश कुमार हेड कांस्टेबल (कार्यकारी), एफआरआरओ, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली

75. श्री रमेश सिंह, हेड कांस्टेबल (कार्यकारी), पीटीसी, झरौदा कलां, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली

76. श्री जयेशकुमार कांतिलाल भट्ट, पुलिस महानिरीक्षक सीआईडी अपराध, गांधीनगर, गुजरात

77. श्री योगेन्द्रकुमार पटेल, सशस्त्र उप पुलिस अधीक्षक, गांधीनगर, गुजरात

78. श्री हरपालसिंह अजितसिंह राठौड़, नि:शस्त्र पुलिस निरीक्षक डी सी बी पुलिस थाना अहमदाबाद, गुजरात

79. श्री शैलेश सिंह रघुवंशी, पुलिस निरीक्षक, सीआईडी क्राइम गांधीनगर, गुजरात

80. श्री हरदेव सिंह बाघेला, यूएन पुलिस निरीक्षक, देवभूमि द्वारका, गुजरात

81. श्री किरीट भाई शांतिलाल ब्रह्म भट्ट, पुलिस उप निरीक्षक, पश्चिमी रेलवे अहमदाबाद, गुजरात

82. श्री जयेन्द्र सिंह परमार, सशस्त्र पुलिस उप निरीक्षक, बडौदा, गुजरात

83. श्री सुकेतु विनोदकुमार चंगावाला, पुलिस उप निरीक्षक (वायरलेस) खेडा, गुजरात

84. श्री जयेश कुमार जे शाह, आसूचना अधिकारी, गांधीनगर, गुजरात

85. श्री पाल रामअभिलेख शीवबरन, नि:शस्त्र सहायक पुलिस उप निरीक्षक, डब्ल्यूआर बदौदरा, गुजरात

86. श्री सुरेश तानाजी देशले, नि:शस्त्र सहायक उप निरीक्षक, बालोद, गुजरात

87. श्री प्रभुदास हरिलाल ठक्कर, हेड कांस्टेबल, एसीबी अहमदाबाद, गुजरात

88. श्री अरविन्दकुमार रामजीभाई परमार, हेड कांस्टेबल, गोंडल, गुजरात

89. श्री परसोतम मुराभाई पटेल, हेड कांस्टेबल, गोंडल, गुजरात

90. श्री जीवाराम शामलदास हरियानी, पुलिस कांस्टेबल, एसआरपीएफ गोंडल, गुजरात

91. श्री जगदीश भाई छगनलाल श्रीमाली, सहायक आसूचना अधिकारी, गांधीनगर, गुजरात

92. श्री प्रेमजी भाई लखाभाई परमार, सहायक आसूचना अधिकारी, गांधीनगर, गुजरात

93. श्री वीरेन्द्र सिंह, उप पुलिस अधीक्षक, सिरसा, हरियाणा

94. श्री कमल सिंह, निरीक्षक (यातायात) करनाल, हरियाणा

95. श्री विरेन्द्र सिंह, पुलिस निरीक्षक, नियंत्रण कक्ष, गुडगांव, हरियाणा

96. श्री सुशील कुमार, उप निरीक्षक, एससीबी, मोगीनंद, पंचकुला, हरियाणा

97. श्री गुरुमीत सिंह, सहायक पुलिस निरीक्षक एसवीबी, पंचकुला, हरियाणा

98. श्री कुलवीर सिंह, सहायक उप निरीक्षक (यातायात) करनाल, हरियाणा

99. श्री मनोज कुमार, सहायक उप निरीक्षक़, सीआईडी, पंचकुला, हरियाणा

100. श्री रामकुमार, सहायक उप निरीक्षक, फरीदाबाद, हरियाणा

101. श्रीमती चन्द्रवती, निरीक्षक, सीआईडी कुल्लू, हिमाचल प्रदेश

102. श्री पिताम्बर दत्त, सहायक उप निरीक्षक, जुंगा, शिमला, हिमाचल प्रदेश

103. श्री मनमोहन सिंह, हेड कांस्टेबल, शिमला, हिमाचल प्रदेश

104. श्री मो. सलीम खान, उप निरीक्षक, पुलिस मुख्यालय, जम्मू एवं कश्मीर

105. श्री मो. अफजल खान, हेड कांस्टेबल, एपीएचक्यू, जम्मू एवं कश्मीर

106. श्री मनोज कुमार, निरीक्षक, सीआइडी, मुख्यालय, जम्मू एवं कश्मीर

107. श्री शाबीर अहमद ख्वाजा, हेड कांस्टेबल, एपीएचक्यू जे एंड के, जम्मू एवं कश्मीर

108. श्री जहूर अहमद भट्ट, उप पुलिस अधीक्षक (अपराध) जम्मू एवं कश्मीर

109. श्री शेख जफ्फरउल्लाह, उप पुलिस अधीक्षक (कार्मिक) पुलिस मुख्यालय, जम्मू एवं कश्मीर

110. श्री मीर जावेद अहमद, निरीक्षक (एम), पुलिस मुख्यालय, जम्मू एवं कश्मीर

111. श्री राशीक अहमद मीर, उप पुलिस अधीक्षक, गंदरबल, जम्मू एवं कश्मीर

112. श्री शिराज-उद-दीन- शाह, निरीक्षक (एम), श्रीनगर, जम्मू एवं कश्मीर

113. श्री अब्दुल अहद डार, उप निरीक्षक, दूरसंचार मुख्यालय जे एंड के, जम्मू एवं कश्मीर

114. श्री सुरेन्द्र कुमार शर्मा, उप पुलिस अधीक्षक, जीआरपी, जम्मू एवं कश्मीर

115. श्री तेजिन्द्र सिंह, उप पुलिस अधीक्षक, जैडपीएचक्यू, जम्मू, जम्मू एवं कश्मीर

116. श्री मो. शफी डार, उप पुलिस अधीक्षक (अपराध), श्रीनगर, जम्मू एवं कश्मीर

117. श्री यशपाल सिंह, निरीक्षक, एसएचओ राजौरी, जम्मू एवं कश्मीर

118. श्री गुलाम अली अहंगर, उप निरीक्षक, जिला श्रीनगर, जम्मू एवं कश्मीर

119. श्री फारूख अहमद हकीम, पुलिस अधीक्षक/स्टाफ अधिकारी पुलिस महानिरीक्षक, जम्मू एवं कश्मीर

120. श्री मो. फारूख रेशी, उप पुलिस अधीक्षक, एएचजे हवाई अड्डा, श्रीनगर, जम्मू एवं कश्मीर

121. श्री मुरारी लाल मीना, पुलिस महानिरीक्षक (अभियान) रांची, झारखंड

122. श्री राजा राम प्रसाद, अपर पुलिस अधीक्षक, धनबाद, झारखंड

123. श्री राम चन्द्र राम, उप पुलिस अधीक्षक कम्पोजिट नियंत्रण कक्ष, धनबाद, झारखंड

124. श्री अमीर ताती, उप पुलिस निरीक्षक, रांची जिला पुलिस मुख्यालय रांची में प्रतिनियुक्ती, झारखंड

125. श्री मकसूदन ओरांव, उप पुलिस निरीक्षक, विशेष शाखा, (झारखंड पुलिस मुख्यालय रांची में प्रतिनियुक्ती), झारखंड

126. श्री राजेन्द्र पाठक, हवलदार, जेएपी छठी बटालियन, जमशेदपुर, झारखंड

127. श्री नवीन कुमार क्षेत्री, हवलदार, जेएपी पहली बटालियन, रांची, झारखंड

128. श्री पंकज राय, हवलदार, पहली बटालियन, रांची, झारखंड

129. श्री पियर उराँव, हवलदार रांची जिला, झारखंड

130. श्री सुनील कुमार सिंह, कांस्टेबल, विशेष शाखा, रांची, झारखंड

131. श्री एच टी डुग्गप्पा, पुलिस अधीक्षक, राज्य आसूचना बंगलुरू, कर्नाटक

132. श्री आर लक्ष्मणा, अपर पुलिस अधीक्षक, टुमकुर जिला, कर्नाटक

133. श्री मो. इश्तियाक जमील, अपर पुलिस अधीक्षक, कोलार जिला, कर्नाटक

134. श्री सी एन जनार्दन, उप पुलिस अधीक्षक, सीआईडी, बंगलुरू, कर्नाटक

135. श्री एम विजयकुमार, उप पुलिस अधीक्षक (बेतार) केन्द्रीय जोन बंगलुरू, कर्नाटक

136. डॉ. एच एन वेंकटेश प्रसन्ना, उप पुलिस अधीक्षक, आईजीपी कार्यालय, पश्चिमी रेंज मंगलोर, कर्नाटक

137. श्री देवेन्द्रप्पा डी मलागी, उप पुलिस अधीक्षक, होस्पेट सब डिवीजन, बेल्लारी जिला, कर्नाटक

138. श्री एस बाबू शंकर, पुलिस इंस्पेक्टर (वायरलेस), सिटी कंट्रोल रूम, बंगलुरू सिटी, कर्नाटक

139. श्री मोहम्मद मोहसिन, पुलिस इंस्पेक्टर (वायरलेस), नियंत्रण कक्ष, कालाबुर्गी जिला, कर्नाटक

140. श्री बी भोजाराजु, सहायक रिजर्व पुलिस उप निरीक्षक, भर्ती अनुभाग, बंगलुरू, कर्नाटक

141. श्री एस एम राघवेन्द्र राव, सहायक उप निरीक्षक (बेतार), पुलिस महानिदेशक नियंत्रण कक्ष, बंगलुरू, कर्नाटक

142. श्री एम नारायणस्वामी, विशेष एआरएसआई, आईआरबी, मुनीराबाद, कर्नाटक

143. श्री एन रमन्ना, सहायक पुलिस उप निरीक्षक, डीएसबी मांडया जिला, कर्नाटक

144. श्री वी करियान्ना, हेड कांस्टेबल, सीसीआरबी, बंगलुरू, कर्नाटक

145. श्री आनन्द, हेड कांस्टेबल, सीसीआरबी, हुबली, धारवाड़, कर्नाटक

146. श्री वी नारायणप्पा, हेड कांस्टेबल, राज्य आसूचना, बंगलुरू, कर्नाटक

147. श्री डी महादेवय्या, हेड कांस्टेबल, तीसरी बटालियन केएसआरपी, बंगलुरू, कर्नाटक

148. श्री पी एम रविन्द्र, हेड कांस्टेबल, पांचवी बटालियन केएसआरपी मैसूर, कर्नाटक

149. श्री एन यू अय्यान्ना, हेड कांस्टेबल, पांचवी बटालियन केएसआरपी, मैसूर, कर्नाटक

150. श्री शिवप्पा, डीएसबी, यूनिट गुलबर्गा, कर्नाटक

151. श्री दिनेन्द्र कश्यप, उप पुलिस महानिरीक्षक, कन्नूर रेंज, केरल

152. श्री पी एस गोपी, पुलिस अधीक्षक, सीबी सीआईडी मुख्यालय, तिरूवनंतपुरम, केरल

153. श्री टॉम चेरूवंदूर थॉमस, पुलिस अधीक्षक, सतर्कता एवं भ्रष्टाचार-रोधी ब्यूरो, उत्तरी रेंज, कोझीकोड़, केरल

154. श्री दामोदरन राजेन्द्रन, उप पुलिस अधीक्षक, कोल्लम, केरल

155. श्री कृष्णण नारायणन नायडू, उप पुलिस निरीक्षक, क्राइम डिटैचमेंट, त्रिवेन्द्रम सिटी, केरल

156. श्री मेचरी पाउलोस डेविस, सहायक उप निरीक्षक ग्रेड, विशेष शाखा, त्रिसूर, केरल

157. श्री स्कंथाकुमार चक्रपाणि अचारी, वरिष्ठ सिविल पुलिस अधिकारी, सतर्कता एवं भ्रष्टाचार-रोधी ब्यूरो, एसआईयू ।।, त्रिवेन्द्रम, केरल

158. श्री अनिल माहेश्वरी, कमांडेंट, 13वीं बटालियन एस ए एफ, ग्वालियर, मध्य प्रदेश

159. श्री राजेन्द्र वर्मा, उप पुलिस अधीक्षक, भोपाल, मध्य प्रदेश

160. श्री जसवंत सिंह मलिक, कंपनी कमांडर, इंदौर, मध्य प्रदेश

161. श्री जमील खान, उप निरीक्षक (एमटी), शिवपुरी, मध्य प्रदेश

162. श्री राम नरेश त्रिपाठी, प्लाटून कमांडर, भोपाल, मध्य प्रदेश

163. श्री अशोक कुमार रघुवंशी, उप निरीक्षक, देवास, मध्य प्रदेश

164. श्री संतोष कुमार शुक्ला, सेक्शन कमांडर, दतिया, मध्य प्रदेश

165. श्री शिव कुमार शर्मा, हेड कांस्टेबल, जिला टीकमगढ़, मध्य प्रदेश

166. श्री इन्द्र कुमार पाण्डेय, हेड कांस्टेबल, इंदौर, मध्य प्रदेश

167. श्री चतुर्भुज बुनकर, हेड कांस्टेबल, दामोह, मध्य प्रदेश

168. श्री सुरेश सिंह चौहान, कांस्टेबल, इंदौर, मध्य प्रदेश

169. श्री बाबू लाल कवाले, कांस्टेबल, भोपाल, मध्य प्रदेश

170. श्री पूरण लाल गुजर, कांस्टेबल, दतिया, मध्य प्रदेश

171. श्री रोहीतास शर्मा, कांस्टेबल, ग्वालियर, मध्य प्रदेश

172. श्री अवध कुमार व्यास, निरीक्षक, भोपाल, मध्य प्रदेश

173. श्रीमती अमृता पंडित, सूबेदार, भोपाल, मध्य प्रदेश

174. श्री मिथिला प्रसाद त्रिपाठी, सूबेदार, रीवा, मध्य प्रदेश

175. डॉ सुरेश मकेला, पुलिस आयुक्त, अमरावती सिटी, महाराष्ट्र

176. श्री शशिकांत रामचन्द्र माणे, पुलिस अधीक्षक, प्राचार्य पीटीएस नागपुर, महाराष्ट्र

177. श्री माधव गोविन्द कारभारी, अपर पुलिस अधीक्षक, बीड़, महाराष्ट्र

178. श्री निताराम जिंगाराव कुमारे, सहायक पुलिस आयुक्त, विशेष शाखा नागपुर सिटी, महाराष्ट्र

179. श्री बलिराम राजाराम कदम, सहायक पुलिस आयुक्त, अपराध शाखा, सीआईडी मुम्बई, महाराष्ट्र

180. श्री छगन सीताराम देवराज, उप पुलिस अधीक्षक, पुलिस मुख्यालय नासिक ग्रामीण, महाराष्ट्र

181. श्री सोपान यशवंत पवार, पुलिस निरीक्षक, विधान सभा सुरक्षा मुम्बई, महाराष्ट्र

182. श्री प्रदीप बिट्ठल सुर्वे, पुलिस निरीक्षक, जाति सत्यापन समिति, नवीं मुंबई, महाराष्ट्र

183. श्री ध्यानदेव धॉडीराम गावड़े, पुलिस निरीक्षक, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, जलगांव, महाराष्ट्र

184. श्री गौतम परसराम गडमडे, सशस्त्र पुलिस निरीक्षक, एसआरपीएफ जी आर IX, अमरावती, महाराष्ट्र

185. श्री बलिराम विठोबा जीवतोड़े, पुलिस निरीक्षक, पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय, नागपुर, महाराष्ट्र

186. श्री सुरेश इस्तारी भोयर, पुलिस निरीक्षक, अपराध शाखा, गोंदिया, महाराष्ट्र

187. श्री पंडित देवराम पवार, उप पुलिस निरीक्षक, सिन्नार पुलिस स्टेशन, नासिक ग्रामीण, महाराष्ट्र

188. श्री शिवाजी तुकाराम धुरी, सशस्त्र उप पुलिस निरीक्षक, एसआरपीएफ, जीआर-I पुणे, महाराष्ट्र

189. श्री दामोदर फतेहशंकर सिंह, सशस्त्र उप पुलिस निरीक्षक, एसआरपीएफ, जीआर-XIII नागपुर, महाराष्ट्र

190. श्री कौशलधर त्रिवेणीधर दूबे, सशस्त्र उप पुलिस निरीक्षक, एसआरपीएफ, जीआर- XIII, नागपुर, महाराष्ट्र

191. श्री तुकाराम भाउसो पाटील, सशस्त्र उप पुलिस निरीक्षक, एसआरपीएफ, जीआर-I, पुणे, महाराष्ट्र

192. श्री माणिक दौलतराव तायडे, सशस्त्र सहायक उप निरीक्षक, एसआरपीएफ, जीआर-XII हिंगोली, महाराष्ट्र

193. श्री दिलीप तुकाराम कुमार भंडारे, सहायक उप निरीक्षक, वी.पी. रोड पुलिस स्टेशन, मुंबई, महाराष्ट्र

194. श्री भीकाजी सदाशिव राणे, सहायक उप निरीक्षक, आजाद मैदान पुलिस स्टेशन, मुंबई, महाराष्ट्र

195. श्री डागाडू फकीरा अजिंथे, सहायक उप निरीक्षक, स्थानीय अपराध शाखा, नंदरबार, महाराष्ट्र

196. श्री सच्चिदानंद कन्हैया राय, सहायक पुलिस उप निरीक्षक (सशस्त्र), जीआर-XIII, नागपुर, महाराष्ट्र

197. श्री केशव किसन मोरे, सशस्त्र सहायक उप निरीक्षक, एसआरपीएफ, ग्रुप-IV, नागपुर, महाराष्ट्र

198. श्री शिवाजी काशीनाथ पाटील, सहायक उप पुलिस निरीक्षक, जिला विशेष शाखा नासिक ग्रामीण, महाराष्ट्र

199. श्री विश्वनाथ बुद्वाजी पाटील, सहायक उप पुलिस निरीक्षक, दादर कोस्टल पुलिस स्टेशन, रायगढ़, महाराष्ट्र

200. श्री साहेबराव देवमन सूर्यवंशी, सहायक उप निरीक्षक, नागरिक अधिकार सुरक्षा, नासिक, महाराष्ट्र

201. श्री सुरेश दिनकर इंगवाले, सहायक उप निरीक्षक, मुख्यालय पुणे सिटी, महाराष्ट्र

202. श्री प्रवीण पोपटलाल गुंडेचा, सहायक उप निरीक्षक, यातायात नियंत्रण शाखा, मुंबई, महाराष्ट्र

203. श्री रमेश दौलत कोटे, सहायक उप निरीक्षक, नंदुरबार सिटी पुलिस स्टेशन, महाराष्ट्र

204. श्री रमेश हरि खवाले, सहायक उप निरीक्षक, नंदुरबार, पुलिस स्टेशन, महाराष्ट्र

205. श्री सुरेश रामू माने, नंदरबार, पुलिस उप निरीक्षक, के रूप में एक स्टेप पदोन्नति, एसआरपीएफ प्रशिक्षण केन्द्र ननवीज दौंड, महाराष्ट्र

206. श्री भगवान देवाजी ककड़े, सहायक उप निरीक्षक, महिला सुरक्षा प्रकोष्ठ जालना, महाराष्ट्र

207. श्री जीवन कुमार गजेन्द्र कपूरे, सशस्त्र सहायक उप निरीक्षक, एसआरपीएफ ग्रुप-I, पुणे, महाराष्ट्र

208. श्री उल्हास रामचन्द्र गांवकर, सशस्त्र सहायक उप निरीक्षक, एसआरपीएफ ग्रुप-I, पुणे, महाराष्ट्र

209. श्री बालासो नानासो जगदाले, सहायक उप निरीक्षक, पुलिस मुख्यालय, सतारा, महाराष्ट्र

210. श्री जनार्दन तुलसीराम राजुरकर, सहायक उप निरीक्षक, पुलिस नियंत्रण कक्ष, लातूर, महाराष्ट्र

211. श्री केशव तुकाराम हजारे, सहायक उप निरीक्षक (सशस्त्र), एसआरपीएफ ग्रुप-V, दौंड, महाराष्ट्र

212. श्री त्रिम्बक गोविन्द घरत, सशस्त्र हेड कांस्टेबल, एसआरपीएफ ग्रुप-II, पुणे, महाराष्ट्र

213. श्री कमलाकर रामचन्द्र जाधव, हेड कांस्टेबल, बेतार प्रभाग, पुणे, महाराष्ट्र

214. श्री निशिकांत सदाशिव साल्वी, हेड कांस्टेबल, बेतार प्रभाग, मुंबई, महाराष्ट्र

215. श्री रामचंद्र कान्हू तापकिर, हेड कांस्टेबल, अपराध जांच विभाग, पुणे, महाराष्ट्र

216. श्री दादासाहेब बाबूराव धुले, सशस्त्र हेड कांस्टेबल, एसआरपीएफ प्रशिक्षण केन्द्र, ननवीज दौंड, महाराष्ट्र

217. श्री सुरेश काशीनाथ राउत, सशस्त्र हेड कांस्टैबल, एसआरपीएफ ग्रुप-V दौंड, महाराष्ट्र

218. श्री क्रिस्टोफर डौंगल, महानिरीक्षक (प्रशा.), पुलिस मुख्यालय, इम्फाल, मणिपुर

219. श्री थोकचोम भरतचंद्र सिंह, हवलवदार, प्रथम बटालियन, मणिपुर, राइफल्स, इम्फाल, मणिपुर

220. श्री तोंगब्राम सानातोम्बा सिंह, पुलिस निरीक्षक, मणिपुर, इम्फाल, मणिपुर

221. श्री मांजाथां हाओकिप, राइफलमैन, एमपीटीसी पंगेई, मणिपुर,

222. श्री युमनम मंनेमजाओ सिंह, हवलदार, एमपीटीसी पंगेई, मणिपुर

223. श्री लाइशरम खंबा सिंह, कांस्टेबल, इम्फाल, पश्चिमी जिला, मणिपुर

224. श्री थौंगम नीलमणि सिंह, उप निरीक्षक, इम्फाल पूर्वी, मणिपुर

225. श्री टी.एस. चामना अनाल, सूबेदार, 8वीइं बटालियन मणिपुर राइफल्स, लैकुन, मणिपुर

226. श्री निंगोमबाम दिलीप सिंह, सहायक उप निरीक्षक, सीआईडी (एसबी), इम्फाल, मणिपुर

227. श्री विभूति पुरकायस्था, उप पुलिस अधीक्षक, एसबी मुख्यालय शिलांग, मेघालय

228. श्री सेबेस्टियन स्वेट, उप निरीक्षक, शिलांग, मेघालय

229. श्री विवेक किशोर, उप महानिरीक्षक (प्रशिक्षण) आईजोल, मिजोरम

230. श्रीमती छाया शर्मा, उप महानिरीक्षक (सीआईडी) कॉम्प्लेक्स बंगकान-आईजोल, मिजोरम

231. श्री आर. लालरिनमोइ, मुख्य ड्रिल अनुदेशक, पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय, मिजोरम

232. श्री सी. लालछुआनलियाना, निरीक्षक, रिजर्व अधिकारी, आईजोल, मिजोरम

233. श्री फिलिप हमत्सो लोठा, पुलिस उप महानिरीक्षक, कोहिमा, नागालैंड

234. श्री लाखा कोज़ा, कमांडेंट, 8 एनएपी बटालियन, जून्हेबोटो, नागालैंड

235. श्री पेल्हूनियो अंगामी, यूबीसी, कोहिमा, नागालैंड

236. श्री महेन्द्र प्रताप, पुलिस महानिरीक्षक (रेलवे), कटक, ओडिशा

237. श्री दयाल गंगवार, उप पुलिस महानिरीक्षक (एसएपी) कटक, ओडिशा

238. श्री बैकुंठ नाथ दास, पुलिस अधीक्षक (सिगनल्स), कटक, ओडिशा

239. श्री शांतनु कुमार दास, सब-डिविजनल पुलिस अधिकारी, नउआपाड़ा, ओडिशा

240. श्री सरोज कुमार महापात्र, सहायक कमांडेंट, सुरक्षा विंग, भुवनेश्वर, ओडिशा

241. श्री सरोजकांता बारीक, उप पुलिस निरीक्षक, (एमटी), कटक, ओडिशा

242. श्री बसंत कुमार गोच्छायत, हवलदार, मयूरभंज, ओडिशा

243. श्री कमलाकांत महापात्रा, हवलदार, सुरक्षा विंग, भुवनेश्वर, ओडिशा

244. श्री जगबंधु साहू, हवलदार (चालक) बालासोर, ओडिशा

245. श्री बसंत कुमार बारिक, कांस्टेबल, भुवनेश्वर, ओडशा

246. श्री उपेन्द्र कुमार बलबंतराय, सिपाही, सुरक्षा विंग, भुवनेश्वर, ओडिशा

247. श्री राजिंदर सिंह, उप महानिरीक्षक, अपराध, सतर्कता ब्यूरो, पंजाब

248. श्री तुलसी राम, कमांडेंट, 80वीं बटालियन पीएपी जालंधर, पंजाब

249. श्री पर्मपाल सिंह, एसपी-सह-एडीसीपी, अमृतसर सिटी, पंजाब

250. श्री शरणजीत सिंह, पुलिस अधीक्षक, पटियाला, पंजाब

251. श्री सुखबीर सिंह, निरीक्षक, नाभा, पंजाब

252. श्री अमरजीत सिंह, निरीक्षक, हैबोवाल, लुधियाना, पंजाब

253. श्री चरणजीत सिंह, उप निरीक्षक, पीआरटीसी जहां-खेलां, पंजाब

254. श्री जसवंत सिंह, उप निरीक्षक, सीआईडी यूनिट, चंडीगढ़, पंजाब

255. श्री जगदीश सिंह, उप निरीक्षक, सीआरसी जलांधर, पंजाब

256. श्री चन्ना सिंह, उप निरीक्षक, कमांडो प्रशिक्षण केन्द्र, पटियाला, पंजाब

257. श्री मेघराज सिंह, उप निरीक्षक, पुलिस लाइंस, लुधियाना, पंजाब

258. श्री बिक्रमजीत सिंह, उप निरीक्षक, कोटभाई, पंजाब

259. श्री रमेश कुमार, सहायक उप निरीक्षक, नार्कोटिक्स सेल, अमृतसर, पंजाब

260. श्री नरेश कुमार, सहायक उप निरीक्षक, पीआरटीसी, जहां-खेलां, पंजाब

261. श्री रवि दत्त, सहायक उप निरीक्षक, पुलिस आयुक्त कार्यालय, अमृतसर, पंजाब

262. श्री श्यामीलाल मीणा, उप पुलिस अधीक्षक, आबकारी विभाग, जयपुर, राजस्थान

263. श्री जयकिशन व्यास, पुलिस निरीक्षक, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, जयपुर, राजस्थान

264. श्री बनवारी प्रसाद, पुलिस निरीक्षक, मानपुर, दौसा, राजस्थान

265. श्री जग राम मीणा, पुलिस निरीक्षक, जयपुर, राजस्थान

266. श्री बुलीदान सिंह, उप पुलिस निरीक्षक, राजस्थान पुलिस प्रशिक्षण केन्द्र, जोधपुर, राजस्थान

267. श्री गोपीचंद, सहायक उप निरीक्षक, झोटवारा जयपुर पश्चिम, राजस्थान

268. श्री जय सिंह, सहायक उप निरीक्षक, नांड, उदयपुर, राजस्थान

269. श्री नख्ता राम, हेड कांस्टेबल, 11वीं बटालियन, आरएसी (आईआर), वजीराबाद, दिल्ली, राजस्थान

270. श्री दीप सिंह, हेड कांस्टेबल, राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर, राजस्थान

271. श्री बृजेश कुमार निगम, हेड कांस्टेबल, सीआईडी (सीबी), जयपुर, राजस्थान

272. श्री सरदारा राम, हेड कांस्टेबल, 5वीं बटालियन, आरएसी, जयपुर, राजस्थान

273. श्री किशन सिंह, कांस्टेबल, पुलिस मुख्यालय, जयपुर, राजस्थान

274. श्री नंद सिंह राजपूत, कांस्टेबल, आरडीएसबी शाखा, अजमेर राजस्थान

275. श्री लक्ष्मण प्रधान, उप निरीक्षक, एसएपी, पंगठन, ईस्ट सिक्किम, सिक्किम

276. श्री आयुष मणि तिवारी, उप पुलिस महानिरीक्षक, कोयम्बटूर रेंज, तमिलनाडु

277. श्रीमती विद्या डी कुलकरणी, उप पुलिस महानिरीक्षक, सलेम रेंज, तमिलनाडु

278. श्री आर वीरा पेरूमल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, सिक्योरिटी एंड कोर सेल, सीआईडी, चेन्नई, तमिलनाडु

279. श्रीमती एस. फ्लोरा जयंति, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक, चेन्नई, तमिलनाडु

280. श्री एम. मदासामी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, विरुद्धनगर, तमिलनाडु

281. श्री एन. शिवगुरु, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक/प्रधानाचार्य, पुलिस भर्ती स्कूल, कोयम्बटूर, तमिलनाडु

282. श्री एन.के. स्टेनली जॉन्स, उप पुलिस अधीक्षक, आसूचना अनुभाग, तिरूनेलवेली सिटी, तमिलनाडु

283. श्री ई. पृथ्वीराजन, उप पुलिस अधीक्षक, ओसीआईयू, मुख्यालय चेन्नई, तमिलनाडु

284. श्री पी. केनेडी, उप पुलिस अधीक्षक, जियापुरम, त्रिची, तमिलनाडु

285. श्री आर. शिवलिंगम, उप पुलिस अधीक्षक, जिला अपराध रिकार्ड ब्यूरो, तिरूवल्लूर, तमिलनाडु

286. श्री एम.वी. उदयकुमार, पुलिस निरीक्षक, मूर्ति शाखा, चेन्नई, तमिलनाडु

287. श्री पी.एस. पोरचेजियां, पुलिस निरीक्षक, भूमि कब्जा निरोधक विशेष सेल तिरुवल्लूर, तमिलनाडु

288. श्री के. जगदीश, पुलिस निरीक्षक, एसबीसीआईडी मुख्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु

289. श्री पी. पलानी, पुलिस निरीक्षक, सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक, वेल्लूर, तमिलनाडु

290. श्री वी.के.चन्द्रशेखरन, पुलिस निरीक्षक, सीबीसीआईडी मदुरै सिटी, तमिलनाडु

291. श्री आर. मलयशामी, पुलिस निरीक्षक, (सशस्त्र) रिजर्व शिवगंगई, तमिलनाडु

292. श्री जी. नटराजन, पुलिस निरीक्षक, कोर सेल सीआईडी चेन्नई, तमिलनाडु

293. श्रीमती एस. सावित्री, पुलिस निरीक्षक, (तकनीकी) पीटीबी सलेम, तमिलनाडु

294. श्री एस. कुमार, उप पुलिस निरीक्षक, स्पेशल टास्क फोर्स, इरोड, तमिलनाडु

295. श्री सी. चीनाराजू, विशेष उप पुलिस निरीक्षक, सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक, चेन्नई, तमिलनाडु

296. श्री बी. अरुणाचलम, विशेष उप पुलिस निरीक्षक, सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक, चेन्नई सिटी, तमिलनाडु

297. श्री नीलगिरि दिव्याचरण राव, अतिरिक्त उप पुलिस आयुक्त, साइबराबाद, तेलंगाना

298. श्री टी. शरत बाबू, उप पुलिस अधीक्षक, क्षेत्रीय आसूचना कार्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना

299. श्री टी. सुदर्शन, उप पुलिस अधीक्षक, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, करीमनगर, तेलंगाना

300. श्री वुप्पू तिरूपति, उप पुलिस अधीक्षक, कोठागुडेम, खम्मम, तेलंगाना

301. श्री एम. रमण कुमार, सब-डिवीजनल पुलिस अधिकारी, मंचिरयाल अदिलाबाद, तेलंगाना

302. श्री एम. वेंकट राव, रिजर्व इंस्पेक्टर, खैरताबाद हैदरबाद, तेलंगाना

303. श्री सय्याद युसुफुउद्दीन, आरएसआई, जिला पुलिस प्रशिक्षण केन्द्र, नालगोंडा, तेलंगाना

304. श्री पटलोला मधुसूदन रेड्डी, उप निरीक्षक, विशेष आसूचना शाखा, हैदराबाद, तेलंगाना

305. श्री एस. प्रेम राज सहायक उपनिरीक्षक, खैरताबाद, हैदराबाद, तेलंगाना

306. श्री जी. लक्ष्मैया, हेड कांस्टेबल, विशेष शाखा, साइबराबाद, तेलंगाना

307. श्री अन्नू दामोदर रेड्डी, हेड कांस्टेबल, सीआई सेल, हैदराबाद, तेलंगाना

308. श्री एस. सदानंदम, एआरपीसी, डीएआर वारंगल, तेलंगाना

309. श्री देबब्रत पॉल, उप पुलिस निरीक्षक, डीजीपी कार्यालय, अगरतला, त्रिपुरा

310. श्री बाबुल महाजन, उप निरीक्षक, विशेष शाखा, कंचनपुर, त्रिपुरा

311. श्री देवजित भट्टाचार्यजी, उप निरीक्षक, एसपी विशेष शाखा त्रिपुरा का कार्यालय अगरतला, त्रिपुरा

312. श्री मायाजॉय रूपिणी, उप पुलिस अधीक्षक, अगरतला, त्रिपुरा

313. श्री विद्या कुमार रियांग, नायब सूबेदार, कंचनपुर, त्रिपुरा

314. श्री रघुबीर लाल, डीआईजी, पीटीसी मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश

315. डॉ. बद्री नारायण तिवारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, 25वीं बटालियन, पीएसी रायबरेली, उत्तर प्रदेश

316. श्रीमती आभा सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, 47वीं बटालियन पीएसी गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश

317. श्री श्रीपति मिश्रा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, बहराइच, उत्तर प्रदेश

318. श्री अजय कुमार सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, मिर्जापुर, उत्तर प्रदेश

319. श्री जुगुल किशोर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, उत्तर प्रदेश पुलिस मुख्यालय, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश

320. श्री विनोद कुमार मिश्रा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, संभल, उत्तर प्रदेश

321. श्री बालेंदू भूषण सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, बदायूं, उत्तर प्रदेश

322. श्री अशोक कुमार त्रिपाठी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, (प्रोटोकॉल) आगरा, उत्तर प्रदेश

323. श्री देवेंद्र प्रताप नारायण पांडे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, (सुरक्षा), वाराणसी, उत्तर प्रदेश

324. श्री कैलाश सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, 34वीं बटालियन पी.ए.सी., वाराणसी, उत्तर प्रदेश

325. श्री सुनील कुमार सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, गाजीपुर, उत्तर प्रदेश

326. श्री प्रमोद कुमार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश

327. श्री सुधीर कुमार सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, पीलीभीत, उत्तर प्रदेश

328. श्री राज प्रकाश सिंह, उप पुलिस अधीक्षक, झांसी, उत्तर प्रदेश

329. श्री अश्विवनी कुमार सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश

330. श्री श्रीरामपाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

331. श्री नरेंद्र देव, उप पुलिस अधीक्षक, हाथरस, उत्तर प्रदेश

332. श्री जितेंद्र सिंह रावत, उप पुलिस अधीक्षक, 6 बटालियन पीएसी, मेरठ, उत्तर प्रदेश

333. श्री विजय कुमार सिंह, उप पुलिस अधीक्षक, 6 बटालियन पीएसी, मेरठ, उत्तर प्रदेश

334. श्री संतोष कुमार, उप पुलिस अधीक्षक, फैजाबाद, उत्तर प्रदेश

335. श्री मो. जफर खान, उप पुलिस अधीक्षक, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

336. श्री देशवीर सिंह, कम्पनी कमांडर, 44 बटालियन, पी.ए.सी., मेरठ, उत्तर प्रदेश

337. श्री दिनेश चंद्र, कंपनी कमांडर, 9 बटालियन, पीएसी, मुराबाद, उत्तर प्रदेश

338. श्री छेदी लाल सिंह, रेडियो निरीक्षक, उत्तर प्रदेश पुलिस रेडियो मुख्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

339. श्री ब्रह्मपाल सिंह, निरीक्षक, कानपुर नगर, उत्तर प्रदेश

340. श्री जितेंद्र कुमार मिश्रा, उप निरीक्षक, सुरक्षा मुख्यालय, ओम निवास, न्यू हैदराबाद, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

341. श्री शिव शंकर दूबे, उप निरीक्षक (शिक्षक), 35 बटालियन, पीएसी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

342. श्री ओमवीर सिंह, उप निरीक्षक (एमटी) इटावा, उत्तर प्रदेश

343. श्री हीरालाल प्रसाद, हेड कांस्टेबल, कुशीनगर, उत्तर प्रदेश

344. श्री यामीन अली, हेड कांस्टेबल, बुलंदशहर, उत्तर प्रदेश

345. श्री विजयपाल सिंह, हेड कांस्टेबल, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश

346. श्री हरिनाथ सिंह, हेड कांस्टेबल, मऊ, उत्तर प्रदेश

347. श्री तौफीक अहमद, हेड कांस्टेबल, मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश

348. श्री विनय कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल, स्पेशल इन्क्वायरी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

349. श्री रघुवीर सहाय, हेड कांस्टेबल (एमटी) फिरोजाबाद, उत्तर प्रदेश

350. श्रीशिवराम सिंह, हेड ऑपरेटर, रेडियो मुख्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

351. श्री रविंद्र कुमार सिन्हा, हेड कांस्टेबल, बलरामपुर, उत्तर प्रदेश

352. श्री मदन पांडे, हेड कांस्टेबल, संत कबीर नगर, उत्तर प्रदेश

353. श्री हरिकरन यादव, हेड कांस्टेबल, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश

354. श्री ब्रह्म प्रकाश शर्मा, हेड कांस्टेबल, गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश

355. श्री राम प्रताप सिंह, हेड कांस्टेबल, अमेठी, उत्तर प्रदेश

356. श्री राजदेव, हेड कांस्टेबल, सिद्धार्थ नगर, उत्तर प्रदेश

357. श्री मोहम्मद खान, हेड कांस्टेबल, हाथरस, उत्तर प्रदेश

358. श्री गणेश राम, हेड कांस्टेबल, चंदौली, उत्तर प्रदेश

359. श्री गोपाल राय, हेड कांस्टेबल, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश

360. श्री श्रीराम, हेड कांस्टेबल, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश

361. श्री सिबतेन हैदर, हेड ऑपरेटर, रेडियो मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश

362. श्री रमेश नारायण सिंह, हेड कांस्टेबल, विशेष जांच दल, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

363. श्री दिनेश कुमार पाठक, हेड ऑपरेटर, रेडियो मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश

364. श्री परमेश्वर दयाल सुमन, हेड कांस्टेबल, उन्नाव, उत्तर प्रदेश

365. श्री धवल सिंह, हेड कांस्टेबल, प्रतापगढ़, उत्तर प्रदेश

366. श्री गिरिराज सिंह, हेड कांस्टेबल, मेरठ, उत्तर प्रदेश

367. श्री अशोक कुमार सिंह, हेड कांस्टैबल, सुल्तापनपुर, उत्तर प्रदेश

368. श्री शिवशंकर सिंह, हेड कांस्टेबल, महाराजगंज, उत्तर प्रदेश

369. श्री लाल बहादुर, उप निरीक्षक, आसूचना मुख्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

370. श्री महावीर सिंह, हेड कांस्टेबल, कानपुर, देहात, उत्तर प्रदेश

371. श्री तुलसी राम, हेड कांस्टेबल, सुलतानपुर, उत्तर प्रदेश

372. श्री रामकृष्ण, हेड कांस्टेबल, बिजनौर, उत्तर प्रदेश

373. श्री देवेंद्र कुमार सारस्वत, हेड कांस्टेबल, आगरा, उत्तर प्रदेश

374. श्री जयप्रकाश तिवारी, हेड कांस्टेबल, महाराजगंज, उत्तर प्रदेश

375. श्री नियाज अहमद खान, हेड कांस्टेबल, महोबा, उत्तर प्रदेश

376. श्री नंद राम, हेड कांस्टैबल, मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश

377. श्री भालचंद्र यादव, हेड कांस्टेबल, रायबरेली, उत्तर प्रदेश

378. श्री बाबू राम, हेड कांस्टेबल, विशेष जाँच दल, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

379. श्री सतगुरु शरण तिवारी, हेड कांस्टेबल, 10 बटालियन, पीएसी, बाराबंकी, उत्तर प्रदेश

380. श्री सूर्यनाथ सिंह, हेड कांस्टेबल, 36 बटालियन, पीएसी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश

381. श्री रामरज, कांस्टेबल (चालक) मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश

382. श्री महन्थ मिश्र, कांस्टेबल, सतर्कता, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

383. श्री सुरेश चंद, कांस्टेबल, बागपत, उत्तर प्रदेश

384. श्री सतीश कुमार सिंह, उप निरीक्षक (एम) पुलिस महानिदेशक मुख्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

385. श्री अजीज अहमद जैदी, उप निरीक्षक (एम) पुलिस महानिदेशक मुख्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

386. श्री रामनाथ यादव, सहायक उप निरीक्षक (एम) मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश

387. श्री विजय कुमार सिंह कार्की, पुलिस अधीक्षक, विजिलेंस सेक्टर देहरादून, उत्तराखंड

388. श्री प्रताप सिंह पांगती, पुलिस उप अधीक्षक, चंपावत, उत्तराखंड

389. श्री भुवन चंद्र पांडे, पुलिस उप अधीक्षक, पुलिस मुख्यालय, देहरादून, उत्तराखंड

390. श्री राजेंद्र सिंह हयांकी, पुलिस उप अधीक्षक, अलमोड़ा, उत्तराखंड

391. श्री ईश्वरी लाल टमटा, रेडियो निरीक्षक, 31वीं बटालियन, पीएसी, रुद्रपुर, उत्तराखंड

392. श्री जीत सिंह, पीसी(वी), 31वीं बटालियन, रुद्रपुर, उत्तराखंड

393. श्री गणेश राम, हेड कांस्टेबल (ड्राइवर), पुलिस लाइन, चंपावत, उत्तराखंड

394. श्री शिव शंकर दत्ता, उप पुलिस महानिरीक्ष्क (स्पेशल), सीआईडी, पश्चिम बंगाल

395. श्री अशोक कुमार प्रसाद, उप पुलिस महानिरीक्षक, आईपीएस सेल, हावड़ा, पश्चिम बंगाल

396. श्री असीत कुमार पांडे, सहायक पुलिस आयुक्त, गुप्तचर विभाग, आसनसोल दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरी, पश्चिम बंगाल

397. श्री उत्पल कुमार भट्टाचार्य, सहायक पुलिस आयुक्त, पूर्वी उपनगरीय प्रभाग, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

398. श्री पार्थ प्रतिम मुखोपाध्याय, सहायक पुलिस आयुक्त, मुख्यालय बल, लाल बाजार, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

399. श्री सती जीवन नाथ, सहायक पुलिस आयुक्त, यातायात विभाग, लाल बाजार, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

400. श्री सुजीत कुमार दास, निरीक्षक, भ्रष्टाचार निरोधक यूनिट, उत्तर दीनजपुर, राज्य सतर्कता आयोग, पश्चिम बंगाल

401. श्री तन्मय घोष, निरीक्षक, आसूचना शाखा, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

402. श्री अमित कुमार नाथ, निरीक्षक, यातायात विभाग, लाल बाजार, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

403. श्री बरीन्दर सिंह काबेरवाल, निरीक्षक, बेतार शाखा, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

404. श्री सांतनु सिन्हा बिस्वास, निरीक्षक, सेंट्रल डिवीजन, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

405. श्री सुधींद्र चंद्र बिस्वास, एएसआई(एबी), एसएपी 12 बटालियन, जलपाईगुड़ी, पश्चिम बंगाल

406. श्री नीरु कुमार साहा, सहायक उप पुलिस निरीक्षक, आसूचना शाखा, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

407. श्रीमती तृप्ति ईस्वारारी, महिला सहायक उप पुलिस निरीक्षक, सीआईडी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

408. श्री महेश सुब्बा, कांस्टेबल, सदर न्यायालय, दार्जीलिंग, पश्चिम बंगाल

409. श्री अमिताव चौधरी, कांस्टेबल, डीएपी दक्षिण 24 परगना, पश्चिम बंगाल

410. श्री प्रदीप कुमार घोषाल, निरीक्षक, जाधवपुर, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

411. श्री मिथिलेश कुमार शुक्ला, उप पुलिस अधीक्षक, पीटीएस, प्रोथरापुर, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह

412. श्री भोलानाथ दूबे, निरीक्षक, सतर्कता सेल (पीएचक्यू), अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह

413. श्री समरेश चंद्र होर, निरीक्षक (तकनीकी), पीआर कार्यालय, अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह

414. श्री रामानंद मिश्रा, उप निरीक्षक, एसएपी, पुलिस लाइन, अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह

415. श्रीमती सीता देवी, निरीक्षक/आईजीपी के स्टाफ अधिकारी, चंडीगढ़

416. श्रीमती कुलवीर कौर, निरीक्षक, महिला एवं बाल सहायता यूनिट, चंडीगढ़

417. श्री अनिल गंगाधर पाटील, हेड कांस्टेबल, पीएचक्यू सिलवासा, दादरा एवं नगर हवेली

418. श्री मोहन लखमन सोलंकी, हेड कांस्टेबल, स्थापना अनुभाग, पीएचक्यू, दमन एवं दीव

419. श्री विट्ठल शांताराम गांवकर, सहायक उप निरीक्षक, नानी दमन, दमन एवं दीव

420. श्री पी.पी. वेणुगोपालन नायर, निरीक्षक (तकनीकी), पुलिस मुख्यालय, कावारत्ती, लक्षद्वीप

421. श्री पी. अहमद, हेड कांस्टेबल, किलटन द्वीप, लक्षद्वीप

422. श्री वी. दैवशिगामणी, पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण), पुदुचेरी

423. श्री एरगुन्ड वेंकटेश्वरा राव, हेड कांस्टेबल, पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय, गोरीमेडू, पुदुचेरी

424. श्री सुरेंद्र कुमार आर.एस., उप कमांडेंट, मेघालय, असम राइफल्स

425. श्री प्रदीप कुमार बोरा, सूबेदार मेजर, मेघालय, असम राइफल्स

426. श्री शशिकांत राम, सूबेदार मेजर (फार्माशिस्ट), शिलांग, मेघालय, असम राइफल्स

427. श्री धरम राज गुरूंग, सूबेदार मेजर, जून्हेबोरो, नागालैंड, 5 असम राइफल्स

428. श्री फुरपा डंडुप, सूबेदार, जून्हेबोरो, नागालैंड, 5 असम राइफल्स

429. श्री यशपाल, वारंट अधिकारी, जून्हेबोरो, नागालैंड, 5 असम राइफल्स

430. श्री मोती थापा, वारंट अधिकारी, लोकरा, आसाम, असम राइफल्स

431. श्री मान सिंह, सूबेदार, शेरचिप, मिजोरम, 14 असम राइफल्स

432. श्री हेम बहादुर थापा, सूबेदार मेजर, कोहिमा, 19 असम राइफल्स

433. श्री सुरेश चंद्र बोस बी, उप कमांडेंट, मणिपुर, 30 असम राइफल्स

434. श्री तली नुंगसांग आव, नायब सूबेदार, मोककचुंग, नागालैंड, 31 असम राइफल्स

435. श्री शिव सिंह रावत, सूबेदार, मलहोइचिन, मणिपुर, 34 असम राइफल्स

436. श्री बासुदेव सिंहा, जूनियर कमीशन अधिकारी, राधानगर, 45 असम राइफल्स

437. श्री अमित लोधा उप महानिरीक्षक, एसएचक्यू जैसलमेर, राजस्थान, सीमा सुरक्षा बल

438. श्री करण सिंह राजावत, उप महानिरीक्षक, सहायक प्रशिक्षण केन्द्र, जोधपुर, राजस्थान, सीमा सुरक्षा बल

439. श्री मोहन लाल सोहना, उप महानिरीक्षक, एफटीआर एचक्यू, जालंधर, पंजाब, सीमा सुरक्षा बल

440. श्री प्रतुल गौतम, उप महानिरीक्षक, एसएचक्यू, बाड़मेर, राजस्थान, सीमा सुरक्षा बल

441. श्री राजेश कुमार गुरूंग, उप महानिरीक्षक, एसएचक्यू, इंदरेश्वर नगर (जे. एंड के.), सीमा सुरक्षा बल

442. श्री अंगोम शामू सिंह, उप महानिरीक्षक, एफटीआर एचक्यू, साउथ बंगाल, कोलकाता, सीमा सुरक्षा बल

443. श्री विनीत कुमार, कमांडेंट, एसएचक्यू बीएसएफ, श्रीनगर, जे. एंड के., सीमा सुरक्षा बल

444. श्री चारु ध्वज अग्रवाल, कमांडेंट, कार्मिक निदेशालय, डीजी बीएसएफ मुख्यालय, नई दिल्ली, सीमा सुरक्षा बल

445. श्री भारत भूषण सिधरा, कमांडेंट, 101 बटालियन, कूच बिहार (प.बं.), सीमा सुरक्षा बल

446. श्री करनी सिंह शेखावत, कमांडेंट, सहायक प्रशिक्षण केन्द्र, जोधपुर, राजस्थान, सीमा सुरक्षा बल

447. श्री बरजेंदर सिंह, कमांडेंट, 40 बटालियन, कल्याणी, नादिया, पश्चिम बंगाल, सीमा सुरक्षा बल

448. श्री सुमंदर सिंह डबास, कमांडेंट, 125 बटालियन, वैष्णवनगर, मालदा, पश्चिम बंगाल, सीमा सुरक्षा बल

449. श्री उमेद सिंह, कमांडेंट, प्रोविजनिंग डायरेक्टरेट एचक्यू, डीजी कार्यालय, नई दिल्ली, सीमा सुरक्षा बल

450. श्री सतविंदर पाल सिंह, कमांडेंट, 192 बटालियन, आर एस पुरा, जम्मू (जे. एंड के.), सीमा सुरक्षा बल

451. श्री वीरेश के. सिंह, कमांडेंट, 131 बटालियन, चिलोडा रोड, गांधीनगर, गुजरात, सीमा सुरक्षा बल

452. श्री संजय कुमार सिंह, कमांडेंट, 33 बटालियन बीएसएफ सी/ओ 56 एपीओ, सीमा सुरक्षा बल

453. श्री पंकज कुमार मिश्रा, कमांडेंट, एचक्यू डीजी बीएसएफ, नई दिल्ली, सीमा सुरक्षा बल

454. श्री वीरेंद्र सिंह, कमांडेंट, एसएचक्यू बीएसएफ, पलौरा, जम्मू (जे. एंड के.), सीमा सुरक्षा बल

455. श्री रोहिताश कुमार, कमांडेंट, 107 बटालियन, बीएसएफ, मागरा कैंप, बाड़मेर (राजस्थान) सीमा सुरक्षा बल

456. डॉ. हरलाल चौधरी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, दानीवाड़ा, गुजरात, सीमा सुरक्षा बल

457. श्री परवेश चंद कटोच, उप कमांडेंट, 38 बटालियन, बीएसएफ, गुरदासपुर, पंजाब, सीमा सुरक्षा बल

458. श्री शिरिष कुमार बिसारिया, उप कमांडेंट, 49 बटालियन बीएसएफ, कोईरेंगई, इम्फाल (मणिपुर), सीमा सुरक्षा बल

459. श्री सुरेश कुमार ठाकुर, उप कमांडंट, धनकगिरि न्यूनुरा मेघालय, सीमा सुरक्षा बल

460. श्री धरम सिंह, उप कमांडेंट, खासा अमृतसर, पंजाब, सीमा सुरक्षा बल

461. श्री रमेश सिंह कुशवाह, उप कमांडेंट, 165 बटालियन बीएसएफ, मथुरा, उत्तर प्रदेश, सीमा सुरक्षा बल

462. श्री राम लाल राम, उप कमांडेंट, 121 बटालियन बीएसएफ, शांतिनगर (पश्चिम बंगाल), सीमा सुरक्षा बल

463. श्री सुशील कुमार पांडे, उप कमांडेंट, सेक्टर एचक्यू बीएसएफ, कोरापुट (ओडिशा), बीएसएफ

464. श्री राकेश कुमार श्रीवास्तव, डिप्टी कमांडेंट (वर्क्स), एचक्यू डीजी बीएसएफ, नई दिल्ली, सीमा सुरक्षा बल

465. श्री वीरेन्द्र पाल, सहायक कमांडेंट, 47 बटालियन, सीमा सुरक्षा बल, बागमा, त्रिपुरा, सीमा सुरक्षा बल

466. श्री सुरेन्द्र सिंह मनराल, सहायक कमांडेंट, टिगरी कैंप, नई दिल्ली, सीमा सुरक्षा बल

467. श्री बृजपाल सिंह, सहायक कमांडेंट, सीमान्त मुख्यालय, जालंधर, पंजाब, सीमा सुरक्षा बल

468. श्री गोविंद बल्लभ जोशी, सहायक कमांडेंट (अनुसचिवीय), उप महानिरीक्षक (मुख्यालय) सीमान्त मुख्यालय, आर.के. पुरम नई दिल्ली, सीमा सुरक्षा बल

469. श्री शंभु शरण पांडे, निरीक्षक (जीडी), 58 बटालियन, राधाबाड़ी (पश्चिम बंगाल), सीमा सुरक्षा बल

470. श्री रेवंत राम चौधरी, निरीक्षक (जी डी), सहायक प्रशिक्षण केन्द्र, श्रीनगर (जम्मू एवं कश्मीर), सीमा सुरक्षा बल

471. श्री अर्जुन सिंह, निरीक्षक (जी डी), जनरल डारक्ट्रेट, बल मुख्यालय, नई दिल्ली, सीमा सुरक्षा बल

472. श्री बिषुद्धा नंद मिश्रा, निरीक्षक (जी डी), मुख्यालय नॉर्थ बंगाल फ्रंटियर कदमतला (पश्चिम बंगाल), सीमा सुरक्षा बल

473. श्री सुखदेव सिंह, निरीक्षक, सेक्टर मुख्यालय, गुरुदासपुर, सीमा सुरक्षा बल

474. श्री राजेन्द्र सिंह, निरीक्षक, 16 बटालियन, हमामा, कश्मीर, सीमा सुरक्षा बल

475. श्री राम नरेश पाल, निरीक्षक (जी डी), 192 बटालियन, मार्फत 56 एपीओ, सीमा सुरक्षा बल

476. श्री देवनाथ दुबे, निरीक्षक (जी डी), 104 बटालियन, रानीनगर जलपाईगुडी (पश्चिम बंगाल), सीमा सुरक्षा बल

477. श्री बलबीर सिंह, निरीक्षक (जी डी), 133 बटालियन, मेजधी कैंप, करीमगंज (असम), सीमा सुरक्षा बल

478. श्री कामेश्वर सिंह, निरीक्षक (अनुसचिवीय), बैकंठपुर, जलपाईगुडी (पश्चिम बंगाल), सीमा सुरक्षा बल

479. श्रीचंद खारवाल, निरीक्षक (संचार), 75 बटालियन, दक्षिण दीनाजपुर (पश्चिम बंगाल), सीमा सुरक्षा बल

480. श्री प्रमोद कुमार पाण्डे, निरीक्षक (संचार), फ्रंटियर मुख्यालय, कछार (असम), सीमा सुरक्षा बल

481. श्री तालिब हुसैन, उप निरीक्षक, 16 बटालियन, हमामा (जम्मू एवं कश्मीर), सीमा सुरक्षा बल

482. श्री चरनजीत सिंह चिब, उप निरीक्षक, 32 बटालियन, हिसार (हरियाणा), सीमा सुरक्षा बल

483. श्री रंजन ज्ञान, कांस्टेबल (वाटर कैरियर), 95 बटालियन, गांधीधाम, गुजरात, सीमा सुरक्षा बल

484. श्री तीरथ राम, कांस्टेबल (बारबर), 54 बटालियन, सी सी पुर (मणिपुर), सीमा सुरक्षा बल

485. श्री राजेन्द्र सिंह, कांस्टेबल (सफाईवाला), 130 बटालियन सीमा सुरक्षा बल रोशनबाग, मुर्शिदाबाद (पश्चिम बंगाल), सीमा सुरक्षा बल

486. श्री दिलबाग सिंह, महानिरीक्षक (वरिष्ठ कैप्टन) एयर विंग बल मुख्यालय, नई दिल्ली, सीमा सुरक्षा बल

487. श्री राजकुमार मारूति व्हटकर, उप महानिरीक्षक, एसीबी मुम्बई, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

488. सुश्री दीपिका सूरी, उप निदेशक, सीबीआई मुख्यालय, नई दिल्ली, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

489. श्री घनश्याम उपाध्याय, उप महानिरीक्षक, एसयू नई दिल्ली, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

490. श्री गजानंद बैरवा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, एसीबी नई दिल्ली, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

491. श्री विपिन कुमार वर्मा, उप पुलिस अधीक्षक, एसी-।। नई दिल्ली, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

492. श्री जगदीश, उप पुलिस अधीक्षक, एसीबी चंडीगढ़ केन्द्रीय अन्वेषण बयूरो

493. श्री अय्यादुराई लाजरस, उप पुलिस अधीक्षक, एसयू, चेन्नई, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

494. श्री राम अवतार यादव, उप पुलिस अधीक्षक, एसीबी नई दिल्ली, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

495. श्री सतीश कुमार राठी, उप पुलिस अधीक्षक, एसीबी भोपाल, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

496. श्री अनिल कुमार यादव, उप पुलिस अधीक्षक, एसीबी भोपाल, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

497. श्री संजय कुमार सिन्हा, उप पुलिस अधीक्षक, एसीबी दिल्ली, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

498. श्री राजीव कुमार, उप पुलिस अधीक्षक, एसीबी पुणे, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

499. श्री रूठिरापथी वालावन, निरीक्षक,एमडीएमए चेन्नई, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

500. श्री सुरेन्द्र कुमार रोहिल्ला, पुलिस निरीक्षक, एससी-I नई दिल्ली, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

501. श्री शैलेन्द्र सिंह मयाल, पुलिस निरीक्षक, एसीयू-V नई दिल्ली, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

502. श्री विशाल, पुलिस निरीक्षक, एससी-I नई दिल्ली, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

503. श्री ओ एन राजेन्द्रन, उप निरीक्षक, एससीबी त्रिवनंतपुर, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

504. श्री बीरबल, हेड कांस्टेबल, एसटीएफ नई दिल्ली, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

505. श्री रमेश चन्द्र ध्यानी, हेड कांस्टेबल, एसीबी गुवाहाटी, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

506. श्री एस.पी. स्परजन, कांस्टेबल, एसीबी चेन्नई, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

507. श्री रमेश चन्द्र, कांस्टेबल, एसीबी नई दिल्ली, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

508. श्री मोतीलाल शर्मा, कार्यालय अधीक्षक, सीबीआई मुख्यालय, नई दिल्ली, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

509. श्री रामकुमार, निजी सचिव, सीबीआई मुख्यालय, नई दिल्ली, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

510. श्रीमती ज्योति सिन्हा, उप महानिरीक्षक, एयरपोर्ट नॉर्थ जोन मुख्यालय, नई दिल्ली, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

511. श्री संजय कुमार, सीनियर कमांडेंट, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, ओ एन जी सी, मुम्बई, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

512. श्री प्रबोध चन्द्र, सहायक महानिरीक्षक (प्रशिक्षण), बल मुख्यालय, नई दिल्ली, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

513. श्री मामुन उर राशिद, सीनियर कमांडेंट, केआरटीसी मुंडाली (उड़ीसा), केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

514. श्री अजय दहिया, सीनियर कमांडेंट, अहमदाबाद एयरपोर्ट, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

515. श्री मिलिन्द राजाराम भाले, कमांडेंट, एचपी बीपीसीएल मुम्बई, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

516. श्री त्रिभुवन सिंह रावत, उप कमांडेंट, सीपीएस-II चम्बा, हिमाचल प्रदेश, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

517. श्री केशर सिंह बिष्ट, सहायक कमांडेंट (कार्मिक-II) बल मुख्यालय, नई दिल्ली, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

518. श्री जी रवि वर्मा, निरीक्षक, एसएस मुख्यालय, चेन्नई, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

519. श्री बलबीर सिंह, निरीक्षक (अनुसचिवीय), आरटीसी देवली, टॉक, राजस्थान, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

520. श्री बीरेन्द्र नाथ दास, निरीक्षक (आशुलिपिक), आरएसपी राउरकेला, उड़ीसा, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

521. श्री राजीवन कोल्लोन, निरीक्षक (आशुलिपिक), पश्चिमी क्षेत्र मुख्यालय, मुम्बई, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

522. श्री कृष्ण कुमार, निरीक्षक (आशुलिपिक), बल मुख्यालय, नई दिल्ली, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

523. श्री जोगेन्द्र सिंह, उप निरीक्षक, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, दिल्ली मेट्रो रेल दिल्ली, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

524. श्री सुदर्शन कुमार, उप निरीक्षक, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, दिल्ली मेट्रो रेल दिल्ली, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

525. श्री पचीरी उन्नीकृष्णनन, उप निरीक्षक, बल मुख्यालय, नई दिल्ली, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

526. श्री फ्रांसिस मैरियन, उप निरीक्षक (अनुसचिवीय), बल मुख्यालय, नई दिल्ली, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

527. श्री पी. कुप्पुस्वामी, सहायक उप निरीक्षक (कार्यकारी), एएसएसी, बंगलौर, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

528. श्री आर बालासुब्रमणि, हेड कांस्टेबल, आरटीसी ऐराकोणम, तमिलनाडु, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

529. श्री के. विजय कुमार, हेड कांस्टेबल, रिजर्व बटालियन शिवगंगई, कसईकुड़ी, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

530. श्री राजमल ठाकुर, हेड कांस्टेबल, एससीसीएल सिंगरेनी, अदिलाबाद, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

531. श्री खुशूराज सिंह हाडा, हेड कांस्टेबल, दिल्ली मेट्रो रेल कार्पोरेशन, दिल्ली, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

532. श्री युद्धवीर सिंह, हेड कांस्टेबल, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, 6 रिजर्व बटालियन देवली, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

533. श्री के. मुत्थू, हेड कांस्टेबल, डीएई कलपक्कम, तमिलनाडु, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

534. श्री जी. वेनू, हेड कांस्टेबल, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, एलपीएससी वलियामाला, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

535. श्री पी. वी. आर. बाबू, हेड कांस्टेबल, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, बीआईओएम, किरनदुल, दांतेवाडा, छत्तीसगढ़, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

536. श्री नंद किशोर, कांस्टेबल (बारबर), आरटीसी, देवली, टॉक, राजस्थान, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

537. श्री सनातन नायक, कांस्टेबल (कुक), केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, बीसीसीएल धनबाद, झारखंड, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

538. श्री राजेश ढ़करवाल, उप महानिरीक्षक, गांधीनगर रेंज, गुजरात, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल,

539. श्री विशन स्वरूप शर्मा, उप महानिरीक्षक, लखनऊ रेंज (यू पी), केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल,

540. श्री हरजिन्दर सिंह, उप महानिरीक्षक, गुवाहाटी रेंज असम, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

541. श्री प्रवीण कुमार चन्द्र कांत घाग, उप महानिरीक्षक, ग्रुप सैंटर, चेलनका, बंगलौर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

542. श्री अमित तनेजा, उप महानिरीक्षक, कोहिमा नागालैंड, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

543. श्री संजय कुमार, उप महानिरीक्षक, ग्रुप सेंटर, रायपुर छत्तीसगढ़, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

544. श्री महेश चन्द्र लड्ढा, उप महानिरीक्षक, दक्षिण सेक्टर हैदराबाद आंध्र प्रदेश, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

545. डॉ. विनय कुमार सिंह, उप महानिरीक्षक (चिकित्सा), कम्पोजिट हास्पीटल, गांधीनगर गुजरात, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

546. डॉ. बसुदेव उकील, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, कम्पोजिट हास्पीटल, झाडोदा कलां नई दिल्ली, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

547. डॉ. (श्रीमती) सुषमा शर्मा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, कम्पोजिट हास्पीटल, रामपुर, उत्तर प्रदेश, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

548. श्री महेन्द्र सिंह ढिल्लो, कमांडेंट,194 बटालियन, बवाना दिल्ली, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

549. श्री मनमोहन सिंह, सेकेन्ड-इन-कमांड, 156 बटालियन, धालीगांव, असम, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

550. श्री अरविन्द कुमार सिंह, सेकेन्ड-इन-कमांड, बारामूला, जम्मू एवं कश्मीर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

551. श्री बी.एस. रावत, सेकेन्ड-इन-कमांड, 122 बटालियन, अंधेरिया मोड, नई दिल्ली, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

552. श्री नागरमल कुमावत, सेकेन्ड इन कमांड, 117 बटालियन, श्रीनगर, जम्मू एवं कश्मीर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

553. श्री प्रवीन कुमार शर्मा, सेकेन्ड इन कमांड, 43 बटालियन, बड़गांव, जम्मू एवं कश्मीर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

554. श्री फारुख अहमद, उप कमांडेंट, 75 बटालियन, श्रीनगर, जम्मू एवं कश्मीर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

555. श्री अशोक संतवानी, उप कमांडेंट, 126 बटालियन, जम्मू, जम्मू एवं कश्मीर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

556. श्री दलजीत सिंह, उप कमांडेंट, 54 बटालियन, श्रीनगर, जम्मू एवं कश्मीर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

557. श्री बसंत बल्लभ जोशी, उप कमांडेंट, 157 बटालियन, आदित्यपुर, झारखंड, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

558. श्री विनोद कुमार पाठक, उप कमांडेंट, 148 बटालियन, साहूपुरी चन्दोली उत्तर प्रदेश, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

559. श्री रामलाल मीणा, उप कमांडेंट, 50 बटालियन, पश्चिम मिदनापुर, पश्चिम बंगाल, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

560. श्री दीन दयाल पाण्डेय, उप कमांडेंट, ग्रुप सेंटर, सोनीपत हरियाणा, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

561. श्री जी. आनन्दन, सहायक कमांडेंट, सीटीसी, धुबा, रांची, झारखंड, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

562. श्री डबल सिंह रावत, निरीक्षक (जीडी), सीटीसी, ग्वालियर, मध्य प्रदेश, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

563. श्री रामानुज सिंह, निरीक्षक (जीडी), मोकमा घाट, बिहार, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

564. श्री कैलाश यादव, निरीक्षक (जीडी), अमेठी, उत्तर प्रदेश, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

565. श्री पी. रामकुमार, निरीक्षक (जीडी), जीसी येलंका, बंगलोर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

566. श्री बलवान सिंह, निरीक्षक (जीडी), 154 बटालियन, धनबाद झारखंड, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

567. श्री संतोष कुमार, उप निरीक्षक (जीडी), भुवनेश्वर, ओडिशा, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

568. श्री ए.आर. एलबर्ट, उप निरीक्षक जी डी, अगरतला त्रिपुरा, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

569. श्री विजय पाल सिंह, उप निरीक्षक (जीडी), 45 बटालियन, बांदीपुरा जम्मू एवं कश्मीर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

570. श्री लखपत खान, उप निरीक्षक (जीडी), 89 बटालियन, बवाना, दिल्ली, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

571. श्री बने सिंह यादव, उप निरीक्षक (जीडी), 173 बटालियन, दीमापुर नागालैंड, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

572. श्री शंकर कुमार झा, उप निरीक्षक (जीडी), राजगीर, नालंदा बिहार, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

573. श्री राम अवतार, सहायक उप निरीक्षक (जीडी), 89 बटालियन, बवाना दिल्ली, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

574. श्री कृष्ण मुरारी प्रसाद, सहायक उप निरीक्षक (जीडी), धुर्वा, रांची, झारखंड, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

575. श्री रतन लाल, सहायक उप निरीक्षक (जीडी), बारसूर दांतेवाड़ा छत्तीसगढ़, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

576. श्री प्रदीप कुमार तडीकावन, सहायक उप निरीक्षक (जीडी), गढ़ चिरौली, महाराष्ट्र, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

577. श्री शेषनाथ सिंह, हेड कांस्टेबल (जीडी), नारायणपुर, छत्तीसगढ़, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

578. श्री गणेश चन्द्र हीरा, हेड कांस्टेबल (जीडी), बीजापुर, छत्तीसगढ़, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

579. श्री रवेन्द्र सिंह, हेड कांस्टेबल (जीडी), नूनमती, गुवाहाटी, असम, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

580. श्री मो. आगा मियां, कांस्टेबल (जीडी), रंगरेड्डी, तेलंगाना, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

581. श्री जयबीर सिंह, निरीक्षक (तकनीकी), झाडोदा कलां, नई दिल्ली, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

582. श्री शिव दयाल मिश्रा, निरीक्षक (आरमोरर), रामपुर, उत्तर प्रदेश, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

583. श्री दमबर बहादुर, उप निरीक्षक (बैंड), मुजफ्फरपुर बिहार, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

584. श्री बिशु सुत्राधार, हेड कांस्टेबल (कारपेंटर), अगरतला, त्रिपुरा, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

585. श्री दिवान सिंह मेहता, उप निरीक्षक (एम एम), जगदलपुर, बस्तर, छत्तीसगढ़, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

586. श्री सावन्ती टुडु, हेड कांस्टेबल (ड्राइवर), श्रीनगर, जम्मू एवं कश्मीर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

587. श्री शेख कामिल, हेड कांस्टेबल (दर्जी), मुजफ्फरपुर, बिहार, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

588. श्री गोपाल सेन, कांस्टेबल (बारबर), 33 बटालियन, जम्मू, जम्मू एवं कश्मीर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

589. श्री अच्छे लाल राम, कांस्टेबल (कुक), 89 बटालियन, बवाना, दिल्ली, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

590. श्री भूप सिंह, कांस्टेबल (मोची), केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल अकादमी, कादरपुर गुडगांव, हरियाणा, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

591. श्री फूलेन्द्र राम, कांस्टेबल (सफाई कर्मचारी), डाल्टनगंज, झारखंड, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

592. श्री रामकेवल, कांस्टेबल (वाटर कैरियर), जोरहाट, असम, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

593. श्री सूरज मल, कांस्टेबल, (वाशर मैन), इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

594. श्री ए. कलाईमनी, लैब टैक्निशियन, कम्पोजिट हॉस्पिटल, चेन्नई तमिलनाडु, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

595. सुश्री मीरा पूर्ति कुन्डू, सिस्टर इंचार्ज, कम्पोजिट हॉस्पिटल, धुर्वा, रांची, झारखंड, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

596. श्री राजेन्द्र प्रसाद, सहायक कमांडेंट (अनुसचिवीय), बल मुख्यालय, नई दिल्ली, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

597. श्री मोहिन्द्र सिंह, सहायक कमांडेंट, बल मुख्यालय, नई दिल्ली, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल,

598. श्री रमेश कुमार, सहायक कमांडेंट (अनुसचिवीय), जम्मू, जम्मू एवं कश्मीर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

599. सुश्री संजू लता पांडा, उप निरीक्षक (जीडी) महिला ग्रुप सेंटर, भुवनेश्वर, ओडिशा, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

600. श्री अशोक कुमार नाथ, उप कमांडेंट, झडौदा कलां, नई दिल्ली, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

601. श्री समीर सदानंद इलमे, उप निदेशक, आसूचना ब्यूरो मुख्यालय, नई दिल्ली गृह मंत्रालय

602. सुश्री सत्यप्रिया सिंह, उप निदेशक, एसआईबी दिल्ली, गृह मंत्रालय

603. श्री रूपिन्द्र सिंह, उप निदेशक, आईबी मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय

604. श्री बिधु शेखर, उप निदेशक, आईबी, रांची, गृह मंत्रालय

605. श्री रमेश चन्द्र सेमवाल (टेक्नीकल) संयुक्त उप निदेशक, आईबी मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय

606. श्री शंभू नारायण चोधरी, सहायक निदेशक, आईबी मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय

607. श्री ओम प्रकाश श्रीवास्तव, सहायक निदेशक, आईबी मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय

608. श्री सुधीर चन्द्र रोहिदास, सहायक निदेशक, एसआईबी, बोकारो, गृह मंत्रालय

609. श्री चिविकुला श्री रामचन्द्र मूर्ति, सहायक निदेशक, एसआईबी विजयवाड़ा, गृह मंत्रालय

610. श्री अरविन्द कुमार हरिन्द्रनाथन नायर, सहायक निदेशक, आईबी पणजी, गृह मंत्रालय

611. श्री अद्या प्रसाद पाण्डेय, आई बी मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय

612. श्री शशीश कुमार मिश्र, सहायक निदेशक, आई बी मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय

613. श्री सुनिल कुमार झा, डीसीआईओ, आई बी मुख्यालय नई दिल्ली, गृह मंत्रालय

614. श्री सुभाशीष मैती, डीसीआईओ, (मुंगेर), बिहार, गृह मंत्रालय

615. श्री सूदेश चन्द्रकांत सावंत, डीसीआईओ, नासिक, गृह मंत्रालय

616. श्री राजेश कुमार, डीसीआईओ, श्रीनगर, (जम्मू एवं कश्मीर), गृह मंत्रालय

617. श्री जगनाथ उपाध्याय, डीसीआईओ, आईबी, गुवाहाटी, गृह मंत्रालय

618. श्री जमाल अहमद खान, डीसीआईओ, आई बी मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय

619. श्री अजय सिंह तंवर, डीसीआईओ, जोधपुर, गृह मंत्रालय

620. श्री निर्मल चन्द्र ब्लहाटिया, डीसीआईओ, आई बी मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय

621. श्री गिरधर स्वरूप राव, डीसीआईओ, भरूच, गुजरात, गृह मंत्रालय

622. श्री मुक्तिकांत नायक, अनुभाग अधिकारी, आई बी मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय

623. श्री गोपाल कृष्णन मुरली, निजी सचिव, आई बी मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय

624. श्री देश डे, एसी आई ओ-।।/जी, शिलांग, गृह मंत्रालय

625. श्री रमन देब्बारमा, एसी आई ओ-।।/जी, शिलांग, गृह मंत्रालय

626. श्री येशुपाठम पॉल जयकुमार, एसीआईओ-।।/डब्ल्यूटी चेन्नई, गृह मंत्रालय

627. डॉ. नवीन राम महानिरीक्षक (चिकित्सा), रेफरल हॉस्पिटल, टिगरी कैंप, नई दिल्ली, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस

628. श्री ओम प्रकाश यादव, उप महानिरीक्षक, बल मुख्यालय, नई दिल्ली, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस

629. श्री विजय कुमार सिंह, उप महानिरीक्षक, बल मुख्यालय, नई दिल्ली, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस

630. श्री अविनाश, कमांडेंट, बल मुख्यालय, नई दिल्ली, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस

631. श्री संजय कोठारी, कमांडेंट, सबोली कैंप, सोनीपत हरियाणा, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस

632. श्री बलबीर सिंह, उप कमांडेंट, बल मुख्यालय, नई दिल्ली, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस

633. श्री तपन कुमार, सुबेन्द्र मेजर, बीटीसी, भानु, पंचकुला हरियाणा, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस

634. श्री बालमराम, निरीक्षक (जीडी), 29वीं बटालियन, जबलपुर मध्य प्रदेश, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस

635. श्री राजकुमार, निरीक्षक (जीडी), 29वीं बटालियन, पापुमपारे, अरूणाचल प्रदेश, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस

636. श्री जोत सिंह, निरीक्षक (जीडी), जोशीमठ, उत्तराखंड, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस

637. श्री टी.डी.सुरेश कुमार, निरीक्षक (संचार), 27वीं बटालियन, अलापुझा, केरल, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस

638. श्रीमती शकुन्तला गुप्ता, निरीक्षक (ईएससी), बीटीसी पंचकुला, हरियाणा, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस

639. श्री जसपाल सिंह रावत, उप निरीक्षक, (जीडी), बल मुख्यालय, नई दिल्ली, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस

640. श्री राजेन्द्र सिंह रावत, उप निरीक्षक (आरमरर), 46वीं बटालियन, राय बरेली, उत्तर प्रदेश, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस

641. श्री विकास मोहन सिंह, ग्रुप कमांडर, बल मुख्यालय, पालम, नई दिल्ली, राष्ट्रीय सुरक्षा गारद

642. श्री धर्मेन्द्र नारायण लाल, ग्रुप कमांडर, बल मुख्यालय, पालम, नई दिल्ली, राष्ट्रीय सुरक्षा गारद

643. श्री शेलेन्द्र प्रसाद बालुनी, टीम कमांडर, बल मुख्यालय, पालम, नई दिल्ली, राष्ट्रीय सुरक्षा गारद

644. श्री तरसेम लाल डडवाल, सहायक कमांडर-। (अनुसचिवीय), बल मुख्यालय पालम, नई दिल्ली, राष्ट्रीय सुरक्षा गारद

645. श्री भोपाल सिंह मेहता, सहायक कमांडर-। (पीए), बल मुख्यालय, पालम, नई दिल्ली, राष्ट्रीय सुरक्षा गारद

646. श्री नरेन्द्र सिंह पठानिया, सहायक कमांडर।। (अनुसचिवीय) बल मुख्यालय, पालम, नई दिल्ली, राष्ट्रीय सुरक्षा गारद

647. श्री बल राम सिंह जसवाल, कमांडेंट, 24 बटालियन, नन्दनी नगर, छत्तीसगढ़, सशस्त्र सीमा बल

648. श्री मनमोहन सिंह, कमांडेंट, 25 बटालियन, घिटोरनी, दिल्ली, सशस्त्र सीमा बल

649. श्री रामपालद सिंह, कमांडेंट, 31 बटालियन, कोकराझार, असम, सशस्त्र सीमा बल

650. श्री प्रेमा दास, सहायक कमांडेंट, 41 बटालियन, सशस्त्र सीमा बल

651. श्री निरोन डेका, सहायक कमांडेंट, (जीडी), रंगरेठ, जम्मू एवं कश्मीर, सशस्त्र सीमा बल

652. श्री रिंगजिन ओजर, सहायक कमांडेंट (अनुसचिवीय), बल मुख्यालय, दिल्ली, सशस्त्र सीमा बल

653. श्री ज्ञानचन्द, जेएओ, लोहाघाट, उत्तराखंड, सशस्त्र सीमा बल

654. श्री सुशांता मोय दास, एसएओ, बोगाईगांव असम, सशस्त्र सीमा बल

655. श्री प्रमोद कुमार पाण्डे, अनुभाग अधिकारी,बल मुख्यालय, दिल्ली, सशस्त्र सीमा बल

656. श्रीमती विजय लक्ष्मी, पी.एस., सहायक, बल मुख्यालय, नई दिल्ली,सशस्त्र सीमा बल

657. श्री रामानंदा दत्ता, निरीक्षक (अनुसचिवीय), बोगाईगांव असम, सशस्त्र सीमा बल

658. श्री कृष्णानंद बहुगुणा, डीएफओ, (आरमोरर), एसएसबी अकादमी, श्रीनगर, गढ़वाल, उत्तराखंड, सशस्त्र सीमा बल

659. श्री मदनलाल, एएफओ (वेटी), बल मुख्यालय, दिल्ली, सशस्त्र सीमा बल

660. श्री कीरत राम खाची, एएफओ (एम), श्रीनगर, जम्मू एवं कश्मीर, सशस्त्र सीमा बल

661. श्री इंद्रेश कुमार यादव, एसएसओ, एसपीजी मुख्यालय, नई दिल्ली, विशेष सुरक्षा दल

662. श्री केकेवी रेड्डी, एसओ-I (एम), एसपीजी मुख्यालय, नई दिल्ली, विशेष सुरक्षा दल

663. श्री अतुल शर्मा, एसओ-I (एम), एसपीजी मुख्यालय नई दिल्ली, विशेष सुरक्षा दल

664. श्री जोस पी., एसएसए, एसपीजी मुख्यालय, नई दिल्ली, विशेष सुरक्षा दल

665. श्री समीर बैद्य, एसएसए (एमटी),एसपीजी मुख्यालय, नई दिल्ली, विशेष सुरक्षा दल

666. श्री मोहनन पी. एसएसए (एमटी),एसपीजी मुख्यालय, नई दिल्ली, विशेष सुरक्षा दल

667. श्री लालु लामा, एचसी (एमटी), उमियाव मेघालय, पूर्वोत्तर पुलिस अकादमी

668. श्री सुल्तान अहमद, पुलिस अधीक्षक, दिल्ली, पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो

669. श्री नीतिश कुमार बैनर्जी, अनुभाग अधिकारी, दिल्ली, पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो

670. श्री गगनदीप सिंह, उप पुलिस अधीक्षक, सीडीटीएस, चंडीगढ़, पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो

671. श्री पी.वी. गिरिवासन, आसूचना अधिकारी, एनसीबी मुख्यालय, नई दिल्ली, स्वापक नियंत्रण ब्यूरो

672. श्रीमती कामिनी शाह, सहायक निदेशक, नई दिल्ली, राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो

673. श्री पवन भारद्वाज, संयुक्त सहायक निदेशक, नई दिल्ली, राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो

674. श्री काविलधिकाराकुन्नाथु पुथंनवीटील उदयशंकर, कनिष्ठ स्टाफ अधिकारी, नई दिल्ली, राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो

675. श्री दिनेश चन्द्र पाण्डे, डाटा प्रोसेसिंग सहायक, नई दिल्ली, राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो

676. श्रीमती दीपा पांडे, प्रशासनिक अधिकारी, दिल्ली-85, एलएनजेएन एनआईसीएफएस

677. श्री रवि सिंह, निरीक्षक, नई दिल्ली, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग

678. श्री नितीश कुमार, उप महानिरीक्षक, एनआईए मुख्यालय, नई दिल्ली राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण

679. श्री अजय कुमार चतुर्वेदी, निरीक्षक, एनआईए ब्रांच आफिस, लखनउ, राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण

680. श्री सैयद मुश्लिम राजा रिजवी, निरीक्षक, एनआईए ब्रांच आफिस, लखनउ, राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण

681. श्री कृष्ण चन्द्र मिश्र, सहायक उप निरीक्षक, एनआईए ब्रांच आफिस लखनउ, राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण

682. श्री दिनेश प्रताप सिंह, सहायक उप निरीक्षक, एनआईए ब्रांच आफिस लखनउ, राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण

683. श्री विजय कुमार जगन्नाथ डोके, हेड कांस्टेबल, एनआईए ब्रांच आफिस, मुम्बई, राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण

684. श्री अन्ना जालींदर तांबे, हेड कांस्टेबल, 5वीं बटालियन, पुणे, महाराष्ट्र, एनडीआरएफ

685. श्री खेम बहादुर गुरंग, हेड कांस्टेबल (चालक) 01 बटालियन, गुवाहाटी, असम, एनडीआरएफ

686. श्री हरि किशोर कुशुमाकर, उप निदेशक, हैदराबाद, एसवीपीएनपीए

687. श्री गोडुगुलुरि श्रीनिवास राव, उप निदेशक, हैदराबाद, एसवीपीएनपीए

688. श्री विपुल कुमार, सहायक निदेशक, हैदराबाद, एसवीपीएनपीए

689. श्री ईर्नि श्रीनिवास राव, निरीक्षक (आशुलिपिक) हैदराबाद, एसवीपीएनपीए

690. श्री राजेश कुमार, निरीक्षक, हैदराबाद, एसवीपीएनपीए

691. श्री पेनुकोन्डा सुरेश कुमार, उप निरीक्षक, हैदराबाद, एसवीपीएनपीए

692. श्री बुधिनाथ शर्मा, उप निरीक्षक, हैदराबाद, एसवीपीएनपीए

693. श्री कुलवंत सिंह, उप निरीक्षक, हैदराबाद, एसवीपीएनपीए

694. श्री छल्ला भाष्कर रेड्डी, हेड कांस्टेबल, हैदराबाद, एसवीपीएनपीए

695. श्री साजी कुमार एस. कांस्टेबल, हैदराबाद, एसवीपीएनपीए

696. श्री दीपक कुमार केडिया, निदेशक (एलडब्ल्यूईओ-।।), नई दिल्ली, गृह मंत्रालय,

697. श्री आदित्य अवस्थी, सहायक सतर्कता अधिकारी, आईआरसीटीसी, नई दिल्ली, रेल मंत्रालय

698. श्री सुनील कुमार गुप्ता, निरीक्षक, कानपुर सेंट्रल, रेल मंत्रालय

699. श्री दीपक सिंह चौहान, निरीक्षक, गोरखपुर, रेल मंत्रालय

700. श्री सत्यप्रकाश शर्मा, उप निरीक्षक, आरपीएसएफ, एमएलवाई, रेल मंत्रालय

701. श्री शेख शब्बीर अहमद, उप निरीक्षक, सीएससी ऑफिस, मुम्बई, रेल मंत्रालय

702. श्री तपश कुमार चटर्जी, उप निरीक्षक (अनुसचिवीय), आरपीएसएफ धनबाद, रेल मंत्रालय

703. श्री प्रेम चन्द शर्मा, उप निरीक्षक (क्राइम सेल) बिलासपुर, रेल मंत्रालय

704. श्री एम जयरमन, सहायक उप निरीक्षक, चेन्नई, रेल मंत्रालय

705. श्री राजपाल मीना, सहायक उप निरीक्षक, रेल भवन, रेल मंत्रालय

706. श्री कमलेश कुमार गौतम, सहायक उप निरीक्षक (आरमोरर), सीएससी ऑफिस जबलपुर, रेल मंत्रालय

707. श्री मोहम्मद अहमद, हेड कांस्टेबल, एनसीआर मुख्यालय इलाहाबाद, रेल मंत्रालय

708. श्री हरी शंकर झा, हेड कांस्टेबल, आरपीएफ अकादमी, लखनऊ, रेल मंत्रालय

709. श्री संदीप कुमार शाहा, हेड कांस्टेबल, नरकेलडंगा कारशिद पोस्ट, रेल मंत्रालय

710. श्री मकबूल हुसैन, कांस्टेबल, मालदा, रेल मंत्रालय

711. श्री प्रदीप मुखोपाध्याय, कांस्टेबल, मालदा, रेल मंत्रालय

712. श्री एम श्रीनिवास राव, टेलर-एमसीएम, आरपीएसएफ, टीपीजे, रेल मंत्रालय

2. ये पुरस्कार सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक प्रदान करने को शासित करने वाले नियम के नियम 4 (ii) के अंतर्गत दिए जा रहे हैं।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

दिनांक 1 जुलाई 2015

सं. 43-प्रेज/2015—राष्ट्रपति, आंध्र प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

1. सीएच.राम प्रसाद,
कनिष्ठ कमांडो

2. एम. राम बाबू,
कनिष्ठ कमांडो

3. के. पुरुषोत्तम,
कनिष्ठ कमांडो

4. आर. रमेश,
कनिष्ठ कमांडो

5. एम. राजू,
कनिष्ठ कमांडो

6. एस. रवि,
वरिष्ठ कमांडो

7. वी. बाबू सिंह,
वरिष्ठ कमांडो

8. बी. विनायक राव,
रिजर्व उप-निरीक्षक

9. टी. श्रीनू,
रिजर्व उप-निरीक्षक

10. टी. सुरेश,
उप-निरीक्षक

11. बी. शंकरैया,
रिजर्व निरीक्षक

12. पी. बालाकृष्ण,
कनिष्ठ कमांडो

13. एम. रोसैया,
रिजर्व उप-निरीक्षक

14. एस. हरि प्रसाद,
रिजर्व उप-निरीक्षक

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

आंध्र प्रदेश-छत्तीसगढ़ सीमा के निकट कम्पनियों और बटालियनों के रूप में माओवादियों की बड़े स्तर पर आवाजाही की विश्वसनीय सूचना मिलने पर, एक पुलिस उप-निरीक्षक, येरूपलेम पुलिस स्टेशन, खम्माम जिले के साथ ग्रेहाउन्डस की 5 हमला यूनिटें तैनात की गईं। हमला यूनिटों को बारूदी सुरंगों और सशस्त्र उग्रवादियों वाले घने जंगलों के बीच रात्रि में 40 किमी. के कठिन क्षेत्र में पैदल चलना पड़ा। यह क्षेत्र चिन्तलनार के नजदीक है जहां वर्ष 2010 में माओवादियों द्वारा सीआरपीएफ के 76 कार्मिकों की हत्या कर दी गई थी।

दिनांक 16.04.2013 को, जब हमला यूनिटों ने मुख्य क्षेत्र में प्रवेश किया, तो एक कंपनी की संख्या वाले शत्रु ने पुलिस दल को देख लिया और ऑटोमेटिक राइफलों से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी तथा आईईडी का विस्फोट भी किया। गोलीबारी करने के लिए नीचे लेटने की पोजीशन लेने के बजाए, यूनिट के सदस्यों ने गोलीबारी की परवाह किए बगैर बहादुरी के साथ शत्रुओं पर हमला कर दिया और अपेक्षित कर्तव्य से अधिक असाधारण साहस और प्रतिबद्धता के साथ अपनी जान को आसन्न खतरे में डालकर एक राज्य समिति सदस्य, दो जिला समिति सचिवों, दो एरिया समिति सदस्यों सहित उच्च स्तर के माओवादी कैडरों (09) को मार गिराया और अनेक माओवादियों को घायल कर दिया तथा 4-इन्सास और 4-एसएलआर सहित 13 हथियार भी बरामद किए।

अगले दिन, हमला यूनिटों को भट्टीगुडा गांव से हेलिकाप्टर द्वारा निकाला गया, जो गोलीबारी के स्थल से 8किमी. पश्चिम में है। लगभग 60-70 नक्सलियों ने हेलिकाप्टर पर गोलीबारी की जो कमांडो (19) को लाने के लिए अंतिम उड़ान पर था। अन्य कार्मिकों के साथ क्रम सं. 1 से 10 तक नामित व्यक्ति हेलिकॉप्टर पर चढ़ गए जबकि रिजर्व निरीक्षक स्वर्गीय श्री प्रसाद बाबू के साथ क्रम सं. 11 से 14 तक नामित कार्मिकों (5) ने पोजीशन संभाल ली और गोलीबारी का जवाब दिया और नक्सलियों को दूर रखा तथा अन्य कमांडो को हेलिकाप्टर पर चढ़ने में सहायता प्रदान की। तथापि, हेलिकाप्टर के पायलट ने बिना किसी पूर्व चेतावनी के उड़ान भर ली जिससे कमांडो (5) घने जंगल में ही रह गए। नक्सलियों ने नामित व्यक्तियों का पीछा किया और उन्हें घेर लिया तथा उन पर गोलीबारी आरंभ कर दी। तथापि, नामित व्यक्तियों ने धैर्य और दृढ़ता के साथ जबाव दिया। इस निराशाजनक और असमान लड़ाई में, रिजर्व निरीक्षक प्रसाद बाबू दुश्मन की गोली का शिकार हो गए, लेकिन बाकी सदस्य वीरतापूर्वक शत्रु के आक्रमण को रोकने में सफल रहे और आंध्र प्रदेश की सीमा पर पहुंचने के लिए वन क्षेत्र में लगभग 40 कि.मी. पैदल चले।

प्रत्येक नामित व्यक्ति द्वारा की गई संक्षिप्त कार्रवाई निम्नलिखित है:-

क्र.सं.	नामित व्यक्ति का नाम	गुणात्मक योगदान
I	बी. विनायक राव	1 किमी. तक वीरतापूर्वक 2 माओवादियों पर धावा बोला और गोलियों की बौछार का सामना करते हुए 1 पुरुष माओवादी को निष्क्रिय किया तथा एक .303 राइफल बरामद की।
II	टी. श्रीनू	एक उप समूह का नेतृत्व किया और गोलीबारी की तथा प्रतिकूल पोजीशन में होने के बावजूद गोलियों की बौछार का सामना करते हुए एक महिला माओवादी को निष्क्रिय किया और एक .303 राइफल बरामद की।
III	एस. रवि, एससी	एक अन्य कमांडो के साथ साहस के साथ गोलीबारी की और दो महिला माओवादियों को निष्क्रिय किया तथा 01 इन्सास और एक .303 राइफल बरामद की।
IV	वी. बाबू सिंह, एससी	
V	सीएच. राम प्रसाद, जेसी	तीन अन्य कनिष्ठ कमांडो के साथ वीरतापूर्वक मुकाबला किया और पीछा किया तथा 2 माओवादियों को निष्क्रिय किया और 3 एसएलआर, 01 कारबाइन आदि बरामद की।
VI	एम. रामबाबू, जेसी	
VII	के. पुरुषोत्तम, जेसी	
VIII	आर. रमेश, जेसी	इन्होंने एक अन्य कनिष्ठ कमांडो के साथ मुकाबला किया और पीछा किया तथा एक पुरुष माओवादी को निष्क्रिय किया और 1 एसएलआर बरामद की।
IX	एम. राजू, जेसी	इन्होंने अकेले ही 1.5 किमी. तक 12 माओवादियों के एक दल का सामना किया और उनका पीछा किया और 4 अन्य कनिष्ठ कमांडो की सहायता से 2 माओवादियों को निष्क्रिय किया और 02 एसएलआर तथा एक .303 राइफल बरामद की।
X	टी. सुरेश, उप-निरीक्षक आर. आई	इन्होंने दो कमांडो के साथ वीरतापूर्वक सामना किया और पीछा किया तथा 3 माओवादियों को निष्क्रिय किया।
XI	बी. शंकरैया, आर. आई.	नामित व्यक्तियों ने जवाबी गोलीबारी के द्वारा 14 लोगों की जान और हेलिकॉप्टर को बचाया और नक्सलियों से साहसपूर्वक लड़ने के अलावा नक्सलियों को बिल्कुल दूर रखा, जिन्होंने उन्हें घेर लिया था। तथापि, इस प्रक्रिया में उनमें से एक अधिकारी की मौत हो गई।
XII	एम. रोसैया, आर. एस. आई.	
XIII	एस. हरि प्रसाद, आर. एस. आई.	
XIV	बालाकृष्ण पांडा जे. सी.	

बरामदगी

एसएलआर-4, कारबाइन-1, पिस्तौल-1, तमंचा-1, मैगजीन-6, कारबाइन मैगजीन-1, ए के मैगजीन-2, एसएलआर राउंड-55, ए के राउंड-20, इन्सास-4, .303-2 और एसबीएल-1

इस मुठभेड में सर्व/श्री सीएच.राम प्रसाद, कनिष्ठ कमांडो, एम. राम बाबू, कनिष्ठ कमांडो, के. पुरुषोत्तम, कनिष्ठ कमांडो, आर. रमेश, कनिष्ठ कमांडो, एम. राजू, कनिष्ठ कमांडो, एस. रवि, वरिष्ठ कमांडो, वी. बाबू सिंह, वरिष्ठ कमांडो, बी. विनायक राव, रिजर्व उप-निरीक्षक, टी. श्रीनू रिजर्व उप-निरीक्षक, टी. सुरेश, उप-निरीक्षक, बी. शंकरैया, रिजर्व निरीक्षक, पी. बालाकृष्ण कनिष्ठ कमांडो, एम. रोसैया, रिजर्व उप-निरीक्षक, एस. हरि प्रसाद, रिजर्व उप-निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, राष्ट्रपति का पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरुप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 16.04.2013 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 44-प्रेज/2015-राष्ट्रपति, अरुणाचल प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

1. देवेन्द्र आर्य,
पुलिस अधीक्षक

2. निकोम रिबा,
निरीक्षक

3. नानी नामु,
उप-निरीक्षक

4. तेलांग बुकर,
उप निरीक्षक

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 29 अप्रैल, 2014 को सांय लगभग 7 बजे डेइंग इरिंग वन्य जीव अभ्यारण्य के अंदर पारंतुग क्षेत्र के निकट संदिग्ध उग्रवादी कैडर ने एक स्थानीय व्यापारी श्री केशव पांडे, उम्र-65 वर्ष का उनके मवेशी फार्म से अपहरण कर लिया था।

दिनांक 01 मई, 2014 को सांय लगभग 8.11 बजे पीड़ित के मोबाइल पर एक फोन आया जिसमें सूचित किया गया कि वह उनकी हिरासत में है और सुरक्षित है। दिनांक 02 मई को दुबारा सुबह लगभग 6.00 बजे एक फोन आया जिसमें श्री केशव पांडे को छोड़ने के लिए 50 लाख रु. की मांग की गई। फोन करने वालों ने मांग को पूरा करने के लिए 48 घंटे की समय-सीमा दी, अन्यथा पीड़ित को मार दिया जाएगा।

पुलिस के गुप्त स्रोतों को तुरंत तैयार किया गया। इसी बीच दलों ने टावर के स्थानों का पता लगाकर और काल लिस्ट का सत्यापन करके फिरौती की मांग के लिए उपयोग किए गए मोबाइल नम्बरों पर कार्य करना आरंभ किया।

दिनांक 02 मई, 2014 को गुप्त सूचना और पकड़े गए एनडीएफबी कैडर से की गई पूछताछ के आधार पर, श्री केशव पांडे को बचाने के लिए एक अभियान शुरू करने का निर्णय लिया गया। ओसी/पीएस पासीघाट निरीक्षक निकोम रिबा, उप-निरीक्षक एन. नामा, उप-निरीक्षक टी. बुकर, सीआरपीएफ के 16 कार्मिकों और 5वीं आईआर बटालियन/एएपी के 22 कार्मिकों के साथ पुलिस अधीक्षक/ईस्ट सियांग श्री देवेन्द्र आर्य, आईपीएस की अध्यक्षता में एक दल का गठन किया गया। पुलिस अधीक्षक ईस्ट सियांग ने अभियान के प्रमुख उद्देश्यों के बारे में दल को बताया। इसके अलावा, इन्हें एनडीएफबी कैडर और उनके पास हथियार होने की संभावना के बारे में भी बताया गया।

पुलिस दल ने 2200 बजे पुलिस स्टेशन पासी घाट से प्रस्थान किया। असम पुलिस को जीडी सं. 35 दिनांक 02.05.2014, समय 2230 बजे, पुलिस स्टेशन जोनाई के द्वारा विधिवत रूप से सूचित किया गया था। एक घंटा 30 मिनट की यात्रा के बाद दल निर्दिष्ट स्थान पर पहुंच गया। पहला उद्देश्य उस कट-ऑफ/सतर्क दल को निष्क्रिय करना था, जो छिपने के स्थान की ओर सुरक्षा बल की किसी भी आवाजाही पर निगरानी रखता है। ऐसा आकस्मिक और गांव वालों को सतर्क किए बिना करना था, जो अधिकांशत: बोडो हैं और एनडीएफबी के ओजीडब्ल्यू/सम्पर्क व्यक्ति हो सकते हैं।

यह कार्य उप-निरीक्षक एन. नामा और सीआरपीएफ की एक टुकड़ी के साथ ओसी/पीएस पासीघाट के छोटे दल को सौंपा गया। दल ने चक्करदार मार्ग लेकर गांव को बाइपास करके चलना आरंभ किया और शीघ्र ही कच्चे मार्ग पर 2 व्यक्तियों को देखा जो जंगल क्षेत्र की ओर जाता है। पूरी सावधानी के साथ वे उनकी ओर बढ़े और पीछे से आकर उन्हें निष्क्रिय कर दिया और उन्हें अपनी हिरासत में ले लिया। उन दोनों की पहचान राजीव नरजारी पुत्र मेजिन नरजारी और सुरेश बासुमत्री पुत्र दिनेश बासुमत्री के रूप में हुई।

एक बार सही स्थान का पता चल जाने पर, पुलिस अधीक्षक/ईस्ट सियांग, श्री देवेन्द्र आर्य, आईपीएस ने संदिग्ध क्षेत्र को प्रभावी रूप से घेरने के लिए पुलिस दल को तीन दलों में विभाजित किया। उप-निरीक्षक एन. नामा और उप-निरीक्षक टी. बुकर के नेतृत्व वाले दलों को संदिग्ध क्षेत्र की उचित घेराबंदी करने का कार्य सौंपा गया। ओसी/पीएस पासीघाट, निरीक्षक निकोम रिबा के साथ पुलिस अधीक्षक/ईस्ट सियांग श्री देवेन्द्र आर्य, आईपीएस के नेतृत्व वाले दल को पीड़ितों को बचाने के लिए छिपने के ठिकाने पर धावा बोलना था। पहले ही 0115 का समय हो चुका था। घेराबंदी करने वाले दल को पहले चलने के लिए कहा गया। 0130 बजे श्री देवेन्द्र आर्य अपने दल के साथ छिपने के ठिकाने की ओर बढ़े।

हल्की सी बारिश हो रही थी, जिससे दल को अपनी आवाजाही को सतर्क एवं विवेकपूर्ण बनाए रखने में मदद मिली क्योंकि उनके चलने की कोई आवाज नहीं हो रही थी। जब दल छिपने के ठिकाने की ओर पहुंच रहा था, तभी उग्रवादियों ने छिपने के ठिकाने से उन पर गोलीबारी की। दल ने तुरंत कवर लिया। श्री देवेन्द्र आर्य, पुलिस अधीक्षक/ईस्ट सियांग ने समूह के आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, लेकिन उन्होंने इसका जवाब फिर से गोलीबारी करके दिया। इसके बाद, श्री देवेन्द्र आर्य, पुलिस अधीक्षक, ईस्ट सियांग ने दो स्टन ग्रेनेड फेंके। इसी बीच स्टन ग्रेनेडों से उत्पन्न शोरगुल का फायदा उठाकर पीड़ित ने घेरे की ओर भागना आरंभ किया। यह भांपकर कि उग्रवादी पीड़ित को हानि पहुंचा सकते हैं, ओसी/पीएस पासीघाट और उप-निरीक्षक एन. नामा तुरंत उसकी ओर दौड़े और जमीन पर लिटाकर उसे बचाया।

यह देखकर कि पीड़ित चला गया है और अपने आपको घिरा हुआ पाकर उग्रवादी दल ने अलग-अलग दिशाओं में भागना आरंभ कर दिया। साथ ही उन्होंने पुलिस दल पर गोलीबारी करना जारी रखा। पुलिस अधीक्षक/ईस्ट सियांग श्री देवेन्द्र आर्य और उनके दल ने तुरंत गोलीबारी का जवाब दिया और उनका पीछा करना आरंभ किया। पीछा करने के बाद श्री देवेन्द्र आर्य ने एक उग्रवादी को दबोच लिया। श्री देवेन्द्र आर्य के पीछे आ रहे आईआर बटालियन के जवानों ने उसे अपनी हिरासत में ले लिया। बाद में उसकी पहचान बोलिन बोरो पुत्र हुंगला बोरो के रूप में हुई।

इसी बीच उप-निरीक्षक टी. बुकर, जो घेरे में थे, ने भी उनका पीछा करना आरंभ किया और उनमें से एक को दबोचने में सफल रहे, बाद में जिसकी पहचान तेंगाना नरजारी पुत्र मोनीराम नरजारी के रूप में हुई। अंततः दल संजय मुशहरी उर्फ एम. संखांग उर्फ सोथल, एक खूंखार एनडीएफबी उग्रवादी, जिसने वर्ष 2010 में पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया था, लेकिन अभी भी सक्रिय था, सहित छह (6) अभियुक्तों को गिरफ्तार करने में सफल हुआ।

पीड़ित की रक्षा करने और पकड़े गए उग्रवादियों की उचित हिरासत सुनिश्चित करने के लिए भी उप-निरीक्षक टी. बुकर को एक दल के साथ छोड़कर, शेष दल ने क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाना जारी रखा। पूर्ण तलाशी के बावजूद तीन (3) उग्रवादी अंधेरे और काफी घने जंगल का फायदा उठाकर बच निकलने में कामयाब रहे।

एनडीएफबी एक खूंखार उग्रवादी संगठन है, जो असम के इन भागों में काफी सक्रिय है और सामूहिक हत्या सहित जघन्य और सनसनीखेज अपराधों को अंजाम देने के लिए जाना जाता है। फिरौती के लिए अपहरण और जबरन धन वसूली, धन एकत्र करने के एक साधन के साथ-साथ उनके डर को बनाए रखने का साधन है। एनडीएफबी (एस)/उग्रवादियों के खतरनाक रूप से सशस्त्र कैडर का सामना करने, अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा और भावी खतरों और परिणामों की परवाह न करने और उग्रवादियों के चंगुल से एक व्यक्ति को बचाने के लिए श्री देवेन्द्र आर्य, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक/ईस्ट सियांग जिला, ओसी/पीएस पासी घाट, निरीक्षक एन. रिबा, उप-निरीक्षक एन. नामू और उप-निरीक्षक टी. बुकर द्वारा किए गए इस बहादुरी के कार्य को सम्मानित किया जाना चाहिए।

बरामदगी

1. दो जिंदा कारतूसों के साथ .22 एम एम की एक पिस्तौल।

2. 9 एम एम के उपयोग किए गए चार खाली खोखे।

3. .22 एम एम के उपयोग किए गए छह खाली खोखे।

इस एक्शन में सर्व/श्री देवेन्द्र आर्य, पुलिस अधीक्षक, निकोम रिबा, निरीक्षक, नानी नामु, उप-निरीक्षक और तेलांग बुकर, उप निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरुप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 02.05.2014 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 45-प्रेज/2015- राष्ट्रपति, बिहार पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

1. विनय कुमार,
पुलिस अधीक्षक

2. रंजन कुमार,
उप निरीक्षक

3. दिलीप कुमार,
उप निरीक्षक

4. रवि कुमार,
उप निरीक्षक

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

यह घटना उन नामित व्यक्तियों के वीरतापूर्ण कार्य से संबंधित है जिन्होंने मोहम्मद अहमद सिदिबप्पा जरार उर्फ यासीन भटकल और असादुल्लाह अख्तर उर्फ डेनियल उर्फ हड्डी की गिरफ्तारी करते समय जान का खतरा होते हुए असाधारण साहस, सूझबूझ, कार्य-कौशल और अपेक्षित कर्तव्य से अधिक उत्सुकता का प्रदर्शन किया। यासीन भटकल अवैध संगठन इंडियन मुजाहिद्दीन का सह-संस्थापक (वर्ष 2003-04 में) था और अपनी गिरफ्तारी होने तक बाटला हाउस मुठभेड़ (वर्ष 2008 में) के बाद भारत में इसका आपरेशनल मुखिया था। इसी प्रकार, असादुल्लाह अख्तर आईएम समूह में एक सबसे अधिक सक्रिय और वांछित आतंकवादी था। ये दोनों आक्रामक भर्ती करने वाले, मुख्य प्रेरक और प्रशिक्षक, आईईडी का संग्रह करने और उन्हें लगाने वाले, संभार उपलब्धकर्ता, प्रधान षडयंत्रकारी होने के साथ-साथ समूचे भारत में आतंकी हमलों के वास्तविक निष्पादक थे।

यासीन भटकल और असादुल्लाह अख्तर के पास से दो लैपटॉप, मोबाइल फोनों, डीवीडी, पेनड्राइव और अन्य दस्तावेजों की बरामदगी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी कि आतंकवादियों की गिरफ्तारी है। उन्होंने बहुतायत सूचना उपलबध कराई जो न केवल स्वदेशी आतंकी मॉडयूलों, बल्कि पाकिस्तान की आईएसआई द्वारा समर्थित और संचालित जिहाद फैक्ट्रियों और लश्करे-तैयबा, हूजी, अल-कायदा जैसे अन्य अंतर्राष्ट्रीय आतंकी समूहों से संबंधित महत्वपूर्ण सूचना का भंडार हैं। इसने कराची परियोजना में बहुमूल्य जानकारी उपलब्ध कराई है, जिसकी योजना भारत की सुरक्षा और अर्थव्यवस्था को अस्थिर करना है। इसने ऐसे साक्ष्य उपलब्ध कराए हैं जिनके माध्यम से आईएसआई की कार्य योजना के कपटपूर्ण खंडन को चुनौती दी जा सकती है।

यह अभियान अकेला नहीं था बल्कि अनेक सूचनाओं और आसूचनाओं के संग्रहण, पुष्टिकरण और सह-संबंध और छिपने के संभावित ठिकानों की टोह और वास्तविक गिरफ्तारियों जैसे सतत और दृढ़ आयोजना तथा युक्तिपूर्ण अभियान की श्रृंखलाओं का परिणाम था। यह गिरफ्तारी सतर्क, अतिसावधानीपूर्ण और नपीतुली योजना और निष्पादन का परिणाम था जहां प्रत्येक सूचना को अभियान के अनेक भागीदारों और संभावित मददगारों के बीच सहयोग के साथ बुद्धिमतापूर्ण और सावधानीपूर्ण तैयार एवं विकसित करके जारी रखा गया। चौंकाने वाले तत्वों, छद्मावरण और छल का उपयोग किया गया। पुलिस अधीक्षक, मोतीहारी ने स्वयं अभियान का नेतृत्व किया, जिसमें निम्नलिखित कारणों से खतरा ही खतरा था:

- यासीन भटकल (2005 में) और असादुल्लाह अख्तर (2010 में) दोनों को युद्ध कौशल, आधुनिक हथियारों, विस्फोटकों और आईईडी को चलाने में पाकिस्तान की आईएसआई द्वारा प्रशिक्षित किया गया है। बाटला हाउस मुठभेड़ गिरफ्तार होने के भय से आतंकी समूह की निराशा का परिणाम है।
- यासीन भटकल को स्लीपर सेल और प्रेरित अतिवादी युवाओं के मॉड्यूल विकसित करने की योग्यता के लिए जाना जाता है। यह महत्वपूर्ण है कि वह डेढ़ वर्ष से अधिक समय से (फरवरी, 2012 से) गिरफ्तारी के स्थान के निकट रह रहा था। उसके समर्पित अनुयायियों द्वारा भागीदारों के देखे जाने की काफी संभावना थी जिन्हें उसने जिहाद के लिए पहले ही प्रेरित किया था।
- यासीन भटकल और असादुल्लाह अख्तर सीधे आईएसआई की छत्रछाया में रह रहा था जिसके पास सभी संसाधन उपलब्ध हैं। आईएसआई संचालकों ने उनकी सहायता की, भड़काया और उनका परिपोषण किया।
- पूरे अभियान के दौरान जो, लगभग एक सप्ताह तक चला, छोटे समूह को आत्मरक्षा के लिए बिना हथियार और अन्य सुरक्षा गैजेट्स के संचालन करना पड़ा।
- कठिन अभियान में संभावित मददगार विरोधी शत्रु के हाथों में अभियान के भागीदारों का फंसा सकते थे। उनकी विश्वसनीयता और निष्ठा का पता नहीं था।
- लक्ष्यों के अत्यधिक महत्व को देखते हुए पूर्ण गोपनीयता बनाए रखने के लिए रक्षा और सुरक्षा उपलब्ध कराने वाली एजेंसियों को अभियान के अधिकांश भाग से अलग रखा गया।
- ऐसे कुछ चरण और मुद्दे थे जो अभियान के भागीदारों की जान के लिए काफी जोखिम भरे थे, लेकिन रणनीतिक राष्ट्रीय हित और आतंकवादी तत्वों के खिलाफ भावी अभियानों में सफलता की अधिक संभाव्यता के कारण उनका उल्लेख नहीं किया जा सकता।

यासीन भटकल और असादुल्लाह अख्तर की गिरफ्तारी ने अनेक खतरनाक आतंकी हमलों को रोका है, जिनकी उन्होंने त्योहारों के समय और विधान सभा तथा लोक सभा चुनावों के दौरान योजना बनाई थी। उनके द्वारा दी गई सूचना से 90 "उपयोग हेतु तैयार" आईईडी, आईईडी के अनेक घटकों, मंगलौर, हैदराबाद, गोवा और पोखरा में छिपने के विभिन्न ठिकानों से विध्वंसक सामग्री बरामद हुई। बड़ी संख्या में बरामद चुम्बकों से पता चला कि उनकी योजना तेल ले जाने वाले रेल टैंकरों को 'बडे बम' में बदलने की थी जिन्हें अधिकतम जन-हानि पहुंचाने के लिए कुछ व्यस्त और महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशनों पर डेटोनेट किया जाना था। दोनों से की पूछताछ के दौरान और बरामद किए गए लैपटाप पर की गई चैट (लगभग 3000 पृष्ठ) को पढ़ने से पता चला कि असादुल्लाह अख्तर किसी बडे प्रोफाइल लक्ष्य के प्रति फिदायीन हमला करने के लिए गंभीरता से विचार कर रहा था। उनके द्वारा उपलबध कराई गई सूचनाओं और सुराग से इंडियन मुजाहिद्दीन के अन्य शीर्ष कैडरों की गिरफ्तारी हुई। गिरफ्तारी के महत्व का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि कुछ खुफिया जानकारी मिली थी कि आईएम इन गिरफ्तार आतंकवादियों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए एक जहाज का अपहरण करने अथवा कोई बड़ी साजिश रचने की योजना बना रहा है। उनकी गिरफ्तारी के तुरंत बाद, एक धमकी भरा मेल भी आया था जो कराची से आया था।

यद्यपि, इनकी गिरफ्तारी से आतंकवाद की लड़ाई समाप्त नहीं हुई है, तथापि, इससे आतंकवादी संगठन की क्षमताओं को गहरा झटका लगा है जो आतंरिक सुरक्षा के लिए भारत की सबसे गंभीर चुनौती है। संबंधित क्षेत्र में सुरक्षा विशेषज्ञों के विश्लेषण के अनुसार, अब, आईएम के पास अपनी कोई विशेषज्ञता, योग्यता और अपश्चात्तापी अभिप्रेरक उत्साह नहीं है।

अत्यधिक कठिन अभियान में कर्तव्य की पारम्परिक मांग के बदले धैर्य, निश्चय, समर्पण और बलिदान की भावना नामित अधिकारियों के विस्तृत वीरतापूर्ण कार्य को अभिव्यक्त करती है।

की गई बरामदगी:

क)	लैपटाप	:	02
ख)	मोबाइल फोन	:	05
ग)	डीवीडी	:	10
घ)	पेनड्राइव	:	01
ङ)	बहुमूल्य सूचना वाले दस्तावेज		

इस एक्शन में सर्व/श्री विनय कुमार, पुलिस अधीक्षक, रंजन कुमार, उप निरीक्षक, दिलीप कुमार, उप निरीक्षक और रवि कुमार, उप निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरुप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 29.08.2013 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 46-प्रेज/2015-राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ पुलिस के निम्नलिखित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री अरमान खालखो,
कंपनी कमांडर

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

मैडेड एरिया कमेटी और नेशनल पार्क एरिया कमेटी के सीपीआई माओवादियों, उनके प्रभारी डीवीसी सदस्यों, मिलिटरी प्लाटून, स्थानीय गुरिल्ला दस्ते और स्थानीय अभियान दस्ते के सदस्यों सहित लगभग 150 भारी हथियारबंद नक्सली कैडर टीसीओसी बैठक और प्रशिक्षण की समीक्षा करने के लिए गांव लिनमाडगू के निकट इकट्ठा हुए थे। यह सूचना मिलने पर, जिला पुलिस और एसटीएफ के 128 पुलिस अधिकारियों और कर्मियों वाला एक संयुक्त अभियान दल उचित योजना और ब्रीफिंग के बाद दिनांक 20.06.2013 को बीजापुर से चला। सैन्य दलों को फरसेगढ़ शिविर के पास छोड़ा गया जहां से उन्होंने पैदल चलना आरंभ किया। लक्ष्य निलमाडगू के निकट एक स्थान था, जो फरसेगढ़ से 25 किमी. दूर है। पूरा रास्ता अत्यधिक नक्सली प्रभावित है। सभी मानक संचालन प्रक्रियाओं को अपनाते हुए और

अपनी आवाजाही को गुप्त रखते हुए अरमान खालखो ने लक्ष्य की ओर सुरक्षापूर्वक अपने दल का नेतृत्व किया। सैन्य दल ने निलमाडगू से कुछ किमी. पहले एलयूपी ली। दिनांक 21.06.2013 को लगभग 0430 बजे कंपनी कमांडर खालखो ने अपने दल को दो समूहों में बांटा जिसमें एक दल का नेतृत्व उन्होंने स्वयं किया। दलों ने क्षेत्र की तलाशी लेने के लिए आगे बढ़ना आरंभ किया। लगभग 0730 बजे, जब खालखो का दल निलमाडगू के निकट पेड्डाबागू नाले के पास पहुंचा, तब नक्सलियों की ओर से भारी गोलीबारी हुई, जिन्होंने घने जंगल में अपनी पोजीशन ली हुई थी। नक्सलियों की ओर से भारी गोलीबारी के कारण, टुकड़ियां आगे बढ़ने से हिचक रही थीं। कंपनी कमांडर अरमान खालखो ने स्थिति को संभाला और अपने कर्मियों को पोजीशन लेने और जवाबी कार्रवाई करने को आदेश दिया। शत्रु के संख्या में अधिक होने और उन्हें पारिस्थितिक लाभ होने के बावजूद, उन्होंने साहसपूर्ण हमले का सामना किया और व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना जबरदस्त जवाबी कार्रवाई की। लगभग एक घंटे तक गोलीबारी चली। नक्सलियों की ओर से आ रही भारी गोलीबारी से बेखबर पुलिस दल ने उनके नेतृत्व में अत्यधिक प्रभावी तरीके से जवाबी कार्रवाई की जिससे नक्सली हताहत हुए। नक्सली शिविरों के 16 अस्थायी स्थलों के साथ यूनिफार्म में एक महिला नक्सली का शव और एक एसएलआर हथियार बरामद किए गए। विस्फोटकों, डेटोनेटरों, हैंड ग्रेनेड, डेटोनेटर कैप, रकसैक, तार, फ्लैश लाइटों, रेडियो, मैनपैक सेटों और नक्सली साहित्य सहित भारी मात्रा में अन्य सामग्रियां बरामद की गईं।

कंपनी कमांडर अरमान खालखो ने भारी हथियारबंद नक्सलियों का सामना करते हुए अपने दल का नेतृत्व करने में साहस और अदम्य वीरतापूर्ण कार्य का प्रदर्शन किया और नक्सलियों को हताहत किया।

बरामदगी:

क्रम सं.	सामग्री का नाम	मात्रा
1.	एसएलआर गन	01
2.	हैंड ग्रेनेड	03
3.	गोलियां (303 बन्दूक)	27
4.	गोलियां (12)	08
5.	डेटोनेटर कैप	52
6.	डेटोनेटर	04

इस मुठभेड़ में श्री अरमान खालखो, कंपनी कमांडर ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरुप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 21.06.2013 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 47-प्रेज/2015–राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

1. लव कुमार भगत, (मरणोपरांत)
कंपनी कमांडर

2. सेलेस्टिन कुजुर, (मरणोपरांत)
कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 25.08.2013 को एस.टी.एफ. के उप पुलिस महानिरीक्षक और पुलिस अधीक्षक द्वारा "तलाशी और ध्वस्त करने" के अभियान की योजना बनाई गई। कमांडर पी.सी. महंत, कंपनी कामंडर लव कुमार, कंपनी कमांडर बी.पी. सिंह और कंपनी कमांडर जेम्स

एक्का के नेतृत्व में एस.टी.एफ. के चार दल बनाए गए और उचित ब्रीफिंग के बाद उन्हें जगदलपुर से बरसुर भेजा गया। दलों को गांव बरसुर से तलाशी लेने और क्षेत्र पर अधिकार करने के लिए भेजा गया था।

क्षेत्र में बड़ी संख्या में माओवादी उपस्थित थे। अभियान के पहले दिन, दल सं. 01 लगभग 15:30 बजे टेटम और हर्राकोदर के वन क्षेत्रों में घात लगाकर किए गए हमले में फंस गया। पुलिस दल ने प्रभावी रुप से जवाबी कार्रवाई की और दो महिला नक्सलियों को मार गिराया। लव कुमार भगत के नेतृत्व में दल सं. 02 पर भी नरडोंगरी गांव पहुंचने से पहले लगभग 18:00 बजे उसी दिन घात लगाकर हमला किया गया। कंपनी कमांडर लव कुमार भगत के नेतृत्व में पुलिस कर्मियों ने जबरदस्त जवाबी कार्रवाई की जिससे नक्सली पीछे हटने पर मजबूर हो गए।

दिनांक 27.08.2013 को दल सं. 1 और दल सं. 02, दोनों ने संयुक्त रुप से नरडोंगरी गांव से आगे की कार्य योजना बनाई और लगभग 05:30 बजे वहां से चले। नक्सलियों ने सुबह दुबारा पुलिस दलों पर घात लगाकर हमला किया और अलग-अलग दिशाओं से गोलीबारी आरंभ कर दी। नक्सलियों ने भयानक हमला किया और उन्हें स्थलाकृतिक के साथ-साथ संख्या में अधिक होने का लाभ था। तथापि, नेतृत्व की अनुकरणीय गुणवत्ता का प्रदर्शन करते हुए कंपनी कमांडर लव कुमार भगत ने आगे बढ़कर अपने साथियों का नेतृत्व किया और नक्सलियों पर लगातार भीषण हमला करने का साहस किया। लव कुमार भगत ने इस गंभीर स्थिति में अपने कार्मिकों को बचाने के लिए समन्वित प्रयास किया और स्वयं उन्हें दो गोलियां लगीं, एक घुटने में और दूसरी अंगूठे में। सेलेस्टिन कुजुर भी लव कुमार भगत के दल में थे और उन्होंने भी अनुकरणीय साहस और दृढ़ निश्चय का प्रदर्शन किया। कांस्टेबल 1119 सेलेस्टिन कुजुर की गरदन में गोली लगी। गंभीर रुप से घायल होने के बावजूद, लव कुमार ने घात लगाकर किए गए हमले में अपने साथियों का लगातार मार्गदर्शन किया और स्थल पर लिए गए उनके निर्णय और की गई कार्रवाई नक्सलियों को भागने के लिए मजबूर करने के लिए महत्वपूर्ण थी और इससे सुरक्षा बलों को कम से कम क्षति हुई। अत्यधिक प्रतिकूल परिस्थितियों में युद्ध स्थल पर प्रदर्शित दृढ़ संकल्प और साहस निश्चित रुप से उन्हें इस सर्वोच्च सम्मान का पात्र बनाता है।

कंपनी कमांडर लव कुमार भगत और कांस्टेबल सेलेस्टिन कुजुर ने नेतृत्व और बहादुरी की असाधारण गुणवत्ता का प्रदर्शन किया जो अनुकरणीय है, जहां अधिकारी ने वक्त की मांग के अनुसार कार्रवाई की और लोकतंत्र के जानी दुश्मनों से अपने साथियों की जान बचाने के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए।

की गई बरामदगी:

(1) 42 इंच की बट लम्बाई वाली एक 12 बोर की सिंगल पाइप बंदूक और प्लास्टिक सीलिंग (2) 45 इंच की बट और पाइप की लम्बाई वाली एक भारमर बंदूक, केवल 32 इंच के बट (3) प्लास्टिक स्लिंग, एक प्लास्टिक ब्लैक पोज (4) 12 बोर के 14 राउंड (केएफ 12 नाम की 12 रेड बुलेट और 02 हरी बुलेट)।

इस मुठभेड़ में (स्वर्गीय) श्री लव कुमार भगत, कंपनी कमांडर और (स्वर्गीय) श्री सेलेस्टिन कुजुर, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, राष्ट्रपति का पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरुप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 27.08.2013 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 48-प्रेज/2015—राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ पुलिस के निम्नलिखित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री अमित कुमार बेरिया,
निरीक्षक

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

महाराष्ट्र की सीमा के निकट जिला राजनंदगांव में गांव बुकमार्का में भारी हथियार बंद नक्सलियों के एक समूह के उपस्थित होने के बारे में विशिष्ट आसूचना संबंधी जानकारी के आधार पर, दिनांक 08/06/2013 को पुलिस ने एक बड़ा आक्रामक अभियान शुरु करने का निर्णय लिया। संयुक्त अन्तर्राज्यीय अभियान में सुरक्षा बलों के चार दल शामिल हुए जिसमें राजनंदगांव जिला, छत्तीसगढ़ से

एक और जिला गढ़चिरौली, महाराष्ट्र से तीन दल शामिल थे। निरीक्षक अमित बेरिया जिला पुलिस, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल और आईटीबीपी के बलों वाले मुख्य हमला दल की कमांड में थे। मानसून आरंभ होने के कारण, उस भू-भाग में शीघ्र गति से आवाजाही काफी कठिन हो गई थी। निरीक्षक बेरिया के नेतृत्व वाला दल रणनीतिक तरीके से नक्सलियों के छिपने के ठिकाने की ओर गया और चारों ओर से क्षेत्र को घेर लिया जिससे नक्सलियों का बचकर निकलना मुश्किल हो गया। जब दल नक्सलियों के नजदीक बढ़ रहा था, तभी उन पर अचानक गोलीबारी करके हमला किया गया। निरीक्षक बेरिया की कमांड में पुलिस दल ने जवाबी कार्रवाई के लिए उचित पोजीशन ली। हमला राइफलों से भारी गोलीबारी की गई और हैंड ग्रेनेड फेंके गए। घने जंगल में भारी बारिश के बाद कठिन भू-भाग और प्रतिकूल मौसमी परिस्थितियों की परवाह किए बिना पुलिस दल ने "गोलीबारी करो, और आगे बढ़ो" की रणनीति अपनाई और हमला करने की दूरी के अंदर पहुंचे। शत्रु को स्थलाकृतिक और संख्या में अधिक होने के लाभ के बावजूद, निरीक्षक अमित बेरिया ने साहस के साथ हमला किया, और इस कठिन परिस्थिति में अपने साथियों को बचाने के लिए समन्वित प्रयास के साथ जबरदस्त जवाबी कार्रवाई की और खूंखार नक्सली उधम सिंह उर्फ जंगलू तुलावी, एरिया कमेटी सचिव, मोहला को मार गिराया। नक्सली समूह तितर-बितर होने पर मजबूर हो गया और उन्होंने पीछे हटना शुरु कर दिया। इस भयंकर मुठभेड़ के बाद, क्षेत्र की गहन तलाशी में 7.62 एमएम की एक एसएलआर राइफल, 5.56 एमएम की एक इंसास (आईएनएसएएस) राइफल, पिस्टन ब्रिज ब्लॉक, बारह बोर की दो राइफलें, 315 बोर की एक पिस्तौल, 21 चैनल का एक मोटोरोला वायरलेस मैन पैक सेट, विभिन्न कैलिबरों वाले कारतूस और नक्सली साहित्य बरामद हुए।

निरीक्षक बेरिया ने इस अभियान में युद्ध-कौशल की रणनीतियों का पूर्ण निष्पादन, असाधारण नेतृत्व गुण और अनुकरणीय साहस का प्रदर्शन किया।

इस मुठभेड़ में श्री अमित कुमार बेरिया, निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरुप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 08.06.2013 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 49-प्रेज/2015—राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

1. नरेन्द्र यादव,
   सहायक प्लाटून कमांडर

2. योगेन्द्र सिंह (मरणोपरांत)
   हेड कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

नक्सली प्रतिवर्ष 15 अप्रैल से 15 जुलाई तक रणनीतिक जवाबी आक्रामक अभियान चलाते हैं जिसका उद्देश्य वर्धित सैन्यीकरण और हमलों के माध्यम से सुरक्षा बलों को अधिकतम क्षति पहुंचाना है। अप्रैल-मई, 2013 में, राज्य पुलिस ने नक्सलियों को चुनौती देने के लिए पूरी शक्ति के साथ उन क्षेत्रों में जवाबी टीसीओसी अभियान चलाया जिन्हें नक्सलियों का गढ़ माना जाता है। इस अभियान के लिए पूरे राज्य से बड़ी संख्या में पुलिस कर्मी जुटाए गए। बल हथियारों से लैस थे और अति सावधानीपूर्वक प्रशिक्षित थे। सात दल बनाए गए थे। व्यापक योजना और सुरक्षा व्यवस्था से नक्सलियों के अधिकार वाले क्षेत्रों में सैन्य बलों को ले जाने में सफलता मिली और बल पुलिस स्टेशन चिंतागुफा से 8 किमी. की दूरी पर गांव मिनपा, जिला सुकमा में एक शिविर सहित अस्थायी शिविर स्थापित करने में सफल हुए। शिविर स्थापित करने के कुछ ही घंटों के अंदर, शिविर पर चारों ओर से नक्सलियों ने हमला किया। बलों ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। सारी रात गोलीबारी जारी रही।

अगले दिन, दिनांक 17.05.2013 को एपीसी नरेन्द्र यादव और हेड कांस्टेबल योगेन्द्र सिंह सहित 24 कार्मिकों का एक क्षेत्र प्रभुत्व दल, जिसका नेतृत्व कंपनी कमांडर ने किया, शिविर के पश्चिमी दिशा की ओर गया। दल लगभग 1 से 1.5 किमी. ही गया था, जब घात लगाकार बैठे नक्सलियों ने स्वचालित हथियारों से अंधाधुंध गोलीबारी आरंभ कर दी। पुलिस दल ने भी अपनी रक्षा में गोलीबारी

की। गोलीबारी के दौरान, अनुकरणीय साहस और नेतृत्व का प्रदर्शन करते हुए एपीसी नरेन्द्र यादव और हेड कांस्टेबल योगेन्द्र सिंह नक्सलियों से बहुत अधिक घिरे होने के बावजूद आगे बढ़ते रहे। नक्सली संख्या और स्थलाकृतिक की दृष्टि से लाभप्रद स्थिति में थे। तथापि, दोनों ने अपनी जान की परवाह नहीं की और इसके बदले घायल होने पर भी जवाबी गोलीबारी की। गोलीबारी लगभग 2 घंटे तक चली। इसी बीच एपीसी नरेन्द्र यादव के सीने में गोली लगी और हेड कांस्टेबल योगेन्द्र सिंह की जांघ और कमर पर गोली लगी। घटना स्थल पर अतिरिक्त बलों को भेजा गया और नक्सली जंगल का फायदा उठाकर दबाव के कारण भाग गए। उनके प्रयासों से न केवल अनेक कार्मिकों की जान बची और हथियारों को लूटने से बचाया गया, बल्कि नक्सलियों को भी काफी क्षति पहुंची।

की गई बरामदगी:

बैरल मजल लोडिंग राइफल-01, एयरगन-01, मिसफायर्ड एचई बम-01, एचई बम के खाली खोखे-05, एचई बम की टेल यूनिट का स्क्रैप-01, एचई बम की हेड कैप-01, एचई बम की क्षतिग्रस्त टेल यूनिट -01, पानी का डिब्बा-01, 315 राइफल का खाली खोखा-01, .303 राइफल का खाली खोखा-01, एसएलआर के खाली खोखे-08, और 5 किग्रा. का जिन्दा टिफिन बम-01 ।

इस मुठभेड़ में श्री नरेन्द्र यादव, सहायक प्लाटून कमांडर और (स्वर्गीय) श्री योगेन्द्र सिंह, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरुप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 17.05.2013 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 50-प्रेज/2015—राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

1. देवेन्द्र कश्यप,
कंपनी कमांडर

2. नितिन उपाध्याय,
उप निरीक्षक

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

जिला गरियाबंद, छत्तीसगढ़ के सबसे अधिक नक्सल प्रभावित जिलों में से एक है। नक्सलियों की मणिपुर विभागीय समिति ने पूर्व में सुरक्षा बलों को भारी क्षति पहुंचाई थी जिसमें दो घटनाओं में एक अपर पुलिस अधीक्षक सहित 22 पुलिस कर्मी मारे गए थे।

दिनांक 31 मई, 2012 को प्रात: लगभग 10:00 बजे पुलिस अधीक्षक, जिला गरियाबंद, श्री राम गोपाल को सूचना मिली कि स्वचालित हथियारों के साथ एक सशस्त्र नक्सली दल गांव गवारगांव और झोलारव, पुलिस स्टेशन शोभा के वन क्षेत्रों में घूम रहा है। पुलिस अधीक्षक ने इस अवसर का लाभ उठाने का निर्णय लिया और नक्सलियों को एक झटका दिया जो उस क्षेत्र में पिछले कुछ महीनों से अधिक प्रभावी हो गए थे।

पुलिस अधीक्षक ने क्षेत्र की स्थलाकृति और जिस तरीके से सूचना मिली थी, के कारण पुलिस दल के लिए संभावित परिणाम को भांप लिया। पुलिस अधीक्षक ने जिला कार्यकारी बल और विशेष कार्यबल के 3 दल बनाकर व्यक्तिगत रुप से अभियान की योजना बनाने ओर इसका पर्यवेक्षण करने की साहसिक पहल की। पुलिस अधीक्षक ने स्वयं उत्तर-पश्चिम से पहले दल का नेतृत्व किया, दक्षिण से दूसरे दल का नेतृत्व उप-निरीक्षक नितिन उपाध्याय और पूर्व से तीसरे दल का नेतृत्व कंपनी देवेन्द्र कश्यप कमांडर ने किया। जब पुलिस दल लक्ष्य की ओर बढ़ रहे थे, तभी पुलिस अधीक्षक को यह सूचना भी मिली कि झोलारव पहाड़ी के नीचे बड़ी संख्या में नक्सली उपस्थित हैं। उन्होंने तुरंत दल 2 और दल 3 के कमांडरों को समझाया और उन्हें क्रमश: दक्षिणी और पूर्वी ओर से लक्ष्य की ओर बढ़ने का अनुदेश दिया। वे उत्तर-पश्चिम की ओर से चले। नक्सलियों ने अचानक पुलिस दल पर हमला कर दिया। इसके बाद पुलिस दलों और नक्सलियों के बीच भारी गोलीबारी आरंभ हो गई। इसी बीच पुलिस अधीक्षक ने नक्सलियों की आवाजाही को भांप लिया जो फंसे हुए नक्सलियों की सहायता के लिए आ रहे थे। पुलिस अधीक्षक ने रणनीतिक योजना और कमांड की अत्यधिक सूझबूझ का प्रदर्शन किया और उन्होंने इस

तरह से अपने आप को रीपोजीशन करने के लिए क्षेत्र की स्थलाकृतिक विशिष्टताओं का बहुत अच्छी तरह उपयोग किया ताकि वे आवश्यकता पड़ने पर दोनों पुलिस दलों की सहायता कर सकें और नक्सलियों की सहायता के लिए आ रहे नक्सली दल पर घात लगाकर हमला कर सकें। वास्तव में पुलिस अधीक्षक के इस निर्णय से युद्ध-क्षेत्र का घटनाक्रम पुलिस के पक्ष में हो गया।

उप-निरीक्षक नितिन उपाध्याय ने अपनी एके-47 राइफल से 57 गोलियां चलाईं और साहस तथा सूझबूझ के साथ अपने दल की कार्रवाई को समन्वित किया। अपनी जान को गंभीर जोखिम होते हुए वे नक्सलियों से लड़े। उन्होंने अपने कर्तव्य की मांग से अधिक आसाधारण साहस, अनुकरणीय नेतृत्व और उत्तरदायित्व का प्रदर्शन किया। दल 2 का नेतृत्व करते हुए वे नक्सलियों की सीधी एवं भारी गोलीबारी में आ गए थे। उन्होंने स्टाफ को प्रेरित किया और वीरतापूर्वक स्थिति का सामना किया।

श्री देवेन्द्र कश्यप भी दल 3 में बहादुरी से बंदूक की लड़ाई लड़ रहे थे और उन्होंने 12 गोलियां चलाईं। उन्होंने बहादुरी से अपने दल का मार्गदर्शन किया और नक्सली हमले का दो टूक जवाब देने में सफल रहे। उन्होंने अपने कर्तव्य की मांग से अधिक असाधारण साहस, अनुकरणीय नेतृत्व और उत्तरदायित्व का प्रदर्शन किया। अपने दल का नेतृत्व करते हुए वे नक्सलियों की सीधी भारी गोलीबारी के बीच आ गए थे। उन्होंने न केवल स्टाफ को प्रेरित किया और बहादुरी से स्थिति का सामना किया बल्कि उचित कट ऑफ लगाने के लिए उपयुक्त टुकड़ी का मार्गदर्शन भी किया।

इस प्रकार पुलिस दल दो वर्दीधारी नक्सलियों को मार गिराने में सफल हुआ जिनसे एक 5.56 एमएम इंसास राइफल, एक 12 बोर की बंदूक, 5.56 एमएम के 35 जिंदा राउंड, 2 इंसास मैगजीन, एक टिफिन बम और अनेक अन्य अभिशंसी सामग्रियों बरामद हुई और समीरा उर्फ सीमा, सचिव नगरी एरिया कमेटी और अमिला, सीपीआई (माओवादी) के मणिपुर प्रभाग की विभागीय सीएनएम यूनिट सचिव के रुप में पहचान हुई। दिनांक 12.06.2012 को गांव चमेडा की ओर उत्तर-पश्चिम दिशा में मुठभेड़ स्थल से लगभग 3 किमी. दूर एक स्थान से एक और वर्दीधारी महिला नक्सली अरुणा, क्षेत्र समिति सदस्य, गोबरा दलम का शव बरामद हुआ। यह संभवत: वही समूह था जो झोलारव में नक्सलियों की सहायता के लिए आ रहा था।

पुलिस अधीक्षक, गरियाबंद इस सफल अभियान के मुख्य नायक थे। उन्होंने व्यक्तिगत रुप से यह सुनिश्चित करने के लिए कर्त्तव्य से बढ़कर कार्य किया कि पुलिस दलों की आवाजाही का मार्ग पर सतर्कता बनी रहे जिससे पुलिस दल नक्सली घात से बचने के साथ-साथ नक्सलियों की मदद करने वाले समूह को दो टूक जवाब देने में सफल रहा। इस प्रकार पुलिसकर्मी घायल नहीं हुए और उनके गढ़ में नक्सलियों को भारी क्षति पहुंचाने और भारी मात्रा में बरामदगी करने में सफल हुए। क्षेत्र के तीन महत्वपूर्ण नक्सली कैडरों के शवों की बरामदगी अपने आप में एक विशिष्ट साहसिक कार्य है। उन्होंने अनुकरणीय नेतृत्व, अपने साथियों पर कमांड और नियंत्रण तथा रणनीतिक निर्णय लेने की क्षमता का प्रदर्शन किया। श्री देवेन्द्र कश्यप और श्री नितिन उपाध्याय के वीरतापूर्ण कार्य के परिणामस्वरुप पुलिस दल को बड़ी उपलब्धि मिली।

बरामदगी:

क्रम सं.	सामग्री
1.	5.56 एमएम इंसास राइफल-01
2.	12 बोर सिंगल बैरल-01
3.	इंसास मैगजीन-02
4.	5.56 एमएम के जिंदा राउंड-35
5.	पाइप बम-01
6.	315 बोर के गोलाबारुद-05
7.	315 बोर का खाली खोखा-01
8.	टिफिन बम (3 किग्रा.) – 01
9.	मोटोरोला वायरलेस सेट-01
10.	डेटोनेटर-05
11.	देसी कट्टा-01
12.	मल्टीमीटर-01

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री देवेन्द्र कश्यप, कंपनी कमांडर और नितिन उपाध्याय, उप निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरुप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 31.05.2012 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 51-प्रेज/2015–राष्ट्रपति, दिल्ली पुलिस के निम्नलिखित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री बिजेन्द्र, (मरणोपरांत)
कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

कांस्टेबल बिजेन्द्र सिंह, हेड कांस्टेबल बलजीत, कांस्टेबल संदीप के साथ दिनांक 10/11.09.2012 की मध्य रात्रि में रात 11.00 बजे से सुबह 6.00 बजे तक कमला नगर पुलिस स्टेशन के क्षेत्र में बीट सं. 10 (एस.एन. मार्ग) पर गश्त पर थे। रात्रि में लगभग 12.30 बजे तीनों पुलिसकर्मी जी.बी. रोड पर एचडीएफसी बैंक के एटीएम के पास खडे थे, जब एक व्यक्ति, बाद में जिसका नाम और पता इरशाद पुत्र इस्तियाक, निवासी मकान सं. 1323, विजय पार्क, भजनपुरा, दिल्ली पाया गया था, अपनी गरदन के दायीं और चाकू के घाव के साथ उनकी ओर भागता हुआ आया। उसके सभी कपड़ों और चेहरे पर खून लगा हुआ था। उसने उनके सामने भाग रहे 4 लड़कों की ओर इशारा किया और बताया कि इन लड़कों ने उसकी पिटाई की और कोठा नम्बर 57, जी.बी. रोड़ की सीढ़ियों के नीचे हुई हाथापाई में उसे चाकू मार दिया है। उपर्युक्त तीनों पुलिस कर्मियों ने हमलावरों का पीछा करना शुरु कर दिया।

थोड़ी दूर तक पीछा करने के बाद, कांस्टेबल बिजेन्द्र ने एक लड़के को पकड़ लिया, बाद में जिसका नाम आकाश पुत्र ओम प्रकाश, निवासी सीपीओ 26 मदनगीर, दिल्ली बताया गया। यह देखकर कि उनका एक साथी पकड़ा गया है, अन्य दो व्यक्ति, जिनके नाम और पता बाद में मनोज पुत्र भगवान सिंह, निवासी मकान सं. 97, गली सं. 5 करावल नगर, दिल्ली और आशीष बहुगुणा पुत्र गजेन्द्र कुमार, निवासी 852, सेक्टर-3, पुष्प विहार, साकेत निकला, रुके और अपने साथी आकाश को छुड़ाने के लिए कांस्टेबल बिजेन्द्र के साथ हाथापाई शुरु कर दी। इसी बीच, एक और लड़का, बाद में जिसका नाम सूरज पुत्र विजय कुमार, निवासी सी-1/917, मदनगीर, दिल्ली निकला, को कांस्टेबल संदीप ने पकड़ लिया। आकाश सूरज की तरफ चिल्लाया और उसने कांस्टेबल बिजेन्द्र को चाकू मारने के लिए कहा ताकि वे कांस्टेबल के चंगुल से निकल सकें। यह सुनकर, सूरज ने स्प्रिंग से चलने वाला एक चाकू निकाला और उससे कांस्टेबल संदीप के चेहरे को घायल कर दिया। घायल होने की वजह से कांस्टेबल संदीप की पकड़ ढीली हो गई और सूरज कांस्टेबल संदीप की पकड़ से मुक्त होने में सफल हो गया। फिर सूरज कांस्टेबल बिजेन्द्र की ओर बढ़ा और उनके सीने के बांयी ओर चाकू मार दिया। गंभीर रुप से घायल होने के बावजूद कांस्टेबल बिजेन्द्र ने आकाश पर अपनी पकड़ को ढीला नहीं किया। इसी बीच, दो और कांस्टेबल नामत: कांस्टेबल रवि मान और कांस्टेबल करनैल सिंह, जो गश्त ड्यूटी पर ही थे, घटनास्थल पर पहुंच गए। तब सभी पुलिस कर्मियों ने चारों आरोपियों को दबोच लिया और उन्हें पकड़ लिया तथा उनसे अपराध का हथियार बरामद किया। कांस्टेबल बिजेन्द्र और कांस्टेबल संदीप को बाद में एलएनजेपी अस्पताल भेजा गया। घायल होने की वजह से कांस्टेबल बिजेन्द्र की मृत्यु हो गई और अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे मृत लाया घोषित कर दिया।

कांस्टेबल बिजेन्द्र ने ड्यूटी के दौरान अपनी जान को खतरा होने के बावजूद अनुकरणीय साहस और अटल कर्तव्यनिष्ठा का प्रदर्शन किया। यह जानते हुए कि उनके सीने में चाकू लगा है, उनके मन में मृत्यु का भय नहीं आया। उक्त आरोपी व्यक्तियों को पकड़ने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण थी।

की गई बरामदगी:

01. चाकू

इस एक्शन में (स्व.) श्री बिजेन्द्र, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरुप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 11.09.2012 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 52-प्रेज/2015–राष्ट्रपति, झारखंड पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

1. बिन्देश्वर प्रसाद महतो,
उप निरीक्षक

2. अनिमेष कुमार गुप्ता,
उप निरीक्षक

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

खरसवान पुलिस थाना के प्रभारी उप निरीक्षक अनिमेष कुमार गुप्ता को ओ/सी कुचाई पुलिस थाना उप निरीक्षक बी.पी. महतो से यह सूचना मिली कि जोनल कमांडर कुमदान पाहन और अजय महतो, मिसिल बेसरा, विनोद, लाल सिंह हेमब्रम, अनल दा, परीक्षित मुंडा, महाराज प्रमाणिक, राममोहन मुंडा, प्रमिला के नेतृत्व में लगभग 200-250 का एम सी सी (माओवादियों) का जत्था और विभिन्न अन्य काडर पुलिस थाना क्षेत्र में किसी अप्रिय घटना को अंजाम देने की मंशा से एकत्रित हुए हैं और जेआरसी बैठक करने की तैयारी में हैं। इस सूचना के संबंध में दिनांक 11.05.2013 को कुचई पुलिस थाने में स्टेशन डायरी प्रविष्टि सं. 196 दर्ज की गई थी। इस सूचना का सत्यापन उप निरीक्षक अनिमेष कुमार गुप्ता और ओसी कुचई द्वारा किया गया और यह जानकारी सही पाए जाने पर वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया गया। इस सूचना के आधार पर दिनांक 11.05.2013 को मुख्यालय में आईजी कार्यालय ज्ञापन 1079/सी के तहत एक विशेष अभियान की रुपरेखा बनाई गई जिसमें नक्सलियों पर छापा मारने और तलाशी लेने की जिम्मेदारी सौंपते हुए आक्रमण दल के रुप में दो समूहों का गठन किया गया। कोबरा बटालियन-209 के समूह का नेतृत्व ओ/सी कुचई पुलिस थाने को तथा अन्य अधिकारियों एवं जवानों सहित जगुआर असॉल्ट समूह का नेतृत्व ओ/सी खरसवान पुलिस थाना के उप निरीक्षक अनिमेष कुमार गुप्ता को सौंपा गया जिन्हें छतनीबेरा शिलाघाटी क्षेत्र में छिपे हुए उन नक्सलियों पर छापा मारने और तलाशी लेने की जिम्मेदारी दी गई जो किसी भी प्रकार का नरसंहार करने के लिए तैयार बैठे थे। इन सबके अतिरिक्त केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल और अन्य पुलिस बलों को अलग-अलग स्थानों पर तैनात किया गया। दोनों आक्रमण दल दिनांक 12.5.2013 को शिलाघाटी और छतनीबेरा के लिए रवाना हुए। तलाशी अभियान के दौरान दिनांक 13.05.2013 को प्रात: 9 बजे आक्रमण दल शिलाघाटी पहुंच गए। तत्पश्चात् दोनों आक्रमण दल तलाशी करते हुए सुबह 10:15 बजे छतनीबेरा पहाड़ी क्षेत्र पहुंच गए जहां एमसीसी माओवादियों का एक दल घात लगाने के बेहतर स्थान पर पोजिशन ले रहा था जिनमें से परिचित मुंडा, लालसिंह हेमब्रम और ऊपर उल्लिखित अन्य दुर्दांत माओवादियों के साथ इंटेलीजेंस जोनल कमांडर कुंदन पाहन ने एक के बाद एक तीन आईईडी बारुदी सुरंगों का विस्फोट किया। तत्पश्चात् माओवादी काडरों ने दोनों आक्रमण दलों को मारने तथा उनके हथियार और गोलाबारुद छीन लेने के उद्देश्य से दोनों आक्रमण दलों पर भारी गोलाबारी करना आरंभ कर दिया। लेकिन उप निरीक्षक अनिमेष कुमार गुप्ता ने अनुकरणीय साहस, सूझबूझ, टीम-भावना और कार्य के प्रति समर्पण का परिचय दिया और अपने अभियान दल को इस प्रकार पुन: व्यवस्थित किया जिससे माओवादियों द्वारा तीन आईईडी विस्फोट और जबरदस्त गोलाबारी किए जाने के कारण केवल 209 कोबरा बटालियन के जवान कांस्टेबल/डी. एम. शंकर लिंगम, कांस्टेबल/जीडी सुबीश ए.के. और हेड कांस्टेबल/जीडी सुनील कुमार सिंह घायल हुए। उप निरीक्षक अनिमेष कुमार गुप्ता और ओ/सी कुचई ने माओवादियों द्वारा किए गए विस्फोट की जवाबी कार्रवाई की तथा अन्य पुलिस दल के साथ आत्मरक्षा के लिए गोलियां चलानी शुरु कीं। जब मुठभेड़ में पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की तब ऊपर उल्लिखित माओवादियों के दल नेताओं के साथ 200-250 दुर्दांत सशस्त्र काडरों ने भी इसका प्रत्युत्तर दिया और उन्होंने 2000-2500 राउंड गोलियां चलाईं। लेकिन उप निरीक्षक अनिमेष कुमार गुप्ता और उप निरीक्षक बी.पी. महतो ने छापामार दलों से इस प्रकार सूचना ग्रहण की कि सशस्त्र बलों को कोई और क्षति नहीं हुई। यह मुठभेड़ अपराह्न 3 बजे तक चलती रही। इसके बाद माओवादी स्वयं को कमज़ोर स्थिति में पाकर घने जंगल और पर्वतीय क्षेत्र का लाभ उठाकर मुठभेड़-स्थल से भाग निकलने के लिए विवश हो गए।

बरामदगी:

i)	7.62 एसएलआर	-01
ii)	7.62 मिमी. गोलाबारुद	-129
iii)	खाली केस	-06
iv)	देशी ग्रेनेड	-01
v)	डेटोनेटर	-04

vi) मैग एसएलआर -03

vii) गोलाबारुद पाउच -01

viii) पिट्ठु -01

ix) चाकू -01

x) 533/-रु.

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री बिन्देश्वर प्रसाद महतो, उप निरीक्षक और अनिमेष कुमार गुप्ता, उप निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरुप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 13.05.2013 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 53-प्रेज/2015–राष्ट्रपति, मध्य प्रदेश के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

1. गाजी राम मीना, पुलिस महानिरीक्षक (वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार)
2. क्षितीन्द्र प्रकाश खरे, उप महानिरीक्षक (वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार)
3. उमेश जोगा, पुलिस अधीक्षक (वीरता के लिए पुलिस पदक)
4. हरि सिंह यादव, पुलिस अधीक्षक (वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार)
5. यू.सी. तिवारी, निरीक्षक (वीरता के लिए पुलिस पदक)
6. बाल गोपाल तिवारी, हेड कांस्टेबल (वीरता के लिए पुलिस पदक)

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 23.12.2011 की रात्रि में सुंदर पटेल के कुख्यात और वांछित डकैत गिरोह के बारे में सूचना प्राप्त होने पर पुलिस महानिरीक्षक रीवां श्री जी.आर. मीना, उप महानिरीक्षक, के.पी. खरे, पुलिस अधीक्षक, रीवा, श्री उमेश जोगा और पुलिस अधीक्षक, सतना श्री हरि सिंह यादव और पुलिस बल के साथ सतना जिले में हरदी जंगल के लिए रवाना हुए जहां पुलिस दल 4 समूहों में बंट गई। उसके बाद ठिठुरती ठंड में घने जंगल, उबड़-खाबड़ क्षेत्र और कंटीली झाड़ियों को पार करते हुए लगभग सुबह 5 बजे वे डकैतों के छिपने के स्थान पर पहुंचे तथा उसे घेर लिया तथा डकैतों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा लेकिन पुलिस की चेतावनी सुनने के तुरन्त बाद डकैतों ने अपशब्द कहे और पुलिस बल को मार देने की मंशा के साथ अंधाधुंध गोलीबारी करने लगे। डकैतों ने जहां चट्टान की चौड़ी दीवार के निकट पोजीशन ले रखी थी और उसका इस्तेमाल एक मजबूत मोर्चे के रुप में कर रहे थे वहीं पुलिस बल ने पास की झाड़ियों में खुले मैदान में पोजीशन ली हुई थी, जहां कांस्टेबल सुनील तोमर और राजेन्द्र सिंह डकैतों की गोलीबारी से बाल-बाल बचे थे। जब इन कांस्टेबलों की जान पर बन आई थी, उसी समय महानिरीक्षक श्री मीना ने डकैतों पर गोलियां चलाईं और उन्हें बचा लिया। इसी बीच डकैतों ने गोलीबारी करना जारी रखा जिससे उप निरीक्षक अनिमेश द्विवेद्वी और कांस्टेबल अनिल तिवारी घायल हो गए। इस मुश्किल घड़ी में श्री जी.आर. मीना ने तुरन्त अपनी एके-47 राइफल से डकैतों पर गोलियां चलाकर पुलिस के इन जवानों को बचा लिया। इसी बीच छिपने के अड्डे की तरफ बढ़ रहे तीन पुलिस कर्मियों के एक दल पर एक डकैत ने गोली चला दी जिससे हेड कांस्टेबल शोभरन सिंह घायल हो गए, पुन: उसी

डकैत ने निशाना साधा लेकिन श्री मीना ने खतरे को भांप लिया था और अपनी जान की परवाह किए बगैर तुरन्त खड़े हुए और डकैत पर गोली चला दी, गोली डकैत को लगी और वह गिर पड़ा। श्री जी.आर. मीना लगातार पुलिस बल का मनोबल बढ़ाते रहे, उन्हें लड़ने की प्रेरणा देते रहे तथा घायल जवानों की चोटों पर पट्टियां बांधी। इसी बीच कांस्टेबल भारोशरण भी घायल हो गए। इस कठिन क्षण में उप महानिरीक्षक के.पी. खरे, पुलिस अधीक्षक उमेश जोगा, पुलिस अधीक्षक हरि सिंह यादव अपनी जान जोखिम में डालकर आगे बढ़े तथा डकैतों पर गोलियां चला दीं जिसके कारण बचे हुए तीन डकैत ढेर हो गए। मुठभेड़ के चलने के दौरान कुछ डकैत एक पहाड़ के पास भी छिपे हुए थे, जहां से उन्होंने पुलिस दल पर गोलियां चलानी शुरु कर दीं, जिसके कारण निरीक्षक यू.सी. तिवारी और हेड कांस्टेबल बाल गोपाल तिवारी, जो घायल पुलिस जवानों को सुरक्षित निकालने के क्रम में पहाड़ से नीचे की तरफ आ रहे थे, बाल-बाल बचे। दोनों ने तत्काल डकैतों पर गोलियां चलानी शुरु कर दी जिससे डकैत भाग निकले। इस मुठभेड़ में निरीक्षक यू.सी. तिवारी और हेड कांस्टेबल बाल गोपाल तिवारी ने अत्यधिक संतुलन और धैर्य बनाए रखते हुए गोलियां चलाई और अपने सहयोगी पुलिस जवानों की जान बचाने में सफल रहे। यह एक काफी नजदीकी लड़ाई थी जिसमें लगभग 2 घंटों तक पुलिस और डकैतों के बीच भारी गोलीबारी चलती रही। इस प्रकार, श्री जी.आर. मीना, श्री के.पी. खरे, श्री उमेश जोगा, श्री हरि सिंह यादव, श्री यू.सी. तिवारी और श्री बाल गोपाल तिवारी ने अदभुत शौर्य का प्रदर्शन किया। क्षेत्र की तलाशी लिए जाने पर पांच डकैतों के शव मिले। उनकी पहचान गिरोह सरगना सुंदर पटेल, खरदूषण, भोला मवासी, नत्थू मवासी और श्रीपाल पटेल के रुप में हुई।

इस प्रकार इस भीषण मुठभेड़ में श्री जी.आर. मीना ने अनुकरणीय नेतृत्व और अभियान संबंधी असाधारण कौशल का प्रदर्शन किया। उन्होंने आगे बढ़कर प्रशंसनीय रुप से अपने जवानों का नेतृत्व किया तथा अपने साथियों को बचाने के लिए तथा साथ ही साथ कुख्यात डकैतों को मार गिराया जाना सुनिश्चित करने के लिए अपनी जान जोखिम में डालकर अनुकरणीय साहस का प्रदर्शन किया।

बरामदगी:-

1. एक 306 बोर अर्ध स्वचालित राइफल, 4 जिंदा कारतूस
2. एक 30-30 मैनचेस्टर राइफल, 35 जिंदा कारतूस
3. एक 256 बोर राइफल, 31 जिंदा कारतूस
4. दो 315 बोर राइफल, 22 जिंदा कारतूस
5. एक 12 बोर राइफल, 10 जिंदा कारतूस
6. ऊपर उल्लिखित हथियारों के खाली केस-103

दैनिक इस्तेमाल की वस्तुएं: 05 कैरी बैग, कंबल, ऊनी शॉल और कपड़े।

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री गाजी राम मीना, पुलिस महानिरीक्षक, क्षितीन्द्र प्रकाश खरे, उप महानिरीक्षक, उमेश जोगा, पुलिस अधीक्षक, हरि सिंह यादव, पुलिस अधीक्षक, यू.सी. तिवारी, निरीक्षक और बाल गोपाल तिवारी, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक का द्वितीय बार/पुलिस पदक का प्रथम बार/पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरुप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 24.12.2011 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 54-प्रेज/2015—राष्ट्रपति, मध्य प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री डी.वी.एस. भदौरिया,
निरीक्षक

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 02 सितम्बर, 2005 को पुलिस अधीक्षक, जिला ग्वालियर को होम गार्ड सैनिक गौतम शर्मा के माध्यम से सहसारी नहर के निकट कोन्दोन जंगल में डकैत भरत यादव के अपने पांच सशस्त्र सहयोगियों के साथ मौजूद होने की सूचना प्राप्त हुई जिनका इरादा रात में सहसारी गांव से किसी व्यक्ति का अपहरण करने का था। उन्होंने आगे इसकी सूचना दूरभाष पर उप निरीक्षक आर.एस. भदौरिया, एस.एच.ओ. पुलिस थाना मोहना को सत्यापन और कार्रवाई के लिए दी। इसके साथ-साथ, पुलिस अधीक्षक ने एसडीओपी घटीगांव और

श्री डी.वी.एस. भदौरिया, एस.एच.ओ. पुलिस थाना पुरानी छावनी को उपलब्ध बल के साथ तुरन्त पुलिस थाना मोहना पहुंचने का आदेश दिया। जैसे ही एस.डी.ओ.पी. और निरीक्षक डी.वी.एस. भदौरिया पुलिस थाना मोहना पहुंचे, बल को तीन दलों में विभाजित कर दिया गया। निरीक्षक डी.वी.एस. भदौरिया, एस.एच.ओ. पुलिस थाना पुरानी छावनी तथा उप निरीक्षक आर.एस. भदौरिया एस.एच.ओ. पुलिस थाना मोहना को क्रमश: दल सं. 1 और 2 का नेतृत्व करने को कहा गया। उन्हें क्रमश: दक्षिण और उत्तर-पश्चिम से डकैतों की घेराबंदी करने तथा घात लगाने का कार्य सौंपा गया। श्री जगन्नाथ मरकम, एसडीओपी "कट ऑफ पार्टी" के रुप में निर्धारित तीसरे दल के प्रभारी बने रहे और ईश्वरी की पुलिया पर तैनात किए गए। उचित ब्रीफिंग के पश्चात् सभी दलों ने सरकारी वाहनों में गांव सहसारी तक 10 किमी. का रास्ता तय किया, वहां से सभी दल पैदल चले और दिनांक 02.09.2005 को लगभग 2400 बजे मुखबिर द्वारा बताए गए स्थानों पर घात लगाकार बैठ गए। वह एक असुरक्षित समतल स्थान सा था जो छोटी झाड़ियों से चारों तरफ से खुला था। दिनांक 03.09.2005 को लगभग 0100 बजे कुछ टार्च लाइटें दल नं. 1 और 2 की तरफ आते हुए दिखीं। जब सशस्त्र डाकू, जिनकी संख्या पांच थी, लगभग 100-150 गज की दूरी पर रह गए, तब निरीक्षक डी.वी.एस. भदौरिया और उप निरीक्षक आर.एस. भदौरिया ने उनसे समर्पण करने तथा हथियारों को नीचे रखने के लिए आवाज दी लेकिन उन्होंने पुलिस दलों पर अंधाधुंध गोलियां बरसानी शुरु कर दी। दोनों पुलिस अधिकारियों ने पुन: उनसे आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, परन्तु उन्होंने अपशब्द कहे और उनके अनुरोध को अनसुना कर गए। तब पुलिस दलों को आत्मरक्षा हेतु गोलियां चलाने का आदेश दिया गया। पुलिस की लगातार गोलीबारी से डकैत घबरा गए और पुलिस दलों पर गोलियां बरसाना जारी रखा। इस महत्वपूर्ण घड़ी में निरीक्षक डी.वी.एस. भदौरिया ने अपने बल का मनोबल बढ़ाया तथा उन्हें डकैतों को घेर लेने तथा अपनी रक्षा के लिए गोलियां चलाते रहने का आदेश दिया। ऐसी भयानक परिस्थिति में लगातार गोलाबारी के बीच निर्भीक और अडिग रहते हुए उन्होंने अनुरकणीय साहस का परिचय दिया और अपनी जान की लेशमात्र भी परवाह नहीं की। निरीक्षक डी.वी.एस. भदौरिया, उप निरीक्षक आर.एस. भदौरिया, होम गार्ड सैनिक गौतम शर्मा, कांस्टेबल सुरेश परमार, कांस्टेबल सुनील यादव, कांस्टेबल रणवीर सिंह, कांस्टेबल अजय, कांस्टेबल महेन्द्र प्रताप सिंह, कांस्टेबल चौबे सिंह गुर्जर और कांस्टेबल नरेन्द्र सिंह सर्वाधिक जोखिम और असुरक्षित खुले स्थान में रेंगते हुए आगे बढ़े और डकैतों पर अचूक निशाना लगाया जिसके परिणामस्वरुप दो डकैत चीत्कार करते हुए जमीन पर गिर पड़े। इससे बाकी बचे डकैतों का साहस जवाब दे गया और वे अंधेरे का लाभ उठाकर भाग खड़े हुए। यह मुठभेड़ एक घंटे तक चली, जिसके बाद सूर्योदय होने पर दिनांक 03.09.2005 की सुबह तलाशी अभियान चलाया गया। इसमें दो एसबीबीएल बंदूक और जिंदा तथा खाली राउंड बरामद हुए। मृतक डकैतों की पहचान निम्नानुसार की गई:-

1. गिरोह का सरगना भरत पुत्र सिरदर यादव निवासी केमरार पुलिस थाना गोवर्धन, जिला शिवपुरी, जिसके ऊपर 15000/-रु. का इनाम रखा गया था।

2. डकैत दामो उर्फ दामोदर पुत्र सिरदार, निवासी केमरार, पुलिस थाना गोवर्धन, जिला-शिवपुरी, जिसके ऊपर 15000/-रु. का इनाम रखा गया था।

इस पूरे अभियान में निरीक्षक डी.वी.एस. भदौरिया ने अंतिम क्षणों तक लड़ते रहने की अदम्य इच्छाशक्ति के साथ-साथ साहस, बहादुरी, धैर्य और दृढ़ता के जबरदस्त सम्मिश्रण का परिचय दिया। उन्होंने अपने कर्तव्य के निर्वहन के प्रति उत्कृष्ट शौर्य, अटूट हिम्मत और बुद्धिमानी का प्रदर्शन किया तथा अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बगैर दोनों ओर से हुई गोलाबारी के दौरान खुले मैदान में डकैत के निकट पहुंचने के लिए रेंगते रहे।

बरामदगी:-

1.	12 बोर एसबीबीएल	-02
2.	.315 बोर देशी	-01
3.	जिंदा राउंड 12 बोर	-11
4.	खाली राउंड 12 बोर	-12
5.	जिंदा रांड .315 बोर	-01
6.	खाली राउंड .315 बोर	-06
7.	दैनिक इस्तेमाल की वस्तुएं: कपड़े, बैग, बर्तन आदि।	

इस मुठभेड़ में श्री डी.वी.एस. भदौरिया, निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरुप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 03.09.2005 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 55-प्रेज/2015–राष्ट्रपति, महाराष्ट्र पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

1. गिरिधर नागो अतराम, (मरणोपरान्त)
   पुलिस नायक
2. यशवंत अशोक काले,
   उप पुलिस अधीक्षक
3. प्रकाश वेंकट वाघमारे,
   पुलिस उप निरीक्षक
4. सदाशिव लखमा मादवी,
   पुलिस नायक
5. गंगाधर मदनैय्या सिदम,
   पुलिस नायक
6. मुरलीधर सखाराम वेलाडी,
   पुलिस कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

श्री यशवंत अशोक काले बतौर उप पुलिस अधीक्षक दिनांक 01.06.2010 को महाराष्ट्र पुलिस सेवा में शामिल हुए थे तथा दिनांक 19.09.2012 से वे गढ़चिरौली जिले के जिमालगट्टा सब-डिवीजन के एस.डी.पी.ओ. के पद पर कार्य कर रहे थे।

श्री प्रकाश वेंकटराव वाघमारे वर्ष 2013 से बतौर पुलिस उप निरीक्षक विशेष अभियान दस्ता, अहेरी (नक्सल-रोधी अभियानों को चलाने वाली एक विशिष्ट टीम, जिसे स्थानीय तौर पर सी-60 टीम के नाम से जाना जाता है) में तैनात थे।

एन.पी.सी. सदाशिव लखमा मादवी और एन.पी.सी. गंगाधर मदनैय्या सिदम दोनों वर्ष 2003 से विशेष अभियान दस्ता, अहेरी (सी-60 टीम) में तैनात थे। दोनों, वर्तमान में विशेष अभियान दस्ता, अहेरी (सी-60) में दल कमांडरों के रुप में कार्य कर रहे हैं। सदाशिव मादवी नक्सलियों के साथ 18 मुठभेड़ों में हिस्सा ले चुके थे और अब तक 3 नक्सलियों का खात्मा करने में सफल रहे हैं। गंगाधर सिदम नक्सलियों के साथ हुई 11 मुठभेड़ों में शामिल रहे थे और अब तक उनके हाथों 8 नक्सली मारे जा चुके हैं।

उनके अतिरिक्त, शहीद एन.पी.सी. गिरिधर नागो अतराम वर्ष 2008 से विशेष अभियान दस्ते में शामिल थे। उन्होंने नक्सलियों के साथ हुई छह मुठभेड़ों में हिस्सा लिया हुआ था और दो नक्सलियों को मौत के घाट उतार चुके थे तथा पुलिस कांस्टेबल मुरलीधर सखाराम वेलाडी बतौर कांस्टेबल वर्ष 2012 में विशेष अभियान दस्ते में शामिल हुए थे।

दिनांक 10.04.2014 को लोक सभा चुनाव, 2014 नक्सली हमले के जबरदस्त खतरे के साये में आयोजित किया गया तथा नक्सलियों ने चुनाव के बहिष्कार की घोषणा कर रखी थी। पी.एस.आई. प्रकाश वाघमारे के नेतृत्व में दल कमांडर सदाशिव मादवी और उनके साथियों को जमालगट्टा सब-डिवीजन में आशा मतदान केन्द्र पर लोक सभा चुनाव 2014 के सुरक्षित आयोजन के संबंध में ई.वी.एम. मशीनों सहित मतदान-कर्मी दल की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। यह घने वनों से आच्छादित एक पर्वतीय और अत्यंत दूरस्थ क्षेत्र था जो नक्सलियों द्वारा घात लगाए जाने की दृष्टि से अत्यंत उपयुक्त था। इस दल ने आशा मतदान केन्द्र पर सफलतापूर्वक चुनाव की प्रक्रिया पूरी कराई तथा मतदान समाप्त होने के बाद दिनांक 10.04.2014 को ही ई.वी.एम. मशीनों सहित आशा मतदान केन्द्र से रेपानपल्ली आधार शिविर चल दिए। वे नैनगुंडम गांव पहुंचे तथा रात होने पर वन क्षेत्र में रुक गए।

तत्पश्चात्, दिनांक 11.04.2014 को लगभग 0930 बजे मतदान-कर्मियों के दल के साथ यह पुलिस दल नैनगुंडम से रेपानपल्ली के लिए रवाना हुआ। पुलिस दल अभी मुश्किल से कुछ किलोमीटर ही आगे गया था और जब वे टोंडर क्रासिंग के निकट थे, तब पी.एस.आई. वाघमारे को सड़क के दोनों ओर घने जंगलों और पहाड़ों में संदिग्ध और अप्रत्याशित आवाजाही के बारे में पक्की खुफिया जानकारी प्राप्त हुई। आगे आने वाले खतरे को भांपते हुए आर.एफ. दूरसंचार सेट पर इसकी सूचना एस.डी.पी.ओ. जिमालगट्टा, श्री काले, एस.डी.पी.ओ. को दी, जिन्होंने पुलिस दल को यह आश्वासन दिया कि वे अपने कुछ आदमियों के साथ पुलिस दल की सहायता हेतु शीघ्र रवाना हो रहे हैं।

जैसे ही पी.एस.आई. वाघमारे और उनका दल बढ़ा, चंद मिनटों में 70-80 सशस्त्र नक्सलियों, जो पहले से सड़क के दोनों ओर पहाड़ की ऊंचाइयों पर योजना बनाकर घात लगाए बैठे थे, पुलिस दल पर अंधाधुंध गोलीबारी करके जबरदस्त हमला बोल दिया। इसके बाद रुक-रुक कर क्लेमोर सुरंगों के विस्फोट होने लगे जो उन्होंने सड़क के किनारों पर पहले से बिछाया हुआ था। पी.एस.आई. वाघमारे और दल कमांडर सदाशिव मादवी इस हमले से बिना डरे तुरंत हरकत में आए तथा जवाब देना शुरु किया। मतदान कर्मियों और ई.वी.एम. के महत्व और सुरक्षा को सर्वोपरि मानते हुए पी.एस.आई. वाघमारे ने अपनी जान को जोखिम में डालकर अपने दल के साथ उन्हें शारीरिक कवच प्रदान कर उनकी सुरक्षा की।

इसी बीच, एस.डी.पी.ओ. काले, दल कमांडर गंगाधर सिदम तथा माइन प्रोटेक्टिव वाहन में सवार कुछ व्यक्तियों के साथ घात-स्थल की ओर चल पड़े। टोंडर क्रासिंग पर वे एक ऐसी सड़क पर पहुंचे, जो नक्सलियों द्वारा अवरुद्ध कर दी गई थी। एस.डी.पी.ओ. काले ने आसन्न खतरे को भांप लिया, अपने जवानों को सावधान किया तथा अवरोध हटाने का प्रयास करने लगे। जब यह कार्य किया जा रहा था, तभी नक्सलियों ने अचानक उन पर हमला कर दिया। नक्सली हमले की परवाह न करते हुए, एस.डी.पी.ओ. काले और एन.पी.सी. गंगाधर सिदम अपने जवानों के साथ नक्सलियों को गोलाबारी से जवाब देते हुए बड़ी दिलेरी के साथ हमले की दिशा में बढ़ने लगे। इसी क्षण नक्सलियों ने एक आई ई डी विस्फोट किया और एस.डी.पी.ओ. काले बाल-बाल बचे। बिना डरे वे और उनके जवान घात-स्थल पर पहुंचे तथा बड़े साहस के साथ घात को छिन्न-भिन्न करते हुए नक्सलियों का हमला झेल रहे मतदान कर्मियों के दल और पुलिस दल की रक्षा की।

इस हमले के दौरान, एन.पी.सी. गिरिधर अतराम, जो पुलिस दल के प्रणेता थे, जवानों के एक दल के साथ नक्सलियों, जो ऊंचाई और प्रभुत्व वाले क्षेत्र में मौजूद थे, द्वारा चलाई जा रही गोलियों और किए जा रहे आई.ई.डी. विस्फोटों से बचते हुए उनकी घात को तोड़ने के इरादे के साथ एक ओर से नक्सलियों की तरफ बढ़े। एन.पी.सी. अतराम अपनी जान को जोखिम में डालकर शत्रु की दिशा में लगातार आगे बढ़ते रहे और नक्सलियों के हमले का मुंहतोड़ जवाब दिया। इस दल के अन्य जवान पी.सी. मुरलीधर वेलाडी, जो अग्रणी स्थिति में थे, बिना किसी भय के नक्सलियों को कड़ा जवाब देते हुए उनकी तरफ बढ़े और अपनी जान की परवाह न करते हुए घात को तोड़ने का प्रयास किया।

मतदान कर्मियों के दल की सुरक्षा करने में अपने साहसिक प्रयासों से पी.सी. वेलाडी गंभीर रुप से घायल हो गए, तब पी.एस.आई. वाघमारे नक्सलियों द्वारा की जा रही गोलियों की बरसात के बावजूद घायल पी.सी. वेलाडी को अपने शरीर का ढाल बनाकर उन्हें मतदानकर्मी दल के पास ले आए और उनके जीवन की रक्षा की। अंततः बहादुर पुलिस दलों द्वारा पहुंचाई जा रही भारी क्षति को देखते हुए नक्सलियों को जंगल की ओर वापस भागने के लिए विवश होना पड़ा।

तथापि, नियति ने कुछ और ही सोच रखा था, नक्सलियों की एक गोली एन.पी.सी. गिरिधर अतराम के माथे में आकर लगी और उनका प्राणान्त हो गया। तत्काल दल कमांडर मादवी ने बिना किसी हिचक के उनका स्थान लिया तथा आवश्यक कवर फायर उपलब्ध कराया ताकि किसी और के हताहत होने से बचा जा सके। यहां उन्होंने भारी गोलाबारी, आई.ई.डी. विस्फोटों तथा प्रेशर रिलीज बमों से बचते हुए घात लगाकार किए गए नक्सली हमले से अपने जवानों और मतदान कर्मियों की रक्षा करने में अदभुत नेतृत्व क्षमता और शौर्य का परिचय दिया।

एस.डी.पी.ओ. काले ने सूचना पर तुरन्त कार्रवाई की तथा भारी गोलाबारी के बीच फंसे पुलिस और मतदानकर्मी दल को सुरक्षित बाहर निकालने में सफल रहे। उन्होंने अनुकरणीय साहस का परिचय दिया और आगे बढ़कर अपने जवानों का नेतृत्व किया। पी.एस.आई. वाघमारे और उनके जवानों ने भी घात लगाकर किए गए हमले में निर्भीकता दिखाई और अपने कर्तव्य पर डटे रहे। ई.वी.एम. और मतदान दल के कर्मियों की रक्षा कर उन्होंने राष्ट्र के प्रजातांत्रिक मूल्यों को भी कायम रखा। इस कार्य में उन्होंने अपनी जान की तनिक भी परवाह न करते हुए अत्यधिक साहस और शौर्य का परिचय दिया।

इसके अतिरिक्त, इस घटना के चंद दिनों बाद ही आसूचना एजेंसियों ने यह विश्वस्त जानकारी साझा की कि इस मुठभेड़ में घायल दो नक्सली काडरों की अगले दिन मृत्यु हो गई और उनके शवों को नक्सलियों ने जंगल में दफना दिया है।

बरामदगी:

i) 32 इंच लंबाई और 2.5 इंच व्यास की लोहे की पाइप।

ii) बिजली के तारों के तीन बंडल।

iii) काले रंग के कैमरे की फ्लैश स्विच

iv) एके-47 राइफल के 7 खाली केस

v) एस एल आर राइफल के 5 खाली केस

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री (स्व.) गिरीधर नागो अतराम, पुलिस नायक, यशवंत अशोक काले, उप पुलिस अधीक्षक, प्रकाश वेंकट वाघमारे, पुलिस उप निरीक्षक, सदाशिव लखमा मादवी, पुलिस नायक, गंगाधर मदनैय्या सिदम, पुलिस नायक और मुरलीधर सखाराम वेलाडी, पुलिस कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरुप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 11.04.2014 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 56-प्रेज/2015–राष्ट्रपति, महाराष्ट्र पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

1.	गणपत नेवरु मादवी हेड कांस्टेबल	(वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक -मरणोपरान्त)
2.	अतुल श्रवण तावडे पुलिस उप निरीक्षक	(वीरता के लिए पुलिस पदक)
3.	अंकुश शिवाजी माने पुलिस उप निरीक्षक	(वीरता के लिए पुलिस पदक)
4.	विनोद मेसो हिकामी पुलिस नायक	(वीरता के लिए पुलिस पदक)
5.	सुनील तुकाडु मादवी पुलिस कांस्टेबल	(वीरता के लिए पुलिस पदक-मरणोपरांत)
6.	इंदरशाह वासुदेव सदमेक पुलिस नायक	(वीरता के लिए पुलिस पदक)

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 28.10.2013 को आसूचना आधारित जानकारी प्राप्त होने एवं अपर पुलिस अधीक्षक (प्रचालन) गढ़चिरौली द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के आधार पर पुलिस उप निरीक्षक तावडे और पुलिस उप निरीक्षक माने, चार दल कमांडरों अर्थात एन.पी.सी. सदमेक, एन.पी.सी. हिकामी, हेड कांस्टेबल एद्धव कुमारे और हेड कांस्टेबल चंद्रैय्या गोदारी ने और उनके दलों के साथ पुलिस थाना इटापल्ली, जो नक्सलियों के गढ़ वाला इलाका है, के क्षेत्राधिकार में हिदुर जंगल क्षेत्र में नक्सल-रोधी तलाशी अभियान छेड़ा। जब ये दल पैदल हिदुर जंगल क्षेत्र के पर्वतीय और घने जंगल वाले क्षेत्र से गुजर रहे थे, तब लगभग 1030 बजे पुलिस दलों पर 100-150 अज्ञात सशस्त्र नक्सलियों ने अचानक हमला बोल दिया जो पहले से घात लगाए बैठे थे। अचानक हुए इस हमले से बिना डरे पी.एस.आई. तावडे और पी.एस.आई. माने ने अपने जवानों को तत्काल पोजिशन लेने तथा साथ ही साथ नक्सलियों की गोलियों का जवाब देने का आदेश दिया। नक्सलियों की संख्या अधिक होने पर ध्यान दिए बिना पी.एस.आई. तावडे अपने जवानों के साथ नक्सलियों पर गोलाबारी करते रहे। जबकि पी.एस.आई. माने अपने कुछ आदमियों के साथ दोनों तरफ से होने वाली भारी गोलाबारी के बीच नक्सलियों के पीछे चले गए तथा लगातार बढ़ते रहे और जबरदस्त गोलाबारी में नक्सलियों को उलझाए रखा जो लगभग एक घंटे तक चलती रही। इस प्रकार पुलिस दल द्वारा तगड़ी जवाबी कार्रवाई के कारण नक्सलियों को अपना सामान छोड़कर भागने पर विवश होना पड़ा। इस मुठभेड़ में, पुलिस दल दो महिला नक्सलियों को मार गिराने तथा उनके हथियार और गोलाबारुद जब्त करने में सफल रहा। इस मुठभेड़ के दौरान, दल कमांडर अर्थात् एन.पी.सी. हिकामी और एन.पी.सी. सदमेक ने असाधारण साहस का प्रदर्शन किया और नक्सली हमले को सफलतापूर्वक विफल कर दिया। वस्तुतः, इन पुलिस कर्मियों ने अपनी जान को जोखिम में डालकर नक्सलियों की घात को छिन्न-भिन्न कर दिया और अपने जवानों की जान बचाई।

तत्पश्चात्, जब पी.एस.आई. तावडे और पी.एस.आई. माने के नेतृत्व में ये दल जंगल से होकर आ रहे थे तथा पूर्व घटनास्थल से 5 से 6 किमी. दूर रेकामेटा और टोडगट्टा के बीच थे, तब नक्सलियों ने फिर से उन पर हमला बोल दिया, जो इन पुलिस कर्मियों को

मारने की मंशा से पहले से घात लगाकर बैठे हुए थे। ऐसा होने पर पी.एस.आई. तावडे और पी.एस.आई. माने अचानक हुए हमले से पुन: नहीं घबराए और बड़ी बहादुरी के साथ पुलिस दलों को जमीन पर उपलब्ध सुरक्षित आड़ लेने की सलाह दी तथा आत्मरक्षा के लिए गोलाबारी का जवाब देने के लिए उनका हौसला बढ़ाया। क्षेत्र में पहले से लाभ की स्थिति में रहने के कारण शुरुआती बढ़त होने के बावजूद पी.एस.आई. तावडे और पी.एस.आई. माने ने अपने अनवरत प्रयासों तथा साहसिक जवाबी कार्रवाई के समन्वय के द्वारा पुलिस दलों का मनोबल बखूबी बढ़ाया। इस जवाबी कार्रवाई के दौरान, हेड कांस्टेबल गणपत मादवी और पुलिस कांस्टेबल सुनील मादवी, वे दो बहादुर सैनिक थे जो आगे बढ़कर नक्सलियों से लोहा ले रहे थे और अपनी जान की परवाह किए बिना उन्होंने नक्सली घात को सफलतापूर्वक तोड़ दिया। अत: नक्सलियों के पास जंगल में भागने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा। तथापि, दुर्भाग्यवश इस मुठभेड़ के दौरान हेड कांस्टेबल गणपत मादवी को गोली लगी और वे शहीद हो गए। जबकि एन.पी.सी. तेजराव रुशी तेलामी नामक एक अन्य कांस्टेबल गंभीर रुप से घायल हो गए।

इस प्रकार, उपर्युक्त पुलिस कर्मियों द्वारा प्रदर्शित असाधारण शौर्य और अपने कर्तव्य के प्रति समर्पण ने नक्सल प्रभावित इस जिले में कार्यरत अन्य पुलिस कर्मियों के लिए उदाहरण पेश किया है।

की गई बरामदगी:

01. .303 राइफल के कारतूस-17

02. 12 बोर राइफल के जिंदा कारतूस-26

03. हैंडमेड हैंड ग्रेनेड-7

04. अन्य हैंड ग्रेनेड-2

05. पिट्ठू-27

06. सोलर प्लेट-1

07. प्लास्टिक केन-5

08. बैटरी-1

09. 12 बोर राइफल में इस्तेमाल किए गए गोला-बारुद-8

10. एस.एल.आर. राइफल में इस्तेमाल किए गए गोलाबारुद-8

11. नक्सली साहित्य के साथ अन्य विविध नक्सल सामग्री

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री (स्वर्गीय) गणपत नेवरु मादवी, हेड कांस्टेबल, अतुल श्रवण तावडे, पुलिस उप निरीक्षक, अंकुश शिवाजी माने, पुलिस उप निरीक्षक, विनोद मेसो हिकामी, पुलिस नायक, (स्वर्गीय) सुनील तुकाडु मादवी, पुलिस कांस्टेबल और इंदरशाह वासुदेव सदमेक, पुलिस नायक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, राष्ट्रपति का पुलिस पदक/पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरुप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 28.10.2013 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 57-प्रेज/2015–राष्ट्रपति, महाराष्ट्र पुलिस के निम्नलिखित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री मो. सुवेज महबूब हक,
पुलिस अधीक्षक

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

श्री मो. सुवेज हक (जन्म की तारीख 01.07.1978), पुलिस अधीक्षक, गढ़चिरौली वर्ष 2005 में भारतीय पुलिस सेवा में शामिल हुए थे। तत्पश्चात् वे अब तक लगातार नक्सल प्रभावित 3 जिलों अर्थात गोंडिया, चन्द्रपुर और गढ़चिरौली में पुलिस अधीक्षक के पद पर रह चुके हैं। उनके नेतृत्व में पुलिस, 1 राज्य समिति सदस्य, 1 क्षेत्र समिति सचिव और 10 अन्य सदस्यों सहित गोंडिया और चंद्रपुर जिलों में नक्सलियों के शीर्ष काडरों को गिरफ्तार कर चुकी है।

दिनांक 25.06.2012 को, उन्होंने स्वेच्छा से पुलिस अधीक्षक, गढ़चिरौली के पद पर कार्यभार ग्रहण किया तथा बल के मनोबल को बढ़ाया जो पूर्व की असफलताओं के कारण बेहद गिरा हुआ था।

9 और 10 दिसम्बर, 2012 की मध्य-रात्रि में पुलिस थाना कोरची के क्षेत्राधिकार में गाँव लेकुरबाड़ी के जंगल-क्षेत्रों में बड़ी संख्या में सशस्त्र नक्सलियों के ठिकाने के बारे में खुफिया जानकारी प्राप्त हुई। बल में मुकाबले की भावना जगाने के लिए श्री हक ने तत्काल अभियान चलाने तथा उसका नेतृत्व करने का निर्णय लिया। उन्होंने परिवीक्षाधीन पुलिस उप निरीक्षकों गाडे और राठौड़ के साथ मिलकर अभियान की योजना बनाई और वाहनों में चल पड़े। गडगडा गांव पहुंचने पर वे सभी वाहनों से उतर गए और लक्षित-स्थल, जो उतरने की जगह से लगभग 25 किमी. दूर था, तक पहुंचने के लिए एक रणनीति के तहत दो दलों में बँट गए। श्री हक अपने दलों के साथ पैदल पहाड़ी और घने जंगलों से भरे क्षेत्रों को पार करने लगे, जो नक्सलियों का मजबूत गढ़ था। उन्होंने लेकुरबाड़ी के जंगल में प्रवेश किया तथा तलाशी अभियान आरंभ किया। लगभग 1145 बजे जब ये दल घने जंगलों की तलाशी ले रहे थे, तब 30-35 अज्ञात सशस्त्र नक्सलियों ने अचानक हमला कर दिया जो पूर्व-नियोजित योजना के तहत घात लगाए हुए थे। इन जवानों ने गोलियों की बौछार से अपने को बचाने के लिए तुरन्त पेड़ों और बड़े पत्थरों के पीछे पोजीशन ले ली। अचानक हुए इस हमले से बिना विचलित हुए श्री हक ने एक दल को नक्सलियों का जवाब देने तथा जवानों को अपनी पोजीशन बदलते रहने का आदेश दिया। उन्होंने पीएसआई गार्ड और पीएसआई राठौड़ को भी पूर्वी और पश्चिमी ओर से अपने दल को आगे बढ़ाने तथा इस प्रकार से नक्सलियों को पीछे से घेर लेने का आदेश दिया। श्री हक स्वयं आगे बढ़े तथा नक्सली गोलीबारी का जवाब देने के लिए अपने दल को प्रोत्साहित किया। नक्सलियों ने पुलिस की तरफ भारी गोलाबारी करना जारी रखा तथा लाभ की स्थिति में होने के कारण पुलिस दल का खात्मा करने के लिए तेजी से प्रयास कर रहे थे। तब श्री हक ने नक्सलियों की तरफ एक यूबीजीएल चलाने का निर्देश दिया। पुलिस की तरफ से हो रही प्रभावी जवाबी कार्रवाई के बावजूद नक्सली पुलिस को काबू में करने के लिए बड़ी चुनौती पेश कर रहे थे। श्री हक ने अपना संतुलन बनाए रखा तथा अपने दल को सुरक्षा की आड़ में और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। वे स्वयं दल के कुछ सदस्यों के साथ आगे बढ़े तथा नक्सलियों को पुलिस दल की ओर आने से रोकने के लिए काफी गोलियां चलाईं। दोनों ओर से यह गोलीबारी लगभग आधे घंटे तक चलती रही जिसके बाद नक्सली यह समझ गए कि उनका प्रयास निरर्थक सिद्ध होगा और वे भागने में सफल हो गए। श्री हक ने घटना-स्थल तथा इसके आस-पास की तलाशी ली और अपनी जान बचाने के लिए भागे नक्सलियों द्वारा छोड़े गए प्रयुक्त और अप्रयुक्त गोलाबारुद और अन्य सामग्री को बरामद किया।

इन नक्सलियों का पीछा करने के दौरान स्थिति की ओर इंगित कर रहे संकेतकों तथा पंजों के निशान तथा वास्तविक रुप से उपलब्ध खुफिया जानकारी से भी श्री हक को मालूम हुआ कि ये नक्सली निकट के गांवों लेकुरबाड़ी और नवेजारी की तरफ भागकर गए हैं। घात लगाए जाने तथा नक्सलियों द्वारा हमला किए जाने की जबरदस्त संभावना से विचलित हुए बिना उन्होंने नक्सलियों का पीछा करने का निर्णय लिया तथा अंधेरी रात में तलाशी अभियान जारी रखा। रास्ते में नवेजारी गांव के निकट उन्हें यह सूचना मिली कि नक्सली एक विशेष स्थान पर रुक गए हैं। श्री हक अपने दल को लेकर जल्दी से उक्त स्थल पर पहुंच गए तथा वहां से भारी मात्रा में नक्सलियों के हथियार और गोलाबारुद एवं वॉकी-टॉकी सेट बरामद किए।

श्री मो. सुवेज हक, पुलिस अधीक्षक, गढ़चिरौली, जिन्होंने व्यक्तिगत रुप से इस अभियान की योजना बनाई थी, ने पुलिस दल को गंभीर खतरे पर ध्यान दिए बगैर उपर्युक्त अभियान चलाया। उन्होंने असाधारण साहस और अपने कर्तव्य के प्रति समर्पण का प्रदर्शन किया तथा अपनी जान को जोखिम में डालकर सफलतापूर्वक उनकी योजना को विफल कर दिया। घात लगाए जाने की अत्यधिक आशंका होने के बावजूद उन्होंने तलाशी अभियान जारी रखा तथा भारी मात्रा में हथियार और गोलाबारुद की बरामदगी की। इस प्रकार श्री सुवेज हक ने अपने जीवन को आसन्न खतरा होने के बावजूद अपने कर्तव्य के निर्वहन के प्रति एक अनूठी पहल और साहस का प्रदर्शन किया।

दिनांक 25.06.2012 को श्री हक द्वारा पुलिस अधीक्षक, गढ़चिरौली का कार्यभार ग्रहण किए जाने के बाद से जिला पुलिस द्वारा 72 मुठभेड़ों, 40 कुख्यात नक्सलियों को मार गिराए जाने, 66 आग्नेयास्त्रों की जब्ती तथा 67 नक्सलियों के आत्मसमर्पण के जरिए शानदार सफलताएं हासिल की गई हैं। "गढ़चिरौली पैटर्न" के तौर पर व्यापक रुप से ज्ञात उनकी पहल को माओवादियों का मुकाबला करने के लिए रोल मॉडल के रुप में मान्यता दी गई है। इन उपलब्धियों के लिए उन्हें वर्ष 2013 में डीजीपी इन्सिगनिया से सम्मानित किया गया है।

बरामदगी:

(क) लेकुरबाड़ी जंगल क्षेत्र से

(i) एसएलआर के इस्तेमाल किए गए बुलेट कार्टिज-02

(ii) .303 राइफल का जिंदा गोलाबारुद-01

(ख) जंगल क्षेत्र से

(i) .315 मस्केट राइफल का जिंदा गोलाबारुद-570

(ii) 0.22 मिमी. के जिंदा गोलाबारुद -14

(iii) वॉकी टॉकी सेट-02

इस मुठभेड़ में श्री मो. सुवेज महबूब हक, पुलिस अधीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरुप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 10.12.2012 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 58-प्रेज/2015–राष्ट्रपति, मणिपुर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक का छठा बार/वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

1. पी. संजय सिंह , निरीक्षक (वीरता के लिए पुलिस पदक का छठा बार)

2. गीते खामजामुंग, कांस्टेबल (वीरता के लिए पुलिस पदक)

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 06.02.2012 को लगभग सायं 5.30 बजे निरीक्षक पी. संजय सिंह प्रभारी, कमांडो चौकी, लामशांग, इम्फाल पश्चिम जिला को विश्वसनीय जानकारी मिली कि तथाकथित कॉरकौम (पीएलए, यूएनएलएफ, पीआरईपीएके, केवाईकेएल और केसीपी की समन्वय समिति) का एक भाग, घाटी स्थित आतंकवादी समूह, जो सबसे खतरनाक समूह है, इस प्रकार के विधिविरुद्ध क्रियाकलाप करने के लिए फायेंग गांव, इम्फाल पश्चिम जिले के सार्वजनिक क्षेत्र में इधर-उधर घूम रहे हैं, जो गंभीर किस्म के होंगे, जिनका प्रभाव असहनीय रूप से विदारक होगा और परिणाम बेहद भयानक होंगे। विश्वस्त सूचना मिलने पर निरीक्षक पी. संजय सिंह ने 10-असम राइफल्स के दस्ते तथा मुख्यालय 9 सेक्टर के दल से संपर्क किया तथा अपने क्षेत्राधिकार में इम्फाल-कांगचुप सड़क पर तथा इम्फाल से लगभग 14 किमी. की दूरी पर स्थित कादंगबैंड गांव को जाने वाली सड़क जहां दो रास्तों में बंट जाती है, वहां 10 असम राइफल्स के दस्ते और मुख्यालय 9 सेक्टर के दल को तैनात करने की योजना बनाई।

लगभग 6.30 बजे इम्फाल-कांगचुप सड़क पर तैनात कमांडो दल की तरफ दो मोटर साइकिलें आते हुए दिखीं। कमांडो दल के एक कमांडो ने आने वाली दोनों मोटर साइकिलों को रुकने का संकेत दिया। एकाएक दोनों मोटर साइकिलों ने 'यू' टर्न लिया तथा कमांडो दल से बचने के लिए फायेंग की तरफ तेजी से भागीं। निरीक्षक पी. संजय सिंह और उनका दल अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की कतई परवाह न करते हुए अपने चिर-परिचित अर्थपूर्ण तरीके से मुकाबला करने की मुद्रा तथा भूमिगत तत्वों से निपटने में अपेक्षित अत्यधिक उत्तरदायित्व के साथ जिप्सी में कूद पड़े तथा तेजी से भाग रहे भूमिगत तत्वों का तुरन्त पीछा किया। जब पीछा कर रहे कमांडो तेजी से भाग रहे भूमिगत तत्वों के पास पहुंच रहे थे, तब उन्होंने स्वचालित हथियारों से कमांडो पर गोलियां चलाई ताकि कमांडो उनका और पीछा करने से बाज आएं। इस महत्वपूर्ण घड़ी में दल के नेता निरीक्षक पी. संजय सिंह, जिनकी बखूबी सहायता कांस्टेबल जी. खामजामुंग कर रहे थे, तेजी से भाग रहे भूमिगत तत्वों द्वारा निरंतर गोलियां चलाए जाने के बावजूद जबरदस्त धैर्य तथा भूमिगत काडरों को पकड़ने की दृढ़निश्चयी प्रतिबद्धता के साथ उनका पीछा किया और विद्रोहियों की तरफ गोलियां चलाते हुए आगे बढ़े।

निरीक्षक पी. संजय सिंह के नेतृत्व में कमांडो दल के सदस्यों द्वारा लगातार गोलियां चलाए जाने के साथ पीछा जारी रखे जाने कारण तेजी से भाग रही मोटर साइकिल पर सवार एक काडर घबरा गया और मुख्य सड़क के पास गिर पड़ा। निरीक्षक पी. संजय और कांस्टेबल जी. खामजामुंग तुरंत जिप्सी से नीचे कूद पड़े तथा अपनी जान की तनिक भी परवाह न करते हुए केवल भाग रहे भूमिगत काडरों को पकड़ने के लिए उस दिशा की तरफ भागे, जहां मोटरसाइकिल गिर पड़ी थी। श्री पी. संजय और कांस्टेबल जी. खामजामुंग की अतुलनीय कार्रवाई के दौरान एक काडर को गोली लगी थी। दूसरा मोटरसाइकिल सवार अंधेरे का लाभ उठाकर भागने में सफल हो गया। हालांकि उप निरीक्षक तरुण कुमार सिंह, कमांडो, इम्फाल पश्चिम के नेतृत्व में दूसरे कमांडो दल ने तेजी से भाग रही मोटर साइकिल का

पीछा किया, लेकिन तेजी से भाग रहे भूमिगत अपराधियों द्वारा असामान्य स्थिति का फायदा उठाए जाने के कारण इसका कोई नतीजा नहीं निकला।

लगभग 3-4 मिनट चली इस मुठभेड़ के बाद समूचे क्षेत्र की घेराबंदी कर दी गई और बारीकी से तलाशी ली गई तथा गोली लगा एक शव और मैगजीन में दो जिंदा राउंड सहित 7.62 मिमी कैलिबर की एक पिस्तौल तथा चैम्बर में एक खाली केस और बिना रजिस्ट्रेशन नंबर की लाल रंग की एक मोपेड बरामद हुई।

मृतक तथा घटना-स्थल से जब्त हथियारों और गोलाबारुद, मोटर साइकिल तथा अन्य अभिशंसी वस्तुओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

(क) मैगजीन में दो जिंदा राउंड और चैम्बर में एक खाली केस सहित एक 7.62 पिस्तौल।

(ख) एक चीन निर्मित हैंड ग्रेनेड।

(ग) एके-47 गोलाबारुद के दो खाली केस।

(घ) एक बटुआ जिसें 20/-रु. थे।

(ङ) एक मोबाइल हैंड सेट।

(च) एक राइटिंग पैड।

(छ) बिना रजिस्ट्रेशन नंबर की चाभियों सहित एक एक्सेस 125 (लाल रंग की)।

इसका संबंध भारतीय दंड संहिता की धारा 307/34, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 20, अधिनियम 25 (1-ग) क, अधिनियम और विस्फोटक सामग्री अधिनियम की धारा 5 के तहत लामशंग पुलिस थाने में दर्ज एफआईआर मामला सं. 10(2) 2012 से है।

जांच के दौरान आगे के घटनाक्रम

ऊपर उल्लिखित एफआईआर की जांच के दौरान मृतक की पहचान पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के एक कुख्यात काडर वाहेंगबनाम जयंता सिंह (43 वर्ष) पुत्र डब्ल्यू. हेटोम्बी सिंह, निवासी कुम्बी कांगीजिबुंग मपाल के रुप में हुई।

घटना के बाद के घटनाक्रम

चूंकि मृतक पीएलए, डब्ल्यू. जयंता सिंह पीएलए का कुख्यात काडर था, इसलिए उसके संगठन ने मृतक पीएलए के 'श्राद्ध समारोह' में होने वाले खर्च को वहन किया। दिनांक 11.02.2012 को दो महिलाओं के हाथों 30000/-रु. भिजवाए गए। विष्णुपुर जिले के कमांडो ने जाल बिछाया तथा 30000/-रु. के साथ दोनों वाहकों को पकड़ लिया। इस संबंध में कुम्बी पुलिस थाना में विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 17/20 के तहत एफआईआर मामला सं. 4(2)2012 दर्ज है।

इस मुठभेड़ में निरीक्षक पी. संजय सिंह और कांस्टेबल जी. खामजामुंग ने उत्कृष्ट साहस और अपनी जान की तनिक परवाह न करते हुए अत्यधिक प्रतिकूल परिस्थिति में अपनी चिर-परिचित गंभीरता के साथ प्रतिबद्धता तथा पेशेवर कौशल का जो जबरदस्त परिचय दिया वह न केवल अनुकरणीय है बल्कि दुर्लभ भी है। इस मुठभेड़ के कारण भूमिगत संगठन विशेषकर पीएलए के मनोबल पर जबरदस्त प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री पी. संजय सिंह, निरीक्षक और श्री गीते खामजामुंग, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक का छठा बार/पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरुप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 06.02.2012 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 59-प्रेज/2015–राष्ट्रपति, मेघालय पुलिस के निम्नलिखित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री टी.सी. चाको,
उप पुलिस अधीक्षक

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

बांदीगरे गांव, ईस्ट गारो हिल्स जिले के निकट दुरामा रैंज के घने, अभेद्य जंगलों में जीएनएलए और उल्फा के संयुक्त प्रशिक्षण शिविर/सामान्य शिविर के बारे में विश्वसनीय सूचना के आधार पर उग्रवादियों के बेहद सुरक्षित सामान्य शिविर पर अभियान चलाने के संबंध में श्री टी.सी. चाको, एमपीएस, उप पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय), नांगसन और श्री दहिया, सहायक कमांडेंट कोबरा यूनिट के आक्रमण कमान के तहत मेघालय पुलिस स्वाट टीम तथा कोबरा कमांडो के एक दल द्वारा एक अभियान की योजना बनाई गई। आक्रमण दल ने अपने सभी छोटे-छोटे दलों के साथ दिनांक 21.08.2013 को लगभग 21.00 बजे वन में प्रवेश किया और कच्चे रास्तों से होकर 39 घंटे चलने के बाद दिनांक 23.08.2013 को लगभग मध्यान्ह 12 बजे पहाड़ी पर स्थित लक्षित क्षेत्र में पहुंचा।

दक्षिण की ओर, जहां से उग्रवादियों के भागने की संभावना थी, पर तीन छोटे दलों को तैनात करके श्री टी.सी. चाको, एमपीएस, श्री दहिया, सहायक कमांडेंट, कोबरा यूनिट, स्वाट, ईस्ट गारो हिल्स के उप निरीक्षक राबर्ट संगमा वाला आक्रमण दल, स्वाट और कोबरा के कुछ चुनिंदा जवानों के साथ आस-पास के जंगल में आपस में मिलकर लगभग 500 मीटर की दूरी बनाकर चौकसी रखते हुए ऊबड़-खाबड़ जमीन पर सामान्य शिविर की ओर रेंगने लगे तथा उग्रवादियों को अचानक चुनौती देने के आशय के साथ शिविर की ओर बढ़े।

शिविर की पहली झोंपड़ी, जिस पर धूप से बचने के लिए प्लास्टिक कवर था, से 50 मीटर पर दूरी पर रेंगते समय, जब वे तीव्र चढ़ाई को पार कर रहे थे, तब अनेक प्रकार के हथियारों से लैस लगभग 8 से 10 जीएनएलए और उल्फा काडरों ने समुचित आड़ लेकर अपनी लाभ की स्थिति का फायदा उठाकर आक्रमण दल को जमीन पर ही धाराशायी करने तथा आक्रमण दल को आगे बढ़ने से रोकने के लिए एम-16, एके-सीरीज राइफलों से श्री टी.सी. चाको, एमपीएस और कोबरा के सहायक कमांडेंट दहिया के नेतृत्व वाले आक्रमण दल पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरु कर दी। श्री टी.सी. चाको और कोबरा के सहायक कमांडेंट दहिया, स्वाट के उप निरीक्षक राबर्ट संगमा के नेतृत्व में आक्रमण दल ने आत्मरक्षा में जवाबी गोलाबारी से उग्रवादियों को चुनौती पेश की और जान को खतरे वाली स्थिति से वापस न मुड़ने बल्कि आ रहे आक्रमण दल पर लगातार गोलाबारी कर रहे उग्रवादियों की ओर बढ़ने में असाधारण शौर्य और प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया। जब आक्रमण दल पूरे साहस और समर्पण के साथ उग्रवादियों पर गोलाबारी कर रहा था, तब श्री टी.सी. चाको, एमपीएस और श्री दहिया, सहायक कमांडेंट ने उत्कृष्ट नेतृत्व क्षमता और धैर्य का परिचय देते हुए उग्रवादियों की जबरदस्त और अंधाधुंध गोलाबारी से अपनी जान की बिलकुल भी परवाह न करते हुए, आक्रमण दल के बाकी सदस्यों द्वारा की जा रही गोलीबारी का कवर लेते हुए आगे बढ़े तथा जीएनएलए जनरल कैम्प के डिप्टी कैंप कमांडर बलसरंग टी. संगमा को मार गिराया जो घातक एम-16 राइफल से गोलियां चला रहा था। इसके अतिरिक्त आक्रमण दल ने जीएनएलए के दो और काडरों को घायल कर दिया। लगभग 2 किमी. क्षेत्र में फैले तथा शिविर में प्रशिक्षण ले रहे लगभग चालीस (40) की संख्या में शेष उग्रवादी घने जंगलों का फायदा उठाकर भाग खड़े हुए। मृतक उग्रवादी से एक एमआई-16 राइफल, दो मैगजीन और कई दस्तावेज बरामद हुए। तकनीकी और लोगों से एकत्र खुफिया जानकारी से यह पुष्टि हुई कि घटना-स्थल पर मारे गए बलसंरग टी. संगमा के अलावा घायल हुए दो और काडरों में से एक की मृत्यु जंगल में हो गई जबकि दूसरा गोलियों से घायल होने के बावजूद भागने में सफल हो गया।

की गई अन्य बरामदगी:

1. 5.56 मिमी. के 41 जिंदा रांउड
2. 7.62 मिमी. के 14 जिंदा राउंड
3. 5.56 मिमी. के 02 खाली केस
4. 03 नॉन इलेक्ट्रॉनिक डेटोनेटर
5. 01 केनवूड वॉकी टॉकी सेट
6. 11 शॉटगन जिंदा गोलाबारुद
7. 02 इंच की सेफ्टी फ्यूज
8. 01 मैगजीन पाउच
9. 02 मोबाइल सेट

इस मुठभेड़ में श्री टी.सी. चाको, उप पुलिस अधीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरुप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 23.08.2013 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 60-प्रेज/2015—राष्ट्रपति, मेघालय पुलिस के निम्नलिखित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री आदित्य गोयनका,
अपर पुलिस अधीक्षक

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

गारो नेशनल लिबरेशन आर्मी (जीएनएलए), जो विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम के अधीन एक प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन है, मेघालय राज्य में गारो हिल्स और वेस्ट खासी हिल्स जिले में सक्रिय है। इस संगठन के द्वारा सक्रिय रूप से जघन्य आपराधिक एवं राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों को अंजाम दिया जा रहा है जिसमें फिरौती के लिए नागरिकों, सरकारी अधिकारियों एवं शिक्षकों का अपहरण करने, जबरन उगाही, हिंसक प्रदर्शनों में सार्वजनिक एवं निजी संपत्ति को नष्ट करने, पुलिस कर्मियों एवं नागरिकों की निर्ममतापूर्वक हत्या करने, ऐसे जघन्य कृत्यों के वीडियो बांटने, चुनिंदा रूप से कतिपय समुदायों के घरों पर हमला करने और सुरक्षा बलों पर घात लगाकर हमला करने जैसे कृत्य शामिल हैं।

दिनांक 4 अप्रैल, 2012 को लगभग 10:30 बजे अपराह्न में एक स्रोत से सूचना प्राप्त हुई थी कि खेरागालडम क्षेत्र में जीएनएलए के एक्शन कमांडर और उस संगठन में नं. 3 के ओहदे पर तैनात जेन्नी च. मोमिन ऊर्फ रिंगरांग को भारी हथियारों से लैस अन्य 10 उग्रवादियों के साथ देखा गया है। तत्काल श्री आदित्य गोयनका, आईपीएस, अपर पुलिस अधीक्षक (आई/सी एस डी पी ओ रेसूबेलपारा) के नेतृत्व में रेसूबेलपारा में तैनात एसडब्ल्यूएटी (स्वाट) टीम को, जिसमें उप निरीक्षक जीआर बोरो, उप निरीक्षक एस एम संगमा, पैट्रिक मारक, बेरिउश इंघी, मादव राभा, ब्लेंसी लिंगकोइ, रेमस संगमा, अर्पिन नोंगप्लांग, कमलेश सिंह, देबिलान सिमियोंग, प्रोबतसोम संगमा, और डोमा मारक शामिल थे, उग्रवादियों को उलझाने के लिए सक्रिय करते हुए लामबंद किया गया।

आश्चर्य को कायम रखने के लिए एसडब्ल्यूएटी टीम ने एक सिविलियन टाटा सूमो वाहन में यात्रा की ओर उन्होंने खेरागालडम एल पी स्कूल से एक किमी. की दूरी पर उस वाहन को छोड़ दिया और वे पहचाने जाने से बचने के लिए वहां से बेहद सूझ बूझ से आगे बढ़ने लगे। गांव पहुंचकर उन्होंने लक्षित घर और आस-पास के घरों पर छापा मारा लेकिन इसका कोई परिणाम नहीं मिला। लगभग 12:50 बजे पूर्वाह्न में जब टीम ने रणनीतिक रूप से वहां से वापसी शुरू की, तभी 10 मिनट बाद लगभग 01:10 बजे पूर्वाह्न में स्कूल से लगभग दो सौ मीटर की दूरी पर मुख्य सड़क पर रोशनी दिखाई दी, जो दर्शा रहा था कि कुछ वाहन उसी दिशा में आ रहे थे। वहां कोई कवर नहीं था और टीम ने पोजीशन लेने के लिए केवल सड़क के दोनों ओर कच्ची नालियों में उगी झाड़ियों की आड़ का उपयोग किया। आदित्य गोयनका, आईपीएस और उप निरीक्षक, जी आर बोरो, आईसी, रेसुबेलपारा उस तरफ आ रहे दोनों वाहनों की जांच के लिए उनकी ओर बढ़े।

श्री आदित्य गोयनका से लगभग तीस फीट की दूरी पर दोनों वाहन अचानक रूक गए और उन वाहनों से स्वचालित हथियारों से अचानक अंधाधुंध गोलीबारी शुरू हो गई। चूंकि वाहनों की हेडलाइट जल रही थी इसलिए उनकी तेज रोशनी में उस तरफ कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। टीम के शेष सदस्य बमुश्किल कुछ फीट की दूरी पर वाहनों के दोनों ओर नाले के किनारे डटे हुए थे। वाहन में मौजूद उग्रवादियों ने ऊंचे स्थान का लाभ उठाते हुए अंधाधुंध गोलीबारी की। संपूर्ण टीम ने अपनी जान पर गंभीर खतरे के समक्ष कोई आड़ लिए बगैर सहज रूप से जवाबी गोलीबारी की।

गोलीबारी के दौरान दोनों वाहनों के दरवाजे खुले हुए थे और कुछ उग्रवादी अंधेरे की आड़ में वहां से भाग निकलने में सफल हो गए। उप निरीक्षक, एस एम संगमा, बीएनसी ब्लेंसी लिंगकोइ, बीएनसी कमलेश सिंह, बीएनसी मादव राभा सहित दल के कुछ सदस्यों ने मुड़कर वहां से भाग रहे उग्रवादियों पर पीछे से गोलीबारी की।

अचानक खेरागालडम एल पी स्कूल की दिशा से दल के ऊपर पीछे से गोलीबारी होने लगी। पीछे से किए गए ताजा आक्रमण के मद्देनजर स्वयं कवर लेने और उप-निरीक्षक, जीआर बोरो की सहायता का प्रयास करते समय श्री आदित्य गोयनका, आईपीएस का पैर जख्मी हो गया और उनका ऑपरेशन किया गया। इस मुठभेड के लगभग आधा घंटे तक चलने के बाद अतिरिक्त बलों के वहां पहुंचने पर उग्रवादी वहां से भाग गए।

वाहन के पास नाले में ए.के. राइफल और मैगजीन के साथ एक्शन कमांडर जेन्नी च. मोमिन उर्फ रिंगरांग का शव मिला। वहां से ए.के. और एसएलआर राइफलों के खाली खोखे, जीएनएलए कैडरों के दो पहचान पत्र, सिमकार्डों के साथ दो मोबाइल हैंडसेट और अभिशंसी दस्तावेज बरामद हुए। बरामद की गई ए.के. सीरीज की राइफल एक वर्ष पूर्व घात लगाकर पुलिस के पास से चोरी किए गए थे जिसमें थापा दरेंची में पुलिस बल के पांच सदस्य मारे गए थे। मारे गए उग्रवादियों की पहचान जेन्नी च. मोमिन उर्फ रिंगरांग, जीएनएलए के एक्शन कमांडर, चेनांगबर्थ एम. संगमा (कैडर), रिकसेंग मारक (कैडर) और ग्रेमिलसन मारक (कैडर) के रूप में की गई। एसडब्ल्यूएटी

के दल द्वारा बहादुरीपूर्वक की गई इस कार्रवाई ने जीएनएलए के एक्शन कमांड को पूर्णतया ध्वस्त कर दिया, जो कि सुरक्षा बलों पर अत्यंत दुस्साहसी हमलों, नागरिकों की निर्ममतापूर्वक हत्या, सार्वजनिक एवं निजी संपत्ति को नष्ट करने वाले प्रदर्शनात्मक हिंसक कृत्यों के लिए जिम्मेदार था।

इस मुठभेड़ में श्री आदित्य गोयनका, आईपीएस और अधिकारियों तथा कार्मिकों के उनके दल ने अपनी जान के गंभीर खतरे में होने के बावजूद अनुकरणीय साहस, धैर्य और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया। इस दल ने उल्लेखनीय पेशेवर उत्कृष्टता और सतर्क योजना एवं कार्य निष्पादन का प्रदर्शन करते हुए चार दुर्दांत उग्रवादियों को मार गिराने में सफलता हासिल की।

बरामदगी:

i)	मैगजीन के साथ ए.के.47 राइफल	-	01
ii)	जीएनएलए के पहचान-पत्र	-	02
iii)	सिमकार्डों के साथ मोबाइल हैंडसेट	-	02
iv)	बुलेट के अनेक खाली खोखे		

इस मुठभेड में श्री आदित्य गोयनका, अपर पुलिस अधीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरुप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 05.04.2012 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 61-प्रेज/2015–राष्ट्रपति, मेघालय पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

1. गोयरा टी. संगमा,
उप निरीक्षक

2. कृष्ण प्रसाद पावडेल,
उप निरीक्षक

3. ट्रिपलपर्ल पासी,
बटालियन कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

गांव चिओकग्रे में यूएएलए के कमांडर-इन-चीफ नोरोक एक्स. मोमिन और यूएएलए के अन्य कैडरों की मौजूदगी के बारे में विश्वस्त सूत्रों से प्राप्त सूचना के आधार पर श्री डीएनआर मारक, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक, ईस्ट गारो हिल्स, मेघालय के द्वारा मेघालय पुलिस के स्वाट दल और कोबरा के कमांडो को शामिल करते हुए यूएएलए के कमांडर-इन-चीफ नोरोक एक्स. मोमिन और यूएएलए के अन्य उग्रवादियों को गिरफ्तार करने के लिए गांव चिओकग्रे में तलाशी अभियान शुरू करने की योजना बनाई गई। तलाशी दल को दिनांक 20.05.2014 को लगभग 2:30 बजे गांव चिओकग्रे भेजा गया।

गांव चिओकग्रे पहुंचकर उप निरीक्षक गोयरा टी. संगमा के नेतृत्व वाला दल नोरोक के घर की ओर आगे बढ़ गया जो कि संदिग्ध ठिकाना था और जहां यूएएलए के कमांडर-इन-चीफ नोरोक एक्स. मोमिन और यूएएलए के अन्य उग्रवादी ठहरे हुए थे। उस घर के दरवाजे पर पहुंचकर पुलिस दल दो-दो सदस्यों के जोड़े में बंटकर आगे बढ़ा। चूंकि वह सुबह होने से पहले का समय था, इसलिए वहां दृश्यता बेहद कम थी और इस कारण से दलों को बेहद सूझ-बूझ एवं सावधानी से आगे बढ़ना पड़ रहा था। ज्यों ही दल आगे बढ़ा तभी नमी भारी हथियारों से लैस यूएएलए के लगभग 8 से 10 कैडरों ने, जो दल से लगभग 20 फीट की दूरी पर थे, अपने अत्याधुनिक हथियारों से पुलिस दल पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके परिणामस्वरूप उप निरीक्षक, कृष्ण प्रसाद पावडेल के दाएं पैर में टखने के निकट गोली लग गई।

पुलिस दल ने आत्मरक्षा मे जवाबी गोलाबारी करते हुए उग्रवादियों को चुनौती दी और उन्होंने अपनी जान पर जोखिम की जरा भी चिंता न करते हुए और जान पर खतरे वाली स्थिति में भी आगे बढ़ रहे दल पर लगातार गोलीबारी कर रहे उग्रवादियों की ओर आगे बढ़ते हुए असाधारण साहस एवं संकल्प का प्रदर्शन किया।

पुलिस दल ने अत्यंत जीवट और दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ लगातार गोलीबारी कर रहे उग्रवादियों पर गोली चलाई और वे उग्रवादियों की ओर से तीव्र एवं अंधाधुंध गोलीबारी के बीच अपनी निजी सुरक्षा पर बगैर कोई विचार किए आगे बढ़े और तीन उग्रवादियों को मार गिराया जो कि उस शिविर के संतरी थे। बेहद सूझ-बूझ से आगे बढ़ रहे पुलिस दल ने अपने ऊपर अंधाधुंध गोलीबारी कर रहे यूएएलए के अन्य उग्रवादियों के ऊपर भी गोली चलाई जिसके परिणामस्वरूप शिविर के भीतर से गोलीबारी कर रहे यूएएलए के दो अन्य उग्रवादी मारे गए। यूएएलए के अन्य उग्रवादी और उसका कमांडर-इन-चीफ नोरोक एक्स. मोमिन, जिसने पुलिस की गोलीबारी से अपनी रक्षा के लिए एक बच्चे को अपनी ढ़ाल बना लिया था, उसका लाभ उठाते हुए वहां से भागने में सफल हो गए। गोलीबारी की लाइन में एक छोटे बच्चे की मौजूदगी के कारण पुलिस दल ने गोलीबारी रोक दी, क्योंकि गोली चलाने पर उस छोटे बच्चे के मारे जाने की संभावना थी और इसी के परिणामस्वरूप यूएएलए का कमांडर-इन-चीफ नोरोक एक्स.मोमिन वहां से बचकर भाग गया। यह गोलीबारी लगभग 15 मिनट तक चली जिसमें यूएएलए के 5 (पांच) उग्रवादी मारे गए।

की गई बरामदगी

1.	ए.के. सीरीज राइफल	-	03
2.	ए.के. सीरीज मैगजीन	-	05
3.	ए.के. राइफल के जिंदा गोलाबारूद	-	110
4.	ए.के. राइफल के खाली खोखे	-	21
5.	तीन मैगजीन वाली पिस्तौल	-	01
6.	7.62 X 25 एमएम के जिंदा गोलाबारूद	-	08

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री गोयरा टी. संगमा, उप निरीक्षक, कृष्ण प्रसाद पावडेल, उप निरीक्षक एवं ट्रिपलपर्ल पासी बटालियन, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरुप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 20.05.2014 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 62-प्रेज/2015—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री एस. के. एस. प्रताप,
निरीक्षक

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

श्री एस. के. एस. प्रताप निरीक्षक, सीपी/एसएचओ, फेज-।। नोएडा अपने दल के साथ दिनांक 02.01.2010 को एक्सप्रेस हाइवे, सेक्टर-82 के निकट वाहनों की जांच कर रहे थे। तभी यूपी 14 एएल 8817 की नंबर प्लेट लगी हुए एक वैगन आर कार तेज गति से महामाया फ्लाईओवर से उस ओर आई। उन्होंने उस कार को रोकने की कोशिश की लेकिन चालक ने कार नहीं रोकी। नियंत्रण कक्ष से उस कार की चोरी होने की सूचना प्राप्त होने पर पुलिस दल ने उसका पीछा करना शुरू कर दिया। कार के चालक ने तेज गति से वाहन को चलाकर भागने की कोशिश की लेकिन जीप के चालक ने उस कार से आगे निकलकर आगे से उसके भागने के रास्ते को अवरुद्ध कर दिया। इस स्थिति में कार सवार बदमाशों ने गोली चलानी शुरू कर दी और वहां से भागने लगे। अचानक हुए इस हमले से विचलित हुए बगैर एसएचओ और उनके दल ने कर्तव्यपरायणता की सर्वोच्च परंपरा, अदम्य साहस एवं वीरता का प्रदर्शन करते हुए हमलावरों से आत्मसमर्पण कराना चाहा लेकिन हमलावरों ने पुलिस दल पर तुरंत ए.के. 47 से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। एसएचओ ने एक निर्णय

लिया और पुलिस कार्मिकों को दो दलों में बांट दिया। इसके दौरान एसएचओ ने हमलाबर को घेरने की योजना बनाई। योजना के अनुसार एक दल ने हमलावर को उलझाए रखने के लिए कवर फायरिंग शुरू कर दी और दूसरे दल ने हमलावर को ललकारते हुए आत्मरक्षा में उसके ऊपर गोलियां चलाईं। अपनी जान की परवाह किए बगैर हमलावर की गोलीबारी की रेंज में प्रवेश करते हुए एसएचओ और उनके दल द्वारा की गई नियंत्रित गोलीबारी के परिणामस्वरूप ए.के.47 से गोलीबारी कर रहा हमलावर घायल होकर जमीन पर गिर गया। इसके बाद हमलावर को घायल अवस्था में अस्पताल ले जाया गया जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

बरामदगी:

1. मैगजीन, 06 जिंदा कारतूस और 04 खाली खोखे के साथ एक एके47 राइफल।

2. .38 बोर के 02 जिंदा कारतूसों और 04 खाली खोखे के साथ एक रिवाल्वर।

इस मुठभेड़ में श्री एस. के. एस. प्रताप, निरीक्षक, ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरुप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 02.01.2010 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 63-प्रेज/2015–राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

1. विजय सिंह मीना,
पुलिस अधीक्षक

2. जोगेंद्र कुमार,
पुलिस अधीक्षक

3. बिंद कुमार,
उप निरीक्षक

4. शशि भूषण राय,
उप निरीक्षक

5. अशोक कुमार सिंह,
हेड कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 18.04.2012 को श्री जोगेंद्र कुमार, पुलिस अधीक्षक, मऊ को गांव-कर्मी मठिया, पुलिस स्टेशन-चिरैयाकोट में कुख्यात एवं इनामी अपराधी धीरज सिंह के साथ एसओजी की पुलिस मुठभेड़ की सूचना प्राप्त हुई और वे कार्रवाई के लिए तत्काल घटना स्थल की ओर रवाना हो गए। अपराधी धीरज और उसके सहयोगी ने कर्मी मठियागांव में रामजी बर्नवाल के घर में जबरन प्रवेश करके उसकी हत्या कर दी थी और उसके 05 वर्ष के बच्चे को अपने कब्जे में लेकर वे पुलिस दल की ओर लगातार गोलीबारी कर रहे थे। इसी बीच श्री गोविंद सिंह, निरीक्षक/थाना प्रभारी, कोतवाली सिटी, मऊ वहां पहुंच गए और उन्होंने अपने पुलिस दल का नेतृत्व करते हुए, दोनों अपराधियों को रणनीतिक रुप से ललकारा और वे अपनी जान की परवाह किए बगैर तथा अनुकरणीय बहादुरी का प्रदर्शन करते हुए उन्हें जिंदा गिरफ्तार करने के लिए नियंत्रित गोलीबारी करते हुए आगे बढ़े, लेकिन अपराधियों द्वारा अंधाधुंध गोलीबारी में वे गंभीर रुप से घायल हो गए और उन्हें उपचार के लिए फौरन अस्पताल ले जाया गया जहां घायल होने के कारण उनकी मौत हो गई।

पुलिस अधीक्षक, मऊ अतिरिक्त बल के साथ वहां पहुंचे और श्री विजय सिंह मीना, पुलिस अधीक्षक, आजमगढ़ भी वहां पहुंच गए और उन्होंने अपराधियों को आत्मसमर्पण करने की चुनौती दी, लेकिन अपराधियों ने पुलिस अधिकारियों की हत्या करने के इरादे से

और अधिक हिंसक तरीके से उनकी ओर लगातार गोलीबारी करना जारी रखा। पुलिस अधीक्षक, मऊ, पुलिस अधीक्षक, आजमगढ़, सीओ सिटी मऊ, श्री बिंद कुमार एसआई, श्री शशि भूषण राय, एस आई और श्री अशोक कुमार सिंह एचसीएपी ने दोनों अपराधियों द्वारा की जा रही खतरनाक गोलीबारी से बेपरवाह होकर, रणनीति के तहत उनके ऊपर अश्रुगैस से जवाबी हमला किया जिसके कारण एक अपराधी पुलिस दल की ओर बगैर रुके हिंसक तरीके से गोलियां चलाता हुआ घर से बाहर निकल गया और पुलिस दल ने 'करो या मरो' की इस स्थिति में अदम्य साहस के साथ तथा अपनी निजी सुरक्षा की परवाह किए बगैर और अपराधी को जिंदा गिरफ्तार करने की प्रतिबद्धता के साथ उसे आत्मसमर्पण करने की चुनौती दी और अपनी आत्मरक्षा में नियंत्रित गोलीबारी करते हुए निर्भीकतापूर्वक उसके सामने आ गए और वह अपराधी घायल होकर जमीन पर गिर गया।

पुलिस दल ने घर के भीतर से अपने ऊपर भारी गोलीबारी कर रहे अपराधी को पकड़ने तथा बंधक बनाए गए बच्चे को छुड़ाने के उद्देश्य से स्वयं निर्भीकता से हमले की अगुवाई की और उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बगैर और कोई गलती किए बिना अपनी अनुकरणीय बहादुरी के प्रदर्शन और कर्तव्यपरायणता की भावना को दर्शाते हुए घर के भीतर धावा बोल दिया और बंधक बच्चे की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए उन्होंने नियंत्रित गोलीबारी की जिससे वह अपराधी घायल होकर जमीन पर गिर गया और बंधक बच्चे को सफलतापूर्वक बचा लिया गया। दोनों अपराधियों को बाद में मृत घोषित कर दिया गया और उनकी पहचान कुख्यात अपराधी धीरज और विकास के रुप में की गई।

बरामदगी:

(1) 01 एफ.एम. पिस्तौल मैगजीन सहित, 04 जिंदा कारतूस और 9 एमएम 10 खाली खोखे ।

(2) 01 पिस्तौल, 03 जिंदा कारतूस और .32 बोर के 03 मिस्ड कारतूस।

(3) 03 देशी पिस्तौल, 03 जिंदा कारतूस और .315 बोर के 31 खाली खोखे।

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री विजय सिंह मीना, पुलिस अधीक्षक, जोगेंद्र कुमार, पुलिस अधीक्षक, बिंद कुमार, उप निरीक्षक, शशि भूषण राय, उप निरीक्षक और अशोक कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरुप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 18.04.2012 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 64-प्रेज/2015–राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

1. राहुल श्रीवास्तव,
उप पुलिस आधीक्षक

2. वशिष्ठ सिंह यादव,
निरीक्षक

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 18.09.2006 को बेतार पर यह सूचना प्राप्त होने पर कि जांच के दौरान अपराधियों ने बम से हमला करके एक हेड कांस्टेबल की हत्या कर दी है, निरीक्षक, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद, श्री वशिष्ठ यादव और सी.ओ., सिविल लाइन्स, श्री राहुल श्रीवास्तव फौरन सुभाष चौराहा पर पहुंचे। इस जघन्य कृत्य के बाद एक अपराधी का पीछा कर रहे पुलिस दल के ऊपर अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए और बम फेंकते हुए वहां से निकल कर भागने की कोशिश कर रहा था, जबकि दूसरे अपराधी को गिरफ्तार कर लिया गया था।

राहुल श्रीवास्तव ने शीघ्र ही नियंत्रण कक्ष से और पुलिस बल की मांग की और उन्होंने वशिष्ठ यादव के साथ मिलकर भाग रहे अपराधी का पीछा किया। इसी दौरान वह अपराधी एक गैरेज की दीवार के पीछे छिप गया और वहां से उसने पुलिस दल के सदस्यों की हत्या के निश्चित इरादे से निशाना बनाकर गोलीबारी करनी शुरु कर दी। राहुल श्रीवास्तव और वशिष्ठ यादव ने गोलीबारी से कुशलता से

अपनी रक्षा करते हुए उसे आत्मसमर्पण करने के लिए कहा लेकिन उस दुस्साहसी अपराधी ने पुलिस दल पर गोलियों की बौछार कर दी जिसके कारण पुलिस दल ने भी आत्मरक्षा में गोलियां चलाईं। एक व्यक्ति को बंदूक की नोक पर बंधक बनाते हुए उस अपराधी ने एन.वाई. रोड की तरफ बचकर भागने की कोशिश की, लेकिन वह व्यक्ति सौभाग्य से उसके कब्जे से छूट गया। उस दुस्साहसी अपराधी की चुनौती और दुस्साहस को देखते हुए राहुल श्रीवास्तव ने उसे एन.वाई. रोड से पहले युक्तिपूर्वक घेरने के लिए अतिरिक्त बल की मांग की। जैसे ही राहुल श्रीवास्तव और वशिष्ठ यादव उस अपराधी द्वारा की जा रही गोलियों और बमों की बौछार का बहादुरीपूर्वक सामना करते हुए घेरा डालने वाले दल के साथ आगे बढ़े, दो पुलिस कार्मिक घायल हो गए। इस पर बहादुरीपूर्वक एवं कर्तव्यनिष्ठतापूर्वक प्रतिक्रिया के रुप में राहुल श्रीवास्तव एवं वशिष्ठ यादव के नेतृत्व के अधीन पुलिस दलों ने भी आत्मरक्षा में गोलियां चलाईं जिससे वह अपराधी घायल होकर एक गली की ओर भागा और वहां से उसने फिर पुलिस दल की ओर एक बम फेंका। स्वयं को संयत रखते हुए राहुल श्रीवास्तव ने एक रणनीति के तहत अपने वाहन चालक को एक दीवार के ऊपर चढ़ने के लिए कहा, जहां से उसने इशारों में उस अपराधी की मौजूदगी वाले स्थान को दर्शाया। ज्यों ही पुलिस दल पुन: आगे बढ़ा, उस आक्रामक अपराधी ने उनके ऊपर गोलियों की बौछार शुरु कर दी जिससे वे बाल-बाल बचे।

श्री राहुल श्रीवास्तव और वशिष्ठ यादव बहादुरीपूर्वक उस गली की ओर बढ़े जहां अपराधी से उनका आमना-सामना हुआ और उन्होंने उसके ऊपर नियंत्रित गोलीबारी की जिससे वह घायल होकर जमीन पर गिर गया और उसकी मौत हो गई। मुठभेड़ में मारे गए अपराधी की पहचान अर्जुन कुमार मिश्रा उर्फ पिंटू मिश्रा के रुप में की गई।

बरामदगी:

1. मैगजीन, 02 जिंदा कारतूसों, 09 खाली खोखे और 9 एमएम बोर की एक अतिरिक्त खाली मैगजीन के साथ एक पिस्तौल।

2. बम और छर्रों के अवशेष।

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री राहुल श्रीवास्तव, उप पुलिस आधीक्षक और वशिष्ठ सिंह यादव, निरीक्षक ने असाधारण साहस, अदम्य वीरता और कर्तव्परायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरुप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 18.09.2006 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं.65-प्रेज/2015–राष्ट्रपति, सीमा सुरक्षा बल के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

1. जीवन राम खासवान, कमांडेंट (मरणोपरांत)

2. राजेश शरण, द्वितीय कमान अधिकारी (मरणोपरांत)

3. अशोक कुमार यादव, निरीक्षक (मरणोपरांत)

4. जितेन्द्र कुमार, सहायक उप निरीक्षक (मरणोपरांत)

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

सीमा सुरक्षा बल की 107वीं बटालियन का रणनीतिक मुख्यालय बालीमेला, जिला-मलकानगिरी (ओडिशा) में स्थित है, जो देश का बेहद संवेदनशील नक्सल क्षेत्र है। पूर्वी घाट का हिस्सा होने के कारण, सीमा सुरक्षा बल की 107वीं बटालियन की जिम्मेवारी वाले क्षेत्र में घने जंगलों वाला पहाड़ी क्षेत्र आता है। वहां के सामान्य क्षेत्र में नाले और जलाशय चारों ओर फैले हुए हैं, जो उस दुर्गम भू-भाग को

जोखिमयुक्त और कठिन बना देता है। यह नक्सलियों का पुराना गढ़ है। जनजातीय बहुल क्षेत्र होने के कारण नक्सलियों को यहां स्थानीय लोगों को समर्थन हासिल है। श्री जीवन राम खासवान की कमान के अधीन यह यूनिट स्थानीय आबादी के बीच आम शांति कायम करने की दिशा में अत्यंत बेहतर कार्य को अजांम दे रही थी।

जनवरी, 2012 के अंत में जनबाई घाट में एक नई कंपनी ऑपरेशन बेस (सीओबी) की स्थापना की गई, जो ओडिशा के कट-आफ एरिया का द्वार है और नक्सलियों के लिए महत्वपूर्ण है। बटालियन के इस कदम ने नक्सलियों की स्वतंत्र रुप से आवाजाही में बाधा उत्पन्न की। इस क्षेत्र में आधिपत्य कायम रखने और नक्सलियों का मुकाबला करने हेतु अभियान संबंधी रणनीति बनाने के लिए द्वितीय कमान अधिकारी, श्री राजेश शरण ने 08 फरवरी, 2012 से सीओबी, जनबाई घाट में डेरा डाल रखा था। बालीमेला से चित्रकोंडा और जनबाई तक एकमात्र सड़क है, जो दोनों तरफ से घने जंगलों से घिरी हुई है।

दिनांक 10 फरवरी, 2012 को लगभग 0755 बजे निरीक्षक (जी) अशोक कुमार यादव, सहायक उप निरीक्षक (रेडियो मकैनिक) जितेन्द्र कुमार, कांस्टेबल विष्णु पाणि और कांस्टेबल (चालक) सुवेंदु कुंडु को साथ लेकर कमांडेंट जीवन राम खासवान सैन्य दल को अपनी जिम्मेवारी वाले क्षेत्र में अधिक सावधानीपूर्वक कार्य करने और अधिक सतर्क रहने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए टीएसी मुख्यालय बालीमेला से सीओबी चित्रकोंडा और सीओबी टनल कैंप के लिए रवाना हुए, क्योंकि 11 फरवरी, 2012 को पंचायत चुनावों का आयोजन किया जाना था।

श्री राजेश शरण, द्वितीय कमान अधिकारी सीबीओ चित्रकोंडा में कमांडेंट के साथ हो गए और वाहन (बोलेरो) में लगभग 1220 बजे टीएसी मुख्यालय बालीमेला से निकल गए। 6 कार्मिकों के साथ एक टाटा 207 बोलेरो के आगे चल रही थी और 3 कार्मिकों के साथ एक टाटा सूमो उसके पीछे चल रही थी।

लगभग 1245 बजे जब बोलेरो घने जंगल से होते हुए सीओबी टनल से लगभग 5 कि.मी. की दूरी पर और टीएसी मुख्यालय, बालामेला से लगभग 13 कि.मी. की दूरी पर थी, तभी वह अचानक तीव्र आईईडी धमाके के चपेट में आ गई। वहां ऊंचाई वाले दो प्रमुख स्थानों पर, जिसमें सड़क के एक ओर विशाल पत्थर खड़े थे, नक्सली तैनात थे। ठीक उसी समय लगभग 35-40 नक्सलियों के एक समूह ने, जिन्होंने उपयुक्त योजना के साथ सतर्कतापूर्वक घात लगा रखी थी, उस ऊंचे स्थान से सीमा सुरक्षा बल के दल पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी। इसमें कमांडेंट और उनका दल गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाबजूद, वे बुरी तरह से क्षतिग्रस्त वाहन से बाहर निकलने में सफल हुए और सभी ने पोजीशन लेते हुए नक्सलियों की गोलीबारी का प्रभावी रूप से जवाब दिया। श्री जीवन राम खासवान, कमांडेंट ने अदम्य साहस और अनुकरणीय नेतृत्व का प्रदर्शन करते हुए वहां पर डटे हुए नक्सलियों को खदेड़ने के लिए उन पर धावा बोल दिया। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद वे मैदान में डटे रहे और भारी बाधाओं के सामने उच्च कोटि की वीरता और साहस का प्रदर्शन करते हुए अपनी अंतिम सांस तक गोली चलाई। उन्हें शहादत प्राप्त हुई और उन्होंने राष्ट्र के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया।

कमांडेंट के शहीद होने के बाद श्री राजेश शरण, द्वितीय कमान अधिकारी ने दल का प्रभार लिया और उन्होंने नक्सलियों की योजना को विफल करने तथा दल के शेष सदस्यों की रक्षा के लिए स्वयं मुकाबला करना और मुकाबला के लिए अपने साथियों का हौसला बढ़ाना जारी रखा। इस बहादुर सैनिक की ओर से अप्रत्याशित जवाब ने नक्सलियों का ध्यान भंग कर उन्हें तितर-बितर कर दिया। यद्यपि, श्री राजेश शरण सुरक्षित स्थान में डटे हुए नक्सलियों के समक्ष खुले स्थान में थे, तथापि, उन्होंने अपनी अंतिम सांस तक शेर जैसे दिल से मुकाबला किया और उन्होंने अनुकरणीय साहस तथा अदम्य वीरता का प्रदर्शन करते हुए शहादत प्राप्त की।

ऐसी स्थिति के बावजूद निरीक्षक (जी) अशोक कुमार यादव ने बुरी तरह से क्षतिग्रस्त वाहन से किसी तरह से बाहर निकलकर स्वयं को युक्तिपूर्वक पोजीशन किया और नक्सलियों की गोलीबारी का प्रभावी रूप से जवाब दिया। निरीक्षक (जी) अशोक कुमार यादव अपने कमांडेंट और द्वितीय कमान अधिकारी के साथ डटे रहे और उन्होंने सुरक्षित स्थान से हमला कर रहे नक्सलियों को उलझाए रखा और उनकी गोलीबारी का जवाब देते रहे। विस्फोट से गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद, अनुकरणीय वीरता और अदम्य साहस का प्रदर्शन करते हुए और नक्सलियों की गोलीबारी का बहादुरीपूर्वक मुकाबला करते हुए निरीक्षक (जी) अशोक कुमार यादव ने अंतिम सांस तक उन्हें उलझाए रखा। वीरतापूर्वक मुकाबला करते हुए निरीक्षक (जी) अशोक कुमार यादव ने शहादत प्राप्त की।

सहायक उप निरीक्षक (रेडियो मकैनिक) जितेन्द्र कुमार भी विस्फोट से गंभीर रूप से घायल हो गए। वह बुरी तरह से क्षतिग्रस्त वाहन से किसी तरह बाहर निकलने में सफल हुए और अपने आप को युक्तिपूर्वक एवं प्रभावी तरीके से पोजीशन करते हुए वे अपने दल के साथ मोर्चे पर डट गए। उन्होंने बहादुरीपूर्वक नक्सलियों की गोलीबारी का जवाब दिया। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद, भारी बाधाओं के बीच सर्वोच्च स्तर की वीरता और साहस का प्रदर्शन करते हुए वे जमीन पर डटे रहे और उन्होंने अंतिम सांस तक गोली चलाई।

उन्होंने शहादत प्राप्त की और राष्ट्र के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने नक्सलियों के आक्रमण का जवाब देते हुए निर्भीकतापूर्ण साहस, बंधुत्व भावना और नि:स्वार्थ जोश का प्रदर्शन किया। इन बहादुर सैनिकों द्वारा दिए गए अप्रत्याशित एवं घोर जवाब से भारी संख्या में इकट्ठा नक्सली परेशान हो गए लेकिन उनके द्वारा बहादुर बीएसएफ कमांडरों और कार्मिकों को शुरू में ही घायल कर दिए जाने के कारण वे अपनी पोजीशन को दुरस्त करने और अपना लक्ष्य हासिल करने में सफल हो गए।

बीएसएफ के अधिकारियों एवं कार्मिकों द्वारा नक्सलियों की सुनियोजित एवं सुविचारित घात का वापस उठकर जवाब देने में उनके द्वारा प्रदर्शित अनुकरणीय मुकाबले की भावना का यह अद्वितीय उदाहरण है। उन्होंने भारी बाधाओं के बावजूद अदम्य साहस का प्रदर्शन किया और नक्सलियों को उनके पसंदीदा अति सुरक्षित स्थान में भी घायल कर दिया। उनकी उल्लेखनीय वीरतापूर्ण कार्रवाई से नक्सली घायल होकर घात स्थल से निकलकर भागने के लिए मजबूर हो गए और वे इस अभियान को पूरी तरह से जीतने के अपने लक्ष्य में विफल हो गए और इसके परिणामस्वरूप उनके बहुत से कामरेडों की जान बच गई। जोरदार तरीके से उनके वीरतापूर्ण जवाब ने नक्सलियों की मनोदशा को गहरा आघात पहुंचाया। उनके द्वारा प्रदर्शित वीरतापूर्ण एवं अद्वितीय कार्य आने वाले समय में प्रेरणा का कारक बना रहेगा।

बालीमेला घात दल के दो सदस्य, गोपू संदेश और बोड्डू रमेश नामक माओवादियों ने क्रमश: 15 अगस्त, 2012 और 27 अक्तूबर, 2012 को एसपी, सुकमा और डीआईजी, वाइजग के समक्ष आत्मसमर्पण किया। पूछताछ के दौरान उन्होंने स्वीकार किया है कि विस्फोट के बावजूद बीएसएफ के अधिकारियों ने जवाबी गोलीबारी की और बहादुरीपूर्वक मुकाबला किया। घोर शत्रु की ओर से प्रशंसा के शब्द हमारे उन सभी बहादुरों की दिवंगत आत्माओं के प्रति सर्वोत्तम श्रृद्धांजलि है और उनके वीरतापूवर्ण कृत्यों की वास्तविक पुष्टि है।

निम्नलिखित हथियार/गोलाबारूद और अन्य सामान बरामद किए गए:-

1.	पेंसिल बैटरी	-	15
2.	.303 सीटीएन के खाली खोखे	-	04
3.	बिजली का लचीला तार	-	40 मीटर लगभग
4.	सिविल जैकेट (पुरानी)	-	01
5.	.303 सीटीएन के जिंदा राउंड/कारतूस	-	17
6.	.303 राउंड चार्जर क्लिप	-	02
7.	7.62 एम एम बीडीआर के जिंदा राउंड	-	12
8.	7.62 एम एम की चलाई गई गोली के खाली खोखे	-	27
9.	एके-47 की चलाई गई गोली के खाली खोखे बीडीआर	-	64
10.	5.56 एम एम इन्सास के खाली खोखे	-	15
11.	एके 47 रीकॉयल गाइड स्प्रिंग	-	01
12.	एके 47 रिटेनर स्प्रिंग रिटर्न	-	01
13.	9एमएम की चलाई गई गोली के खाली खोखे	-	06
14.	रीकॉयल स्प्रिंग ए के 47	-	01
15.	ग्रेनेड सेफ्टी पिन	-	01
16.	प्लास्टिक वाटर केन (10 लीटर क्षमता)	-	07
17.	प्लास्टिक वाटर केन (05 लीटर क्षमता)	-	01
18.	प्लास्टिक वाटर केन (02 लीटर क्षमता)	-	06
19.	स्टील दल्लू (1लीटर/2लीटर)	-	प्रत्येक 1
20.	ऊनी शॉल	-	01
21.	चावल	-	लगभग 35 किग्रा.
22.	खजूर	-	1 पैकेट (500 ग्राम)
23.	चीनी	-	लगभग 2 किग्रा.
24.	अल्यूमिनियम पतीला 124 इंच साइज	-	1 नई

25. अल्यूमिनियम पतीला 12 इंच साइज	-	1 (पुराना)
26. इलेक्ट्रिक डेटोनेटर	-	01
27. डिजिटल मल्टीमीडिया छोटा	-	01
28. सिप्रोबायोटिक कोर्ट टैबलेट	-	40
29. इंजेक्शन डिकेड्रान	-	02
30. टैबलेट सल्फेमेटाजोल	-	20
31. टैबलेट डिपेन्डाल	-	10
32. टैबलेट पेरीनार्म	-	10
33. टैबलेट पेरीकूल	-	09
34. पॉलीथीन लगभग 2 मीटर	-	01 पीस
35. छोटा बैग	-	01
36. प्रणाली के साथ देशी हथगोला	-	01

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री (स्व.) जीवन राम खासवान, कमांडेंट, (स्व.) राजेश शरण, द्वितीय कमान अधिकारी, (स्व.) अशोक कुमार यादव, निरीक्षक और (स्व.) जितेन्द्र कुमार सहायक उप निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरुप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 10.02.2012 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं.66-प्रेज/2015—राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

1. कुलदीप दहिया, सहायक कमांडेंट (वीरता के लिए पुलिस पदक)
2. धर्मेन्द्र राय, कांस्टेबल (वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार)

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

मेघालय पुलिस को अत्यंत विश्वस्त सूत्रों से ईस्ट गारो हिल्स, मेघालय के घने जंगलों में बने एक शिविर में लगभग 20 वरिष्ठ एवं कनिष्ठ काडरों के साथ प्रतिबंधित जीएनएलए उग्रवादी समूह के प्रमुख कमांडर, सोहन डी. शीरा की मौजूदगी की गुप्त सूचना मिली। तद्नुसार, दिनांक 28.08.2013 को बलजेक एयरपोर्ट, वेस्ट गारो हिल्स में पुलिस महानिदेशक, मेघालय, पुलिस महानिरीक्षक (कानून एवं व्यवस्था), मेघालय, पुलिस महानिरीक्षक, तुरा रेंज, मेघालय, पुलिस महानिरीक्षक, एनईएस, सीआरपीएफ, पुलिस अधीक्षक, ईस्ट गारो हिल्स, वेस्ट गारो हिल्स और साउथ गारो हिल्स ने कमांडेंट-210 कोबरा के साथ मिलकर आपस में गहन विचार-विमर्श किया और जीएनएलए कैम्प पर धावा बोलकर उसे ध्वस्त करने की बेहद सतर्क योजना तैयार की गई। दिनांक 21.08.2013 को बलजेक एयरपोर्ट वाले स्थान पर सीआरपीएफ की कोबरा टीम और मेघालय पुलिस की एस डब्ल्यू ए टी टीम की संयुक्त रूप से ब्रीफिंग की गई और जिला विलियम नगर के दुरामा हिल्स रेंज के जंगलों में दिनांक 21.08.2013 को 2030 बजे अभियान की शुरूआत की गई। पहाड़ी एवं जोखिमपूर्ण भू-भाग में दो रात की कठिन यात्रा के बाद दोनों दल दिनांक 23.08.2013 को लगभग 0830 बजे जीएनएलए के संदिग्ध

कैम्प के नजदीक पहुंचे। उस क्षेत्र का शुरूआती गहन सर्वेक्षण और वहां के भू-भाग का विश्लेषण करने के बाद विभिन्न बेहतर स्थिति और रणनीति वाले स्थानों में कट-ऑफ तैनात कर दिए गए। कैम्प के पहाड़ी की एक चोटी पर स्थित होने का अंदेशा था और अभियान की रणनीति के अनुसार धावा बोलने वाली टीम बेहद गोपनीयता रखते हुए युक्तिपूर्वक उसकी ओर बढ़ी। ऊंचे स्थान में दुश्मनों के मौजूद होने की स्थिति में ऊपर की ओर चढ़ाई करना बेहद जोखिम भरा और खतरनाक कार्य था लेकिन इसके बावजूद अपने समक्ष खतरे की परवाह किए बगैर दोनों दल कैम्प की ओर आगे बढ़े। जैसे ही श्री कुलदीप दहिया, सहायक कमांडेंट की कमान के अधीन दलों के स्काउट कैम्प के निकट पहुंचे, घनी झाड़ियों के पीछे अस्थायी मोर्चे में छिपे हुए एक विद्रोही ने उनके ऊपर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। धावा बोलने वाले दलों ने आत्म रक्षा में तत्काल गोलीबारी का जवाब दिया। जल्द ही कैम्प में मौजूद अन्य विद्रोहियों ने पेड़ों और मोर्चों के पीछे सुरक्षित पोजीशन ले ली और वे गोलीबारी में शामिल हो गए। वहां वेहद नजदीक से घनघोर लड़ाई शुरू हो गई। सैन्य दल को आगे बढ़ने से रोकने और उनको हताहत करने के लिए विद्रोही हथगोले दागने के साथ-साथ अंधाधुंध गोलीबारी कर रहे थे। तथापि, अपने कमांडर के अधीन सैन्य दल ने विद्रोहियों की गोलीबारी की परवाह नहीं की और उन्होंने गोलीबारी करते हुए आगे बढ़ने की युक्ति को अपनाते हुए कैम्प की ओर बढ़ना जारी रखा। सैन्य दल द्वारा बेपरवाह होकर साथ-साथ आगे बढ़ने और उनके द्वारा कुचले जाने की संभावना को देखते हुए विद्रोही एक-एक करके कैम्प से भागने लगे। विद्रोहियों को वहां से भागते हुए और सैन्य दल के आगे बढ़ने में बाधा डालने के लिए सामने से गोलियों की भारी बौछार करते हुए देखकर श्री कुलदीप दहिया, सहायक कमांडेंट ने दो विद्रोहियों को मारने की जिम्मेवारी ली। उन्होंने कांस्टेबल/जीडी धर्मेन्द्र राय को अपने साथ लिया और वे दोनों एक अलग दिशा से गोलीबारी करने के लिए अपनी जान को जोखिम में डालते हुए, गोलियों की बौछार के बीच ही रेंगते हुए आगे बढ़े। लगभग 50 मीटर तक रेंगकर आगे बढ़ने के बाद वे विद्रोहियों के बगल में पहुंच गए और वहां से भारी गोलीबारी करते हुए उनके ऊपर घातक हमला कर दिया। अलग दिशा से गोलीबारी आते देख विद्रोही ने जवाबी हमला करते हुए उनकी ओर हथगोला फेंका। हथगोले के मारक क्षेत्र के भीतर आने का अनुमान लगाते हुए दोनों बहादुर सैनिक वहां से उछलते हुए कवर लेने के लिए हटे। वह हथगोला उनसे कुछ ही मीटर की दूरी पर फटा और चमत्कारस्वरूप उनकी जान बच गई। धमाके के आघात से उबरते हुए दोनों अत्यंत साहसिक कृत्य का परिचय देते हुए अपने कवर से बाहर आए और अपनी सीमित एवं अचूक गोलीबारी से उन्होंने एक विद्रोही को मार गिराया। गोलीबारी में एक अन्य विद्रोही को भी गोली लगी लेकिन वह घायल स्थिति में भागने में कामयाब हो गया। मुख्य विद्रोही के मारे जाने के परिणामस्वरूप सैन्य दल के लिए सारा रास्ता खुल गया और उन्होंने अंततः उस कैम्प को ध्वस्त कर दिया। कैम्प और उसके आस-पास के क्षेत्र की सैन्य दल द्वारा बेहद युक्तिसंगत तरीके से गहन तलाशी ली गई और उस स्थल से भरी हुई एम-16 राइफल के साथ बलसरंग टी. संगमा नामक जीएनएलए के एक कमांडर का शव बरामद किया गया। अच्छे तरीके से तैयार किए गए अत्यंत सुरक्षित कैम्प से भारी मात्रा में अन्य अभिशंसी वस्तुएं भी बरामद की गईं।

धावा बोलने के अंतिम चरण के दौरान 210 कोबरा बटालियन के श्री कुलदीप दहिया, सहायक कमांडेंट और कांस्टेबल/जीडी धर्मेन्द्र राय अपनी जान को गंभीर जोखिम में डालते हुए दुश्मन की लगातार भारी गोलीबारी के समक्ष भी आगे बढ़ते गए। दोनों ने कर्तव्य की राह पर उल्लेखनीय साहस और पेशेवर गुणों का प्रदर्शन किया। उनके समर्पण और बहादुरी (रोल मॉडल के लायक) तथा भीषण मुठभेड़ में वस्तुस्थिति की युक्तिसंगत समझ के परिणामस्वरूप एक जीएनएलए कमांडर को मारा जा सका और उनके कैम्प को ध्वस्त किया जा सका। यदि वे दोनों भारी गोलीबारी के बीच युक्तिपूर्वक आगे नहीं बढ़ते और विद्रोही को नहीं मारते, तो यह अभियान इस बल के लिए बड़ी सफलता में तब्दील नहीं होता।

की गई बरामदगी

1.	एम-16 राइफल	- 01
2.	02 मैगजीन	
3.	5.56 एम एम के जिंदा राउंड	- 41
4.	7.62 एम एम के जिंदा राउंड	- 14
5.	5.56 एम के खाली खोखे	- 02
6.	गैर-इलेक्ट्रॉनिक डेटोनेटर	- 03
7.	केनवुड वाकी टॉकी सेट	- 01
8.	शॉटगन जिंदा गोलाबारूद	- 11
9.	सेफ्टी फ्यूज	- 2इंच
10.	मैगजीन थैली	- 01
11.	जीएनएलए का काले रंग की टी शर्ट	- 01
12.	मोबाइल हैंड सेट	- 02

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री कुलदीप दहिया, सहायक कमांडेंट और धर्मेन्द्र राय, कांस्टेबल, ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक/पुलिस पदक का प्रथम बार नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरुप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 23.08.2013 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं.67-प्रेज/2015–राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निम्नलिखित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री अरविंद सिंह बिष्ट,
उप कमांडेंट

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले को बस्तर क्षेत्र के बुरी तरह से माओवाद से प्रभावित जिलों में से एक माना जाता है, जो सीपीआई के अत्यधिक प्रभावी दंडकारण्य विशेष क्षेत्रीय समिति (माओवाद) के अधीन आता है। माओवादी दावा करते हैं कि यह एक "मुक्त क्षेत्र" है, जहां विशेषकर शासन की स्पष्ट कमी के कारण माओवादियों का आदेश बगैर किसी चुनौती के चलता है। यह क्षेत्र सीपीआई (माओवादी) की तीन मजबूत मिलिटरी कंपनियों और एक मजबूत जनाधार से आच्छादित है। किसी प्रकार की व्यवस्था स्थापित करने के उद्देश्य से सीआरपीएफ की दो कंपनियों, अर्थात् 150वीं बटालियन के चार्ली और डेल्टा ने छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के पुलिस स्टेशन-चिंतागुफा के अधीन आने वाले चिंतागुफा में अपने कैंम्प स्थापित किए हैं। राज्य विधान सभा चुनाव-2013 के दौरान खतरे की अधिक संभावना के बीच वहां सीआरपीएफ की दो अतिरिक्त कंपनियों, अर्थात् ब्रेवो/117 और फॉक्सट्राट/75 का समावेशन किया गया, जिन्हें मतदान की समाप्ति के पश्चात दिनांक 11.11.2013 को मतदान कर्मचारियों और उनके सुरक्षा कवर के लिए पोलिंग पार्टियों के आवागमन के लिए उस क्षेत्र को साफ करने और सड़कों को सुरक्षित करने का विशेष कार्य सौंपा गया था। उसके बाद इन दोनों कंपनियों को दिनांक 12.11.2013 को वहां से हटाकर डोरनापाल भेजना पड़ा। इस पर विचार करते हुए कि माओवादी छत्तीसगढ़ में चुनाव के पक्ष में नहीं थे और काफी लंबे समय से वे अपने मंसूबों में सफल नहीं हो पाए थे, 150वीं बटालियन के चिंतागुफा बेस कैम्प के मौजूदा वरिष्ठतम अधिकारी, श्री अरविन्द सिंह बिष्ट, उप कमांडेंट के मन में यह आशंका चल रही थी कि माओवादी निश्चित रूप से वापस लौटते समय मतदान पार्टियों को अपना निशाना बनाने की कोशिश करेंगे। उनके विश्वास को उनके पास उपलब्ध आसूचना संबंधी सूचनाओं से और बल मिला। माओवादियों की इस चाल को नाकाम करने के उद्देश्य से उस अधिकारी ने मतदान पार्टियों को सुरक्षित रास्ता प्रदान करना सुनिश्चित करने की जिम्मेवारी ली। उन्होंने सैन्य दल का नेतृत्व करने का निर्णय लिया और इसलिए वापस लौटने वाली मतदान पार्टियों के रास्ते के सामने स्वयं को पोजीशन किया। कैम्प छोड़ने से पहले उन्होंने सैन्य दल के सदस्यों को इस प्रकार से फैला दिया जिससे मार्ग में पड़ने वाले सभी सुनियोजित स्थान कवर कर लिए गए और उन्हें विस्तारपूर्वक ब्रीफ किया गया। पार्टी ने लगभग 0700 बजे बेस कैम्प छोड़ा और वे सड़क के दोनों ओर के लगभग 200 मीटर क्षेत्र की तलाशी लेते हुए द्रोणपाल की ओर बढ़ गए। सैन्य दल के कुछ सदस्यों को घात वाले संभावित स्थलों को कवर करते हुए रणनीतिक रूप से भी तैनात किया गया था। लगभग 0730 बजे, जब सभी स्काउट बेहद दुर्गम और घनी झाड़ियों वाले क्षेत्र, तमिलवाड़ा नाला के निकट पहुंचने वाले थे, तभी श्री अरविंद सिंह बिष्ट, उप कमांडेंट को कुछ गड़बड़ी का संदेह हुआ और उन्होंने शस्त्र एवं अन्य सैन्य सामग्री लेकर चल रहे वाहनों को वहीं रोक दिया और वे स्वयं एक छोटे दल को साथ लेकर सर्वाधिक संदिग्ध पहाड़ी की ओर उस क्षेत्र को साफ करने के लिए आगे बढ़ गए। उनका इरादा संदिग्ध माओवादी घात/उनकी मौजूदगी से उस क्षेत्र को मुक्त करना था और उसके बाद वाहनों तथा सैन्य दल के उस खतरनाक जोन से गुजरने तक आधिपत्य वाली पोजीशन लेनी थी। इस दल ने पूर्वी दिशा में जंगल में प्रवेश किया और जैसे ही वे पहाड़ी की चोटी के निकट पहुंच रह थे, तभी छिपकर घात लगाकर बैठे हुए माओवादियों ने पार्टी के ऊपर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। श्री बिष्ट ने स्वयं जवाबी गोलीबारी की और साथ ही साथ अपने सैन्य दल को भारी जवाबी गोलीबारी करते हुए आगे बढ़ने का आदेश दिया। माओवादी पेड़ों और बड़े पत्थरों की ओट में छिपकर वहां से सैन्य दल के ऊपर लगातार गोलीबारी कर रहे थे। सैन्य दल ने गोलियों की परवाह किए बगैर फायर एंड मूव की युक्ति अपनाई और वे आगे बढ़े। माओवादियों की कम संख्या को भांपते हुए और यह महसूस करते हुए कि सड़क पर तैनात सैन्य दल से अतिरिक्त सहायता प्राप्त करने में समय लगेगा, श्री अरविंद सिंह बिष्ट ने माओवादियों के ऊपर जवाबी हमला करने का निर्णय लिया। इसी के अनुसरण में वे दो कांस्टेबलों के साथ किनारे की ओर गए। लेकिन वहां से आगे बढ़ने से पहले ही पश्चिमी और दक्षिण-पश्चिमी दिशाओं से उनकी ओर भारी गोलीबारी शुरू हो गई। जल्द ही उन्हें यह महसूस हो गया कि उनका सामना सिर्फ माओवादियों के अग्रिम अथवा कट-आफ-दल से हुआ है

और मुख्य घात वाली पार्टी संभावना से परे संख्या में अधिक बड़ी और काफी भीतर तक फैली हुई थी। सड़क पर तैनात सैन्य दल को गंभीर खतरे में भांपकर उन्होंने अपने छोटे दल को ग्रेनेडों और मोर्टारों का प्रयोग करते हुए माओवादियों को उलझाने का आदेश दिया। जब शेष सैन्य दल मुख्य घात पार्टी के साथ घोर गोलीबारी में लगा हुआ था, तभी श्री अरविंद सिंह बिष्ट विषम परिस्थिति के भीतर अदम्य साहस का प्रदर्शन करते हुए अपनी निजी सुरक्षा की परवाह न करते हुए कवर से बाहर आ गए और अपने छोटे दल के साथ माओवादियों के समूह की ओर उन्हें ललकारते हुए आगे बढ़े। भारी गोलीबारी के बावजूद वो तेजी से माओवादियों की ओर आगे बढ़े, लेकिन ज्यों ही वे अपने लक्ष्य के नजदीक पहुंच रहे थे, तभी उनकी दायीं जांघ में एक गोली लग गई जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। लेकिन खून के अत्यधिक रिसाव और गंभीर रूप से घायल होने से विचलित हुए बिना उन्होंने सैन्य दल का नेतृत्व करना जारी रखा और माओवादियों के बेहद नजदीक पहुंच गए। कमांडर और उनके सैन्य दल के सदस्यों के मौत को चुनौती देने वाले साहस और अपनी जान को गंभीर जोखिम में भांपकर माओवादी उस क्षेत्र से निकलकर भाग गए। माओवादियों के स्काउटों को अपने स्थानों से भागने के लिए मजबूर करने के बाद श्री अरविंद सिंह बिष्ट वहीं नहीं रूके, उन्होंने आगे मुख्य घात दल पर किनारे से धावा बोलने की योजना बनाई। यधपि वे ठीक से चलने की स्थिति में नहीं थे और भारी पीड़ा में थे, फिर भी उन्होंने माओवादियों पर जवाबी हमला करने के लिए अपने मुट्ठीभर सैन्यदल का नेतृत्व किया। माओवादियों की योजनाओं को विफल करके एक ओर से हमले के लिए सैन्य दल को आगे बढ़ता देखकर माओवादियों ने पीछे हटने का निर्णय लिया। धीरे-धीरे माओवादियों की ओर से गोलीबारी कम हो गई और सैन्य दल द्वारा उस क्षेत्र की गहन तलाशी ली गई।

तलाशी के दौरान सैन्य दल को यह महसूस हुआ कि हर चीज को बारीकी से सोचकर अत्यंत बुद्धिमानी से घात की योजना बनाई गई थी और सैन्य दल को अधिकाधिक हताहत करने के लिए माओवादी दस्तों को रणनीतिक स्थानों पर तैनात किया गया था। मारक जोन को अच्छी तरह से चिन्हित किया गया था और माओवादियों के सूक्ष्म नियोजन और तैयारी से यह पता चल रहा था कि उन्होंने सड़क पर चल रही सीआरपीएफ की दोनों कंपनियों का खात्मा करके उनके हथियार लूटने की योजना बनाई थी। श्री अरविंद सिंह बिष्ट, उप कमांडेंट द्वारा प्रदर्शित सही निर्णय लेने की समझ, सूझ-बूझपूर्ण दूरदर्शिता, सतर्कतापूर्ण नियोजन, विपरीत परिस्थितियों में साहस और उच्च स्तर के नेतृत्व गुण से इस बल को होने वाली अभूतपूर्व क्षति को टालने में सफलता मिली। माओवादियों की युक्तियों के बारे में उनकी गहरी समझ से यह सुनिश्चित हुआ कि सुरक्षा सैन्य दल माओवादियों द्वारा बिछाए गए जाल में नहीं फंस सका बल्कि इसके विपरीत वे उनके विरुद्ध जवाबी हमला करते हुए इस लड़ाई को माओवादियों के कैम्प के भीतर ले गए। अपने कमांडर श्री अरविंद सिंह बिष्ट द्वारा प्रदर्शित अदम्य हौसले और साहस से उत्साहित सैन्य दल ने प्रभावी रूप से माओवादियों का जवाब दिया और यूबीजीएल तथा मोर्टारों से उनकी घात को तोड़ दिया। गंभीर रूप से घायल होने और भारी मात्रा में रक्त का रिसाव होने तथा चलने की स्थिति में नहीं होने के बावजूद, श्री बिष्ट ने सुनियोजित घात को सफलतापूर्वक तोड़ने के लिए अपने दल का मार्गदर्शन किया और उन्हें प्रेरित किया। एक सही नायक के रूप में श्री अरविंद सिंह बिष्ट, उप कमांडेंट ने सामने रहकर अपने दल का नेतृत्व किया और सर्वाधिक चुनौतीपूर्ण हालात में असाधारण धैर्य का प्रदर्शन किया जिससे माओवादियों के घृणित इरादों को गंभीर धक्का लगा और जिसके कारण एक बड़ी त्रासदी को टाला जा सका। श्री बिष्ट ने माओवादियों के अचानक आक्रमण के समक्ष सर्वोच्च स्तर के नेतृत्व गुण और विपरीत परिस्थितियों के बीच असाधारण वीरता तथा उल्लेखनीय बहादुरी का प्रदर्शन किया और उन्होंने माओवादियों के घृणित इरादों को नाकाम करने तथा अपने लोगों की बेशकीमती जान बचाने के लिए उनके विरुद्ध जवाबी घात लगाई। उन्होंने आने वाली पीढ़ियों के लिए एक उदाहरण स्थापित किया है और उनका बहादुरीपूर्ण कृत्य आने वाले समय में बहुत से लोगों के लिए प्रेरणा के रूप में कार्य करेगा।

इस मुठभेड़ में श्री अरविंद सिंह बिष्ट, उप कमांडेंट ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, राष्ट्रपति के पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरुप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 12.11.2013 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 68-प्रेज/2015–राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों का नाम और रैंक

सर्व/श्री

1. जॉय प्रकाश राजबंशी,
निरीक्षक

2. रामैया करूपिया,
कांस्टेबल

3. जितेन्द्र कुमार,
कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

आईबी से प्राप्त आसूचना संबंधी सूचना में जिला-लातेहर (झारखंड) के पुलिस स्टेशन-मनिका के अंदर पड़ने वाले एक घने जंगल में स्थापित एक कैम्प में अरविंद, बिरसई, मृत्युंजय और इंद्रजीत नामक सीपीआई (माओवादी) के वरिष्ठ लीडरों के साथ-साथ अन्य कनिष्ठ काडरों की मौजूदगी का संकेत मिला था। तदनुसार भारतीय वायु सेना की सहायता से उस क्षेत्र का गहन सर्वेक्षण और थर्मल चित्रांकन किया गया लेकिन कैम्प के वास्तविक स्थान का पता नहीं लग पाया। अत: छानबीन के लिए संदिग्ध स्थानों से मिलते-जुलते स्थान चिन्हित किए गए। एक विशेष अभियान शुरू करने के लिए, जिसे कोड नाम "जाल-3" दिया गया, सिविल पुलिस के घटक के साथ झारखंड जगुआर के 03 हमलावर समूहों और सीआरपीएफ के 11,112,214 तथा 203,209 कोबरा सन्य दलों को शामिल करते हुए छह हमला दलों का गठन किया गया। प्रत्येक हमला दल को लक्ष्य वाले विशिष्ट क्षेत्र दिए गए थे। रांची में मानचित्र और गूगल पर दलों को ब्रीफ करने के पश्चात हमला दलों को दिनांक 11.06.2013 को 1800 बजे कुमनडीह रेलवे स्टेशन और हेहेगढ़ गांव में स्थापित दो अस्थायी लांच पैडों से भेजा गया।

सैन्य दल ने जंगल की गहन तलाशी ली लेकिन नक्सलियों से संपर्क स्थापित नहीं हो पाया। गैर-समावेशन (डी-इन्डक्शन) के लिए 209 कोबरा के सैन्य दल को कुमनडीह लांच पैड पर पहुंचने की जरूरत थी, जहां से उन्हें वापस बेस तक पहुंचाया जाना था। दिनांक 12.06.2013 को लगभग 1730 बजे जब सैन्य दल के सदस्य संपूर्ण रात और दिन के अभियान के कारण बुरी तरह से थके हुए थे और वे कुमनडीह रेलवे स्टेशन पर अपने लांच पैड में प्रवेश करने वाले थे, तभी वहां घात लगाकर बैठे नक्सलियों ने उनके ऊपर दो विपरीत दिशाओं, अर्थात् उत्तर और दक्षिण से भारी गोलीबारी शुरू कर दी। नक्सलियों ने एमएओ की इस शिक्षा का अनुसरण करते हुए कि "दुश्मन पर तब हमला करो जब वह थका हुआ हो" घात की सही योजना बनाई थी लेकिन वे सही दुश्मन को चुनने में विफल हो गए। जब नक्सलियों ने गोलीबारी की तब उन्होंने उसका जवाब दिया और घात के विरुद्ध जवाबी मुकाबला शुरू कर दिया। घात के समय निरीक्षक जॉय प्रकाश राजबंशी की कमान में दल सं. 2 मारक जोन से गुजर रहा था और इस प्रकार जब नक्सलियों ने गोलीबारी शुरू की, तब यह दल मारक जोन के बीच में फंस गया। मारक जोन में मौजूद होने के कारण यह दल नक्सलियों की लगातार गोलीबारी की मार को सह रहा था। ऐसे समय पर निरीक्षक/जीडी जॉय प्रकाश राजबंशी इस आक्रमण के आगे झुके नहीं और इसकी बजाय उन्होंने अपने दल को नक्सलियों के ऊपर भारी गोलीबारी करने और यूबीजीएल से गोले दागने का भी आदेश दिया। सैन्य दल द्वारा जवाबी गोलीबारी ने एक हद तक नक्सलियों को बांध दिया। इसका लाभ उठाते हुए निरीक्षक जॉय प्रकाश राजबंशी अपने सहयोगी कांस्टेबल/जीडी आर. कुरूपिया के साथ भारी गोलीबारी और फट रहे गोलों के बीच अपने कवर से बाहर आ गए और वे किनारे से हमला करने के लिए रेंगते हुए पश्चिम की ओर बढ़ गए। किनारे पर पहुंचकर उन्होंने सुरक्षित स्थान पर मौजूद नक्सलियों के ऊपर भारी गोलीबारी शुरू कर दी। दुश्मन के ऊपर उनके ठोस और साहसी हमले ने अन्य कोबरा सैन्य दलों को आगे बढ़ने और उनके जवाबी-हमले में शामिल होने में मदद पहुंचाई। अपनी बढ़ी हुई ताकत के साथ सैन्य दल फायर एंड मूव की युक्ति अपनाते हुए पश्चिमी किनारे की ओर से तेजी से आगे बढ़ने लगा। इसके साथ ही साथ, रेलवे स्टेशन के भवन के ऊपर पोजीशन लिए हुए लांच पैड की सुरक्षा के लिए तैनात डी/11 बटालियन के कांस्टेबल/जीडी जितेन्द्र कुमार ने नक्सलियों के स्थान को देख लिया और उन्होंने उनके ऊपर अपनी एलएमजी से भारी गोलीबारी शुरू कर दी। जवाब में नक्सलियों ने भी उनके ऊपर गोलियां चलानी शुरू कर दीं, लेकिन अदम्य साहस और वीरता का प्रदर्शन करते हुए अपनी जान की परवाह किए बगैर वे वहां से हिले नहीं और जमीन पर डटकर गोलियां चलाते रहे। उनकी सटीक गोलीबारी ने कोबरा सैन्य दल को सुरक्षित ठिकाने में मौजूद नक्सलियों की ओर आगे बढ़ने में मदद पहुंचाई। सैन्य दल द्वारा जवाबी हमले और सटीक गोलीबारी के साथ-साथ कांस्टेबल/जीडी जितेन्द्र कुमार की ओर से एलएमजी द्वारा की जाने वाली सहायक गोलीबारी के परिणामस्वरूप कुछ नक्सली घायल हो गए जिससे उनका मनोबल टूट गया और वे अपने घायल काडरों को लेकर वहां से पीछे हटने लगे। तथापि, सैन्य दल ने कुछ दूर तक नक्सलियों का पीछा किया, लेकिन वे वहां की स्थलाकृति का लाभ उठाते हुए अपने पूर्व-निर्धारित रास्ते से भागने में सफल हो गए।

अभियान के बाद की गई छानबीन से इस मुठभेड़ में एक नक्सली काडर के मारे जाने और तीन के घायल होने (इनमें से एक कोई प्रमुख लीडर था) के संकेत मिले। बाद में इस मुठभेड़ में शामिल एक नक्सली द्वारा, जिसे छत्तीसगढ़ से गिरफ्तार किया गया था, इसमें तीन नक्सलियों के मारे जाने की पुष्टि की गई। इस मुठभेड़ के दौरान घायल हुए इंदरजीत उर्फ कपिल यादव, ईआरबी कंपनी कमांडर नामक एक प्रमुख नक्सली लीडर को भी, जो अरविंदजी उर्फ देव कुमार, सीसीएम का एक नजदीकी सहयोगी था और मुठभेड के दौरान घायल हो गया था, पटना, बिहार में इलाज करवाते समय गिरफ्तार कर लिया गया। वह इस राज्य के सर्वाधिक दुर्दांत कमांडरों में से एक है और वह सीआरपीएफ के जवान के पेट में बम लगाने में शामिल था। उसने झारखंड के लातेहर, पलामू, गढ़वा और गुमला जिलों में सुरक्षा बलों पर अनेक हमलों की अगुवाई की थी।

इस अभियान के दौरान कांस्टेबल/जीडी जितेन्द्र कुमार ने सर्वोच्च स्तर की बहादुरी का प्रदर्शन किया और इस वास्तविकता को जानते हुए भी कि वे अकेले और बगैर कवर के थे और नक्सलियों की गोलियों का निशाना बन सकते हैं, उन्होंने आगे बढ़ रहे सैन्य दल को समुचित सहायता प्रदान करते हुए नक्सलियों के ऊपर प्रभावी रूप से गोलीबारी की। 209 कोबरा के निरीक्षक/जीडी जॉय प्रकाश राजबंशी और कांस्टेबल/जीडी करूपिया ने अपनी निजी सुरक्षा की परवाह किए बगैर वीरतापूर्वक लड़ाई लड़ी। उनकी गोलीबारी की क्षमता और अनुकरणीय बहादुरी के कारण अनेक नक्सली घायल हुए। उन्होंने न केवल सुरक्षा बल कार्मिकों की जान बचाई, बल्कि नक्सलियों द्वारा सुनियोजित तरीके से और युक्तिपूर्वक लगाई गई घात को भी तोड़ दिया।

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री जॉय प्रकाश राजबंशी, निरीक्षक, रमैया करूपिया, कांस्टेबल और जितेन्द्र कुमार, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरुप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 12.06.2013 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 69-प्रेज/2015–राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

1. अरीचे एंथनी महेओ, उप कमांडेंट — (वीरता के लिए पुलिस पदक)
2. गुरु चरण कालिंदिया, सहायक कमांडेंट — (वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार)
3. आशिष रंजन, कांस्टेबल — (वीरता के लिए पुलिस पदक)

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

ओडिशा के कोरापुट जिले में पुलिस स्टेशन-पोटंगी के अंदर पहाड़ी एवं जंगली क्षेत्र में तृतीय सीआरसी (सेंट्रल रीजनल कमांड) के 10-15 माओवादियों के एक विखंडित छोटे दल की मौजूदगी के बारे में आसूचना संबंधी सूचना प्राप्त हुई थी। इस सूचना की प्राप्ति के बाद दिनांक 31.10.2013 को 2100 बजे श्री अरीचे ए. महेओ, उप कमांडेंट के समग्र पर्यवेक्षण के अधीन 202 कोबरा के दलों के साथ एक विशेष अभियान की शुरूआत की गई।

दिनांक 01.11.2013 को लगभग 0900 बजे जब सैन्य दल के सदस्य पहाड़ी और घने जंगल की तलाशी ले रहे थे, तभी श्री गुरु चरण कालिंदिया, सहायक कमांडेंट ने चढ़ाई के दौरान पहाड़ी की चोटी पर कुछ धुआं और हलचल देखी। उन्होंने तुरंत यह जानकारी अभियान के कमांडर श्री अरीचे एंथनी महेओ, उप कमांडेंट के साथ साझा की। कमांडर ने चढ़ाई वाले आगे के भू-भाग का सतर्कतापूर्वक परीक्षण करने और स्थिति का मूल्यांकन करने के बाद अपने दल को दो हिस्सों में बांट दिया। उन्होंने श्री गुरु चरण कलिंदिया, सहायक कमांडेंट को उस क्षेत्र की ओर सूझ-बूझ के साथ आगे बढ़ने का आदेश दिया, जबकि, वे अपने सहयोगी कांस्टेबल/जीडी आशिष रंजन और दल के कुछ अन्य सदस्यों के साथ आवश्यकता पड़ने पर बाएं किनारे को कवर करने और धावा बोलने के लिए आगे बढ़े।

चूंकि उस समय दिन का उजाला काफी फैला हुआ था, अत: अपने सर्वोत्तम प्रयासों और युक्तिपूर्ण चाल के बावजूद, बेहतर एवं आधिपत्य वाले पोजीशन में तैनात माओवादियों ने सुरक्षा दस्ते को श्री गुरु चरण कलिंदिया, सहायक कमांडेंट की कमान में बढ़ते हुए देख लिया और वे उनके ऊपर अंधाधुंध गोलीबारी करने के साथ-साथ हथगोले फेंकने लगे। यह देखते हुए कि सुरक्षा सैन्य दल प्रतिकूल स्थिति में था और वे उनके ऊपर आधिपत्य वाली स्थिति में थे, नक्सलियों ने अति सुरक्षित मोर्चों की आड़ लेकर भारी गोलीबारी करते हुए सैन्य दल के लिए उसे एक मारक जोन में तब्दील कर दिया। गोलीबारी की निरंतर बढ़ रही मात्रा से उस स्थान में ठहरना खतरनाक और जोखिम-पूर्ण होता जा रहा था, लेकिन यह जानते हुए कि श्री अरीचे ए. महेओ, उप कमांडेंट द्वारा किनारे से हमला किए जाने तक वहां पर डटे हुए नक्सलियों का ध्यान अपनी ओर खींचे रहना आवश्यक था, श्री गुरु चरण कालिंदिया, सहायक कमांडेंट ने नक्सलियों के आक्रमण का बहादुरीपूर्वक मुकाबला किया और नक्सलियों के ऊपर गोलीबारी करने के लिए अपने सैन्य दल को प्रेरित करते रहे।

नक्सलियों का ध्यान अपनी ओर खींचे रखने की प्रक्रिया में उन्होंने एक चांस लिया और नक्सलियों को मारने के लिए अपने कवर से बाहर आ गए। वे रेंगते हुए कैंप की ओर बढ़े और उन्होंने कुछ नक्सलियों को घायल करके उन्हें कुछ क्षति पहुंचाई । अपनी जान को जोखिम में डालते हुए उन्होंने लड़ाई जारी रखी जो बेहद नजदीक से चल रही थी।

दूसरी ओर अपने सहयोगी कांस्टेबल/जीडी आशिष रंजन और दल के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर श्री अरीचे ए. महेओ ने अदम्य साहस का प्रदर्शन किया और वे युक्तिपूर्वक आगे बढ़ते हुए नजदीकी ऑबजर्वेशन प्वाइंट तक पहुंच गए। नक्सली कैम्प के नजदीक पहुंचकर उन्होंने देखा कि कुछ नक्सली अपने मोर्चों में अति सुरक्षित स्थानों में मौजूद थे और वे सैन्य दल को अधिकतम नुकसान पहुंचाने के लिए वहां से उनके ऊपर लगातार गोलीबारी कर रहे थे। उन्होंने यह भी देखा कि एक माओवादी, जो इन्सास राइफल से गोलीबारी कर रहा था और उसके पास वायरलेस था, माओवादियों की ओर से अभियान का निर्देशन कर रहा था और निरंतर अपनी पोजीशन बदल रहा था। कमांडर को यह समझने में देर नहीं लगी कि वह नक्सली कमांडर था और सभी नक्सलियों को अस्त-व्यस्त करने के लिए सबसे पहले उसे मारने की आवश्यकता थी। उन्होंने कांस्टेबल/जीडी आशिष रंजन के साथ उस नक्सली के अपनी ओर आने तक धैर्यपूर्वक इंतजार किया और जैसे ही वह उनकी ओर बढ़ा, उन्होंने बहादुरी एवं वीरता के उल्लेखनीय कार्य को अंजाम देते हुए अपनी हिप पोजीशन से गोलीबारी करते हुए उसे वहीं ढेर कर दिया। किनारे से हमला होने और अपने कमांडर के मारे जाने से नक्सली भौंचक्का रह गए और उनका मनोबल भी कमजोर पड़ गया। सैन्य दल को दो दिशाओं से आगे बढ़ते देखकर नक्सलियों ने घनी झाड़ियों का लाभ उठाते हुए पहाड़ी की दूसरी ओर भागना शुरू कर दिया।

दोनों ओर से गोलीबारी में नक्सलियों के अभियान को निर्देशित करने वाला माओवादी कमांडर मारा गया और वहां से एक 5.56 एम एम इन्सास राइफल, 47 जिंदा गोलाबारूद, 101 डेटोनेटर, एक वायरलेस सेट, एक हथगोला, एक कैमरा, आईईडी कंट्रोलर और अन्य सामग्रियां बरामद हुई और साथ ही कुछ नक्सली काडर घायल भी हुए।

इस संपूर्ण अभियान में, श्री अरीचे ए. महेओ, उप कमांडेंट ने अपनी जान को गंभीर खतरे में डालते हुए उच्च स्तर की पेशेवरता और कर्तव्यपरायणता के साथ अनुकरणीय साहस एवं बहादुरी का प्रदर्शन किया। श्री गुरु चरण कालिंदिया, सहायक कमांडेंट ने भी अपनी जान की परवाह नहीं की और वे भी अभियान की योजना के पूरा होने तक मारक जोन में डटे रहे। उन्होंने नक्सलियों को उलझाए रखने के लिए न केवल अपने आपको उनकी गोलीबारी के सामने रखा बल्कि उनमें से कुछ को घायल भी किया। कांस्टेबल/जीडी आशिष रंजन हालांकि इस बल में नए थे और उनका सेवाकाल मात्र 01 वर्ष 04 माह का हुआ था, इसके बावजूद उन्होंने अपने कमांडर के साथ कंधा से कंधा मिलाते हुए साहसिक एवं वीरतापूर्ण कार्य का प्रदर्शन किया और नक्सली कमांडर को मार गिराया। उनके प्रशंसनीय कार्य-निष्पादन के कारण से न केवल नक्सली आक्रमण से सीआरपीएफ कार्मिकों की जान बचाई जा सकी, बल्कि इसमें एक प्रमुख नक्सली को मारा भी जा सका जो अपने समूह का नेतृत्व कर रहा था।

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री अरीचे एंथनी महेओ, उप कमांडेंट, गुरु चरण कालिंदिया, सहायक कमांडेंट और आशिष रंजन, कांस्टेबल, ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक/पुलिस पदक का प्रथम वार नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरुप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 01.11.2013 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 70-प्रेज/2015–राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

1. बिनोद कुमार सिंह, उप कमांडेंट (मरणोपरांत)
2. रामजी राम, उप निरीक्षक (मरणोपरांत)
3. लाल बाबु साह, हेड कांस्टेबल/चालक (मरणोपरांत)

4. श्री राय सिंह, (मरणोपरांत)
हेड कांस्टेबल

5. अशोक कुमार निराला, (मरणोपरांत)
कांस्टेबल

6. बिक्रमादित्य यादव, (मरणोपरांत)
कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

बिहार में चक्रबंधा वन अपने रणनीतिक स्थान, अर्थात, जिला मुख्यालय से दूरी, साथ लगे झारखंड और उत्तर प्रदेश के निकटवर्ती राज्यों से बचकर निकलने के मार्गों, उबड़-खाबड़ भू-भाग, घने जंगल की आड़ और खराब संचार सुविधाओं के कारण माओवादियों के लिए सुरक्षित ठिकाना रहा है। अपने मजबूत गढ़ में घुसने और वहां अभियान चलाने से सुरक्षा बलों को रोकने के उद्देश्य से इस क्षेत्र में भारी मात्रा में कार्मिक-रोधी और वाहन-रोधी बारुदी सुरंगें बिछा दी गई हैं।

उस क्षेत्र में दुर्दांत माओवादी नेता अरविंदजी [सीपीआई (माओवादी) की सेंट्रल कमेटी का सदस्य] की मौजूदगी की सूचनाओं पर सीआरपीएफ द्वारा नजदीकी नज़र रखी जा रही थी। एक ऐसी ही विश्वसनीय सूचना पर दिनांक 18.10.2012 को भोर में 205 कोबरा, सीआरपीएफ की 47वीं और 159वीं बटालियन तथा एसटीएफ के सैन्य दलों द्वारा संयुक्त रुप से एक अभियान की शुरुआत की गई। संपूर्ण सैन्य दल को छह प्रहार दलों में विभाजित किया गया। मुख्य प्रहार दल की अगुवाई श्री छोटे लाल, टू आई-सी द्वारा की जा रही थी और उसमें श्री बी.के. सिंह, उप कमांडेंट और 159वीं बटालियन के अन्य अधिकारी एवं कार्मिक तथा एसटीएफ का एक दल शामिल था।

योजनानुसार, यह दल भोर में इमामगंज से रवाना हुआ और गांव सेवरा पहुंचा जिसके आगे का भू-भाग पहाड़ी और जंगल वाला था। बम निरोधक दस्तों की सहायता से विधिवत रुप से सड़क को साफ करने के पश्चात प्रहार दल वहां से आगे बढ़ने लगा। लगभग 0610 बजे जब सैन्य दल गांव-तारचुआं की ओर बढ़ रहा था, तभी उनके ऊपर माओवादियों ने घात लगाकर हमला कर दिया। शुरु में माओवादियों ने सड़क के काफी नीचे गहराई में प्लांट किए गए एक शक्तिशाली आईईडी का विस्फोट किया, जिसके बाद उन्होंने काफी तीव्र गोलीबारी की और तत्पश्चात आईईडी के अनेक धमाके किए। सर्वाधिक शक्तिशाली आईईडी का विस्फोट माइन से सुरक्षित वाहन (एमपीवी) के नीचे हुआ जिससे वह वाहन हवा में उछल कर टुकड़े-टुकड़े हो गया। चार और मोटर साइकिलें आईईडी के धमाके के प्रभाव में आ गई और उनके परखच्चे उड़ गए। यात्रा कर रहे एसआई/जीडी रामजी राम और एचसी/चालक लाल बाबु साह गंभीर रुप से घायल हो गए और वे वाहन के अवशेष हिस्सों में उलझ गए। इसमें आठ और कार्मिक घायल हुए लेकिन एचसी/जीडी श्री राय सिंह, कांस्टेबल/जीडी अशोक कुमार निराला और कांस्टेबल/जीडी बिक्रमादित्य यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल होने और खून का तेज रिसाव होने के बावजूद एसआई/जीडी रामजी राम ने विषम परिस्थिति में अत्यधिक धैर्य का प्रदर्शन करते हुए और अपने बाएं हाथ की असहनीय पीड़ा पर काबू पाते हुए, जो कि लगभग अलग हो चुका था और नाकाम हो चुका था, अपने हथियार को वापस थामने में सफलता पाई। एचसी/चालक लाल बाबु साह का हथियार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुका था। एचसी श्री राय सिंह, सीटी अशोक कुमार निराला और कांस्टेबल बिक्रमादित्य यादव, जो कि घात के बीच फंस गए थे और गंभीर रूप से घायल हो गए थे, वे शुरुआती झटके और आघात से बाहर निकलने में सफल हुए और भयंकर पीड़ा एवं वेदना बर्दाश्त करने के बावजूद उन्होंने फौलादी इरादे का प्रदर्शन करते हुए अपने हथियारों को काबू में किया।

सुरक्षा बल कार्मिकों को हताहत करने के अलावा सीपीआई (माओवादी) का मुख्य इरादा उनके हथियार लूट कर अपने शस्त्रागार को मजबूत बनाना था। यह महसूस करते हुए कि सैन्य दल के सदस्य बुरी तरह से घायल हो गए हैं और उनकी ओर से किसी प्रकार के विरोध की संभावना नहीं है, माओवादी घायल कार्मिकों का हथियार लूटने और उन्हें आगे घोर दुख पहुंचाने के लिए उनके ऊपर गोलियां बरसाते हुए और गोले फेंकते हुए आगे बढ़ने लगे। उन्हें पहाड़ी की चोटी पर तैनात मशीन गनों से लैस माओवादियों द्वारा कवरिंग फायर दी जा रही थी। हालांकि सैन्य दल के सदस्य बुरी तरह से घायल थे और उनकी संख्या भी काफी कम थी, लेकिन वे बहादुरीपूर्वक मुकाबला किए बगैर हार मानने वाले नहीं थे। अपने सामने मौत को खड़ा देखकर एसआई/जीडी रामजी राम ने, जो बुरी तरह से घायल थे, उदाहरण प्रस्तुत करते हुए गंभीर रूप से घायल जवानों में नया जोश पैदा किया और उन्होंने बुरी तरह से कटे हुए बायीं हाथ के बावजूद एचसी/चालक लाल बाबु साह के साथ मिलकर आगे बढ़ रहे माओवादियों के ऊपर गोलीबारी शुरु कर दी। जीवंत साहस के साथ अन्य तीन घायल कार्मिक उपलब्ध नजदीकी कवर की ओर रेंगते हुए आगे बढ़े और उन्होंने अत्यधिक दृढ़ता तथा बुद्धिमत्ता का प्रदर्शन करते हुए भारी गोलीबारी करना और बीच-बीच में हथगोले फेंकना भी जारी रखा। गंभीर रूप से घायल जवानों की ओर से ऐसे दृढ़ संकल्प एवं जीवट वाली प्रतिक्रिया से दुश्मनों के होश उड़ गए और इससे वे अपने रास्ते में ही रूक गए। दुर्भाग्यवश ये बहादुर कार्मिक जिंदगी की लड़ाई में हार गए और घायल होने से उनकी जान चली गई। उन्होंने घायल बाघ की तरह लड़ाई लड़ी और न केवल लूट-मार करने वाले माओवादियों को दूर रखने में सफलता प्राप्त की, बल्कि हथियार लूटने के माओवादियों के घृणित इरादे को भी नाकाम कर दिया।

श्री बी.के. सिंह, उप कमांडेंट, माओवादियों की ओर से लगातार गोलीबारी के बीच अपने सैन्य दल के घायल सदस्यों को फंसा हुआ देखकर, विस्फोट वाले स्थल की ओर बेहद सूझ-बूझ के साथ आगे बढ़ने लगे और उन्होंने अपने दल को जवाब में भारी गोलीबारी करने का आदेश दिया। घोर जवाबी हमले के जारी रहने के दौरान उन्हें घात वाले जोन से अपने घायल कार्मिकों को बाहर निकालने का अवसर मिल गया। अपने शहीद कार्मिकों के शवों को और घायल कार्मिकों को वहां से निकालकर सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने के बाद उन्होंने माओवादियों को वहां से आसानी से निकलने और अपनी सफलता का जश्न मनाने का मौका नहीं देने का निर्णय लिया। उन्होंने माओवादियों के ऊपर दूसरी बार जवाबी हमला करने के लिए अपने सैन्य दल को पुन: संगठित किया। माओवादियों ने बेहद सूझ-बूझ से उस स्थल का चयन किया था और वे चारों ओर की पहाड़ी की चोटियों के ऊपर सुरक्षित ठिकानों के पीछे बैठे हुए थे। यह देखते हुए कि माओवादी आधिपत्य वाली ऊंचाइयों पर मौजूद थे और वहां से सैन्य दल की आवाजाही पर नजर रख रहे थे, उन्होंने क्षेत्र के अनुकूल हथियारों की विधिवत सहायता लेते हुए भिन्न दिशाओं से एक ही साथ हमला करने की योजना बनाई। जैसे ही वे अपने हमला दल के साथ आगे बढ़े, उनकी नजर उनके आगे की राह में बाधक एक कतार में बिछाई गई लगभग 15 बारुदी सुरंगों के ऊपर गई। माओवदी, सैन्य दल के ऊपर अपने लगभग अभेद्य एवं सुरक्षित स्थान के साथ-साथ सामने बिछाई गई बारुदी सुरंगों के द्वारा तबाही बरसा रहे थे। उन्होंने सर्वप्रथम बम निरोधक दस्ते की सहायता से बारुदी सुरंगों को निष्क्रिय किया और उसके बाद पहाड़ी की चोटियों की ओर बढ़े। वे उपलब्ध न्यूनतम कवर का उपयोग करते हुए रेंगते हुए माओवादियों के नजदीक पहुंच गए और यूबीजीएल से हथगोले दागते हुए भीषण हमला शुरु कर दिया। सामने से हमले का लाभ मिला क्योंकि इसमें कुछ माओवादी घायल हो गए, जबकि अन्य भौंचक्के रह गए और पीछे हट गए। इस हमले के दौरान सैन्य दल का नेतृत्व कर रहे श्री बी.के. सिंह, उप कमांडेंट गोली लगने से बुरी तरह से घायल हो गए। तथापि, घायल होने से वे विचलित नहीं हुए और उन्होंने बहादुरीपूर्वक हमला जारी रखा। यह लड़ाई बेहद नजदीक से चल रही थी जिसमें माओवादी सीआरपीएफ के कार्मिकों को अधिक से अधिक संख्या में हताहत करने के लिए हथगोलों और भारी गोलीबारी का प्रयोग कर रहे थे। इस गतिरोध को समाप्त करने के लिए श्री बी.के. सिंह, उप कमांडेंट ने अपने दल को मोर्चों के ऊपर एक के बाद एक हथगोला फेंकने का आदेश दिया जिससे कि वे कुछ और आगे बढ़ सकें और अंतिम हमला शुरु कर सकें। गोलियों की बौछार का बहादुरीपूर्वक सामना करते हुए दल के सदस्यों ने एक के बाद एक करके तेज गति से हथगोला फेंकना शुरु कर दिया। जैसे ही ये हथगोले फटने लगे, माओवादियों के पैर पूरी तरह से उखड़ गए और वे एक-एक करके अपने काडर के घायल साथियों को उठाकर वहां से भागने लगे।

इस मुठभेड़ के दौरान श्री बी.के. सिंह, उप कमांडेंट ने माओवादियों के साथ समर्पण, उत्साह और साहस के साथ लड़ाई लड़ी और अपने कार्मिकों तथा हथियारों को बचाया और सी.आर.पी.एफ. कार्मिकों के शवों को वहां से सुरक्षित बाहर निकाला। उन्होंने स्वयं सैन्य दल का नेतृत्व किया और मौत को चुनौती देने वाली बहादुरी का प्रदर्शन करते हुए माओवादियों को उनके अति सुरक्षित स्थानों से भागने के लिए मजबूर कर दिया। गोलियां लगने के बावजूद उन्होंने हमला जारी रखा और भीषण गोलीबारी में उन्होंने स्वयं गोली चला कर कुछ माओवादियों को घायल कर दिया। इस प्रयास में वे गंभीर रूप से घायल हो गए और बाद में उनकी मृत्यु हो गई। इसी प्रकार, एसआई/जीडी रामजी राम, एचसी/चालक लाल बाबु साह, एचसी/जीडी श्री राय सिंह, कांस्टेबल/जीडी अशोक निराला और सी/जीडी बिक्रमादित्य यादव ने भी माओवादियों के साथ समर्पण, उत्साह और साहस के साथ लड़ाई लड़ी और सी.आर.पी.एफ. कार्मिकों की जान बचाई और उनके हथियारों की भी रक्षा की। वे अपनी सांस तक अथवा घात स्थल से उपचार के लिए ले जाए जाने तक गोलियां चलाते रहे, जिससे न सिर्फ उनके सहकार्मिकों और हथियारों की रक्षा करने में मदद मिली, बल्कि इससे सुरक्षा बलों के हथियार लूटने की माओवादियों की योजना भी विफल हो गई।

की गई बरामदगी:

1) प्रेशर कुकर बम-09

2) इम्प्रोवाइज्ड पाइप आईईडी-06

3) कॉर्डेक्स तार-60 मीटर

4) बिजली के तार-100 मीटर

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री (स्व.) बिनोद कुमार सिंह, उप कमांडेंट, (स्व.) रामजी राम, उप निरीक्षक, (स्व.) लाल बाबु साह, हेड कांस्टेबल/चालक, (स्व.) श्री राय सिंह, हेड कांस्टेबल, (स्व.) अशोक कुमार निराला, कांस्टेबल और (स्व.) बिक्रमादित्य यादव, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरुप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 18.10.2012 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 71-प्रेज/2015–राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निम्नलिखित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री वी. क्लाईमॉंड जोसेफ, (मरणोपरांत)
हेड कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

186वीं बटालियन, सीआरपीएफ की एफ कंपनी अरुणाचल प्रदेश में तैनात की गई थी और यह आतंक-रोधी अभियान चला रही थी। विधानसभा चुनाव के दौरान नक्सली हिंसा की बड़ी धमकी के कारण तथा राज्य का सुरक्षा घेरा मजबूत करने के लिए उक्त कंपनी को अरुणाचल प्रदेश से छत्तीसगढ़ राज्य जाने का आदेश दिया गया। तदनुसार, यह कंपनी वहां से हटकर उक्त राज्य में तैनात हो गई। इसने दांतेवाड़ा जिले के पुलिस स्टेशन काटेकल्याण के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र में अपना कैंप स्थापित कर लिया जो नक्सलवादी गतिविधियों का केन्द्र था। मतदान दिवस, जो दिनांक 11.11.2013 को था, से पहले क्षेत्र को व्यवस्थित करने के लिए, टुकड़ियों ने नियमित रूप से क्षेत्र में अपना आधिपत्य स्थापित किया तथा संदिग्ध मार्गों पर घात लगा कर रखी। मतदान दिवस अर्थात् दिनांक 11.11.2013 को काटेकल्यान, जिला दांतेवाड़ा के अंतर्गत ग्राम-नयनार के मतदान केन्द्र सं 177 के आस-पास के क्षेत्र को अपने नियंत्रणाधीन करने के लिए एफ/186 की एक प्लाटून तैनात की गई। लगभग 1400 बजे, जब उक्त प्लाटून मतदान केन्द्र के आस-पास क्षेत्र में गश्त लगा रही थी, तभी 30-40 माओवादियों के एक गुट ने सुरक्षा बल कार्मिकों को अपने जाल में फसाने और मारने तथा ईवीएम को लूटने के इरादे से सीआरपीएफ की सैन्य टुकड़ियों पर भारी गोली-बारी शुरू कर दी। माओवादियों ने दो ओर से घात लगा रखी थी और अधिक से अधिक सुरक्षा बलों को हताहत करने के लिए भारी गोलीबारी करने के साथ-साथ हथगोले भी फेंक रहे थे। अपनी सैन्य टुकडियों को दो दिशा से होने वाली गोली-बारी में फंसा हुआ पाकर, हेड कांस्टेबल/जीडी वी. क्लाईमॉंड जोसेफ समय पर खरे साबित हुए और अपनी जान की परवाह किए बगैर अग्रिम मोर्चे पर अपनी जगह ले ली और माओवादियों पर गोली चलाई। उन्होंने एक पेड़ के पीछे अपनी पोजीशन संभाल बना ली और भली-भांति मोर्चाबंद माओवादियों को खदेड़ने की मंशा से जोरदार ढंग से जवाबी कार्रवाई की। सैन्य टुकड़ियों से कड़ी चुनौती का सामना करने पर माओवादियों ने अंधाधुंध और भारी गोली-बारी की जिसके कारण सामान्य मतदाताओं तथा मतदान कर्मचारियों की जान को गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया। इसे देखते हुए, हेड कांस्टेबल/जीडी वी. क्लाईमॉंड जोसेफ ने उक्त नक्सल घटक को लक्ष्य बनाने का निर्णय लिया जहां से ऑटोमेटिक (स्वचालित) गोली-बारी आ रही थी। इस प्रक्रिया में वे वीरतापूर्वक अपनी आड़ से बाहर आ गए और गोली बारी करके आगे बढ़ने की युक्ति का प्रयोग करते हुए हमला कर दिया। ऐसा करते हुए, उन्होंने मतदाताओं, मतदान कर्मचारियों और अन्य सैन्य टुकडियों को सुरक्षा कवर प्रदान किया। इसके परिणामस्वरूप अन्य सैन्य टुकड़ियां भी उनके कार्य में शामिल हो गई और उनके वीरतापूर्ण ढंग से आगे बढ़ने का संकेत पाकर गोली-बारी करके आगे बढ़ने की तरकीब का प्रयोग करते हुए माओवादियों की ओर आगे बढ़ना शुरू कर दिया। तथापि, इस हमले के दौरान, हेड कांस्टेबल/जीडी वी. क्लाईमॉंड गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए किंतु इससे वे विचलित नहीं हुए और अपने भयंकर दर्द पर नियंत्रण करते हुए, वह जवाबी हमले का नेतृत्व करते रहे। उनकी वीरतापूर्ण कार्रवाई तथा समूह में लड़ने की दृढ़ भावना के कारण, उन माओवादियों, जो भलीभांति सुरक्षित आड़ों के पीछे मोर्चाबंद थे, को शीघ्र पीछे हटना पड़ा। अंततः छत्तीसगढ़ के अत्यधिक नक्सल प्रभावित क्षेत्र में अपनाई गई लोकतांत्रिक प्रक्रिया में बाधा पहुंचाने के स्पष्ट इरादे से मतदाताओं और मतदान कर्मचारियों को क्षति पहुंचाने, केन्द्र पर कब्जा करने अथवा ईवीएम को नष्ट करने का माओवादियों का प्रयास विफल कर दिया गया। मुठभेड के दौरान, हेड कांस्टेबल/जीडी वी. क्लाईमॉंड जोसेफ की वीरतापूर्ण कारवाई ने माओवादियों को दूर रखा और मतदान दल, सैन्य टुकड़ियों तथा आम जनता जो अत्यधिक नक्सल प्रभावित क्षेत्र में अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए मतदान केन्द्र पर आए थे, के जीवन की रक्षा की। उनके वीरतापूर्ण, निडर तथा साहसी कार्रवाई ने सैन्य टुकड़ियों में नया जोश भर दिया जिन्होंने माओवादियों पर जवाबी हमला करने और उन्हें अपनी जान बचाने के लिए भागने पर मजबूर करने में उनका साथ दिया। बाद में वहां से ले जाने के दौरान, घायल होने की वजह से एचसी/जीडी वी. क्लाईमॉंड की मृत्यु हो गई और वे शहीद हो गए।

इस मुठभेड़ में श्री (स्व.) वी. क्लाईमॉंड जोसेफ, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरुप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 11.11.2013 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 72-प्रेज/2015–राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

1. पदम सिंह,
कांस्टेबल

2. रविन्द्र भाष्कर,
कांस्टेबल

3. अमित शर्मा,
सहायक कमांडेंट

4. प्रभात कुमार पंकज,
उप निरीक्षक

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

पुलिस स्टेशन कुचई, जिला सरायकेला खरसवान (झारखंड) के अंतर्गत आने वाले जंगलों में भारी संख्या में नक्सलवादियों की मौजूदगी के बारे में आसूचना संबंधी जानकारी के आधार पर, 209 कोबरा के 08 दलों तथा झारखंड जगुआर के 02 हमला दलों के साथ दो हमला पार्टियों का गठन किया गया और उन्हें दिनांक 12.05.2013 से 13.05.2013 तक पुलिस स्टेशन कुचई के अंतर्गत ग्राम चटनीबेरा के दक्षिण में घने जंगल वाले क्षेत्र में विशेष अभियान हॉट सर्च चलाने का कार्य सौंपा गया। हमला पार्टियों ने दिनांक 12-13.05.2013 की मध्य रात्रि में लक्षित क्षेत्र में प्रवेश किया। श्री अरुण कुमार, उप कमांडेंट के नेतृत्व में हमला पार्टी-I सुबह सिलाघाटी गांव के नजदीक जंगल साफ करने के पश्चात छतरीबेरा गांव के नजदीक जंगल की ओर बढ़ गई। श्री अमित शर्मा, सहायक कमांडेंट हमला पार्टी-I के भाग के रूप में अपने दल का नेतृत्व कर रहे थे। लगभग 1015 बजे, जब अग्रणी दल छोटी पहाड़ी को पार कर रहा था, तब चोटी पर छिपे नक्सलवादियों ने सर्वप्रथम आईईडी से विस्फोट किया और फिर सैन्य टुकड़ियों पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी। श्री अमित कुमार, सहायक कमांडेंट को यह समझने में देर नहीं लगी कि उनका सामना ऊपरी जगह में स्थित एक अस्थाई पूर्ण सुरक्षित नक्सली अड्डे से हो गया है। उन्होंने पेड़ पर बने कुछ मोर्चे भी देखे। नक्सलवादियों की तैयारी और प्रभुत्व से डरे बगैर, उन्होंने अपनी व्यावसायिक दक्षता का प्रयोग किया और अपने दल के सदस्यों को नक्सलवादियों पर जोरदार जवाबी गोलीबारी करने का आदेश दिया और साथ-साथ स्काउट्स को कवर फायर दिया जो लगातार हो रही गोलीबारी में फंस गए थे। नक्सलवादी बहुत प्रतिरोध करने वाले थे और लगातार गोलीबारी से सैन्य टुकड़ियों को चुनौती दे रहे थे। नक्सलवादियों का गलत इरादा शुरू में ही आईईडी विस्फोटों से सैन्य टुकड़ियों को भयभीत करने तथा ज्यादा से ज्यादा लोगों को हताहत करने का था। श्री अमित शर्मा, सहायक कमांडेंट ने सहायक गोलीबारी होने पर, नक्सलियों पर जवाबी हमला करने की योजना बनाई और इसे अंजाम देने के लिए स्काउट के साथ आगे बढ़ गए। परन्तु नक्सलवादियों द्वारा लगाई गई आईईडी इस कार्रवाई में प्रमुख बाधा थी। श्री अमित शर्मा, सहायक कमांडेंट और एसआई/जीडी प्रभात कुमार पंकज, जोखिम उठाते हुए, चोरी-छिपे और सावधानीपूर्वक आगे बढ़ गए तथा सामने छिपाई गई आईईडी का पता लगाया। नक्सलवादियों के नजदीक पहुंचने के लिए अनिवार्य था कि इन आईईडी को निष्प्रभावी किया जाए। यह महसूस करते हुए कि लगाई गई सभी आईईडी को हटाना व्यवहार्य नहीं है, उन्होंने पहले आईईडी लगाने की प्रणाली का अध्ययन किया और यह पता लगाने पर कि वे क्रम से लगी हुई हैं, उन्होंने तार को दो सिरों से काट दिया जिससे कुछ आईईडी निष्प्रभावी हो गई और इससे टुकड़ियों को हमला करने के लिए सुरक्षित मार्ग खुल गया। इसी बीच स्काउट्स के अन्य सदस्यों, कांस्टेबल/जीडी पदम सिंह और कांस्टेबल/जीडी रविन्द्र भाष्कर ने अत्यधिक वांछनीय कवर फायर प्रदान किया और नक्सलवादियों को भीषण गोलीबारी में उलझा दिया। उनकी सटीक और लगातार गोलीबारी के साथ किए गए जोरदार आक्रमण ने आईईडी का पता लगाने/उनको नष्ट करने में व्यस्त दल की ओर से नक्सलवादियों का ध्यान हटाने में सहायता की। एक बार रास्ता साफ होने पर कांस्टेबल/जीडी पदम सिंह और कांस्टेबल/जीडी रविन्द्र भाष्कर, रेंगकर नक्सलवादियों के स्थान की ओर बढ़ गए। अब कांस्टेबल/जीडी रविन्द्र भाष्कर, कांस्टेबल/जीडी पदम सिंह, श्री अमित शर्मा, सहायक कमांडेंट और एसआई/जीडी प्रभात कुमार पंकज आगे की पंक्ति में थे। वे नक्सलवादियों के स्थान के निकट थे। पूर्व-निर्धारित संकेत पर, चारों ने काफी नजदीक से नक्सलवादियों पर एक उग्र और सावधानीपूर्वक आक्रमण कर दिया। उन्होंने नक्सलवादियों को चौंका दिया क्योंकि उनको सैन्य टुकड़ियों की रणनीतिक कार्रवाई के बारे में नहीं पता था। वे इस प्रकार के वीरतापूर्ण और उग्र हमले का सामना करने के लिए तैयार नहीं थे, जिसने उनको पीछे की ओर धकेल दिया। इस गोलीबारी की अग्रिम पंक्ति के अधिकारियों/कार्मिकों ने इस प्रकार की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में साहस जुटाने में अनुकरणीय कौशल का प्रदर्शन किया। उन्होंने इस मुठभेड़ में सफलतापूर्वक दो नक्सलवादियों को मार गिराया। वे लगातार अपने और नक्सलवादियों के बीच के फासले को कम करते जा रहे थे। नक्सलवादी प्रबल चुनौती का सामना करने में कठिनाई महसूस कर रहे थे और

उन्होंने अपने स्थान से हटने की योजना बनाई। तदन्तर, नक्सलवादी चोरी-छिपे घने पेड़-पौधों के रास्ते से बच निकले। तलाशी अभियान में मुठभेड़ स्थल से कुशल नक्सलवादी का शव और 01 एसएलआर बरामद हुई।

इस अभियान में, कांस्टेबल/जीडी पदम सिंह, कांस्टेबल/जीडी रविन्द्र भाष्कर, श्री अमित शर्मा, सहायक कमांडेंट और एसआई/जीडी प्रभात कुमार पंकज ने अनुकरणीय बहादुरी, साहस, नेतृत्व और भाईचारे का प्रदर्शन किया। उपायुक्त अधिकारी, एसओ और कार्मिकों ने वास्तविक रूप से सैनिक के महत्व को दर्शाया और साहस की चिरस्थायी गाथा की शुरूआत की जो लगातार अन्य लोगों को प्रेरित करती रहेगी। उन्होंने उत्साह और जोश की पराकाष्ठा के लिए अपने दल में साहस की अभिलाषा पैदा कर दी और उन्हें बहादुरी के साथ लड़ने के लिए प्रेरित किया। अधिकारी, एसओ और कार्मिकों द्वारा अभियान की योजना और उसका कार्यान्वयन उनकी व्यावसायिक कुशाग्रता और समर्पण को प्रदर्शित करता है, जिसके कारण एक नक्सलवादी का शव और 01 एसएलआर बरामद की गई। ये कमांडो अत्यधिक साहस, जिम्मेदारी की भावना और नेतृत्व की क्षमता का प्रदर्शन करते हुए बिना किसी डर के नक्सलवादियों के विरुद्ध लड़े।

की गई बरामदगी

कथित रूप से मारे गए दो नक्सलवादियों में से 01 शव, 7.62 एसएलआर राइफल-01, 7.62 एमएम गोलाबारूद-130 राउंड, खाली खोखे-06, देशी निर्मित ग्रेनेड-01, डेटोनेटर-04, मैगजीन एसएलआर-03, गोलाबारूद रखने का पाउच-01, काले रंग का पिट्ठू-01, मल्टीपरपज चाकू-01, पुल्थू-02, 553 रुपए।

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री पदम सिंह, कांस्टेबल, रविन्द्र भाष्कर, कांस्टेबल, अमित शर्मा, सहायक कमांडेंट और प्रभात कुमार पंकज, उप निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 13.05.2013 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 73-प्रेज/2015—राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

1. प्रिय रंजन गुप्ता, सहायक कमांडेंट — (वीरता के लिए पुलिस पदक)

2. विनोद सिंह, कांस्टेबल — (वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार)

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 19.05.2014 को, पुलिस अधीक्षक ईस्ट गारो हिल्स से पुलिस स्टेशन-विलियम नगर, जिला-ईस्ट गारो हिल्स (मेघालय) के अंतर्गत चिओकग्रे जंगल में प्रतिबंधित उग्रवादी गुट यूएएलए (यूनाइटेड ए'चिक लिबरेशन आर्मी) के 10-12 काडरों की उपस्थिति के बारे में अत्यधिक विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई। पर्याप्त विचार-विमर्श के पश्चात् क्षेत्र में तलाशी और विनष्टीकरण अभियान चलाने के लिए एक सुनियोजित योजना बनाई गई। यह कार्य श्री प्रिय रंजन गुप्ता, सहायक कमांडेंट, सीआरपीएफ के नेतृत्व में कोबरा (सीआरपीएफ) और एसडब्ल्यूएटी (स्वाट) (मेघालय) के संयुक्त दल को सौंपा गया।

दिनांक 19.05.2014 को श्री प्रिय रंजन गुप्ता, सहायक कमांडेंट द्वारा विलियम नगर बेस कैंप में दल को जानकारी दी गई। पूर्ववर्ती घटनाओं, क्षेत्र, बाहरी और भीतरी मार्ग, मार्ग की अड़चनों, अंतरिम अभिसार-स्थल और संचार पासवर्डों जैसे सभी महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। सैन्य टुकड़ियों ने दिनांक 20.05.2014 को लगभग 0230 बजे बेस कैंप से प्रस्थान किया और रणनीतिक ढंग से लक्ष्य की ओर बढ़ गई। यह क्षेत्र घने वन से आच्छादित था जिसने टुकड़ियों की दृश्यता और गतिविधि में बाधा पहुंचाई। पहाड़ी और जोखिम भरे क्षेत्र में कठिन और श्रमसाध्य यात्रा के पश्चात, संयुक्त दल उग्रवादियों के छिपने के संदिग्ध ठिकाने के नजदीक पहुंच गया। छिपने का ठिकाना घने पेड़-पौधों संयुक्त पहाड़ी के ऊपर था। लक्षित क्षेत्र का प्रारम्भिक गहन सर्वेक्षण किया गया और विभिन्न उपयुक्त और रणनीतिक स्थानों पर अवरोध (कट-आफ) स्थापित कर दिए गए।

उजाला होते ही श्री प्रिय रंजन गुप्ता, सहायक कमाडेंट, 210 कोबरा का नेतृत्व वाला हमला दल रणनीतिक ढंग से उग्रवादियों के छिपने के ठिकाने की ओर बढ़ गया। शत्रु के चोटी पर होने से पहाड़ी के ऊपर चढ़ने की गतिविधि खतरनाक और जोखिम भरी थी, फिर भी, हमला दल आगे के खतरों की परवाह किए बगैर छिपने के ठिकाने की ओर बढ़ गया। श्री प्रिय रंजन गुप्ता, सहायक कमांडेंट ने स्काउट्स का नेतृत्व किया और जब वे उग्रवादियों के छिपने के ठिकाने के नजदीक गए, तो एक मोर्चे के पीछे तैनात दो विद्रोहियों ने उन पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरु कर दी। दल ने तुरंत जबाबी गोलीबारी की और गोलीबारी करने तथा आगे बढ़ने के कौशल का प्रयोग करते हुए आगे बढ़ गया। परन्तु शीघ्र, छिपने के ठिकाने में मौजूद कुछ अन्य विद्रोहियों ने पेड़ों और अस्थायी मोर्चों के पीछे सुरक्षित पोजीशन ले ली और गोलीबारी में शामिल हो गए। शत्रुओं की ओर से अंधाधुंध और भारी गोलीबारी ने सैन्य टुकड़ियों को आगे बढने से रूकने और अपनी रणनीति बदलने के लिए मजबूर कर दिया। उन्होंने आड़ के पीछे अपनी पोजीशन संभाल ली और बिल्कुल नजदीक से जोरदार लड़ाई शुरु हो गई। सैन्य टुकड़ियों को ज्यादा से ज्यादा हताहत करने और अपने बचाव का प्रबंध करने के लिए विद्रोहियों ने ग्रेनेड फेंकने के साथ-साथ अंधाधुंध गोलीबारी का प्रयोग किया। गतिरोध को समाप्त करने तथा विद्रोहियों को बचकर निकलने से रोकने के लिए, श्री प्रिय रंजन गुप्ता, सहायक कमांडेंट ने उन पर पीछे से हमला करने की योजना बनाई। जब सभी ओर से भूमि और पेड़ों पर गोलियां बरस रही थी, तब सुरक्षित आड़ से बाहर निकलना जोखिम भरी स्थिति थी और जान जाने का खतरा था। श्री प्रिय रंजन गुप्ता, सहायक कमांडेंट ने इस उद्देश्य के लिए सभी सुरक्षा एहतियातों को ताक पर रख दिया, कांस्टेबल/जीडी विनोद सिंह को साथ लेकर लड़ाई क्षेत्र से बाहर निकलने के लिए बरसती हुई गोलियों के बीच रेंग कर चलने लगे। दोनों निडर बहादुरों ने चक्करदार मार्ग चुना, विद्रोहियों के पीछे पहुंचे और भारी गोलीबारी का प्रयोग करके जोरदार हमला शुरु कर दिया। विद्रोही दो दिशाओं से गोलीबारी में फंस गए और उनके बचकर निकलने का रास्ता बंद हो गया। तब उन्होंने पीछे हटने का फैसला किया किन्तु इसके लिए बच निकलने का रास्ता खुला होने की आवश्यकता थी। बचकर निकलने का मार्ग खोलने के प्रयास में, दो विद्रोहियों ने श्री प्रिय रंजन गुप्ता, सहायक कमांडेंट और सीटी/विनोद सिंह की ओर पोजीशन संभाल ली और ग्रेनेड फेंक कर भारी गोलीबारी की। ग्रेनेड उनसे कुछ मीटर की दूर पर फटा और वे दोनों बाल-बाल बच गए। ग्रेनेड विस्फोट के प्रभाव से उबर कर, दोनों निडरतापूर्वक अपनी आड़ से बाहर निकले और सधी हुई तथा सटीक गोलीबारी से दोनों विद्रोहियों को मार गिराया। दोनों विद्रोहियों के मारे जाने से अन्य टुकड़ियों के लिए विद्रोहियों पर अंतिम हमला करने का मार्ग खुल गया। फिर सैन्य टुकड़ियां गोली चलाते हुए आगे बढ़ने के कौशल का प्रयोग करके बचे हुए विद्रोहयों की ओर बढ़ने लगीं और भंयकर मुठभेड़ के पश्चात तीन और विद्रोहियों को समाप्त कर दिया।

दोनों ओर से गोलीबारी बंद होने के पश्चात, टुकड़ियों ने क्षेत्र की तलाशी ली और तीन एके सीरीज राइफलों, 05 मैगजीनों, 110 राउण्ड गोला-बारुद, 8 राउण्ड के साथ एक 7.65 एमएम पिस्तौल, यूएएलए का मांग पत्र-03 पृष्ठ, यूएएलए के पहचान-पत्र-03, यूएएलए काडरों की सूची-02 पृष्ठ, बुकलेट (यूएएलए की सेना का गठन)-01, यूएएलए नेता का बायोडाटा-03 पृष्ठ, यूएएलए के बैज-50 और अन्य अभिशंसी दस्तावेजों के साथ यूएएलए (युनाइटेड ए' चिक लिबरेशन आर्मी) काडरों के पांच शव बरामद हुए।

संपूर्ण गोलीबारी के दौरान, श्री प्रिय रंजन गुप्ता, सहायक कमांडेंट, 210 कोबरा ने आगे बढ़कर अपनी टुकड़ियों का नेतृत्व किया और उच्च कोटि के नेतृत्व का प्रदर्शन किया। श्री प्रिय रंजन गुप्ता, सहायक कमांडेंट और कांस्टेबल/जीडी विनोद सिंह 210 कोबरा ने उच्च कोटि के वीरतापूर्ण कार्य का प्रदर्शन किया। उन्होंने गंभीर खतरे के बावजूद होने अपनी जान जोखिम में डाल दी और भयंकर गोलीबारी में 05 कट्टर यूएएलए विद्रोहियों को मार गिराया।

की गई बरामदगी:-

- मारे गए 05 यूएएलए उग्रवादी नामत: (I) डंकन एन. संगमा (II) ग्रिपित सीएच मोमिन (III) भटनागर आर मारक उर्फ टेटे उर्फ डिकडिक (IV) केकिल आर मारक उर्फ सैबत और (V) सेंगनांग एन मारक उर्फ वाल्ते।
- एके 47 सीरीज राइफल-03 (बॉडी नं. जी 4034121959, 56-29011294 और 56-17233095)
- एके 47 सीरीज मैगजीन-05
- 7.62x39 एमएम जिंदा गोलाबारुद-110 राउण्ड।
- 7.62 x39 एमएम के खाली खोखे-21
- 7.65 एम एम की पिस्तौल-01 (बॉडी सं. 889)
- 7.65 x25 एमएम के जिंदा गोलाबारुद-08 राउंड
- 7.65 एमएम पिस्तौल की मैगजीन-03

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री प्रिय रंजन गुप्ता, सहायक कमांडेंट और श्री विनोद सिंह, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक/पुलिस पदक का प्रथम बार नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरुप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 20.05.2014 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 74-प्रेज/2015—राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

1. बिरेश चौहान,
उप निरीक्षक

2. पी. वेलुमुरुगन,
कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

जगारगुंडा, पुलिस स्टेशन, जिला-सुकमा (छत्तीसगढ़) के दुलेर और पूवरती गांव के नजदीक कंपनियों और बटालियनों के रूप में माओवादियों की बड़े पैमाने पर गतिविधि के बारे में विश्वसनीय सूचना के आधार पर, आईजीपी, सीआरपीएफ (एस/एस) ग्रेहाउण्ड्स, कमांडेंट 217 बटालियन सीआरपीएफ और पुलिस अधीक्षक खम्माम ने ग्रेहाउण्ड्स, आंध्र प्रदेश पुलिस, सीआरपीएफ और छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा दिनांक 14.04.2013 को 8 बजे से 19.04.2013 तक विशेष संयुक्त अभियान (एसएडीओ) की योजना बनाई। दिनांक 14.04.2013 को, ब्रीफिंग के पश्चात, सैन्य टुकड़ियां योजनानुसार अभियान के क्षेत्र की ओर बढ़ गईं। सैन्य टुकडियां रात के दौरान बारूदी सुरंगों से आच्छादित और सशस्त्र विरोधी सेना से भरे हुए घने जंगल में 40 किमी. के असुविधाजनक उबड़-खाबड़ क्षेत्र से गईं। एसआई/जीडी बिरेश चौहान, जो अपने दल के साथ थे, ने पूवरती गांव के बाहर एक नाले के नजदीक बैठे हुए 14-15 वर्दीधारी नक्सलवादियों को देखा। दल कमांडर के निर्देशानुसार दल छाया स्थलाकृति के अनुसार रणनीतिक ढंग से नक्सलवादियों के स्थान की ओर बढ़ गया और काफी हद तक सफल हो गया किंतु विरोधियों ने पुलिस दल को देख लिया और स्वचालित राइफलों से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और आई ई डी से विस्फोट किया। लेटकर आक्रमण का सामना करने के बजाय एस आई/जीडी बिरेश चौहान अपने दल के सदस्यों के साथ निडरता से आगे बढ़ गए और विरोधियों (नक्सलवादियों) की ओर से आ रही गोलियों की बौछारों के बावजूद नक्सलवादियों पर गोलीबारी शुरू कर दी। उन्होंने अदभुत साहस दिखाया और नक्सलवादियों का डटकर सामना किया। उनको ग्रेहाउण्ड्स के 3 कमांडो की सहायता से कांस्टेबल/जीडी वेलुमुरुगन द्वारा सहायक गोलीबारी प्रदान की गई। नजदीकी नक्सलवादी भी वहां आ गए और सुरक्षा बलों पर गोलीबारी शुरू कर दी। किंतु एसआई/जीडी बिरेश चौहान और कांस्टेबल/जीडी वेलुमुरुगन के विलक्षण कौशल और तेज गोलीबारी से उन्होंने एक राज्य समिति सदस्य, दो जिला समिति सचिवों, दो क्षेत्रीय समिति सदस्यों सहित 09 शीर्ष माओवादी कैडरों को वहीं पर ढेर कर दिया और अनेक कैडरों को घायल कर दिया। उन्होंने नक्सलवादियों को मारे गए नक्सलियों को ले जाने भी नहीं दिया और नक्सलवादियों को दूर रखा। अपनी साहसिक कार्रवाई से, उन्होंने न केवल नक्सलवादियों को मार गिराया बल्कि 4 इंसास और 4 एसएलआर सहित 13 हथियार भी बरामद किए। नक्सलियों की मांद में कुशलतापूर्वक नक्सलवादियों का सफाया करने में उनका समर्पण, उच्च कोटि का साहस और वीरता, विशिष्ट प्रतिबद्धता और सूझ-बूझ काबिले तारीफ है, क्योंकि उन्होंने कर्तव्य से परे असाधारण साहस और प्रतिबद्धता के साथ अपने जीवन को आसन्न संकट में डाल दिया था।

बरामदगी:

क्र.सं.	ब्यौरे		
1	एसएएस राइफल	-	02
2	.303 राइफल	-	02
3	एसएलआर	-	04
4	एसडीबीएल	-	01

5	कार्बाइन	-	01
6	पिस्तौल	-	01
7	तमंचा	-	01
8	एसएलआर मैगजीन	-	06
9	एके मैगजीन	-	06
10	कार्बाइन मैगजीन	-	01
11	7.62 एम एम गोलाबारूद	-	55
12	7.62x39 एमएम गोलाबारूद	-	20
13	मेमोरी कार्ड	-	10
14	सिम कार्ड	-	02
15	सेल फोन	-	03
16	नकदी	-	19600/- रु.
17	नक्सली साहित्य	-	

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री बिरेश चौहान, उप निरीक्षक और पी. वेलुमुरुगन, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, राष्ट्रपति का पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरुप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 16.4.2013 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 75-प्रेज/2015—राष्ट्रपति, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

1. शिवराज सिंह,
सहायक कमांडेंट

2. सुरेन्द्र प्रसाद,
निरीक्षक

3. युद्धविन्द्र सिंह,
कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 07.06.2013 को टीएचक्यू मनपुर में विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई कि लगभग 30-40 नक्सलवादियों ने टीएचक्यू मनपुर से 16 किमी. दूर बुकमारका गांव के जंगल में शरण ले रखी है। अभियान शुरु करने के लिए योजनाएं तैयार करने के संबंध में अपने वरिष्ठ अधिकारी के निर्देशों पर शीघ्र, सहायक कमांडेंट/जीडी शिवराज सिंह ने अन्य संगठनों तथा राज्य पुलिस के सहयोग से एक अंतर-राज्यीय अभियान की योजना बनाई।

दिनांक 07 और 08 जून, 2013 के बीच की रात को, सहायक कमांडेंट/जीडी शिवराज सिंह ने बुकमारका गांव के सामान्य इलाके में अभियान के लिए अपने दल का नेतृत्व किया जिसमें भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के 13-एसओ, 36-ओआर तथा सीजीपी के 02-एसओ और 48-ओआर शामिल थे। सहायक कमांडेंट/जीडी शिवराज सिंह ने भारत-तिब्बत सीमा पुलिस की प्लाटून सं. 1 और 2 को दांयी और बांयी ओर से गांव को घेरने का निर्देश दिया तथा छत्तीसगढ़ पुलिस कार्मिकों के साथ 29वीं भारत-तिब्बत सीमा पुलिस कार्मिकों के आक्रमण दल ने बुकमारका गांव के कोठार/बेहक में तलाशी शुरु कर दी। बुकमारका गांव पहुंचने पर, निरीक्षक/जीडी सुरेन्द्र प्रसाद को दांयी ओर से गांव को घेरने की जिम्मेवारी दी गई।

अचानक, लगभग 50-60 मीटर की दूरी पर कोठार/बेहक की दिशा से गोली चलने की आवाज सुनने पर, सहायक कमांडेंट/जीडी शिवराज सिंह ने शीघ्र स्थिति पर प्रतिक्रिया की और बहक की और संकेत किया जिधर से सैन्य टुकड़ियों पर गोलियां चल रही थी, तदनुसार, शीघ्र गोलीबारी का जवाब दिया गया। अचानक, हरी पोशाक पहने दो महिला और तीन पुरुष नक्सलवादी बहक से बाहर आए और आक्रमण दल के विपरीत दिशा में बुकमारका गांव की ओर भागने लगे। अंधेरे और उबड़-खाबड़ जमीन का लाभ उठाकर सभी पांच नक्सलवादी आड़ लेकर नाले की ओर भाग गए। इसी बीच एक और नक्सलवादी बहक से बाहर आया और गांव बुकमारका की ओर भागने लगा। सहायक कमांडेंट/जीडी शिवराज सिंह और कांस्टेबल/जीडी युद्धविन्द्र सिंह ने बचकर भाग रहे नक्सलवादी पर तुरंत गोलीबारी शुरु कर दी, जिसके परिणामस्वरुप नक्सलवादी मुश्किल से 10-15 मीटर भाग पाया और उसको गोली लग गई और वह गिर गया। जब अभियान चल रहा था, तब बुकमारका के ग्रामीणों ने बलों का ध्यान दूसरी तरफ ले जाने और अन्य माओवादियों तक सूचना पहुंचाने के लिए ड्रम और नगाड़े बजाने शुरु कर दिए। निरीक्षक सुरेन्द्र प्रसाद, जो गांव को एक ओर से कवर कर रहे थे, ने सहायक कमांडेंट शिवराज सिंह को सूचित किया कि ग्रामीणों ने ड्रम और नगाड़ों की आवाज के साथ अपने घरों से बाहर आना शुरु कर दिया है जिसे निरीक्षक सुरेन्द्र प्रसाद ने बड़ी कुशलता से संभाल लिया है। इसी बीच, सहायक कमांडेंट/जीडी शिवराज सिंह ने भाग रहे नक्सलवादियों पर यूबीजीएल चलाने का निश्चय किया और निरीक्षक राजेन्द्र नागे को यूबीजीएल के तीन राउण्ड चलाने का निदेश दिया। यूबीजीएल चलाए जाने के तुरंत बाद, ग्रामीणों ने ड्रम और नगाड़े बजाने बंद कर दिए। छत्तीसगढ़ पुलिस कार्मिकों ने इस बात की पुष्टि की कि मारा गया माओवादी खूंखार नक्सलवादी उधम सिंह, मोहला एलओएस का कमांडर और मनपुर क्षेत्रीय समिति का सचिव, जिसके सिर पर राज्य सरकार ने 2.10 लाख के नकद इनाम की घोषणा कर रखी थी। सहायक कमांडेंट/जीडी शिवराज सिंह ने छत्तीसगढ़ पुलिस के निरीक्षक अमित बेरिया और उनके दल को आक्रमण दल के साथ कोठार/बेहक की तलाशी करने का निदेश दिया। कांस्टेबल/जीडी युद्धविन्द्र सिंह आक्रमण दल के सदस्य थे और वे कोठार में प्रवेश करने वाले पहले व्यक्ति थे जहां उन्होंने बहक के भीतर एक पुरुष और एक महिला को देखा। उन्होंने वहां एक इन्सास राइफल भी देखी। दोनों व्यक्तियों को तत्काल गिरफ्तार करके हिरासत में ले लिया गया। सहायक कमांडेंट/जीडी शिवराज सिंह द्वारा मौके पर की गई पूछताछ से पता चला कि वे कोठार के मालिक थे, जिन्होंने इस बात की पुष्टि की कि बहक में उधम सिंह की कमांड के अंतर्गत महिला सहित आठ नक्सलवादी मौजूद थे। दोनों व्यक्तियों को गांव में ले जाया गया और महिला को ग्रामीणों को सौंप दिया गया तथा पुरुष को आगे जांच-पड़ताल के लिए रोक लिया गया।

सहायक कमांडेंट/जीडी शिवराज सिंह ने अपने आक्रमण दल और घेराबंदी दल के साथ कोठार की पूरी तरह तलाशी ली और एसएलआर राइफल-01, 12 बोर की सिंगल बैरल-02, 315 एमएम पिस्तौल-01, एसएलआर मैगजीन-02, इन्सास मैगजीन-01, 7.62 एमएम बीडीआर-51 जिंदा राउंड, एके-47-02 खाली खोखे, खुकरी-01, मोटोरोला वीएचएफ सेट-01, फ्लैश कैमरा, ट्रांजिस्टर, दवाइयां, नक्सली साहित्य, पिट्ठु, कपड़े एवं दैनिक प्रयोग की वस्तुएं और मारे गए उधम सिंह की व्यक्तिगत डायरी बरामद की। सहायक कमांडेंट/जीडी शिवराज सिंह ने गांव से तीन संदिग्ध जन मिलिशिदा लोगों को भी गिरफ्तार किया।

संपूर्ण अभियान के दौरान, सहायक कमांडेंट/जीडी शिवराज सिंह, सहायक निरिक्षक/जीडी सुरेन्द्र प्रसाद और कांस्टेबल/जीडी युद्धविन्द्र सिंह ने प्रभावी ढंग से सभी सुरक्षा सावधानियों का पालन किया और इसे भारत-तिब्बत सीमा पुलिस की उच्च परम्परा के साथ बहुत कुशल ढंग से संचालित किया गया। उन्होंने बहुत स्वच्छ अभियान को अंजाम देकर पेशेवर कुशलता की उच्च भावना का प्रदर्शन किया जिसके परिणामस्वरुप एक खूंखार और कट्टर माओवादी मारा गया तथा हथियार एवं गोलाबारुद/नक्सली साहित्य और अन्य भंडारों का बड़ा जखीरा बरामद हुआ।

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री शिवराज सिंह, सहायक कमांडेंट, सुरेन्द्र प्रसाद, निरीक्षक और युद्धविन्द्र सिंह, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरुप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 08.06.2013 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 76-प्रेज/2015- राष्ट्रपति, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

1. प्रवीन कुमार,
कांस्टेबल

2. राकेश कुमार,
कांस्टेबल

3. वेद पाल मलिक,
हेड कांस्टेबल

4. जडेजा राजेन्द्र सिंह,
कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

वर्ष 2012 में, कांस्टेबल/जीडी प्रवीन कुमार, कांस्टेबल/जीडी राकेश कुमार, एचसी/जीडी वेद पाल मलिक और कांस्टेबल/जीडी जडेजा राजेन्द्र सिंह को अफगानिस्तान में भारतीय महा वाणिज्यदूतावास की सुरक्षा के संवेदनशील और महत्वपूर्ण कार्य के लिए चुना गया था और उन्हें इस कार्य के लिए क्रमश: दिनांक 11.05.2014, 09.05.2013, 22.04.2013 और 30.04.2013 को शामिल किया गया था।

दिनांक 23.05.2014 को लगभग 3:25 बजे सशस्त्र फिदायीनों के एक गुट ने राकेट चालित ग्रेनेडों (आरपीजी) और बाद में स्वचालित हथियारों से भारी मात्रा में गोलीबारी करके भारतीय महा वाणिज्यदूतावास के कार्यालय, हेरात पर हमला कर दिया। ड्यूटी संत्री सं. 020160859 राकेश कुमार और सं. 030060438 प्रवीन कुमार ने तुरंत अपने स्वचालित हथियारों से जवाबी गोलीबारी की और पोस्ट कमांडर और अन्य सैन्य टुकड़ियों को सतर्क कर दिया।

लगभग 04:00 बजे, फिदायीनों के एक गुट ने एक सीढ़ी की सहायता से बाउण्ड्री वॉल पर चढ़कर वाणिज्यदूतावास परिसर में घुसने का प्रयास किया। उनमें से एक फिदायीन परिसर में घुसने में सफल हो गया, जबकि अन्य फिदायीन कमांडो को बाधित करने और पहले वाले फिदायीन को बाड़ वाली दीवार को पार करने में सहायता करने के लिए ग्रेनेड फेंक रहे थे और उसे अपनी एके-47 राइफल दे दी। कांस्टेबल/जीडी प्रवीन कुमार और कांस्टेबल/जीडी राकेश कुमार ने शत्रु के आक्रमण के समक्ष अपनी पोजीशन को व्यवस्थित किया और अपनी सधी हुई गोलीबारी के कौशल के साथ संदिग्ध रूप से अपने साथ विस्फोटक ले जा रहे फिदायीन के पैरों पर गोली चलाई और दृढ़संकल्प फिदायीन को मार गिराया और अन्य फिदायीनों को भागने पर मजबूर कर दिया। इस प्रकार, महावाणिज्यदूत और स्टॉफ को बंधक बनाने अथवा मारने से संबंधित उनकी योजना को विफल कर दिया।

इसी बीच, पोस्ट कमांडर के निर्देश पर, एचसी/जीडी वेदपाल और कांस्टेबल/जीडी जडेजा राजेन्द्र सिंह ने नजदीकी आवासीय भवन में अपनी पोजीशन संभाली और अपने स्वचालित हथियारों से सावधानीपूर्वक और प्रभावकारी ढंग से आक्रमणकारियों को उलझा दिया। शत्रुओं के आक्रमण के समक्ष असाधारण सूझ-बूझ और विलक्षण बहादुरी का प्रदर्शन करते हुए एचसी/जीडी वेदपाल और कांस्टेबल/जीडी जडेजा राजेन्द्र सिंह ने स्वचालित हथियारों से की जा रही भारी गोलीबारी से बचते हुए भवन में रह रहे सिविलियन कर्मचारियों को एक सुरक्षित कक्ष में पहुंचाया और पूरे अभियान के दौरान उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की। एचसी वेदपाल और सीटी जडेजा राजेन्द्र सिंह ने बाहर से फिदायिनों को उलझाए रखा। फिदायिनों पर उनकी प्रभावी गोलीबारी ने उन्हें वाणिज्यूदतावास के भवन में प्रवेश करने की अपनी योजना को छोड़ने और सुरिक्षत स्थान पर भागने के लिए मजबूर कर दिया।

गोलीबारी की लड़ाई लगभग 08 घंटे तक चली और एचसी/जीडी वेदपाल और कांस्टेबल/जीडी जडेजा राजेन्द्र सिंह की लगातार गोलीबारी तथा अफगान राष्ट्रीय बलों द्वारा किए गए जवाबी हमले से अंतत: 03 अन्य फिदायिनों को मार गिराया गया।

एचसी/जीडी वेदपाल और कांस्टेबल/जीडी जडेजा राजेन्द्र सिंह के युक्तिपूर्ण आकलन, विलक्षण सूझ-बूझ, त्वरित हमले की कार्रवाई और उनके द्वारा प्रदर्शित धैर्य से न केवल 03 फिदायिनों का सफाया किया जा सका बल्कि एक बड़ी दुर्घटना को भी टाला जा सका।

संपूर्ण अभियान में कांस्टेबल/जीडी प्रवीन कुमार, कांस्टेबल/जीडी राकेश कुमार, एचसी/जीडी वेदपाल और कांस्टेबल/जीडी जडेजा राजेन्द्र सिंह ने एक फिदायीन को मारकर और अन्य आतंकियों को सीजीआई परिसर में प्रवेश करने से रोककर विलक्षण बहादुरी का प्रदर्शन किया और महावाणिज्यदूत तथा महावाणिज्यदूतावास के अन्य कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों की जान बचाई। उनके

द्वारा प्रदर्शित युद्ध कौशल और त्वरित कार्रवाई से अन्तर-राष्ट्रीय समुदाय के समक्ष विदेशी धरती पर भारत-तिब्बत सीमा पुलिस की तीव्रता, सक्षमता और युद्ध में कुशलता प्रदर्शित हुई है।

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री प्रवीन कुमार, कांस्टेबल, राकेश कुमार, कांस्टेबल, वेद पाल मलिक, हेड कांस्टेबल और जडेजा राजेन्द्र सिंह, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, राष्ट्रपति का पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरुप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 23.05.2014 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं.77-प्रेज/2015—राष्ट्रपति, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

1.	जयेन्द्र प्रसाद, उप निरीक्षक	(मरणोपरांत)
2.	नंद राम, कांस्टेबल	(मरणोपरांत)
3.	विभूति राय, कांस्टेबल	(मरणोपरांत)
4.	सर्वेश कुमार, कांस्टेबल	(मरणोपरांत)
5.	जोमन पी.जी., कांस्टेबल	(मरणोपरांत)
6.	अजय लाल, कांस्टेबल	(मरणोपरांत)

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 15 से 17 जून 2013 तक लगातार हुई अभूतपूर्व भारी वर्षा ने हजारों लोगों की कीमती जान लेकर केदारनाथ घाटी में भारी विनाश किया। नागरिक (सिविल) प्रशासन से मांग प्राप्त होने पर, श्री जी.एस. चौहान, कमांडेंट, 8वीं बटालियन ने तुरंत -02-जीओ, 02-एसओ तथा 15-ओआर का एक पूर्णरूपेण सुसज्जित बचाव दल गठित किया जिसके एसआई/जीडी जयेन्द्र प्रसाद, कांस्टेबल/जीडी नंद राम और कांस्टेबल/जीडी विभूति राय भी सदस्य थे। दल को दिनांक 19.06.2013 को हेलीकॉप्टर के द्वारा गुप्तकाशी भेजा गया।

इस दल ने रामबाड़ा तक रास्ता बनाना और वहां जाना शुरु कर दिया जहाँ हजारों बीमार, घायल और भूखे तीर्थयात्री फंसे हुए थे और उनको प्राथमिक सहायता और भोजन देने के पश्चात, उनको सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। बच्चों सहित कुछ तीर्थयात्री अपनी चोट अथवा वृद्धावस्था की विवशता के कारण चल पाने की भी स्थिति में नहीं थे। इस दल के सदस्य इस प्रकार के असहाय पीड़ितों में से ज्यादातर को अपनी जान को जोखिम में डालकर अपनी पीठ पर उठाकर ले गए।

दिनांक 20.06.2013 को 02-एसओ तथा 22-ओआर का एक और दल जिसमें कांस्टेबल/जीडी अजय लाल, कांस्टेबल/जीडी सर्वेश कुमार और कांस्टेबल/जीडी जोमन पी.जी. शामिल थे, को भी गुप्तकाशी भेजा गया। इस दल ने उसी दिन हेलीपैड के निर्माण में सहायता करने के पश्चात तलाशी अभियान चलाया और अनेक कार्मिकों को बचाया तथा गुप्तकाशी के पहाड़ी क्षेत्र में लापता लोगों की तलाश भी की।

दिनांक 21.06.2013 को गुप्तकाशी में अपना कार्य समाप्त करने के पश्चात दोनों दलों को एक में मिला दिया गया और बचाव अभियान के लिए केदारनाथ भेज दिया गया। केदारनाथ में इस दल में से एसआई/जीडी जयेन्द्र प्रसाद के नेतृत्व में कांस्टेबल/जीडी अजय

लाल, कांस्टेबल/जीडी सर्वेश कुमार, कांस्टेबल/जीडी जोमन पी.जी., कांस्टेबल/जीडी नंद राम और कांस्टेबल/जीडी विभूति राय का एक छोटा दल बनाया गया। इस दल को केदार घाटी में फंसे तीर्थयात्रियों को सड़क तक निकालकर लाने का कार्य सौंपा गया। ये तीर्थयात्री वहां फंसे हुए थे क्योंकि कुछ बरसाती नाले तेज बहाव के साथ बह रहे थे और कई स्थानों पर रास्ते बह गए थे। इस दल ने न केवल एक वैकल्पिक रास्ते का निर्माण किया बल्कि अपनी पर्वतारोहण कौशल का प्रयोग करके, रस्सी, काराबाइनर और पुली का उपयोग करके इस प्रकार के एक तेज बहाव वाले एक नाले पर लकड़ी का छोटा पुल बनाया और इस प्रकार इस वैकल्पिक रास्ते से हजारों लोगों को निकालकर सड़क तक पहुंचाया।

दिनांक 22.06.2013 से 24.06.2013 तक, इस दल को हेलीपैड की सुरक्षा, भीड़ के नियंत्रण और भोजन के पैकेट और पेयजल के वितरण का कार्य सौंपा गया था जिसे इस दल ने व्यक्तिगत सुरक्षा और अपनी जान को खतरे की परवाह किए बगैर बड़ी ईमानदारी के साथ किया।

25 जून तक, केदारनाथ घाटी और नजदीकी क्षेत्रों से ज्यादातर तीर्थयात्रियों को निकाला जा चुका था। यह दल अपने स्वास्थ्य की परवाह किए बगैर 19 जून से लगातार दिन-रात कार्य कर रहा था। एसआई/जीडी जयेन्द्र प्रसाद के दल द्वारा किए गए उत्कृष्ट और व्यापक कार्य को ध्यान में रखते हुए, उनको आराम और स्वास्थ्य लाभ के लिए वापस बीएचक्यू में बुला लिया गया था।

एसआई/जीडी जयेन्द्र प्रसाद के नेतृत्व वाला भारत-तिब्बत सीमा पुलिस दल तथा एनडीआरएफ का बचाव दल वापस आने के लिए केदारनाथ क्षेत्र से हेलीकॉप्टर में सवार हुआ जो दुर्भाग्यवश मार्ग में दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिसमें भारत-तिब्बत सीमा पुलिस की 8वीं बटालियन के 06 कार्मिकों, एसआई/जीडी जयेन्द्र प्रसाद, कांस्टेबल/जीडी नंद राम, कांस्टेबल/जीडी विभूति राय, कांस्टेबल/जीडी अजय लाल, कांस्टेबल/जीडी सर्वेश कुमार और कांस्टेबल/जीडी जोमन पी.जी. सहित 20 कार्मिकों ने अपनी जान गवां दी।

बचाव दल ने अत्यधिक खराब मौसम, लगातार बारिश, कार्य करने की अवस्वास्थकर परिस्थितियों, जोखिम भरे और असुविधाजनक क्षेत्र में अपने छह दिन के बचाव अभियान के दौरान गुप्तकाशी और केदारनाथ में हजारों लोगों की जान बचाई और इस प्रक्रिया में उन्होंने देशवासियों के लिए अपनी जान गंवाकर सर्वोच्च बलिदान दिया। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के इस साहसिक बचाव कार्य की जनता और इलेक्ट्रॉनिक तथा प्रिंट मीडिया द्वारा बहुत सराहना की गई। सामान्य प्रशासन ने भी भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के इन कार्मिकों द्वारा किए गए असाधारण बचाव कार्यों की प्रशंसा की।

सभी दल सदस्यों ने अपनी निजी सुरक्षा की परवाह किए बगैर साहसिक और प्रशंसनीय कार्य किया और हजारों तीर्थयात्रियों और स्थानीय लोगों की जान बचाई।

इस एक्शन में सर्व/श्री (स्व.) जयेन्द्र प्रसाद, उप निरीक्षक (स्व.) नंदराम, कांस्टेबल, (स्व.) विभूति राय, कांस्टेबल, (स्व.) सर्वेश कुमार, कांस्टेबल, (स्व.) जोमन पी.जी., कांस्टेबल एवं (स्व.) अजय लाल, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरुप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 25.06.2013 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 78-प्रेज/2015–राष्ट्रपति, राष्ट्रीय आपदा कार्रवाई बल के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

1.	नित्या नंद गुप्ता, सेकन्ड-इन-कमाण्ड	(मरणोपरांत)
2.	भीम सिंह, निरीक्षक	(मरणोपरांत)
3.	सतीश कुमार, उप निरीक्षक	(मरणोपरांत)

4.	के. विनायगन, कांस्टेबल	(मरणोपरांत)
5.	बसवराज यारागति, कांस्टेबल	(मरणोपरांत)
6.	संतोष कुमार पासवान, कांस्टेबल	(मरणोपरांत)
7.	संजीवा कुमार, कांस्टेबल	(मरणोपरांत)
8.	पवार शशी कांत रमेश, कांस्टेबल	(मरणोपरांत)
9.	अहिर राव गणेश, कांस्टेबल	(मरणोपरांत)

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

प्रकृति ने उत्तराखंड के गढ़वाल क्षेत्र की केदार घाटी में अपना कहर बरपाया जब दिनांक 16 और 17 जून, 2013 की मध्यरात्रि को क्षेत्र में विशाल बादल फटा, जो अपने पीछे मौत और विनाश का मंजर छोड़ गया। इस महा आपदा से उत्तराखंड और हिमाचल की सभी घाटियां प्रभावित हुई जिससे क्षेत्र में संचार के सभी साधन ध्वस्त हो गए। फंसे हुए तीर्थयात्रियों की शीघ्र खोज करने और उनको निकालने के लिए सिविल प्रशासन की सहायता के लिए एनडीआरएफ को बुलाया गया क्योंकि अधिक ऊंचाई वाली पहाड़ियां असहाय लोगों से भरी हुई थी जो किसी भोजन/पानी अथवा किसी शरण के बगैर वहां मुसीबत में फंसे हुए थे। हाईपोथर्मिया और भूख से होने वाली और मौतों को रोकने के लिए लोगों को शीघ्र बचाना अनिवार्य था।

स्व. श्री नित्या नंद गुप्ता, सेकन्ड-इन-कमाण्ड के नेतृत्व वाले दल को केदारनाथ मंदिर के आस-पास के क्षेत्र में शीघ्र तलाशी एवं बचाव अभियान शुरू करने का कार्य सौंपा गया था। इस दल को हवाई मार्ग द्वारा उस स्थान पर पहुंचाया गया। वे सबसे भीषण आपदा के पश्चात सबसे पहले केदारनाथ पहुंचे। वहां कोई स्थलीय मार्ग नहीं था और हेलिकॉप्टर से बचाव के लिए मौसम अनुकूल नहीं था। पूर्ण रूप से अपने ढंग से, दल ने दुर्गम क्षेत्र और विपरीत मौसम के हालातों में कार्य किया।

दल ने स्थिति की गंभीरता को आंकते हुए दल को पहले से मौजूद एक हेलीपैड के अलावा दो अन्य हेलीपैडों का निर्माण करने का निर्देश दिया। अपने दल के मुखिया से प्रेरणा एवं सक्रिय मार्गदर्शन प्राप्त करके उन्होंने अपनी जान एवं सुरक्षा की परवाह न करते हुए बिना किसी अर्थमूवर या अन्य किसी भारी मशीन के ही पूर्ण धैर्य एवं निश्चय के साथ हाथ के औजारों की सहायता से दो और हेलीपैडों का निर्माण किया। जब तक सभी बचे हुए लोगों को बाहर नहीं निकाला गया, तब तक उन्होंने दल की अगुवाई करते हुए तीर्थयात्रियों को भोजन एवं दवाइयां प्रदान करके हेलीपैडों तक लाने (प्राय: उन्हें खुद ले जाकर) में मदद करने के लिए दल को प्रेरित किया। दल के दृढ़ निश्चय एवं प्रतिबद्धता के कारण ही 1800 तीर्थयात्रियों/स्थानीय लोगों को मंदिर क्षेत्र से सुरक्षित बाहर निकाला जा सका।

उन्होंने राष्ट्रीय आपदा कार्रवाई बल की सर्वोत्कृष्ट परम्परा का निर्वाह करते हुए अनुकरणीय समर्पण एवं निष्ठा का परिचय दिया और इस महा आपदा में बचे असहाय लोगों को होने वाले और किसी भी प्रकार के कष्ट से बचाने के लिए अपने जीवन की तनिक भी परवाह न करते हुए स्वेच्छा से एक अत्यधिक एवं खतरनाक मौसम की दशाओं वाले क्षेत्र की ओर हवाई मार्ग से कूच किया। उन्होंने अत्यधिक प्रतिकूल मौसम की दशाओं में आठ दिन तक श्रमसाध्य परिस्थितियों में खुले आकाश के नीचे अनवरत कार्य किया तथा उनका एकमात्र उद्देश्य फंसे हुए तीर्थयात्रियों एवं स्थानीय लोगों के जीवन की रक्षा करना था। आपदा में जीवित बचे सभी लोगों को उस स्थल से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के साथ दल ने सफलतापूर्वक अपना मिशन पूर्ण कर लिया।

मौसम हवाई यात्रा के लिए अभी भी प्रतिकूल था किंतु उन्हें अन्य क्षेत्रों में बचाव कार्य को प्रारंभ करने के लिए वापिस आना था। मिशन पूरा होने के पश्चात केदारनाथ से वापसी यात्रा के दौरान खराब मौसम के कारण दिनांक 25.06.2013 को हेलीकॉप्टर पहाड़ों में दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

उन्होंने अपनी जान की परवाह न करते हुए कर्तव्य निर्वहन एवं मानवता की सेवा के लिए अपने जीवन का बलिदान दे दिया ताकि आपदा में जीवित बचे लोगों तथा उनके परिवारों की पीड़ा को कम किया जा सके। उन्होंने राष्ट्र सेवा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया तथा हमारे आदर्श वाक्य 'आपदा सेवा सदैव' के अनुसार साहस और निष्ठा के साथ अपने कर्तव्य को पूरा करते हुए बल के लिए गौरव एवं सम्मान अर्जित किया।

इस कार्रवाई में सर्व/श्री (स्व.) नित्यानंद गुप्ता, सेकन्ड-इन-कमाण्ड, (स्व.) भीम सिंह, निरीक्षक, (स्व.) सतीश कुमार, उप निरीक्षक, (स्व.) के. विनायगन, कांस्टेबल, (स्व.) बसवराज यारागति, कांस्टेबल, (स्व.) संतोष कुमार पासवान, कांस्टेबल, (स्व.) संजीवा कुमार, कांस्टेबल, (स्व.) पवार शशी कांत रमेश, कांस्टेबल और (स्व.) अहिर राव गणेश, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरुप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 25.06.2013 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

दिनांक 3 जुलाई 2015

सं. 79-प्रेज/2015–भारत के राजपत्र के भाग-I, खण्ड-1 में दिनांक 23 जून, 1984 को प्रकाशित इस सचिवालय की वीरता के लिए पुलिस पदक से संबंधित दिनांक 7 जून, 1984 की अधिसूचना संख्या 70-प्रेज/84 में निम्नलिखित संशोधन किया जाता है:-

श्री राघव राय - के स्थान पर

श्री राघो राय - पढ़ा जाए।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 26th January, 2015

No. 41-Pres/2015—The President is pleased to award the President's Police Medal for Distinguished Service on the occasion of the Republic Day, 2015 to the under mentioned officers:-

1. SHRI D GAUTAM SAWANG, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE, APSP HQRS, HYDERABAD, ANDHRA PRADESH
2. SHRI CHENCU DWARAKA TIRUMALA RAO, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE, CID, HYDERABAD, ANDHRA PRADESH
3. SHRI BATHINI SREENIVASULU, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE, SIB, HYDERABAD, ANDHRA PRADESH
4. SHRI ANANDA MONDAL, SUB INSPECTOR, PS LUMLA, ARUNACHAL PRADESH
5. SHRI SATYENDRA NARAYAN SINGH, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, GUWAHATI, ASSAM
6. SHRI DHIREN BHUYAN, SUB INSPECTOR, ULUBARI, GUWAHATI, ASSAM
7. SHRI ABDUL SATTAR SAIF, SUB INSPECTOR, POLICE HEADQUARTER, PATNA, BIHAR
8. SHRI PRAWIR CHANDRA TIWARI, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, IG OFFICE, DURG, CHHATTISGARH
9. SHRI DEPENDRA PATHAK, JOINT COMMISSIONER OF POLICE, ITO NEW DELHI, NCT OF DELHI
10. SHRI HARI MOHAN MEENA, DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE, RASHTRAPATI BHAWAN, NEW DELHI, NCT OF DELHI
11. SHRI PATE KANUBHAI NAROTTAMDAS, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, CYBER CELL, AHMEDABAD, GUJARAT
12. SHRI GAJENDRA SINH RATHOD, UNARMED POLICE SUB INSPECTOR, RAJKOT CITY, GUJARAT
13. DR RAMESH CHANDRA MISHRA, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE, CAW, PANCHKULA, HARYANA
14. SHRI BALBIR SINGH THAKUR, SUPERINTENDENT OF POLICE, SIRMOUR NAHAN, HIMACHAL PRADESH
15. SHRI ARUN KUMAR CHOUDHARY, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, JAMMU AND KASHMIR
16. SHRI ALOK PURI, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, JAMMU AND KASHMIR
17. SHRI VYANKATESH HANMANTRAO DESHMUKH, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE CUM SPL SECRETARY, HOME DPTT, JHARKHAND RANCHI, JHARKHAND
18. SHRI N SHIVAKUMAR, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, P AND M, BANGALORE, KARNATAKA
19. SHRI PRATAP REDDY CHAGAMREDDY, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, BANGALORE, KARNATAKA
20. SHRI M. N BABU RAJENDRA PRASAD, DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE, TRAFFIC, EAST BANGALORE CITY, KARNATAKA
21. DR. D. NARAYANA SWAMY, SUPERINTENDENT OF POLICE, KLA RAMANAGAR, KARNATAKA
22. SHRI SHAILESH SINGH, ADDITIONNAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE/OSD, MUMBAI, MADHYA PRADESH
23. SHRI MADHAV PRASAD DWIVEDI, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE, BHOPAL, MADHYA PRADESH
24. SHRI ANVESH MANGLAM, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE (TELECOMMUNICATION), BHOPAL, MADHYA PRADESH
25. SHRI SURENDRA KUMAR PANDEY, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE (DISASTER MANAGEMENT & HOME GUARD), BHOPAL, MADHYA PRADESH

26. SHRI K L BISHNOI, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE (LAW AND ORDER), MUMBAI, MAHARASHTRA

27. SHRI SANJAY S BARVE, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE (RAILWAY) MUMBAI, MAHARASHTRA

28. SHRI ASHOK BAGMARE, ASSISTANT COMMANDANT, SRPF GR XIII NAGPUR, MAHARASHTRA

29. SHRI RAJAN PALI, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, FULGAON DIVISION, WARDHA, MAHARASHTRA

30. SHRI SADASHIV PATIL, HEAD CONSTABLE, LOCAL CRIME BRANCH, KOLHAPUR, MAHARASHTRA

31. SHRI SORAISHARM KHOMDON SINGH, INSPECTOR OF POLICE, IMPHAL WEST DISTRICT, MANIPUR

32. SHRI JOSEPH LALCHHUANA, SUPERINTENDENT OF POLICE, CID, AIZAWAL, MIZORAM

33. SHRI KHAGESWAR GAUDA, SUPERINTENDENT OF POLICE PMT, ODISHA CUTTAK, ODISHA

34. SHRI TARAKA PRASAD SARANGI, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, VIGILANCE DIRECTORATE, CUTTACK, ODISHA

35. SHRI VIRESH KUMAR BHAWRA, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE - CUM – DIRECTOR, BUREAU OF INVESTIGATION, CHANDIGARH, PUNJAB

36. SHRI ISHWAR CHANDER, INSPECTOR GENERAL OF POLICE (BORDER) AMRITSAR, PUNJAB

37. SHRI BHUPENDRA SINGH, PRO VICE CHANCELLOR, SARDAR PATEL UNIVERSITY OF POLICE SECURITY AND CRIMINAL JUSTICE, JODHPUR, RAJASTHAN

38. SHRI RAJEEV KUMAR DASOT, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE, ARMED BATTALIONS, JAIPUR, RAJASTHAN

39. SHRI TASHI TSHERING TAMANG, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE, GANGTOK, SIKKIM

40. SHRI SUNIL KUMAR SINGH, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE, TAMIL NADU UNIFORMED SERVICE RECRUITMENT BOARD, CHENNAI, TAMIL NADU

41. SHRI P KANNAPPAN, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, INTELLIGENCE, CHENNAI, TAMIL NADU

42. SHRI P C SIVAKUMAR, SPECIAL SUB INSPECTOR OF POLICE, VIGILANCE AND ANTI CORRUPTION HEADQUARTERS, CHENNAI, TAMIL NADU

43. SHRI RAVI GUPTA, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, NORTH ZONE, HYDERABAD, TELANGANA

44. SHRI VEMUGANTI NAVEEN CHAND, INSPECTOR GENERAL OF POLICE (P&L), HYDERABAD, TELANGANA

45. SHRI RAM PRASAD SEMWAL, ASSISTANT COMMANDANT, 2ND BN TSR R K NAGAR, TRIPURA

46. SHRI BIJAYA KUMAR MAURYA, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, UTTAR PRADESH

47. SHRI MANMOHAN KUMAR BASHAL, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, PTC, SITAPUR, UTTAR PRADESH

48. MS. TANUJA SRIVASTAVA, INSPECTOR GENERAL OF POLICE (KARMIC) PHQ, LUCKNOW, UTTAR PRADESH

49. SMT. TILOTAMA VARMA, INSPECTOR GENERAL OF POLICE (INTELLIGENCE) PHQ, LUCKNOW, UTTAR PRADESH

50. SHRI SATYENDRA VEER SINGH, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE PAC HQ, LUCKNOW, UTTAR PRADESH

51. SHRI VINOD KUMAR YADAV, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, KUSHINAGAR, UTTAR PRADESH

52. SHRI HARI OM SHARMA, SUB INSPECTOR OF POLICE (M), AGRA RANGE, AGRA, UTTAR PRADESH

53. SHRI GANESH CHANDRA PANT, INSPECTOR GENERAL OF POLICE (POLICE TELECOM), DEHRADUN, UTTARAKHAND

54. SMT. SHAKUNTALA HOTIYAL, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, INTELLIGENCE HEADQUARTER, DEHRADUN, UTTARAKHAND

55. SHRI CHANDRA MOHAN, SUB INSPECTOR, CIVIL POLICE, PS-GOPESHWAR CHAMOLI, UTTARAKHAND

56. SHRI SANJOY MUKHERJEE, DIRECTOR GENERAL, FIRE AND EMERGENCY SERVICE, KOLKATA, WEST BENGAL

57. SHRI SUJIT MITRA, DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE (II), SPECIAL BRANCH, KOLKATA, WEST BENGAL

58. SHRI RAJENDER PAL UPADHYAYA, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, CHANDIGARH

59. SHRI ARUN KUMAR, COMMANDANT, MEGHALAYA, ASSAM RIFLES.

60. SHRI SANTOSH MEHRA, INSPECTOR GENERAL, FTR HQ, GANDHINAGAR, GUJARAT, BORDER SECURITY FORCE

61. SHRI RAJEEV KRISHNA, INSPECTOR GENERAL (OPS), FHQ, NEW DELHI, BORDER SECURITY FORCE

62. SHRI KULDEEP KUMAR SHARMA, INSPECTOR GENERAL, IG (HQ) FHQ, NEW DELHI, BORDER SECURITY FORCE

63. DR. MUKESH SAXENA, INSPECTOR GENERAL / DIRECTOR MEDICAL, HQ MEDICAL DIRECTORATE, NEW DELHI, BORDER SECURITY FORCE

64. SHRI KULDEEP SAINI, DEPUTY INSPECTOR GENERAL (PERS), FHQ, NEW DELHI, BORDER SECURITY FORCE

65. SHRI SHYAM BIHARI SINGH, DEPUTY COMMANDANT, 199 BN, C/O 56 APO, BORDER SECURITY FORCE.

66. SHRI AMRENDRA KUMAR SINGH, JOINT DIRECTOR, CBI, PATNA, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

67. SHRI SIVAGNANAM VELLAIPANDI, SUPERINTENDENT OF POLICE, ACB CHENNAI, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

68. SHRI N KRISHNAMURTHY, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, SC III, NEW DELHI, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

69. SHRI RAJIV DWIVEDI, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, SU, NEW DELHI, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

70. SHRI SUMAN KUMAR, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, BS&FC MUMBAI, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

71. DR. K JAYANTH MURALI, INSPECTOR GENERAL, CISF, SS HQR CHENNAI, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

72. SHRI HEMENDRA SINGH, DEPUTY COMMANDANT, CISF HQRS, NEW DELHI, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

73. SHRI GOPALA RAGHUVARAN NAIR, ASSISTANT COMMANDANT, JAO, CISF RESERVE BN JAIPUR, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

74. SHRI PRAKASH JANARDHAN MOHANE, INSPRCTOR GENERAL, BS PATNA, BIHAR, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

75. SHRI E NIRMALARAJ, INSPECTOR GENERAL, AGARTALA, TRIPURA, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

76. SHRI PRAVEEN KUMAR SHARMA, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, JAMMU & KASHMIR, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

77. SHRI MOHAMMAD RASHID ALAM, COMMANDANT, SRINAGAR, J&K, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

78. SHRI MRITYUNJOY HAZRA, DEPUTY COMMANDANT, WEST MIDNAPORE, WB, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

79. SHRI SUBRAMANI THANGAMANI, SUB INSPECTOR (GD), IMPHAL, MANIPUR, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

80. SHRI ANNALAMADA SUNIL ACHAYA, JOINT DIRECTOR, IB HQRS, MINISTRY OF HOME AFFAIRS.

81. SHRI K K JAYAMOHAN, ASSISTANT DIRECTOR, SIB, TRIVANDRUM, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

82. SHRI VIJAY KUMAR BIR, JOINT DEPUTY DIRECTOR, SIB, AMRITSAR, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

83. SHRI KISHOR KUMAR SHARMA, ASSISTANT DIRECTOR, SIB, DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

84. SHRI AJIT KUMAR PANDEY, ASSISTANT DIRECTOR (IB), PATNA, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

85. SHRI VIRENDRA PRATAP SINGH, ASSISTANT DIRECTOR, IB HQRS, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

86. SHRI DALIP KUMAR SONI, ASSISTANT DIRECTOR, IB HQRS, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

87. SHRI SHRIRANG BALWANT JOSHI, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER, BANGALORE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

88. SHRI SONTAK HENJAMANG VAIPHEI, ASSISTANT DIRECTOR, SIB IMPHAL, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

89. SHRI SURANJIT DHAR, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER, KOLKATA, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

90. SHRI PRAKASH SINGH DANGWAL, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, RTC KARERA, ITBP SHIVPURI, MP, INDO TIBETAN BORDER POLICE

91. SHRI ASHOK KUMAR YADAV, DEPUTY COMMANDANT, FHQ ITBP, NEW DELHI, INDO TIBETAN BORDER POLICE

92. SHRI LEHNA SINGH DAHIYA, GROUP COMMANDER, HQ NSG, PALAM, NEW DELHI, NATIONAL SECURITY GUARD

93. SHRI VINAY KRISHNA UNIYAL, DEPUTY DIRECTOR (CC), FHQ, DELHI, SASHASTRA SEEMA BAL

94. SHRI GYANENDRA PRATAP SINGH, INSPECTOR GENERAL, NIA HQ, NEW DELHI, NATIONAL INVESTIGATION AGENCY

95. SHRI PRABHAT KUMAR AWASTHI, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, NIA BRANCH OFFICE, LUCKNOW, NATIONAL INVESTIGATION AGENCY

96. SHRI NISHEETH KUMAR SAXENA, INSPECTOR GENERARAL– CUM–CHIEF SECURITY COMMISSIONER, RPFHQ, ALLAHABAD, M/O RAILWAYS

97. SHRI LEKHRAJ SANDHYANA, INSPECTOR, RPF, DELHI, M/O RAILWAYS

98. SHRI BACHE SINGH, SUB INSPECTOR, RPF, MORADABAD, M/O RAILWAYS

2. These awards are made under rule 4(ii) of the rule governing the grant of President's Police Medal for Distinguished Service.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 42-Pres/2015—The President is pleased to award the Police Medal for Meritorious Service on the occasion of the Republic Day, 2015 to the under mentioned officers:-

1. SHRI J PRASAD BABU, DEPUTY INSPECTOR GENERAL–III, KURNOOL, ANDHRA PRADESH

2. SHRI M NAGENDER RAO, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, KHAIRATABAD, HYEDERABAD, ANDHRA PRADESH

3. SHRI DOKKA KOTESWARA RAO, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, GUNTUR RURAL DISTT, ANDHRA PRADESH

4. SHRI BANTU ATCHUTA RAO, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE AND REGIONAL INTELLIGENCE OFFICER, VISAKHAPATNAM, ANDHRA PRADESH

5. SHRI SHAIK ALLA BAKASH, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, INTELLIGENCE DEPARTMENT, HYDERABAD, ANDHRA PRADESH

6. SHRI A VENKAT RAO, INSPECTOR OF POLICE, VISAKHAPATNAM, ANDHRA PRADESH

7. SHRI D DHANAMJAYA REDDY, RSI, PTC ANANTHAPURAMU, ANDHRA PRADESH

8. SHRI V VENKATA NARAYANA, ASSISTANT SUB INSPECTOR, SPECIAL BRANCH, GUNTUR URBAN, ANDHRA PRADESH

9. SHRI B NARASIAH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, PRODDATUR TRAFFIC PS YSR DISTRICT, KADAPA, ANDHRA PRADESH

10. SHRI K RAMACHANDRA RAO, ASSISTANT RESERVE SUB INSPECTOR OF POLICE, VIJAYAWADA CITY, ANDHRA PRADESH

11. SHRI D C KULLAYAPPA, ARSI, DISTRICT ARMED FORCE, YSR DISTRICT, ANDHRA PRADESH

12. SHRI GANDHAM SATYANARAYANA, SUB-INSPECTOR OF POLICE(O/S), O/O DSP INTELLIGENCE, ELUREU ZONE, WG DISTRICT, ANDHRA PRADESH

13. SHRI U SUNDARA BABU, HEAD CONSTABLE, 6TH BN APSP MANGALAGIRI, GUNTUR, ANDHRA PRADESH

14. SHRI MOHAMMAD HAMEED KHAN, HEAD CONSTABLE, VISAKHAPATNAM, ANDHRA PRADESH

15. SHRI KATTIKARA SUNDARAM RAJA MUDALI CHAKRAVARTHI, HEAD CONSTABLE, KUPPAM PS, CHITTOOR DISTT, ANDHRA PRADESH

16. SHRI TUSAR TABA, ASSISTANT INSPECTOR GENERAL OF POLICE, PHQ ITANAGAR, ARUNACHAL PRADESH

17. SHRI TARKESHWAR SINGH, SUB INSPECTOR, CB PS, SIT, ARUNACHAL PRADESH

18. SHRI SURENDRA KUMAR, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE, BONGAIGAON, ASSAM

19. SHRI LUISH AIND, SUPERINTENDENT OF POLICE, SPECIAL BRANCH(EASTERN ZONE), JORHAT, ASSAM

20. SHRI MAINUL ISLAM MONDAL, SUPERINTENDENT OF POLICE, DEMAJI DISTRICT, ASSAM

21. SHRI KANGKAN JYOTI SAIKIA, COMMANDANT, LUMDING, NAGAON, ASSAM

22. SHRI EAHIA KHAN, SUB INSPECTOR OF POLICE, HQ JAMUGURIHAT, SONITPUR, ASSAM

23. SHRI HIMADRI BHUYAN, SUB INSPECTOR OF POLICE, HQ KAHILIPARA, GUWAHATI, ASSAM

24. SHRI BOGIRAM BORO, ASSISTANT SUB INSPECTOR, DHANSIRI OP, DIPHU, ASSAM

25. SHRI DEBO JYOTI BORA, ASSISTANT SUB INSPECTOR, P.R. STATION, SARUPATHAT, GOLAGHAT, ASSAM

26. SHRI BIKRAM RAJKONWAR, ASSISTANT SUB INSPECTOR (CLERK), CHARAIMARI, BAKSA, ASSAM

27. SHRI BHABEN CHANDRA RAVA, HAVILDAR, KOKRAJHAR DEF, ASSAM

28. SHRI KRISHNA KUMAR SINGH, HEAD CONSTABLE(UB), KOKRAJHAR DEF, ASSAM

29. SHRI BABU CHANDRA AMSHI, CONSTABLE, DIPHU, ASSAM

30. SHRI OM PRAKASH TIWARI, CONSTABLE, KAHILIPARA, GUWAHATI, ASSAM

31. SHRI AJITABH KUMAR, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, CENTRAL RANGE PATNA, BIHAR

32. SMT. KASSEY SUHITA ANUPAM, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, CRPF, HYDERABAD, BIHAR

33. SHRI AMRIT RAJ, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, CDTS, HYDERABAD, BIHAR

34. SHRI MITHOO PRASAD, SUPERINTENDENT OF POLICE, CID, PATNA, BIHAR

35. SHRI BIRENDRA NARAYAN JHA, COMMANDANT, BMP 14, BIHAR

36. SHRI JITENDRA MISHRA, SUPERINTENDENT OF RAILWAY POLICE, KATIHAR, BIHAR

37. SHRI RAJIV RANJAN, SUPERINTENDENT OF POLICE, SPECIAL BRANCH, PATNA, BIHAR

38. SHRI UDAY KUMAR SINGH, SEARGENT MAJOR, JAMUI, BIHAR

39. SHRI BIPIN KUMAR SINGH, SUB INSPECTOR, IG OFFICE, PATNA, BIHAR

40. SHRI ANIL KUMAR VERMA, STENO SUB INSPECTOR, PATNA, BIHAR

41. SHRI AMRENDRA KUMAR, SUB INSPECTOR OF POLICE, STF, PATNA, BIHAR

42. SHRI RAJ NANDAN RAI, HAVILDAR, BMP 14, PATNA, BIHAR

43. SHRI PUROOSHOTAM RAM, HAVILDAR, BMP 14, BIHAR

44. SHRI TRAYAMB KESHWAR MALIK, CONSTABLE, ZONAL IG OFFICE, PATNA, BIHAR

45. SHRI RAJESH KUMAR SINHA , CONSTABLE, DGP OFFICE, BIHAR

46. SHRI RAJ GRIH SHARMA, HAVILDAR, VIGILANCE INVESTIGATION BUREAU, PATNA, BIHAR

47. SHRI PARASURAM SINGH, CONSTABLE, VIGILANCE INVESTIGATION BUREAU PATNA, BIHAR

48. SHRI BALAJI RAO SOMAWAR, COMMANDANT, THIRD BN CAF, AMLESHWAR DURG, CHHATTISGARH

49. SHRI IRFAN UL RAHIM KHAN, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, DISTRICT DURG, CHHATTISGARH

50. SHRI KASHI RAM MASRAM, INSPECTOR, SIB JAGDALPUR, CHHATTISGARH

51. SHRI PRAKASH NARAYAN TIWARI, SUB INSPECTOR, KABIRDHAM, CHHATTISGARH

52. SHRI KHEMRAJ SAHU, ASSISTANT SUB INSPECTOR, KANKER, CHHATTISGARH

53. SMT. RAJSHRI DEWANGAN, HEAD CONSTABLE , JAGDALPUR, CHHATTISGARH

54. SHRI VINAYAK SINGH THAKUR, HEAD CONSTABLE, DISTRICT JAGDALPUR, CHHATTISGARH

55. SHRI ONKARNATH PANDEY, HEAD CONSTABLE, SEVENTH BN CAF, BHAILAI DISTRICT DURG, CHHATTISGARH

56. SHRI PURUSHOTTAM YADAV, HEAD CONSTABLE , DISTRICT DURG, CHHATTISGARH

57. SHRI PYARE LAL SAROJ, CONSTABLE, CID, PHQ RAIPUR, CHHATTISGARH

58. SHRI RESHAM LAL GHOSALE, CONSTABLE, DSB DISTRICT KORBA, CHHATTISGARH

59. SHRI SURENDER SINGH YADAV, ADDITIONAL COMMISSIONER OF POLICE (TRAFFIC), TODAPUR, NCT OF DELHI

60. SHRI RAJESH KUMAR, DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE, MALVIYA NAGAR, NCT OF DELHI

61. SHRI PARWAIZ AHMED, DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE (SECURITY), NCT OF DELHI

62. SHRI MAHESH CHAND BHARDWAJ, ADDITIONAL DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE-1, SOUTH EAST DISTRICT, NCT OF DELHI

63. SHRI SANJAY KUMAR TYAGI, STAFF OFFICER TO THE COMMISSIONER OF POLICE, NCT OF DELHI

64. SHRI CHAMAN LAL BHATTI, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE (TRAFFIC) SOUTH WEST DISTRICT, DWARKA, NCT OF DELHI

65. SHRI NARAYAN SINGH PARIHAR, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, 7TH BN DAP, PTS COMPLEX , MALVIYA NAGAR, NCT OF DELHI

66. SHRI BHOLA RAM MANN, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, RAJOURI GARDEN, NCT OF DELHI

67. SHRI DURGA PRASAD JOSHI, INSPECTOR, (TRAFFIC), NORTH DISTRICT, NCT OF DELHI

68. SHRI ATHAR HUSSAIN, SUB INSPECTOR, IFA BRANCH/PHQ, NCT OF DELHI

69. SHRI RAM SWAROOP, SUB-INSPECTOR (EXECUTIVE), SECURITY VINAY MARG, NCT OF DELHI

70. SHRI GOKUL RAM, SUB-INSPECTOR (EXECUTIVE), 3RD BN DAP, PALAM COLONY, NCT OF DELHI

71. SHRI BAL KISHAN, ASSISTANT SUB INSPECTOR (EXECUTIVE), SECURITY VINAY MARG, NCT OF DELHI

72. SHRI JAIBIR SINGH, HEAD CONSTABLE, 2ND BN DAP, NCT OF DELHI

73. SHRI SATYABEER SINGH, HEAD CONSTABLE (EXECUTIVE), PS/NABI KARIM/C, NCT OF DELHI

74. SHRI SATISH KUMAR, HEAD CONSTABLE (EXECUTIVE), FRRO, NCT OF DELHI

75. SHRI RAMESH SINGH, HEAD CONSTABLE (EXECUTIVE), PTC, JHARODA KALAN, NCT OF DELHI

76. SHRI JAYESHKUMAR KANTILAL BHATT, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, CID CRIME, GANDHINAGAR, GUJARAT

77. SHRI YOGENDRAKUMAR PATEL, ARMED DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, GANDHINAGAR, GUJARAT

78. SHRI HARPALSINH AJITSINH RATHOD, UNARMED POLICE INSPECTOR, DCB POLICE STATION, AHMEDABAD, GUJARAT

79. SHRI SHAILESH SINH RAGHUVANSHI, POLICE INSPECTOR, CID CRIME, GADHINAGAR, GUJARAT

80. SHRI HARDEVSINH VAGHELA, POLICE INSPECTOR, DEVBHUMI DWARKA, GUJARAT

81. SHRI KIRITBHAI SHANTILAL BRAHMBHATT, POLICE SUB INSPECTOR, WESTERN RAILWAY AHMEDABAD, GUJARAT

82. SHRI JAYENDRASINH PARMAR, ARMED POLICE SUB INSPECTOR, BARODA, GUJARAT

83. SHRI SUKETU VINODKUMAR CHANGAWALA, POLICE SUB INSPECTOR (WIRELESS), KHEDA, GUJARAT

84. SHRI JAYESHKUMAR J SHAH, INTELLIGENCE OFFICER, GANDHINAGAR, GUJARAT

85. SHRI PAL RAMABHAILAKH SHIVBARAN, UNARMED ASSISTANT POLICE SUB INSPECTOR, WR VADODARA, GUJARAT

86. SHRI SURESH TANAJI DESLE, UNARMED ASSISTANT POLICE SUB INSPECTOR, VALOD, GUJARAT

87. SHRI PRABHUDAS HARILAL THAKKAR, HEAD CONSTABLE, ACB, AHMEDABAD, GUJARAT

88. SHRI ARVINDKUMAR RAMJIBHAI PARMAR, HEAD CONSTABLE, GONDAL, GUJARAT

89. SHRI PARASOTAM BHURABHAI PATEL, HEAD CONSTABLE, GONDAL, GUJARAT

90. SHRI JIVARAM SHAMALDAS HARIYANI, POLICE CONSTABLE, SRPF GONDAL, GUJARAT

91. SHRI JAGADISHBHAI CHHAGANLAL SHRIMALI, ASSISTANT INTELLIGENCE OFFICER, GANDHINAGAR, GUJARAT

92. SHRI PREMJIBHAI LAKHABHAI PARMAR, ASSISTANT INTELLIGENCE OFFICER, GANDHINAGAR, GUJARAT

93. SHRI VIRENDER SINGH, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, SIRSA, HARYANA

94. SHRI KAMAL SINGH, INSPECTOR (TRAFFIC), KARNAL, HARYANA

95. SHRI VIRENDER SINGH, INSPECTOR OF POLICE, CONTROL ROOM, GURGAON, HARYANA

96. SHRI SUSHIL KUMAR, SUB INSPECTOR, SCB, MOGINAND, PANCHKULA, HARYANA

97. SHRI GURMEET SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, SVB, PANCHKULA, HARYANA

98. SHRI KULBIR SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR (TRAFFIC), KARNAL, HARYANA

99. SHRI MANOJ KUMAR, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CID, PANCHKULA, HARYANA

100. SHRI RAM KUMAR, ASSISTANT SUB INSPECTOR, FARIDABAD, HARYANA

101. SMT. CHANDRA WATI, INSPECTOR, CID, KULLU, HIMACHAL PRADESH

102. SHRI PITAMBER DUTT, ASSISTANT SUB INSPECTOR, JUNGA SHIMLA, HIMACHAL PRADESH

103. SHRI MANMOHAN SINGH, HEAD CONSTABLE, SHIMLA, HIMACHAL PRADESH

104. SHRI MOHD SALEEM KHAN, SUB INSPECTOR, PHQ, JAMMU AND KASHMIR

105. SHRI MOHD AFZAL KHAN, HEAD CONSTABLE, APHQ, JAMMU AND KASHMIR

106. SHRI MANOJ KUMAR, INSPECTOR, CID HQ, JAMMU AND KASHMIR

107. SHRI SHABIR AHMAD KHAWAJA, HEAD CONSTABLE, APHQ, JAMMU AND KASHMIR

108. SHRI ZAHOOR AHMAD BHAT, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE (CRIME), JAMMU AND KASHMIR

109. SHRI SHEIKH ZAFFARULLAH, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE (PERS), PHQ, JAMMU AND KASHMIR

110. SHRI MIR JAVAID AHMAD, INSPECTOR (M), PHQ, JAMMU AND KASHMIR

111. SHRI RASHEEQ AHMAD MIR, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, GANDERBAL, JAMMU AND KASHMIR

112. SHRI SIRAJ-UD-DIN SHAH, INSPECTOR (M), SRINAGAR, JAMMU AND KASHMIR

113. SHRI ABDUL AHAD DAR, SUB INSPECTOR, TELECOM HQ, JAMMU AND KASHMIR

114. SHRI SURINDER KUMAR SHARMA, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, GRP, JAMMU AND KASHMIR

115. SHRI TAJINDER SINGH, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, ZPHQ, JAMMU AND KASHMIR

116. SHRI MOHD SHAFI DAR, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE (CRIME), SRINAGAR, JAMMU AND KASHMIR

117. SHRI YASH PAUL SINGH, INSPECTOR, SHO RAJOURI, JAMMU AND KASHMIR

118. SHRI GHULAM ALI AHANGAR, SUB INSPECTOR, DIST. SRINAGAR, JAMMU AND KASHMIR

119. SHRI FAROOQ AHMAD HAKEEM, SUPERINTENDENT OF POLICE/SO TO IGP, JAMMU AND KASHMIR

120. SHRI MOHD FAROOQ RESHI, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, AHJ AIRPORT, SRINAGAR, JAMMU AND KASHMIR

121. SHRI MURARI LAL MEENA, INSPECTOR GENERAL OF POLICE (OPERATION) RANCHI, JHARKHAND

122. SHRI RAJA RAM PRASAD, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, DHANBAD, JHARKHAND

123. SHRI RAM CHANDRA RAM, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, COMPOSITE CONTROL ROOM, DHANBAD JHARKHAND

124. SHRI AMIR TANTI, SUB INSPECTOR OF POLICE, RANCHI DISTRICT (ON DEPUTATION TO POLICE HEADQUARTERS) RANCHI, JHARKHAND

125. SHRI MAKSUDAN ORAON, SUB INSPECTOR OF POLICE, SPECIAL BRANCH, JHARKHAND (ON DEPUTATION POLICE HQRS) RANCHI, JHARKHAND

126. SHRI RAJENDRA PATHAK, HAVILDAR, JAP SIX BATTALION, JAMSHEDPUR JHARKHAND

127. SHRI NAVIN KUMAR CHHETRY, HAVILDAR, JAP FIRST BATTALION, RANCHI, JHARKHAND

128. SHRI PANKAJ RAI, HAVILDAR, FIRST BATTALION, RANCHI, JHARKHAND

129. SHRI PEAR ORAON, HAVILDAR, RANCHI DISTRICT, JHARKHAND

130. SHRI SUNIL KUMAR SINGH, CONSTABLE, SPECIAL BRANCH, RANCHI, JHARKHAND

131. SHRI H T DUGGAPPA , SUPERINTENDENT OF POLICE, STATE INTELLIGENCE, BANGALORE, KARNATAKA

132. SHRI R LAKSHMANA, ADDITIOAL SUPERINTENDENT OF POLICE, TUMKUR DISTRICT, KARNATAKA

133. SHRI MOHAMMED ISHTIAQ JAMEEL, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, KOLAR DISTRICT, KARNATAKA

134. SHRI C N JANARDHAN, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, CID, BANGALORE, KARNATAKA

135. SHRI M VIJAYAKUMAR, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE (WIRELESS), CENTRAL ZONE, BANGALORE, KARNATAKA

136. DR H N VENKATESH PRASANNA, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, IGP OFFICE, WESTERN RANGE, MANGALORE, KARNATAKA

137. SHRI DEVENDRAPPA D MALAGI, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, HOSPET SUB DIVISION, BELLARY DISTRICT, KARNATAKA

138. SHRI S BABU SHANKAR, POLICE INSPECTOR (WIRELESS), CITY CONTROL ROOM , BANGALORE CITY, KARNATAKA

139. SHRI MOHAMMED MOHSIN, POLICE INSPECTOR (WIRELESS), CONTROL ROOM, KALABURGI DISTRICT, KARNATAKA

140. SHRI B BHOJARAJU, ASSISTANT RESERVE SUB INSPECTOR, RECRUITMENT SECTION, BANGALORE, KARNATAKA

141. SHRI S M RAGHAVENDRA RAO, ASSISTANT SUB INSPECTOR (WIRELESS), DGP CONTROL ROOM, BANGALORE, KARNATAKA

142. SHRI M NARAYANASWAMY, SPL ARSI, IRB, MUNIRABAD, KARNATAKA

143. SHRI N RAMANNA, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, DSB, MANDYA DISTRICT, KARNATAKA

144. SHRI V KARIYANNA, HEAD CONSTABLE, CCRB, BANGALORE, KARNATAKA

145. SHRI ANAND, HEAD CONSTABLE, CCRB SECTION, HUBLI, DHARWAD, KARNATAKA

146. SHRI V NARAYANAPPA, HEAD CONSTABLE, STATE INTELLIGENCE, BANGALORE, KARNATAKA

147. SHRI D MAHADEVAIAH, HEAD CONSTABLE, THIRD BN KSRP, BANGALORE, KARNATAKA

148. SHRI P M RAVINDRA, HEAD CONSTABLE, FIFTH BN KSRP, MYSORE, KARNATAKA

149. SHRI N.U. AIYYANNA, HEAD CONSTABLE, FIFTH BN KSRP, MYSORE, KARNATAKA

150. SHRI SHIVAPPA, HEAD CONSTABLE, DSB UNIT, GULBARGA, KARNATAKA

151. SHRI DINENDRA KASHYAP, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE, KANNUR RANGE, KERALA

152. SHRI P S GOPI, SUPERINTENDENT OF POLICE, CBCID, HEAD QUARTERS, THIRUVANANTHAPURAM, KERALA

153. SHRI TOM CHERUVANDOOR THOMAS, SUPERINTENDENT OF POLICE, VIGILANCE AND ANTI CORRUPTION BUREAU, NORTHERN RANGE, KOZHIKODE, KERALA

154. SHRI DAMODARAN RAJENDRAN, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, KOLLAM, KERALA

155. SHRI KRISHNAN NARAYANAN NAIDU, SUB INSPECTOR OF POLICE, CRIME DETACHMENT, TRIVANDRUM CITY, KERALA

156. SHRI MECHERY POULOSE DAVIS, ASSISTANT SUB INSPECTOR GRADE, SPECIAL BRANCH, THRISSUR, KERALA

157. SHRI SKANTHAKUMAR CHAKRAPANI ACHARI, SENIOR CIVIL POLICE OFFICER, VIGILANCE AND ANTI CORRUPTION BUREAU, SIU II, TRIVANDRUM, KERALA

158. SHRI ANIL MAHESHWARI, COMMANDANT 13TH BN S.A.F, GWALIOR, MADHYA PRADESH

159. SHRI RAJENDRA VERMA, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, BHOPAL, MADHYA PRADESH

160. SHRI JASWANT SINGH MALIK, COMPANY COMMANDER, INDORE, MADHYA PRADESH

161. SHRI JAMIL KHAN, SUB INSPECTOR(MT), SHIVPURI, MADHYA PRADESH

162. SHRI RAM NARESH TRIPATHI, PLATOON COMMANDER, BHOPAL, MADHYA PRADESH

163. SHRI ASHOK KUMAR RAGHUVANSHI, SUB INSPECTOR, DEWAS, MADHYA PRADESH

164. SHRI SANTOSH KUMAR SHUKLA, SECTION COMMANDER, DATIA, MADHYA PRADESH

165. SHRI SHIV KUMAR SHARMA, HEAD CONSTABLE, DISSTT. TIKAMGARH, MADHYA PRADESH

166. SHRI INDRA KUMAR PANDEY, HEAD CONSTABLE, INDORE, MADHYA PRADESH

167. SHRI CHATURBHUJ BUNKAR, HEAD CONSTABLE, DAMOH, MADHYA PRADESH

168. SHRI SURESH SINGH CHOUHAN, CONSTABLE, INDORE, MADHYA PRADESH

169. SHRI BABU LAL KAWALE, CONSTABLE, BHOPAL, MADHYA PRADESH

170. SHRI PURAN LAL GUJAR, CONSTABLE, DATIA, MADHYA PRADESH

171. SHRI ROHITAS SHARMA, CONSTABLE, GWALIOR, MADHYA PRADESH

172. SHRI AVADH KUMAR VYAS, INSPECTOR, BHOPAL, MADHYA PRADESH

173. SMT. AMRUTA PANDIT, SUBEDAR, BHOPAL, MADHYA PRADESH

174. SHRI MITHILA PRASAD TRIPATHI, SUBEDAR, REWA, MADHYA PRADESH

175. DR SURESH MEKALA, COMMISSIONER OF POLICE, AMARAVATI CITY, MAHARASHTRA

176. SHRI SHASHIKANT RAMACHANDRA MANE, SUPERINTENDENT OF POLICE / PRINCIPAL, PTS NAGPUR, MAHARASHTRA

177. SHRI MADHAV GOVIND KARBHARI, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, BEED, MAHARASHTRA

178. SHRI NITARAM ZINGARAO KUMARE, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, SPECIAL BRANCH, NAGPUR CITY, MAHARASHTRA

179. SHRI BALIRAM RAJARAM KADAM, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, CRIME BRANCH, CID MUMBAI, MAHARASHTRA

180. SHRI CHHAGAN SITARAM DEORAJ, DEPUTY SUPERITENDENT OF POLICE, POLICE HEAD QUARTER, NASHIK RURAL, MAHARASHTRA

181. SHRI SOPAN YASHWANT PAWAR, POLICE INSPECTOR, VIDHAN BHAVAN SECURITY MUMBAI, MAHARASHTRA

182. SHRI PRADEEP VITTHAL SURVE, POLICE INSPECTOR, CASTE VERIFICATION COMMETTEE, NAVI MUMBAI, MAHARASHTRA

183. SHRI DNYANDEO DHONDIRAM GAWARE, POLICE INSPECTOR, ANTI CORRUPTION BURUEA JALGAON, MAHARASHTRA

184. SHRI GAUTAM PARASRAM GADMADE, ARMED POLICE INSPECTOR, SRPF GR IX AMARAVATI, MAHARASHTRA

185. SHRI BALIRAM VITHOBA JIVTODE, POLICE INSPECTOR, POLICE TRAINING SCHOOL, NAGPUR, MAHARASHTRA

186. SHRI SURESH ISTARI BHOYAR, POLICE INSPECTOR, CRIME BRANCH, GONDIA, MAHARASHTRA

187. SHRI PANDIT DEVRAM PAWAR, POLICE SUB INSPECTOR, SINNAR POLICE STATION, NASHIK RURAL, MAHARASHTRA

188. SHRI SHIVAJI TUKARAM DHURI, ARMED POLICE SUB INSPECTOR, SRPF GR I, PUNE, MAHARASHTRA

189. SHRI DAMODAR FATESHANKAR SINGH, ARMED POLICE SUB INSPECTOR, SRPF GR XIII, NAGPUR, MAHARASHTRA

190. SHRI KAUSHALDHAR TRIVENIDHAR DUBE, ARMED POLICE SUB INSPECTOR, SRPF GR XIII NAGPUR, MAHARASHTRA

191. SHRI TUKARAM BHAUSO PATIL, ARMED POLICE SUB INSPECTOR, SRPF GR I PUNE, MAHARASHTRA

192. SHRI MANIK DAULATRAO TAYDE, ARMED ASSISTANT SUB INSPECTOR, SRPF GR XII HINGOLI, MAHARASHTRA

193. SHRI DILIPKUMAR TUKARAM BHANDARE, ASSISTANT SUB INSPECTOR, V P ROAD POLICE STATION MUMBAI, MAHARASHTRA

194. SHRI BHIKAJI SADASHIV RANE, ASSISTANT SUB INSPECTOR, AZAD MAIDAN POLICE STATION MUMBAI, MAHARASHTRA

195. SHRI DAGADU FAKIRA AJINTHE, ASSISTANT SUB INSPECTOR, LOCAL CRIME BRANCH, NANDURBAR, MAHARASHTRA

196. SHRI SACCHIDANAND KANHAIYYA RAI, ARMED ASSISTANT SUB INSPECTOR, SRPF GR XIII NAGPUR, MAHARASHTRA

197. SHRI KESHAV KISAN MORE, ARMED ASSISTANT SUB INSPECTOR, SRPF GROUP IV NAGPUR, MAHARASHTRA

198. SHRI SHIVAJI KASHINATH PATIL, ASSITANT POLICE SUB INSPECTOR, DISTRICT SPECIAL BRANCH NASHIK RURAL, MAHARASHTRA

199. SHRI VISHWANATH BUDHAJI PATIL, ASSISTANT POLICE SUB INSPECTOR, DADAR COSTAL POLICE STATION, RAIGAD, MAHARASHTRA

200. SHRI SAHEBRAO DEVMAN SURYAWANSHI, ASSISTANT SUB INSPECTOR, PREVENTION OF CIVIL RIGHT, NASHIK, MAHARASHTRA

201. SHRI SURESH DINKAR INGAWALE, ASSISTANT SUB INSPECTOR, HEAD QUARTER PUNE CITY, MAHARASHTRA

202. SHRI PRAVIN POPATLAL GUNDECHA, ASSISTANT SUB INSPECTOR, TRAFFIC CONTROL BRANCH MUMBAI, MAHARASHTRA

203. SHRI RAMESH DAULAT KOTE, ASSISTANT SUB INSPECTOR, NANDURBAR CITY POLICE STATION, MAHARASHTRA

204. SHRI RAMESH HARI KHAWALE, ASSISTANT SUB INSPECTOR, NANDURBAR POLICE STATION, MAHARASHTRA

205. SHRI SURESH RAMU MANE, ASSISTANT SUB INSPECTOR, SRPF TRAINING CENTRE, NANVEEJ DAUND, MAHARASHTRA

206. SHRI BHAGWAN DEVAJI KAKADE, ASSISTANT SUB INSPECTOR, MAHILA SURAKSHA CELL, JALNA, MAHARASHTRA

207. SHRI JIVANKUMAR GAJENDRA KAPURE, ARMED ASSISTANT SUB INSPECTOR, SRPF GR-I, PUNE, MAHARASHTRA

208. SHRI ULHAS RAMCHANDRA GAONKAR, ARMED ASSISTANT SUB INSPECTOR, SRPF GR- I, PUNE, MAHARASHTRA

209. SHRI BALASO NANASO JAGDALE, ASSISTANT SUB INSPECTOR, POLICE HEAD QUARTER SATARA, MAHARASHTRA

210. SHRI JANARDHAN TULSHIRAM RAJURKAR, ASSISTANT SUB INSPECTOR, POLICE CONTROL ROOM LATUR, MAHARASHTRA

211. SHRI KESHAV TUKARAM HAJARE, ARMED ASSITANT SUB INSPECTOR, SRPF GR V DAUND, MAHARASHTRA

212. SHRI TRIMBAK GOVIND GHARAT, ARMED HEAD CONSTABLE, SRPF GR II PUNE, MAHARASHTRA

213. SHRI KAMLAKAR RAMCHANDRA JADHAV, HEAD CONSTABLE, WIRELESS DIVISION PUNE, MAHARASHTRA

214. SHRI NISHIKANT SADASHIV SALVI, HEAD CONSTABLE, WIRELESS DIVISION, MUMBAI, MAHARASHTRA

215. SHRI RAMCHANDRA KANHU TAPKIR, HEAD CONSTABLE, CRIME INVESTIGATION DEPTT PUNE, MAHARASHTRA

216. SHRI DADASAHEB BABURAO GHULE, ARMED HEAD CONSTABLE, SRPF TRAINING CENTRE, NANVEEJ DAUND, MAHARASHTRA

217. SHRI SURESH KASHINATH RAUT, ARMED HEAD CONTABLE, SRPF GR V DAUND, MAHARASHTRA

218. SHRI CHRISTOPHER DOUNGEL, INSPECTOR GENERAL (ADM), PHQ IMPHAL, MANIPUR

219. SHRI THOKCHOM BHARATCHANDRA SINGH, HAVILDAR, 1ST BN, MANIPUR RIFLES IMPHAL, MANIPUR

220. SHRI TONGBRAM SANATOMBA SINGH, INSPECTOR OF POLICE, MANIPUR, IMPHAL, MANIPUR

221. SHRI MANGJATHANG HAOKIP, RIFLEMAN, MPTC PANGEI, MANIPUR

222. SHRI YUMNAM MANGLEMJAO SINGH, HAVILDAR, MPTC PANGEI, MANIPUR

223. SHRI LAISHRAM KHAMBA SINGH, CONSTABLE, IMPHAL WEST DISTRICT, MANIPUR

224. SHRI THONGAM NILAMANI SINGH, SUB INSPECTOR, IMPHAL EAST, MANIPUR

225. SHRI T S CHAMNA ANAL, SUBEDAR, 8TH BN MANIPUR RIFLES, LEIKUN, MANIPUR

226. SHRI NINGOMBAM DILIP SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CID (SB), IMPHAL, MANIPUR

227. SHRI BIBHUTI PURKAYASTHA, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, SB HQRS SHILLONG, MEGHALAYA

228. SHRI SEBASTIAN SWETT, SUB INSPECTOR, SHILLONG, MEGHALAYA

229. SHRI VIVEK KISHORE, DEPUTY INSPECTOR GENERAL (TRAINING), AIZAWL, MIZORAM

230. SMT. CHHAYA SHARMA, DEPUTY INSPECTOR GENERAL (CID), AIZAWL, MIZORAM

231. SHRI R LALRINMAWIA, CHIEF DRILL INSTRUCTOR, POLICE TRG SCHOOL, MIZORAM

232. SHRI C LALCHHUANLIANA, INSPECTOR - RESERVE OFFICER, AIZAWL, MIZORAM

233. SHRI PHILIP HUMTSOE LOTHA , DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE, KOHIMA, NAGALAND

234. SHRI LAKHA KOZA, COMMANDANT, 8 NAP BN, ZUNHEBOTO, NAGALAND

235. SHRI PELHOUNEIO ANGAMI, UBC, KOHIMA, NAGALAND

236. SHRI MAHENDRA PRATAP, INSPECTOR GENERAL OF POLICE (RAILWAYS), CUTTACK, ODISHA

237. SHRI DAYAL GANGWAR, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE (SAP), CUTTACK, ODISHA

238. SHRI BAIKUNTHA NATH DAS, SUPERINTENDENT OF POLICE (SIGNALS), CUTTACK, ODISHA

239. SHRI SANTANU KUMAR DASH, SUB-DIVISIONAL POLICE OFFICER, NUAPADA, ODISHA

240. SHRI SAROJ KUMAR MOHAPATRA, ASSISTANT COMMANDANT, SECURITY WING, BHUBANESWAR, ODISHA

241. SHRI SAROJA KANTA BARIK, SUB-INSPECTOR OF POLICE (MT), CUTTACK, ODISHA

242. SHRI BASANTA KUMAR GOCHHAYAT, HAVILDAR, MAYURBHANJ, ODISHA

243. SHRI KAMALAKANTA MOHAPATRA, HAVILDAR , SECURITY WING, BHUBANESWAR, ODISHA

244. SHRI JAGA BANDHU SAHU, HAVILDAR (DRIVER), BALASORE, ODISHA

245. SHRI BASANTA KUMAR BARIK, CONSTABLE , BALASORE, ODISHA

246. SHRI UPENDRA KUMAR BALABANTARAY, SEPOY, SECURITY WING, BHUBANESWAR, ODISHA

247. SHRI RAJINDER SINGH, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, CRIME, VIGILANCE BUREAU, PUNJAB

248. SHRI TULSI RAM, COMMANDANT, 80TH BN, PAP, JALANDHAR, PUNJAB

249. SHRI PARAMPAL SINGH, SUPERINTENDENT OF POLICE- CUM- ADCP, AMRITSAR, PUNJAB

250. SHRI SHARANJIT SINGH, SUPERINTENDENT OF POLICE, PATIALA, PUNJAB

251. SHRI SUKHBIR SINGH, INSPECTOR, NABHA, PUNJAB

252. SHRI AMARJEET SINGH, INSPECTOR, HAIBOWAL, LUDHIANA, PUNJAB

253. SHRI CHARANJIT SINGH, SUB INSPECTOR, PRTC JAHAN KHELAN, PUNJAB

254. SHRI JASWANT SINGH, SUB INSPECTOR, CID UNIT, CHANDIGARH, PUNJAB

255. SHRI JAGDISH SINGH, SUB INSPECTOR, CRC JALANDHAR, PUNJAB

256. SHRI CHANNA SINGH, SUB INSPECTOR, COMMANDO TRAINING CENTRE, PATIALA, PUNJAB

257. SHRI MEGH RAJ SINGH, SUB INSPECTOR, POLICE LINES, LUDHIANA, PUNJAB

258. SHRI BIKRAMJIT SINGH, SUB INSPECTOR, KOT BHAI, PUNJAB

259. SHRI RAMESH KUMAR, ASI, NAROCOTICS CELL AMRITSAR, PUNJAB

260. SHRI NARESH KUMAR, ASSISTANT SUB INSPECTOR, PRTC JAHAN KHELAN, PUNJAB

261. SHRI RAVI DUTT, ASSISTANT SUB INSPECTOR, O/O COMMISSIONER OF POLICE, AMITSAR, PUNJAB

262. SHRI SHYAMI LAL MEENA, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, EXCISE DEPTT, JAIPUR, RAJASTHAN

263. SHRI JAI KISHAN VYAS, INSPECTOR OF POLICE, ANTI CORRUPTION BUREAU, JAIPUR RAJASTHAN

264. SHRI BANWARI PRASAD, INSPECTOR OF POLICE, MANPUR, DAUSA, RAJASTHAN

265. SHRI JAG RAM MEENA, INSPECTOR OF POLICE, JAIPUR, RAJASTHAN

266. SHRI BULIDAN SINGH, SUB INSPECTOR OF POLICE, RAJASTHAN POLICE TRAINING CENTRE, JODHPUR, RAJASTHAN

267. SHRI GOPI CHAND, ASSISTANT SUB INSPECTOR, JHOTWARA, JAIPUR WEST, RAJASTHAN

268. SHRI JAI SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, NAI, UDAIPUR, RAJASTHAN

269. SHRI NAKHTA RAM, HEAD CONSTABLE, ELEVEN BATTALION RAC(IR), WAZIRABAD, DELHI, RAJASTHAN

270. SHRI DEEP SINGH, HEAD CONSTABLE, RAJASTHAN POLICE ACADEMY, JAIPUR RAJASTHAN

271. SHRI BRIJESH KUMAR NIGAM, HEAD CONSTABLE, CID(CB), JAIPUR, RAJASTHAN

272. SHRI SARDARA RAM, HEAD CONSTABLE, 5TH BATTALION RAC, JAIPUR, RAJASTHAN

273. SHRI KISHAN SINGH , CONSTABLE, POLICE HEADQUARTER, JAIPUR, RAJASTHAN

274. SHRI NAND SINGH RAJPUT, CONSTABLE, RDSB BRANCH, AJMER, RAJASTHAN

275. SHRI LAXUMAN PRADHAN, SUB INSPECTOR, SAP, PANGTHAN, EAST SIKKIM, SIKKIM

276. SHRI AYUSH MANI TIWARI, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE, COIMBATORE RANGE, TAMIL NADU

277. SMT. VIDYA D KULKARNI, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE, SALEM RANGE, TAMIL NADU

278. SHRI R VEERAPERUMAL, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, SECURITY & CORE CELL CID, CHENNAI, TAMIL NADU

279. SMT. S FLORA JAYANTHI, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, VIGILANCE AND ANTI CORRUPTION, CHENNAI, TAMIL NADU

280. SHRI M MADASAMY, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, VIRUDHUNAGAR, TAMIL NADU

281. SHRI N SIVAGURU, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE/ PRINCIPAL, POLICE RECRUIT SCHOOL, COIMBATORE, TAMIL NADU

282. SHRI N K STANLEY JONES, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, INTELLIGENCE SECTION, TIRUNELVELI CITY, TAMIL NADU

283. SHRI E PRITHIVIRAJAN, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, OCIU, HEADQUARTERS, CHENNAI, TAMIL NADU

284. SHRI P KENNED, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, JEEYAPURAM, TRICHY, TAMIL NADU

285. SHRI R SIVALINGAM, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, DISTRICT CRIME RECORD BUREAU, THIRUVALLUR, TAMIL NADU

286. SHRI M V UDAYAKUMAR, INSPECTOR OF POLICE, IDOL WING, CHENNAI, TAMIL NADU

287. SHRI P S PORCHEZHIAN, INSPECTOR OF POLICE, ANTI LAND GRABBING SPECIAL CELL, THIRUVALLUR, TAMIL NADU

288. SHRI K JAGADEESH, INSPECTOR OF POLICE, SBCID HEADQUARTERS, CHENNAI, TAMIL NADU

289. SHRI P PALANI, INSPECTOR OF POLICE, VIGILANCE AND ANTI CORRUPTION, VELLORE, TAMIL NADU

290. SHRI V K CHANDRASEKARAN, INSPECTOR OF POLICE, CBCID, MADURAI CITY, TAMIL NADU

291. SHRI R MALAICHAMY, INSPECTOR OF POLICE (AR), SIVAGANGAI, TAMIL NADU

292. SHRI G NATARAJAN, INSPECTOR OF POLICE, CORE CELL CID, CHENNAI, TAMIL NADU

293. SMT. S SAVITHRI, INSPECTOR OF POLICE(TECH), PTB SALEM, TAMIL NADU

294. SHRI S KUMAR, SUB INSPECTOR OF POLICE, SPECIAL TASK FORCE, ERODE, TAMIL NADU

295. SHRI C CHINNARAJU, SPECIAL SUB INSPECTOR OF POLICE, VIGILANCE AND ANTI CORRUPTION, CHENNAI, TAMIL NADU

296. SHRI B ARUNACHALAM, SPECIAL SUB INSPECTOR OF POLICE, VIGILANCE AND ANTI CORRUPTION, CHENNAI CITY- 1, TAMIL NADU

297. SHRI NEELAGIRI DIVYACHARAN RAO, ADDITIONAL DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE, CYBERABAD, TELANGANA

298. SHRI T SHARATH BABU, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, REGIONAL INTELLIGENCE OFFICE, HYDERABAD, TELANGANA

299. SHRI T SUDARSHAN, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, ANTI- CORRUPTION BUREAU, KARIMNAGAR, TELANGANA

300. SHRI VUPPU THIRUPATHI, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, KOTHAGUDEM, KHAMMMAM, TELANGANA

301. SHRI M RAMANA KUMAR, SUB-DIVISIONAL POLICE OFFICER, MANCHIRYAL, ADILABAD, TELANGANA

302. SHRI M VENKAT RAO, RESERVE INSPECTOR, KHAIRATABAD, HYDERABAD, TELANGANA

303. SHRI SYED YOUSUFUDDIN, RESERVE SUB INSPECTOR, DIST POLICE TRAINING CENTER, NALGONDA, TELANGANA

304. SHRI PATLOLLA MADHUSUDHAN REDDY, SUB INSPECTOR, SPECIAL INTELLIGENCE BRANCH, HYDERABAD, TELANGANA

305. SHRI S PREM RAJ, ASSISTANT SUB INSPECTOR, KHAIRATABAD, HYDERABAD, TELANGANA

306. SHRI G LAXMAIAH, HEAD CONSTABLE, SPECIAL BRANCH, CYBERABAD, TELANGANA

307. SHRI ANNU DAMODAR REDDY, HEAD CONSTABLE, CI CELL, HYDERABAD, TELANGANA

308. SHRI S SADANANDAM, ARPC, DAR WARANGAL, TELANGANA

309. SHRI DEBABRATA PAUL, SUB INSPECTOR OF POLICE, O/O THE DGP, AGARTALA, TRIPURA

310. SHRI BABUL MAHAJAN, SUB INSPECTOR, SPECIAL BRANCH, KANCHANPUR, TRIPURA

311. SHRI DEBAJIT BHATTACHARJEE, SUB INSPECTOR, O/O SP SPL BRANCH TRIPURA, AGARTALA, TRIPURA

312. SHRI MAYAJOY RUPINI, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, AGARTALA , TRIPURA

313. SHRI BIDYA KUMAR REANG, NB SUBEDAR, KANCHANPUR, TRIPURA

314. SHRI RAGHUBIR LAL, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE, PTC MORADABAD, UTTAR PRADESH

315. DR. BADRI NARAYAN TIWARI, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, 25 BN PAC, RAEBARELI, UTTAR PRADESH

316. SMT. ABHA SINGH, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, 47BN PAC, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH

317. SHRI SHRIPATI MISHRA, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, BAHRAICH, UTTAR PRADESH

318. SHRI AJAI KUMAR SINGH, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, MIRZAPUR, UTTAR PRADESH

319. SHRI JUGUL KISHORE, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, PHQ, ALLAHABAD, UTTAR PRADESH

320. SHRI VINOD KUMAR MISHRA, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, SAMBHAL, UTTAR PRADESH

321. SHRI VALENDU BHUSHAN SINGH, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, BUDAUN, UTTAR PRADESH

322. SHRI ASHOK KUMAR TRIPATHI, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE (PROTOCOL), AGRA, UTTAR PRADESH

323. SHRI DEVENDRA PRATAP NARAYAN PANDEY, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE (SECURITY), VARANASI, UTTAR PRADESH

324. SHRI KAILASH SINGH, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, 34 BN PAC, VARANASI, UTTAR PRADESH

325. SHRI SUNIL KUMAR SINGH, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, GHAZIPUR, UTTAR PRADESH

326. SHRI PRAMOD KUMAR, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, ALIGARH, UTTAR PRADESH

327. SHRI SUDHIR KUMAR SINGH, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, PILIBHIT, UTTAR PRADESH

328. SHRI RAJ PRAKASH SINGH, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, JHANSI, UTTAR PRADESH

329. SHRI ASHWANI KUMAR SINGH, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, ALLAHABAD, UTTAR PRADESH

330. SHRI SHRIRAM PAL, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, LUCKNOW, UTTAR PRADESH

331. SHRI NARENDRA DEV, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, HATHRAS, UTTAR PRADESH

332. SHRI JITENDRA SINGH RAWAT, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, 6 BN PAC, MEERUT, UTTAR PRADESH

333. SHRI VIJAY KUMAR SINGH, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, 6 BN PAC, MEERUT, UTTAR PRADESH

334. SHRI SANTOSH KUMAR, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, FAIZABAD, UTTAR PRADESH

335. SHRI MOHD. JAFAR KHAN, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, LUCKNOW, UTTAR PRADESH

336. SHRI DESHVEER SINGH, COMPANY COMMANDER, 44 BN PAC, MEERUT, UTTAR PRADESH

337. SHRI DINESH CHANDRA, COMPANY COMMANDER, 9 BN PAC, MORADABAD, UTTAR PRADESH

338. SHRI CHEDI LAL SINGH, RADIO INSPECTOR, UP POLICE RADIO HQ, LUCKNOW, UTTAR PRADESH

339. SHRI BRAHMA PAL SINGH, INSPECTOR, KANPUR NAGAR, UTTAR PRADESH

340. SHRI JITENDRA KUMAR MISHRA, SUB INSPECTOR, SECURITY HQ, OM NIVAS, NEW HYDERABAD, LUCKNOW, UTTAR PRADESH

341. SHRI SHIV SHANKAR DUBEY, SUB INSPECTOR (TEACHER), 35 BN PAC, LUCKNOW, UTTAR PRADESH

342. SHRI OMVEER SINGH, SUB INSPECTOR (MT), ETAWAH, UTTAR PRADESH

343. SHRI HEERA LAL PRASAD, HEAD CONSTABLE, KUSHINAGAR, UTTAR PRADESH

344. SHRI YAMEEN ALI, HEAD CONSTABLE, BULANDSAHAR, UTTAR PRADESH

345. SHRI VIJAYPAL SINGH, HEAD CONSTABLE, SAHARANPUR, UTTAR PRADESH

346. SHRI HARINATH SINGH, HEAD CONSTABLE, MAU, UTTAR PRADESH

347. SHRI TAUFEEK AHMAD, HEAD CONSTABLE, MORADABAD,UTTAR PRADESH

348. SHRI VINAY KUMAR SINGH, HEAD CONSTABLE, SPECIAL ENQUIRY, LUCKNOW, UTTAR PRADESH

349. SHRI RAGHUVEER SAHAI, HEAD CONSTABLE (MT), FIROZABAD, UTTAR PRADESH

350. SHRI SHIV RAM SINGH, HEAD OPERATOR, RADIO HQ LUCKNOW, UTTAR PRADESH

351. SHRI RAVINDRA KUMAR SINHA, HEAD CONSTABLE, BALRAMPUR, UTTAR PRADESH

352. SHRI MADAN PANDEY, HEAD CONSTABLE, SANT KABIR NAGAR,UTTAR PRADESH

353. SHRI HARI KARAN YADAV, HEAD CONSTABLE, GORAKHPUR,UTTAR PRADESH

354. SHRI BRAHMA PRAKASH SHARMA, HEAD CONSTABLE, GAUTAM BUDDHA NAGAR, UTTAR PRADESH

355. SHRI RAM PRATAP SINGH, HEAD CONSTABLE, AMETHI, UTTAR PRADESH

356. SHRI RAJDEO, HEAD CONSTABLE, SIDDHARTH NAGAR, UTTAR PRADESH

357. SHRI MUHAMMAD KHAN, HEAD CONSTABLE, HATHRAS, UTTAR PRADESH

358. SHRI GANESH RAM, HEAD CONSTABLE, CHANDAULI, UTTAR PRADESH

359. SHRI GOPAL RAI, HEAD CONSTABLE, ALLAHABAD, UTTAR PRADESH

360. SHRI SHRIRAM, HEAD CONSTABLE, SAHARANPUR, UTTAR PRADESH

361. SHRI SIBTAIN HAIDER, HEAD OPERATOR, RADIO HQ LUCKNOW, UTTAR PRADESH

362. SHRI RAMESH NARAYAN SINGH, HEAD CONSTABLE, SPECIAL INVESTIGATION TEAM, LUCKNOW, UTTAR PRADESH

363. SHRI DINESH KUMAR PATHAK, HEAD OPERATOR, RADIO HQ LUCKNOW, UTTAR PRADESH

364. SHRI PARMESHWAR DAYAL SUMAN, HEAD CONSTABLE, UNNAO, UTTAR PRADESH

365. SHRI DHAVAL SINGH, HEAD CONSTABLE, PRATAPGARH, UTTAR PRADESH

366. SHRI GIRIRAJ SINGH, HEAD CONSTABLE, MEERUT, UTTAR PRADESH

367. SHRI ASHOK KUMAR SINGH, HEAD CONSTABLE, SULTANPUR, UTTAR PRADESH

368. SHRI SHIV SHANKAR SINGH, HEAD CONSTABLE, MAHARAJGANJ, UTTAR PRADESH

369. SHRI LAL BAHADUR, SUB INSPECTOR, INTELLIGENCE HQ, LUCKNOW, UTTAR PRADESH

370. SHRI MAHAVEER SINGH, HEAD CONSTABLE, KANPUR DEHAT, UTTAR PRADESH

371. SHRI TULSI RAM, HEAD CONSTABLE, SULTANPUR, UTTAR PRADESH

372. SHRI RAM KRISHNA, HEAD CONSTABLE, BIJNOR, UTTAR PRADESH

373. SHRI DEVENDRA KUMAR SARASWAT, HEAD CONSTABLE, AGRA, UTTAR PRADESH

374. SHRI JAI PRAKASH TIWARI, HEAD CONSTABLE, MAHARAJGANJ , UTTAR PRADESH

375. SHRI NIYAZ AHAMAD KHAN, HEAD CONSTABLE, MAHOBA, UTTAR PRADESH

376. SHRI NAND RAM, HEAD CONSTABLE, MORADABAD, UTTAR PRADESH

377. SHRI BHAL CHANDRA YADAV, HEAD CONSTABLE, RAEBARELI, UTTAR PRADESH

378. SHRI BABU RAM, HEAD CONSTABLE, SPECIL INVESTIGATION TEAM, LUCKNOW, UTTAR PRADESH

379. SHRI SATGURU SHARAN TIWARI, HEAD CONSTABLE, 10 BN PAC, BARABANKI, UTTAR PRADESH

380. SHRI SURYA NATH SINGH, HEAD CONSTABLE, 36 BN PAC, VARANASI,UTTAR PRADESH

381. SHRI RAMRAJ, CONSTABLE (DRIVER), MORADABAD, UTTAR PRADESH

382. SHRI MAHANTH MISHRA, CONSTABLE(VIGILANCE), LUCKNOW, UTTAR PRADESH

383. SHRI SURESH CHAND, CONSTABLE, BAGPAT, UTTAR PRADESH

384. SHRI SATISH KUMAR SINGH, SUB INSPECTOR (M), DGP HQ LUCKNOW, UTTAR PRADESH

385. SHRI AZIZ AHAMAD ZAIDI, SUB INSPECTOR (M), DGP HQ LUCKNOW, UTTAR PRADESH

386. SHRI RAM NATH YADAV, ASSISTANT SUB INSPECTOR (M), ACO HQ LUCKNOW, UTTAR PRADESH

387. SHRI VIJAY KUMAR SINGH KARKI, SUPERINTENDENT OF POLICE, VIGILANCE SECTOR, DEHRADUN, UTTARAKHAND

388. SHRI PRATAP SINGH PANGTI, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, CHAMPAWAT UTTARAKHAND

389. SHRI BHUWAN CHANDRA PANDEY, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE , POLICE HEADQUARTER, DEHRADUN, UTTARAKHAND

390. SHRI RAJENDRA SINGH HAYANKI, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, ALMORA UTTARAKHAND

391. SHRI ISHWARI LAL TAMTA, RADIO INSPECTOR, 31BN PAC, RUDRAPUR UTTARAKHAND

392. SHRI JEET SINGH, PC(V), 31BN, RUDRAPUR, UTTARAKHAND

393. SHRI GANESH RAM, HEAD CONSTABLE (DRIVER), POLICE LINE, CHAMPAWAT, UTTARAKHAND

394. SHRI SIB SANKAR DUTTA, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE (SPECIAL), CID, WEST BENGAL.

395. SHRI ASHOK KUMAR PRASAD, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE, IPS CELL, HOWRAH, WEST BENGAL.

396. SHRI ASIT KUMAR PANDE, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, DETECTIVE DEPARTMENT, ASANSOL DURGAPUR POLICE COMMISSIONERATE, WEST BENGAL.

397. SHRI UTPAL KUMAR BHATTACHARYYA, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, EASTERN SUBURBAN DIVISION, KOLKATA, WEST BENGAL.

398. SHRI PARTHA PRATIM MUKHOPADHYAY, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, HEADQUARTERS FORCE, LALBAZAR, KOLKATA, WEST BENGAL.

399. SHRI SATI JIBAN NATH, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, TRAFFIC DEPARTMENT, LALBAZAR, KOLKATA, WEST BENGAL.

400. SHRI SUJIT KUMAR DAS, INSPECTOR, ANTI CORRUPTION UNIT, UTTAR DINAJPUR, STATE VIGILANCE COMMISSION, WEST BENGAL.

401. SHRI TANMAY GHOSH, INSPECTOR, INTELLIGENCE BRANCH, KOLKATA, WEST BENGAL.

402. SHRI AMIT KUMAR NATH, INSPECTOR, TRAFFIC DEPARTMENT, LALBAZAR, KOLKATA, WEST BENGAL.

403. SHRI BARINDER SINGH KABERWAL, INSPECTOR, WIRELESS BRANCH, KOLKATA, WEST BENGAL.

404. SHRI SANTANU SINHA BISWAS, INSPECTOR, CENTRAL DIVISION, KOLKATA, WEST BENGAL.

405. SHRI SUDHINDRA CHANDRA BISWAS, ASSISTANT SUB INSPECTOR (AB), SAP 12 BN, JALPAIGURI, WEST BENGAL.

406. SHRI NIRU KUMAR SAHA, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, INTELLIGENCE BRANCH, KOLKATA, WEST BENGAL

407. SMT TRIPTI ESWARARY, LADY ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, CID, KOLKATA, WEST BENGAL

408. SHRI MAHESH SUBBA, CONSTABLE, SADAR COURT, DARJEELING, WEST BENGAL

409. SHRI AMITAVA CHOUDHURY, CONTABLE, DAP SOUTH, 24 PARGANAS, WEST BENGAL

410. SHRI PRADIP KUMAR GHOSAL, INSPECTOR, JADAVPUR, KOLKATA, WEST BENGAL

411. SHRI MITHILESH KUMAR SHUKLA, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, PTS, PROTHRAPUR, ANDAMAN AND NICOBAR ISLANDS.

412. SHRI BHOLA NATH DUBEY, INSPECTOR, VIGILENCE CELL (PHQ), ANDAMAN AND NICOBAR ISLANDS.

413. SHRI SAMARESH CHANDRA HORE, INSPECTOR (TECH), PR OFFICE, ANDAMAN AND NICOBAR ISLANDS.

414. SHRI RAMANAND MISHRA, SUB INSPECTOR, SAP, POLICE LINE, ANDAMAN AND NICOBAR ISLANDS

415. SMT SITA DEVI, INSPECTOR/ STAFF OFFICER TO IGP, CHANDIGARH

416. SMT KULVIR KAUR, INSPECTOR, WOMEN AND CHILD SUPPORT UNIT, CHANDIGARH.

417. SHRI ANIL GANGADHAR PATIL, HEAD CONSTABLE, PHQ SILVASSA, DADRA AND NAGAR HAVELI

418. SHRI MOHAN LAKHMAN SOLANKI, HEAD CONSTABLE, ESTT. SECTION, PHQ, DAMAN AND DIU

419. SHRI VITHAL SHANTARAM GAONKAR, ASSISTANT SUB INSPECTOR, NANI DAMAN, DAMAN AND DIU.

420. SHRI P. P. VENUGOPALAN NAIR, INSPECTOR (TECHNICAL), POLICE HEADQUARTER, KAVARATTI, LAKSHADWEEP.

421. SHRI P AHAMMED, HEAD CONSTABLE, KILTAN ISLAND, LAKSHADWEEP.

422. SHRI V DEIVASIGAMANI, SUPERINTENDENT OF POLICE (RURAL), PUDUCHERRY.

423. SHRI ERRAGUNTA VENKATESWARA RAO, HEAD CONSTABLE, POLICE TRAINING SCHOOL, GORIMEDU, PUDUCHERRY.

424. SHRI SURENDRA KUMAR R S, DEPUTY COMMANDANT, MEGHALAYA, ASSAM RIFLES.

425. SHRI PRADIP KUMAR BORAH, SUBEDAR MAJOR, MEGHALAYA, ASSAM RIFLES.

426. SHRI SHASHIKANT RAM, SUBEDAR MAJOR(PHARMACIST), SHILLONG, MEGALAYA, ASSAM RIFLES.

427. SHRI DHARAM RAJ GURUNG, SUBEDAR MAJOR, ZUNHEBOTO, NAGALAND, 5 ASSAM RIFLES.

428. SHRI PHURPA DONDUP, SUBEDAR, ZUNHEBOTO, NAGALAND, 5 ASSAM RIFLES.

429. SHRI YASHPAL, WARRANT OFFICER, ZUNHEBOTO, NAGALAND, 5 ASSAM RIFLES.

430. SHRI MOTI THAPA, WARRANT OFFICER, LOKRA, ASSAM, 12 ASSAM RIFLES.

431. SHRI MAN SINGH, SUBEDAR, SERCHIP, MIZORAM, 14 ASSAM RIFLES.

432. SHRI HEM BAHADUR THAPA, SUBEDAR MAJOR, KOHIMA, 19 ASSAM RIFLES.

433. SHRI SURESH CHANDRA BOSE B, DEPUTY COMMANDANT, MANIPUR, 30 ASSAM RIFLES.

434. SHRI TALI NUNGSANG AO, NAIB SUBEDAR, MOKOKCHUNG, NAGALAND, 31 ASSAM RIFLES.

435. SHRI SHIV SINGH RAWAT, SUBEDAR, MULHOICHIN, MANIPUR, 34 ASSAM RIFLES.

436. SHRI BASUDEV SINGHA, JUNIOR COMMISSIONED OFFICER, RADHANAGAR, 45 ASSAM RIFLES.

437. SHRI AMIT LODHA, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, SHQ JAISALMER, RAJASTHAN, BORDER SECURITY FORCE

438. SHRI KARN SINGH RAJAWAT, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, SUBSIDIARY TRAINING CENTER, JODHPUR, RAJASTHAN, BORDER SECURITY FORCE.

439. SHRI MOHAN LAL SOHNA, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, FTR HQ, JALANDHAR, PUNJAB, BORDER SECURITY FORCE

440. SHRI PRATUL GAUTAM, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, SHQ BARMER, RAJASTHAN, BORDER SECURITY FORCE.

441. SHRI RAJESH KUMAR GURUNG, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, SHQ INDRESHWAR NAGAR (J&K), BORDER SECURITY FORCE.

442. SHRI ANGOM SHAMOO SINGH, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, FTR HQ, SOUTH BENGAL, KOLKATA, BORDER SECURITY FORCE.

443. SHRI VINEET KUMAR, COMMANDANT, SHQ BSF, SRINAGAR, J&K, BORDER SECURITY FORCE.

444. SHRI CHARU DHWAJ AGGARWAL, COMMANDANT, PERS DTE, HQ DG BSF, NEW DELHI, BORDER SECURITY FORCE.

445. SHRI BHARAT BHUSHAN SIDHRA, COMMANDANT, 101 BN, COOCH BEHAR (WB), BORDER SECURITY FORCE.

446. SHRI KARNI SINGH SHEKHAWAT, COMMANDANT, SUBSIDIARY TRAINING CENTER, JODHPUR, RAJASTHAN, BORDER SECURITY FORCE.

447. SHRI BARJENDER SINGH, COMMANDANT, 40 BN, KALYANI, NADIA, WEST BENGAL, BORDER SECURITY FORCE.

448. SHRI SUMANDER SINGH DABAS, COMMANDANT, 125 BN, BIASHNABNAGAR, MALDA, WEST BENGAL, BORDER SECURITY FORCE.

449. SHRI UMED SINGH, COMMANDANT, PROVISIONING DIRECTORATE, HQ DG OFFICE, NEW DELHI, BORDER SECURITY FORCE

450. SHRI SATWINDER PAL SINGH, COMMANDANT, 192 BN, R S PURA, JAMMU (J&K), BORDER SECURITY FORCE

451. SHRI VIRESH K SINGH, COMMANDANT, 131 BN, CHILODA ROAD, GANDHINAGAR, GUJARAT, BORDER SECURITY FORCE

452. SHRI SANJAY KUMAR SINGH, COMMANDANT, 33 BN BSF C/O 56 APO, BORDER SECURITY FORCE

453. SHRI PANKAJ KUMAR MISHRA, COMMANDANT, HQ DG BSF, NEW DELHI, BORDER SECURITY FORCE

454. SHRI VIRENDER SINGH, COMMANDANT, SHQ BSF , PALOURA,JAMMU,(J&K), BORDER SECURITY FORCE

455. SHRI ROHITASH KUMAR, COMMANDANT, 107 BN BSF, MAGRA CAMP, BARMER (RAJASTHAN), BORDER SECURITY FORCE

456. DR HAR LAL CHOUDHARY, CHIEF MEDICAL OFFICER, DANIWADA, GUJARAT, BORDER SECURITY FORCE

457. SHRI PARBESH CHAND KATOCH, DEPUTY COMMANDNAT, 38 BN BSF, GURDASPUR, PUNJAB, BORDER SECURITY FORCE

458. SHRI SHIRISH KUMAR BISARIA, DEPUTY COMMANDANT, 49BN, BSF, KOIRENGEI, IMPHAL (MANIPUR), BORDER SECURITY FORCE

459. SHRI SURESH KUMAR THAKUR, DEPUTY COMMANDANT, DHANAKGIRI NEW TURA MEGHALAYA, BORDER SECURITY FORCE

460. SHRI DHARAM SINGH, DEPUTY COMMANDANT, KHASA AMRITSAR, PUNJAB, BORDER SECURITY FORCE

461. SHRI RAMESH SINGH KUSHWAH, DEPUTY COMMANDNAT, 165 BN BSF, MATHURA, UP, BORDER SECURITY FORCE

462. SHRI RAM LAL RAM, DEPUTY COMMANDANT, 121 BN BSF, SHANTI NAGAR (WB), BORDER SECURITY FORCE

463. SHRI SUSHIL KUMAR PANDEY, DEPUTY COMMANDANT, SECTOR HQ BSF, KORAPUT, (ODISHA), BORDER SECURITY FORCE

464. SHRI RAKESH KUMAR SHRIVASTAVA, DEPUTY COMMANDANT (WORKS), HQ DG BSF, NEW DELHI, BORDER SECURITY FORCE

465. SHRI VIRENDER PAL, ASSISTANT COMMANDANT, 47 BN BSF, BAGMA, TRIPURA, BORDER SECURITY FORCE

466. SHRI SURENDRA SINGH MANRAL, ASSISTANT COMMANDANT, TIGRI CAMP, NEW DELHI, BORDER SECURITY FORCE

467. SHRI BRIJPAL SINGH, ASSISTANT COMMANDANT, FTR HQ, JALANDHAR, PUNJAB, BORDER SECURITY FORCE

468. SHRI GOVIND BALLABH JOSHI, ASSISTANT COMMANDANT (MINISTRIAL), DIG (HQ), FHQ R K PURAM, NEW DELHI, BORDER SECURITY FORCE

469. SHRI SHAMBHU SHARAN PANDEY, INSPECTOR (GD), 58 BN, RADHABARI (WB) , BORDER SECURITY FORCE

470. SHRI REWANT RAM CHOUDHARY, INSPECTOR(GD), STC, SRINAGAR (J&K), BORDER SECURITY FORCE

471. SHRI ARJUN SINGH, INSPECTOR (GD), GENERAL DIRECTORATE, FHQ, NEW DELHI, BORDER SECURITY FORCE

472. SHRI BISHUDHA NAND MISHRA, INSPECTOR (GD), HQ NORTH BENGAL FTR, KADAMTALA,(WB), BORDER SECURITY FORCE

473. SHRI SUKHDEV SINGH, INSPECTOR, SECTOR HQ, GURDASPUR, BORDER SECURITY FORCE

474. SHRI RAJENDER SINGH, INSPECTOR, 16 BN, HUMHAMA, KASHMIR, BORDER SECURITY FORCE

475. SHRI RAM NARESH PAL, INSPECTOR (GD), 192 BN C/O 56 APO, BORDER SECURITY FORCE

476. SHRI DEVNATH DUBEY, INSPECTOR (GD), 104 BN, RANINAGAR, JALPAIGURI (WB), BORDER SECURITY FORCE

477. SHRI BALBIR SINGH, INSPECTOR(GD), 133 BN, MAIZDHI CAMP, KARIMGANJ (ASSAM), BORDER SECURITY FORCE

478. SHRI KAMESHWAR SINGH, INSPECTOR (MINISTRIAL), BAIKUNTHPUR, JALPAIGURI (WB), BORDER SECURITY FORCE

479. SHRI SHRI CHAND KHARWAL, INSPECTOR (COMMUNICATION), 75 BN BSF, DAKHSIN DINAJPUR (WB), BORDER SECURITY FORCE

480. SHRI PRAMOD KUMAR PANDEY, INSPECTOR (COMMUNICATION), FTR HQ, CAHCHHAR (ASSAM), BORDER SECURITY FORCE

481. SHRI TALIB HUSSAIN, SUB INSPECTOR, 16 BN, HUMHAMA(J&K), BORDER SECURITY FORCE

482. SHRI CHARANJIT SINGH CHIB, SUB INSPECTOR, 32 BN, HISSAR(HARYANA), BORDER SECURITY FORCE

483. SHRI RANJAN GAYAN, CONSTABLE (WATER CARRIER), 95BN, GANDHIDHAM, GUJARAT, BORDER SECURITY FORCE

484. SHRI TIRATH RAM, CONSTABLE (BARBER), 54 BN, C C PUR (MANIPUR), BORDER SECURITY FORCE

485. SHRI RAJENDRA SINGH, CONSTABLE (SWEEPER), 130BN, ROSHANBAGH, MURSHIDABAD (WB), BORDER SECURITY FORCE

486. SHRI DILBAGH SINGH, INSPECTOR GENERAL(SENIOR CAPTAIN) AIR WING FHQ, NEW DELHI, BORDER SECURITY FORCE

487. SHRI RAJKUMAR MARUTI VHATKAR, DEPUTY INSPECTOE GENERAL, ACB MUMBAI, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

488. MS DEEPIKA SURI, DEPUTY DIRECTOR, CBI HQ, NEW DELHI, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

489. SHRI GHANSHYAM UPADHYAY, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, SU NEW DELHI, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

490. SHRI GAJANAND BAIRWA, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, ACB NEW DELHI, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

491. SHRI VIPIN KUMAR VERMA, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, AC II NEW DELHI, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

492. SHRI JAGDISH, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, ACB CHANDIGARH, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

493. SHRI AYYADURAI LAZARAS, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, SU CHENNAI, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

494. SHRI RAM AVTAR YADAV, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, ACB NEW DELHI, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

495. SHRI SATISH KUMAR RATHI, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, ACB BHOPAL, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

496. SHRI ANIL KUMAR YADAV, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, ACB BHOPAL, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

497. SHRI SANJAY KUMAR SINHA, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, ACB DELHI, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

498. SHRI RAJIV KUMAR, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, ACB PUNE, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

499. SHRI RUTHIRAPATHY VALAVAN, INSPECTOR, MDMA CHENNAI, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

500. SHRI SURENDER KUMAR ROHILLA, INSPECTOR OF POLICE, SC I, NEW DELHI, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

501. SHRI SHAILENDER SINGH MAYAL, INSPECTOR OF POLICE, ACU-V NEW DELHI, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

502. SHRI VISHAL, INSPECTOR OF POLICE, SC-I NEW DELHI, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

503. SHRI O N RAJENDRAN, SUB INSPECTOR, SCB THIRUVANANTHAPURAM, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

504. SHRI BIRBAL, HEAD CONSTABLE, STF NEW DELHI, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

505. SHRI RAMESH CHAND DHYANI, HEAD CONSTABLE, ACB GUWAHATI, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

506. SHRI S P SPARJAN, CONSTABLE, ACB CHENNAI, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

507. SHRI RAMESH CHANDRA, CONSTABLE, ACB NEW DELHI, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

508. SHRI MOTI LAL SHARMA, OFFICE SUPERINTENDENT, CBI HQ NEW DELHI, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

509. SHRI RAM KUMAR, PRIVATE SECRETARY, CBI HQ, NEW DELHI, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

510. SMT. JYOTI SINHA, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, AIRPORT NORTH ZONE HQR, NEW DWLHI, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

511. SHRI SANJAY KUMAR, SENIOR COMMANDANT, CISF UNIT ONGC, MUMBAI, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

512. SHRI PRABODH CHANDRA, ASSISTANT INSPECTOR GENERAL (TRAINING), FHQ, NEW DELHI, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

513. SHRI MAMUN UR RASHID, SENIOR COMMANDANT, KRTC MUNDALI, ODISHA, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

514. SHRI AJAY DAHIYA, SENIOR COMMANDANT, AHMEDABAD AIRPORT, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

515. SHRI MILIND RAJARAM BHALE, COMMANDANT, HP-BPCL, MUMBAI, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

516. SHRI TRIBHUWAN SINGH RAWAT, DEPUTY COMMANDANT, CPS II, CHAMBA(HP), CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

517. SHRI KESHAR SINGH BISHT, ASSISTANT COMMANDANT (PERS-II), FHQ, NEW DELHI, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

518. SHRI G RAVI VARMA, INSPECTOR, SS HQ, CHENNAI, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

519. SHRI BALBIR SINGH, INSPECTOR (MINISTERIAL), RTC DEOLI, TONK, RAJASTHAN, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

520. SHRI BIRENDRA NATH DAS, INSPECTOR (STENO), RSP ROURKELA, ODISHA, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

521. SHRI RAJEEVAN KOLLON, INSPECTOR (STENO), WESTERN SECTOR HQRS, NAVI MUMBAI, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

522. SHRI KRISHAN KUMAR, INSPECTOR (STENO), FHQ, NEW DELHI, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

523. SHRI JOGINDER SINGH, SUB INSPECTOR, CISF, DELHI METRO RAIL DELHI, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

524. SHRI SUDERSHAN KUMAR, SUB INSPECTOR, CISF UNIT, DMRC DELHI, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

525. SHRI PACHEERI UNNIKRISHNAN, SUB INSPECTOR, FHQ, NEW DELHI, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

526. SHRI FRANCIS MARIAN, SUB INSPECTOR(MINISTRIAL), FHQ, NEW DELHI, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

527. SHRI P KUPPUSWAMY, ASSISTANT SUB INSPECTOR (EXECUTIVE), ISAC, BANGALORE, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

528. SHRI R BALASUBRAMANI, HEAD CONSTABLE, RTC, ARAKKONAM, TAMILNADU, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

529. SHRI K VIJAYA KUMAR, HEAD CONSTABLE, RES BN, SIVGANGAI, KARAIKUDI, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

530. SHRI RAJMAL THAKUR, HEAD CONSTABLE, SCCL SINGARENI, ADHILABAD, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

531. SHRI KHUSHURAJ SINGH HADA, HEAD CONSTABLE, DMRC, DELHI, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

532. SHRI YOUDHBIR SINGH, HEAD CONSTABLE, CISF 6 RESERVE BATTALION, DEOLI, TONK, RAJASTHAN, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

533. SHRI K MUTHU, HEAD CONSTABLE, DAE KALPAKKAM, TAMILNADU, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

534. SHRI G VENU, HEAD CONSTABLE, VALIAMALA, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

535. SHRI P V R BABU, HEAD CONSTABLE, CISF UNIT, BIOM, KIRANDUL, DANTEWADA, CHHATTISGARH, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

536. SHRI NAND KISHORE, CONSTABLE (BARBER), CISF, RTC DEOLI, TONK, RAJASTHAN, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

537. SHRI SANATAN NAYAK, CONSTABLE (COOK), CISF UNIT, BCCL DHANBAD, JHARKHAND, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

538. SHRI RAJESH DHAKARWAL, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, GANDHI NAGAR RANGE, GUJARAT, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

539. SHRI VISHAN SWAROOP SHARMA, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, LUCKNOW RANGE, UP, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

540. SHRI HARJINDER SINGH, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, GUWAHATI RANGE, ASSAM, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

541. SHRI PRAVEEN KUMAR CHANDRAKANT GHAG, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, GROUP CENTRE, YELAHANKA, BANGALORE, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

542. SHRI AMIT TANEJA, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, KOHIMA, NAGALAND, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

543. SHRI SANJAY KUMAR, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, GROUP CENTRE, RAIPUR CHHATISGARH, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

544. SHRI MAHESH CHANDRA LADDHA, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, SOUTHERN SECTOR, HYDERABAD(AP), CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

545. DR BINOY KUMAR SINGH, DEPUTY INSPECTOR GENERAL (MEDICAL), COMPOSITE HOSPITAL, GANDHI NAGAR, GUJARAT, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

546. DR BASUDEV UKIL, CHIEF MEDICAL OFFICER, COMPOSITE HOSPITAL, JHARODA KALAN, NEW DELHI, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

547. DR(SMT) SUSHMA SHARMA, CHIEF MEDICAL OFFICER, COMPOSITE HOSPITAL, RAMPUR(UP), CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

548. SHRI MAHENDER SINGH DHILLON, COMMANDANT, 194 BN, BAWANA, DELHI, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

549. SHRI MANMOHAN SINGH, SECOND IN COMMAND, 156 BN, DHALIGAON, ASSAM, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

550. SHRI ARVIND KUMAR SINGH, SECOND IN COMMAND, BARAMULLA, J&K, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

551. SHRI B S RAWAT, SECOND IN COMMAND, ANDHERIA MORE, NEW DELHI, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

552. SHRI NAGARMAL KUMAWAT, SECOND IN COMMAND, 117 BN, SRINAGAR(J&K), CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

553. SHRI PRAVEEN KUMAR SHARMA, SECOND IN COMMAND, 43 BN, BUDGAM, J&K, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

554. SHRI FAROOQ AHMED, DEPUTY COMMANDANT, 75 BN, SRINAGAR, J&K, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

555. SHRI ASHOK SANTWANI, DEPUTY COMMANDANT, 126 BN, JAMMU, J&K, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

556. SHRI DALJIT SINGH, DEPUTY COMMANDANT, 54 BN, SRINAGAR (J&K), CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

557. SHRI BASANT BALLABH JOSHI, DEPUTY COMMANDANT, 157 BN, ADITYAPUR, JHARKHAND, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

558. SHRI VINOD KUMAR PATHAK, DEPUTY COMMANDANT, 148 BN, SAHUPURI, CHANDAULI (UP), CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

559. SHRI RAM LAL MEENA, DEPUTY COMMANDANT, 50 BN, WEST MIDNAPUR (WB), CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

560. SHRI DIN DAYAL PANDEY, DEPUTY COMMANDANT, GROUP CENTRE, SONEPAT, HARYANA, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

561. SHRI G ANANDAN, ASSISTANT COMMANDANT, CTC, DHURWA, RANCHI, JHARKHAND, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

562. SHRI DABAL SINGH RAWAT, INSPECTOR (GD), CTC, GWALIOR, MP, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

563. SHRI RAMANUJ SINGH, INSPECTOR (GD), MOKAMAGHAT, BIHAR, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

564. SHRI KAILASH YADAV, INSPECTOR (GD), AMETHI (UP), CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

565. SHRI P. RAM KUMAR, INSPECTOR (GD), GROUP CENTRE, YELAHANKA, BANGALORE, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

566. SHRI BALWAN SINGH, INSPECTOR (GD), 154 BN, DHANBAD, JHARKHAND, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

567. SHRI SANTOSH KUMAR, SUB INSPECTOR(GD), BHUBNESHWAR, ODISHA, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

568. SHRI A.R. ALBERT, SUB INSPECTOR (GD), AGARTALA, TRIPURA, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

569. SHRI VIJAY PAL SINGH, SUB INSPECTOR (GD), 45 BN, BANDIPORA, J&K, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

570. SHRI LAKHPAT KHAN, SUB INSPECTOR(GD), 89 BN, BAWANA, DELHI, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

571. SHRI BANE SINGH YADAV, SUB INSPECTOR (GD), 173 BN, DIMAPUR NAGALAND, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

572. SHRI SHANKAR KUMAR JHA, SUB INSPECTOR (GD), RAJGIR, NALANDA, BIHAR, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

573. SHRI RAM AVTAR, ASSISTANT SUB INSPECTOR(GD), 89 BN, BAWANA, DELHI, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

574. SHRI KRISHN MURARI PRASAD, ASSISTANT SUB INSPECTOR(GD), DHURWA, RANCHI JHARKHAND, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

575. SHRI RATAN LAL, ASSISTANT SUB INSPECTOR(GD), BARSOOR, DANTEWADA, CHHATISGARH, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

576. SHRI PRADEEP KUMAR THADIKKADAVAN, ASSISTANT SUB INSPECTOR(GD), GADCHIROLI, MAHARASHTRA, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

577. SHRI SHESHNATH SINGH, HEAD CONSTABLE (GD), NARAYANPUR, CHHATISGARH, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

578. SHRI GANESH CHANDRA HIRA, HEAD CONSTABLE (GD), BIJAPUR, CHHATISGARH, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

579. SHRI RAVENDRA SINGH, HEAD CONSTABLE (GD), NOONMATI, GUWAHATI, ASSAM, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

580. SHRI MOHD AGHA MIYAN, CONSTABLE (GD), RANGAREDDY, TELANGANA, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

581. SHRI JAIBIR SINGH, INSPECTOR (TECH), JHARODA KALAN, NEW DELHI, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

582. SHRI SHIV DAYAL MISHRA, INSPECTOR (ARMR), RAMPUR (UP), CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

583. SHRI DAMBAR BAHADUR, SUB INSPECTOR(BAND), MUZAFFARPUR, BIHAR, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

584. SHRI BISHU SUTRADHAR, HEAD CONSTALE (CARPENTER), AGARTALA, TRIPURA, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

585. SHRI DIWAN SINGH MEHTA, SUB INSPECTOR (MM), JAGDALPUR, BASTAR, CHHATTISGARH, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

586. SHRI SAWONTEY TUDU, HEAD CONSTABLE (DVR), SRINAGAR(J&K), CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

587. SHRI SEIKH KAMIL, HEAD CONSTABLE(TAILOR), MUZAFFARPUR, BIHAR, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

588. SHRI GOPAL SEN, CONSTABLE (BARBER), 33 BN, JAMMU (J&K), CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

589. SHRI ACCHE LAL RAM, CONSTABLE (COOK), 89 BN, BAWANA, DELHI, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

590. SHRI BHOOP SINGH, CONSTABLE (MOCHI), CRPF ACADEMY, KADARPUR, GURGAON, HARYANA, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

591. SHRI PHULENDER RAM, CONSTABLE(SAFAIKARAMCHARI), DALTONGANJ, JHARKHAND, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

592. SHRI RAMKEWAL, CONSTABLE (WATER CARREAR), JORHAT, ASSAM, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

593. SHRI SURAJ MAL, CONSTABLE (WASHERMAN), ALLAHABAD (UP), CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

594. SHRI A KALAIMANI, LAB TECHNICIAN, COMPOSITE HOSPITAL, CHENNAI (TN), CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

595. MS MIRA PURTY KUNDU, SISTER-IN-CHARGE, COMPOSITE HOSPITAL, DHURWA, RANCHI, JHARKHAND, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

596. SHRI RAJENDR PRASAD, ASSISTANT COMMANDANT (MIN), FHQ, NEW DELHI, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

597. SHRI MOHINDER SINGH, ASSISTANT COMMANDANT, FHQ, NEW DELHI, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

598. SHRI RAMESH KUMAR, ASSISTANT COMMANDANT (MIN), JAMMU, J&K, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

599. MS SANJU LATA PANDA, SUB INSPECTOR (GD) MAHILA, GROUP CENTRE, BHUBNESHWAR, ODISHA, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

600. SHRI ASHOK KUMAR NATH, DEPUTY COMMANDANT, JHARODA KALAN, NEW DELHI, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

601. SHRI SAMIR SADANAND ILME, DEPUTY DIRECTOR, IB HQRS, NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

602. MS SATYAPRIYA SINGH, DEPUTY DIRECTOR, SIB DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

603. SHRI RUPINDER SINGH, DEPUTY DIRECTOR, IB HQRS, NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

604. SHRI BIDHU SHEKHAR, DEPUTY DIRECTOR, IB, RANCHI, JHARKHAND, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

605. SHRI RAMESH CHANDRA SEMWAL, JOINT DEPUTY DIRECTOR(TECH), IB HQRS, NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

606. SHRI SHAMBHOO NARAYAN CHAUDHARY, ASSISTANT DIRECTOR, IB HQRS, NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

607. SHRI OM PRAKASH SRIVASTAVA, ASSISTANT DIRECTOR, IB HQRS, NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

608. SHRI SUDHIR CHANDRA ROHIDAS, ASSISTANT DIRECTOR, SIB, BOKARO, JHARKHAND, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

609. SHRI CHIVUKULA SREE RAMACHANDRA MOORTHY, ASSISTANT DIRECTOR, SIB, VIJAYAWADA, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

610. SHRI ARVIND KUMAR HAREENDRANATHAN NAIR, ASSISTANT DIRETOR, IB, PANAJI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

611. SHRI ADYA PRASAD PANDEY, ASSISTANT DIRECTOR, IB HQRS, NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

612. SHRI SASHISH KUMAR MISRA, ASSISTANT DIRECTOR, IB HQRS, NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

613. SHRI SUNIL KUMAR JHA, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER, IB HQRS, NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

614. SHRI SUBHASHISH MAITI, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER, MUNGER, BIHAR, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

615. SHRI SUDESH CHANDRAKANT SAWANT, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER, NASIK, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

616. SHRI RAJESH KUMAR, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER, SRINAGAR (J&K), MINISTRY OF HOME AFFAIRS

617. SHRI JAGA NATH UPADHYAY, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER, GUWAHATI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

618. SHRI JAMAL AHMAD KHAN, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER, IB HQRS, NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

619. SHRI AJAY SINGH TANWAR, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER, JODHPUR, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

620. SHRI NIRMAL CHANDRA BLAHATIA, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER, IB HQRS, NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

621. SHRI GIRDHAR SWAROOP RAO, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER, BHARUCH, GUJRAT, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

622. SHRI MUKTI KANTA NAYAK, SECTION OFFICER, IB HQRS, NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

623. SHRI GOPALKRISHNAN MURALI, PRIVATE SECRETARY, IB HQRS, NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

624. SHRI DEBESH DEY, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-II/G, SHILLONG, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

625. SHRI RAMAN DEBBARMA, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-II/G, AGARTALA, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

626. SHRI YESUPATHAM PAUL JAYAKUMAR, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-II/WT, CHENNAI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

627. DR NAVEEN RAM, INSPECTOR GENERAL (MEDICAL), REFERRAL HOSPITAL, TIGRI CAMP, NEW DELHI, INDO TIBETAN BORDER POLICE

628. SHRI OM PRAKASH YADAV, DEPUTY INSPRCTOR GENERAL, FHQ, NEW DELHI, INDO TIBETAN BORDER POLICE

629. SHRI VIJAY KUMAR SINGH, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, FHQ, NEW DELHI, INDO TIBETAN BORDER POLICE

630. SHRI AWANISH, COMMANDANT, FHQ, NEW DELHI, INDO TIBETAN BORDER POLICE

631. SHRI SANJAY KOTHARI, COMMANDANT, SABOLI CAMP, SONEPAT, HARYANA, INDO TIBETAN BORDER POLICE

632. SHRI BALBIR SINGH, DEPUTY COMMANDANT, FHQ, NEW DELHI, INDO TIBETAN BORDER POLICE

633. SHRI TAPAN KUMAR, SUBEDAR MAJOR, BTC BHANU, PANCHKULA, HARYANA, INDO TIBETAN BORDER POLICE

634. SHRI BALAM RAM, INSPECTOR (GD), 29 BN, JABALPUR(MP), INDO TIBETAN BORDER POLICE

635. SHRI RAJ KUMAR, INSPECTOR (GD), 31 BN, PAPUMPARE, ARUNACHAL PRADESH, INDO TIBETAN BORDER POLICE

636. SHRI JOT SINGH, INSPECTOR (GD), JOSHIMATH, UTTARAKHAND, INDO TIBETAN BORDER POLICE

637. SHRI T D SURESH KUMAR, INSPECTOR (TELECOM), 27BN, ALAPUZHA, KERALA, INDO TIBETAN BORDER POLICE

638. SMT. SHAKUNTALA GUPTA, INSPECTOR (ESC), BTC BHANU, PANCHKULA, HARYANA, INDO TIBETAN BORDER POLICE

639. SHRI JASPAL SINGH RAWAT, SUB INSPECTOR(GD), FHQ, NEW DELHI, INDO TIBETAN BORDER POLICE

640. SHRI RAJENDER SINGH RAWAT, SUB INSPECTOR (ARMR), 46 BN, RAEBARELI (UP), INDO TIBETAN BORDER POLICE

641. SHRI VIKASH MOHAN SINGH, GROUP COMMANDER, FHQ, PALAM, NEW DELHI, NATIONAL SECURITY GUARD

642. SHRI DHARMENDRA NARAIN LAL, GROUP COMMANDER, FHQ, PALAM, NEW DELHI, NATIONAL SECURITY GUARD

643. SHRI SHALENDRA PRASAD BALUNI, TEAM COMMANDER, FHQ, PALAM, NEW DELHI, NATIONAL SECURITY GUARD

644. SHRI TARSEM LAL DADWAL, ASSISTANT COMMANDER- I (MIN), FHQ, PALAM, NEW DELHI, NATIONAL SECURITY GUARD

645. SHRI BHOPAL SINGH MEHTA, ASSISTANT COMMANDER- I(PA), FHQ, PALAM, NEW DELHI, NATIONAL SECURITY GUARD

646. SHRI NARENDER SINGH PATHANIA, ASSISTANT COMMANDER-II (MIN), FHQ, PALAM, NEW DELHI, NATIONAL SECURITY GUARD

647. SHRI BALRAM SINGH JASWAL, COMMANDANT, 24BN, NANDINI NAGAR, CHHATISGARH, SASHASTRA SEEMA BAL

648. SHRI MANMOHAN SINGH, COMMANDANT, 25BN, GHITORNO, DELHI, SASHASTRA SEEMA BAL

649. SHRI RAJPAL SINGH, COMMANDANT, 31BN, KOKRAJHAR, ASSAM, SASHASTRA SEEMA BAL

650. SHRI PREMA DAS, ASSISTANT COMMANDANT, 41BN, SASHASTRA SEEMA BAL

651. SHRI NIRON DEKA, ASSISTANT COMMANDANT (GD), RANGRETH (J&K), SASHASTRA SEEMA BAL

652. SHRI RIGZIN OTZEAR, ASSISTANT COMMANDANT (MIN), FHQ, DELHI, SASHASTRA SEEMA BAL

653. SHRI GIAN CHAND, JOINT AREA ORGANISER, LOHAGHAT, UTTRAKHAND, SASHASTRA SEEMA BAL

654. SHRI SUSHANTA MOY DAS, SUB AREA ORGANISER, BONGAIGAON, ASSAM, SASHASTRA SEEMA BAL

655. SHRI PRAMOD KUMAR PANDE, SECTION OFFICER, FHQ, DELHI, SASHASTRA SEEMA BAL

656. SMT. VIJAYALAKSHMI P S, ASSISTANT, FHQ, SASHASTRA SEEMA BAL

657. SHRI RAMANANDA DUTTA, INSPECTOR (MIN), BONGAIGAON, ASSAM, SASHASTRA SEEMA BAL

658. SHRI KRISHNA NAND BAHUGUNA, DEPUTY FIELD OFFICER (ARMR), SSB ACADEMY SRINAGAR, GARHWAL, UTTARAKHAND, SASHASTRA SEEMA BAL

659. SHRI MADAN LAL, ASSISTANT FIELD OFFICER (VETY), FHQ, DELHI, SASHASTRA SEEMA BAL

660. SHRI KIRAT RAM KHACHI, ASSISTANT FIELD OFFICER (MEDIC), SRINAGAR, J&K, SASHASTRA SEEMA BAL

661. SHRI INDRESH KUMAR YADAV, SSO, SPG HQR, NEW DELHI, SPECIAL PROTECTION GROUP

662. SHRI K K V REDDY, SO-I (M), SPG HQR, NEW DELHI, SPECIAL PROTECTION GROUP

663. SHRI ATUL SHARMA, SO-I (M), SPG HQR, NEW DELHI, SPECIAL PROTECTION GROUP

664. SHRI JOSE P, SSA, SPG HQR, NEW DELHI, SPECIAL PROTECTION GROUP

665. SHRI SAMIR BAIDYA, SSA (MT), SPG HQR, NEW DELHI, SPECIAL PROTECTION GROUP

666. SHRI MOHANAN P, SSA (MT), SPG HQR, NEW DELHI, SPECIAL PROTECTION GROUP

667. SHRI LALU LAMA, HC (MT), UMSAW, MEGHALAYA, NORTH EASTERN POLICE ACADEMY

668. SHRI SULTAN AHMAD, SUPERINTENDENT OF POLICE, DELHI, BUREAU OF POLICE RESEARCH AND DEVELOPMENT

669. SHRI NITISH KUMAR BANERJEE, SECTION OFFICER, DELHI, BUREAU OF POLICE RESEARCH AND DEVELOPMENT

670. SHRI GAGANDEEP SINGH, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, CDTS, CHANDIGARH, BUREAU OF POLICE RESEARCH AND DEVELOPMENT

671. SHRI P V GIRIVASAN, INTENLLIGENCE OFFICER, NCB HQ, NEW DELHI, NORCOTICS CONTROL BUREAU

672. SMT. KAMINI SHAW, ASSISTANT DIRECTOR, NEW DELHI, NATIONAL CRIME RECORDS BUREAU

673. SHRI PAWAN BHARDWAJ, JOINT ASSISTANT DIRECTOR, NEW DELHI, NATIONAL CRIME RECORDS BUREAU

674. SHRI KAVILADHIKARAKUNNATHU PUTHENVEETIL UDAYSHANKAR, JUNIOR STAFF OFFICER, NEW DELHI, NATIONAL CRIME RECORDS BUREAU

675. SHRI DINESH CHANDRA PANDEY, DATA PROCESSING ASSISTANT, NEW DELHI, NATIONAL CRIME RECORDS BUREAU

676. SMT. DEEPA PANDE, ADMINISTRATIVE OFFICER, DELHI, LNJN NICFS

677. SHRI RAVI SINGH, INSPECTOR, NEW DELHI, NATIONAL HUMAN RIGHTS COMMISSION

678. SHRI NITISH KUMAR, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, NIA HQ, NEW DELHI, NATIONAL INVESTIGATION AGENCY

679. SHRI AJAY KUMAR CHATURVEDI, INSPECTOR, NIA BRANCH OFFICE, LUCKNOW, NATIONAL INVESTIGATION AGENCY

680. SHRI SYED MUSLIM RAZA RIZVI, INSPECTOR, NIA BRANCH OFFICE, LUCKNOW, NATIONAL INVESTIGATION AGENCY

681. SHRI KRISHNA CHANDRA MISHRA, ASSISTANT SUB INSPECTOR, NIA BRANCH OFFICE, LUCKNOW, NATIONAL INVESTIGATION AGENCY

682. SHRI DINESH PRATAP SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, NIA BRANCH OFFICE, LUCKNOW, NATIONAL INVESTIGATION AGENCY

683. SHRI VIJAY JAGANNATH DHOKE, HEAD CONSTABLE, NIA BRANCH OFFICE, MUMBAI, NATIONAL INVESTIGATION AGENCY

684. SHRI ANNA JALINDAR TAMBE, HEAD CONSTABLE, 5 BN, PUNE, MAHASHTRA, NATIONAL DISASTER RESPONSE FORCE

685. SHRI KHEM BAHADUR GURUNG, HC(DVR), 1 BN, GUWAHATI, ASSAM, NATIONAL DISASTER RESPONSE FORCE

686. SHRI HARI KISHORE KUSUMAKAR, DEPUTY DIRECTOR, HYDERABAD, SVP NPA

687. SHRI GODUGULURI SRINIVASA RAO, DEPUTY DIRECTOR, HYDERABAD, SVP NPA

688. SHRI VIPUL KUMAR, ASSISTANT DIRECTOR, HYDERABAD, SVP NPA

689. SHRI EERNI SRINIVASA RAO, INSPECTOR (STENO), HYDERABAD, SVP NPA

690. SHRI RAJESH KUMAR, INSPECTOR, HYDERABAD, SVP NPA

691. SHRI PENUKONDA SURESH KUMAR, SUB INSPECTOR, HYDERABAD, SVP NPA

692. SHRI BUDHI NATH SHARMA, SUB INSPECTOR, SVP NPA, SVP NPA

693. SHRI KULWANT SINGH, SUB INSPECTOR, HYDERABAD, SVP NPA

694. SHRI CHALLA BHASKAR REDDY, HEAD CONSTABLE, HYDERABAD, SVP NPA

695. SHRI SAJI KUMAR S, CONSTABLE, HYDERABAD, SVP NPA

696. SHRI DEEPAK KUMAR KEDIA, DIRECTOR(LWEO-II), NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

697. SHRI ADITYA AWASTHI, ASSISTANT VIGILANCE OFFICER, IRCTC, NEW DELHI, M/O RAILWAYS

698. SHRI SUNIL KUMAR GUPTA, INSPECTOR, KANPUR CENTRAL, M/O RAILWAYS

699. SHRI DEEPAK SINGH CHAUHAN, INSPECTOR, GORAKHPUR, M/O RAILWAYS

700. SHRI SATYA PRAKASH SHARMA, SUB INSPECTOR, RPSF, MLY, M/O RAILWAYS

701. SHRI SHAIKH SHABBIR AHMAD, SUB INSPECTOR, CSC OFFICE, MUMBAI, M/O RAILWAYS

702. SHRI TAPAS KUMAR CHATTERJEE, SUB INSPECTOR (MIN), RPSF, DHANBAD, M/O RAILWAYS

703. SHRI PREM CHAND SHARMA, SUB INSPECTOR (CRIME CELL) BILASPUR, M/O RAILWAYS

704. SHRI M JAYARAMAN, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CHENNAI, M/O RAILWAYS

705. SHRI RAJ PAL MEENA, ASSISTANT SUB INSPECTOR, RAIL BHAWAN, M/O RAILWAYS

706. SHRI KAMLESH KUMAR GAUTAM, ASSISTANT SUB INSPECTOR (ARMOURER), CSC OFFICE, JABALPUR, M/O RAILWAYS

707. SHRI MOHAMMAD AHMAD, HEAD CONSTABLE, NCR HQ, ALLAHABAD, M/O RAILWAYS

708. SHRI HARI SHANKER JHA, HEAD CONSTABLE, RPF ACADEMY, LUCKNOW, M/O RAILWAYS

709. SHRI SANDIP KUMAR SAHA, HEAD CONSTABLE, NARKELDANGA, CARSHED POST, M/O RAILWAYS

710. SHRI MAKBUL HOSSAIN, CONSTABLE, MALDA, M/O RAILWAYS

711. SHRI PRADEEP MUKHOPADHYAY, CONSTABLE, MALDA, M/O RAILWAYS

712. SHRI M SRINIVASA RAO, TAILOR- MCM, RPSF TPJ, M/O RAILWAYS

2. These awards are made under rule 4(ii) of the rule governing the grant of Police Medal for Meritorious Service.

SURESH YADAV
OSD to the President

New Delhi, the 1st July, 2015

No. 43-Pres/2015—The President is pleased to award the President's Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Andhra Pradesh Police:-

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

1. Ch. Ram Prasad,
Junior Commando

2. M. Ram Babu,
Junior Commando

3. K. Purushotham
Junior Commando

4. R Ramesh,
Junior Commando

5. M. Raju,
Junior Commando

6. S. Ravi,
Senior Commando

7. V. Babu Singh,
Senior Commando

8. B Vinayaka Rao,
Reserve Sub Inspector

9. T Sreenu,
Reserve Sub Inspector

10. T Suresh,
Sub Inspector

11. B Shankaraiah,
Reserve Inspector

12. P. Balakrishna ,
Junior Commando

13. M Rosaiah,
Reserve Sub Inspector

14. S. Hari Prasad,
Reserve Sub Inspector

Statement of service for which the decoration has been awarded

On credible information about large-scale movement of Maoists in formation of companies and battalions near AP—Chhattisgarh border, 5 Assault Units of Grey Hounds were deployed along with a SI of police, Yerrupalem PS, Khammam Dist. The Assault Units had to trek through inhospitable terrain for 40 KMs in the night amidst thick jungle ridden with land mines and infested with armed militia. The area is adjacent to Chintalnaar, where 76 CRPF personnel were killed by Maoists in the year 2010.

On 16.4.2013, when the Assault Units entered into the core area, the enemy in a 'Coy' strength sighted police party and opened fire indiscriminately with automatic rifles, blasting IEDs. Instead of taking lying position to fire, the unit members daringly charged towards the enemy ignoring the volley of fire and killed (9) top Maoists cadre including one State Committee Member, two District Committee Secretaries, two Area Committee Members and injured many more besides recovering 13 weapons including 4- INSAS and 4-SLRs, putting their lives to imminent danger with rare degree of courage and commitment beyond the call of duty.

The next day, the Assault Units were evacuated by Helicopter from Bhattiguda village which is 8 KM west of the scene of exchange of fire. The naxals numbering about 60-70 fired on the helicopter which was on the last sortie to pick up (19) Commandoes. The nominees from 1 to 10 along with 4 others boarded the helicopter, whereas the (5) nominees from Srl. No. 11. to 14 alongwith Reserve Inspector Late Sri Prasad Babu took positions and retaliated the firing and held the naxals at bay and facilitated the other Commandoes to board. However, the Pilot of the Copter took off without any forewarning thereby leaving behind (5) Commandoes in the thick forest. The naxals chased and encircled the nominees and began to fire on them. However, the nominees fought back with grit and determination. In this hopelessly unequal battle, the Reserve Inspector Prasad Babu fell prey to the bullets of the enemy, but others managed to contain the enemy onslaught daringly, and trekked about 40 kms through the forest area to reach A.P. border.

Following are the brief action taken by each of the nominees:-

SI No.	Name of the Nominee	Qualitative Contribution
I	B.Vinayaka Rao,	Charged at 2 Maoists daringly for 1 KM& neutralized 1 male Maoist & recovered.303 Rifle-1 facing a volley of bullets.
II	T.Srinu,	Led a sub-group and opened fire neutralizing 1 female Maoist & recovered .303 Rifle-1 facing a volley of bullets in spite of being in disadvantageous position.
III	S.Ravi, SC	Along with another Commando daringly opened fire& neutralized 2 female Maoists & recovered INSAS-1 and .303 Rifle-I
IV	V.Babu Singh,SC	
V	Ch.Ram Prasad,JC	Along with (3) other JCs bravely confronted and chased & neutralized 2 Maoists and recovered SLRs-3, Carbine-1, etc.
VI	M.Ram Babu,JC	
VII	K.Purushotham,JC	
VIII	R.Ramesh,JC	He along with another JC confronted and chased & neutralized 1 male Maoist and recovered SLR-1.
IX	M.Raju,JC	He single handedly confronted & chased a group of 12 Maoists for 1.5 KM & neutralized 2 Maoists with support of 4 other JCs and recovered 2-SLRs & .303 Rifle-1.
X	T. Suresh, SI	He along with two Commandos bravely, confronted, chased and neutralized 3 Maoists.
XI	B.Shankaraiah, RI	They saved the helicopter and lives of (14) Commandos by retaliating the fire and held them at bay besides fighting courageously with naxals who encircled them, though lost one of their officer in this process.
XII	M.Rosaiah, RSI	
XIII	S.Hari Prasad, RSI	
XIV	Balakrishna Panda,JC	

Recovery

SLR-4, Carbine-1, Pistol-1, Tapancha-1, SLR Magazines-6, Carbine Magazine-1, AK Magazines-2, SLR rounds-55, AK rounds-20, INSAS-4, .303-2 & SBBL-1

In this encounter S/Shri Ch. Ram Prasad, Junior Commando, M. Ram Babu, Junior Commando, K. Purushotham, Junior Commando, R Ramesh, Junior Commando, M. Raju, Junior Commando, S. Ravi, Senior Commando, V Babu Singh, Senior Commando, B Vinayaka Rao, Reserve Sub Inspector, T Sreenu, Reserve Sub Inspector, T Suresh, Sub Inspector, B Shankaraiah, Reserve Inspector, P. Balakrishna, Junior Commando, M Rosaiah, Reserve Sub Inspector, and S. Hari Prasad, Reserve Sub Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of President's Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 16/04/2013.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 44-Pres/2015—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Arunachal Pradesh Police:-

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

1. Devender Arya,
   Superintendent of Police
2. Nikom Riba,
   Inspector
3. Nani Namu,
   Sub Inspector
4. Tailang Bukar,
   Sub Inspector

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 29th April, 2014, Shri Keshav Pandey, Age - 65 Years, a local Businessman was kidnapped by suspected UG cadre from his cattle farm near Partung area inside the Daying Ering Wild Life Sanctuary at around 7 PM.

On 1st May 2014 at around 08.11 PM, a phone was received on the cell phone of the victim informing that, he is in their custody and safe. Again on 2nd May around 6.00 AM a call was received asking for Rs.50 Lacs for the release of Sh Keshav Pandey. The caller gave a dead line of 48 hrs to comply with the demand otherwise the victim will be killed.

The police secret sources were immediately mobilized. Meanwhile the teams started working on the cell numbers used to place ransom call by working on the tower locations and verifying the call list.

On 2nd May, 2014, on the basis of the secret information and interrogation of apprehended NDFB cadre, it was decided to launch an operation to rescue Shri Keshav Pandey. A team headed by SP/East Siang Shri Devender Arya, IPS alongwith OC/PS Pasighat Inspector Nikom Riba, SI N Nama, SI T Bukar, 16 men of CRPF and 22 men of 5th IR BN/AAP was constituted. The team was briefed by SP East Siang on the Prime objectives of the operation. Further, they were briefed about the NDFB Cadre and the likely hood of them having weapons.

The team started at 2200 hrs from PS Pasighat, Assam Police was duly informed vide GD No.35 dated 2/5/14, Time 2230 hrs, PS Jonai. After a drive of 1 hr 30 mins, the team reached the designated drop point. The first objective was to neutralize the Cutoff/Alert party, which keeps a watch out for the movement of any security force towards the hideout. This was to be done with a surprise and also not to alert the villagers who are mostly Bodos and may have OGWs/Linkmen of NDFB.

A small team consisting of OC/PS Pasighat alongwith SI N Nama and one section of CRPF was tasked with this work. The team started by taking a detour, bypassing the village and soon spoted 2 men on a kutcha track leading towards the forest area. With due care they moved towards them and coming from behind neutralized them and took them into custody. The duo was identified as Rajiv Narzery s/o Majen Narzery and Suresh Basumatry s/o Dinesh Basumatrry.

Once we had the exact location, SP/East Siang, Sh Devender Arya, IPS, divided the Police Party into three teams for effective coverage of the suspected area. Teams led by SI N Nama and SI T Bukar were tasked with to provide proper cordon of the suspected area. Team led by SP/East Siang Sh Devender Arya IPS alongwith OC/PS Pasighat, Inspector Nikom Riba, was to launch a raid on the hideout to rescue the victim. It was already 01.15 hrs. The cordon party was asked to move first. At 01.30 hrs Shri Devender Arya alongwith his team moved towards the hideout.

It was raining slightly which helped the teams in keeping their movement discreet as almost no sound of their walk was created. As the team was approaching towards the hideout, it was fired upon by the extremist inside the hideout. The team immediately took cover. Shri Devender Arya, SP/East Siang gave a warning to the group to surrender but in reply they fired again. Thereafter, two Stun grenades were lobbed by Shri Devender Arya, SP East Siang. In the meantime taking advantage of the commotion created by Stun grenades the victim started running out towards the cordon. Sensing that the extremist may harm the victim, OC/PS Pasighat and SI N Nama immediately rushed towards him and saved him by taking him on the ground.

Seeing that the victim has gone and finding them surrounded the extremist group started running in different directions. At the same time they kept firing on the police team. SP/East Siang Sh Devender Arya and his team immediately responded their fire by fire and started chasing them. After a chase Sh Devender Arya was able to overpower one extremist. The IR BN jawans following Sh Devender Arya then took him under custody. He was later on identified as Bolin Boro s/o Hungla Boro.

Meanwhile SI T.Bukar who was in the cordon also started chasing them and was able to overpower one of them, who was later on identified as Tengana Narzary s/o Moniram Narzary. The teams were eventualy able to arrest Six (6) accused including Sanjay Mushahry @ M Sankhang@Sothal a dreaded NDFB Militant who surrendered in 2010 before the police but was still active.

After leaving SI T Bukar with a team to guard the victim and also ensure the proper custody of the apprehended extremists, rest of the party continued to conduct search operation in the area. Despite a thorough search three (3) extremists managed to escape taking advantage of the darkness and very thick forest cover.

NDFB(s) is a dreaded extremist organization very active in these parts of Assam and is known to carry out heinous and sensational crimes including mass killing, kidnapping for ransom and extortion is used as one of the many means to generate revenue as well as to maintain their fear.

Recovery:

1. One .22 pistol with two live rounds
2. Four fired empty cartridges of 9 mm
3. Six fired empty cartridges of .22 mm

In this action S/Shri Devender Arya, Superintendent of Police, Nikom Riba, Inspector, Nani Namu, Sub Inspector and Tailang Bukar, Sub Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 02/05/2014.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 45-Pres/2015—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Bihar Police:-

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

1. Vinay Kumar,
   Superintendent of Police

2. Ranjan Kumar,
Sub Inspector

3. Dilip Kumar ,
Sub Inspector

4. Ravi Kumar,
Sub Inspector

Statement of service for which the decoration has been awarded

The incident relates to gallant act of nominees who displayed exceptional courage, presence of mind, tact and willingness to go beyond the calls of duty in the face of danger to life while carrying out arrest of Mohammed Ahmed Sidibappa Zarrar @ Yasin Bhatkal and Asadullah Akhtar @ Daniyal @ Haddi. Yasin Bhatkal is the co-founder (in 2003-04) of the proscribed organization Indian Mujahideen and was its operational head in India after Batla House encounter (in 2008), till the time of his arrest. Similarly, Asadullah Akhtar was amongst the most active and wanted terrorist in the IM group. Both of them were aggressive recruiters, prime motivators and trainers, IED assemblers and planters, logistic providers, principle plotters as well as actual executors of terrorist attacks across India.

The recovery of two laptops, mobile phones, DVD's, pen drive and other documents from the possession of Yasin Bhatkal and Asadullah Akhtar are as significant as the arrest of the terrorist themselves. They provided a wealth of information which are repository of crucial information related not just to indigenous terror modules but also Jihad factories supported and run by Pakistan's ISI and other international terror groups like Lashkar-e-taiba, Hujis, Al-Qaida. It has provided valuable insight into the 'Karachi project' which plans to destabilize India's security and economy. It has provided evidence through which plausible deniability of ISI game plan can be challenged.

Indian Mujahedeen has carried out several ghastly and horrific attacks across important centers in India.

The operation was not standalone but were a sequel to a series of sustained and resolute planning and tactical operation such as collection, corroboration and co-relation of various inputs and intelligence, reconnaissance of probable hideouts and actual arrests. The arrest was result of careful, meticulous and well calibrated planning and execution where each and every piece of information was intelligently and carefully built up, nurtured and pursued with synergy amongst various participants of operation and perceived facilitators. Elements of surprise, camouflage and deception was used. SP Motihari himself led the operation which was full of danger because of the following reasons:-

- Both Yasin Bhatkal (in 2005) and Asadullah Akhtar (in 2010) have been trained by Pakistan's ISI in field craft, handling of sophisticated weapons, explosives and IEDs. Batla House encounter is reflective of the desperation of the terrorist group in case of apprehension of being arrested.
- Yasin Bhatkal is known for his ability of developing sleeper cells and modules of motivated, radicalized youths. It is noteworthy that he had been staying near place of apprehension since more than a year and a half (since February 2012). There was high probability of participants being noticed by his dedicated followers whom he had already motivated for Jihad.
- Yasin Bhatkal and Asadullah Akhtar were living under the direct shadow of ISI which has every type of resources at its disposal. They were aided, abetted and nurtured by ISI handlers.
- For most part of the operation which lasted for almost a week, the small group had to operate without any arms and other security gadgets for self defense.
- The perceived facilitators in the difficult operation could have trapped the participants of the operation in the hands of hostile enemy. Their reliability and loyalty was not established.
- In order to maintain complete secrecy in view of extremely high importance of the targets, agencies which could have provided safety and security were avoided for most part of the operation.
- There were some stages and issues which were extremely risky to lives of participants of the operation, but cannot be penned down for strategic national interests and because of high probability of success in future operations against terrorist elements.

The arrest of Yasin Bhatkal and Asadullah Akhtar has prevented several deadly terrorist attacks which they had planned during festival period and in the forerun of the assembly and Lok Sabha elections. Leads given by them led to recovery of 90 'ready-to-use' IED's, several components of IED's, destructive material from different hideouts in Mangalore, Hyderabad, Goa and Pokhara. The recovery of large number of magnets revealed that they had plans to turn Oil carrying Goods train tankers into 'mega bomb' which had to be detonated at some

busy and prominent Railway station in order to cause maximum loss of lives. During interrogation of the duo as well as from decrypted chat history (about 3000 pages) of recovered laptops, it was learnt that Assadullah Akhtar was seriously contemplating carrying out fidayeen attack against some high profile target. Inputs and leads provided by them led to arrest of other Indian Mujahideen top cadres. The importance of arrest can be gauged from the fact that there has been some intelligence input that IM is planning to hijack a plane or enter into some big conspiracy to secure the release of these arrested terrorists. Immediately after their arrest, there was a threat mail too which originated from Karachi.

Though, their arrest does not end the war on terror, it has given a severe dent to capabilities of the terrorist organization which possess as one of India's gravest threat to internal security. As per analysis of security experts in related field, as of now, IM does not have anyone of their expertise, caliber and unrepentant motivational zeal.

The spirit of grit, determination, devotion and sacrifice at alter of duty beyond conventional call in extremely difficult operation speaks voluminous of gallant act of nominees.

Recovery:

a)	Laptop.	:	02 Nos.
b)	Mobile phones	:	05
c)	DVD's.	:	10 Nos.
d)	Pen drive	:	01 No.
e)	Documents containing valuable information		

In this action S/Shri Vinay Kumar, Superintendent of Police, Ranjan Kumar, Sub Inspector, Dilip Kumar, Sub Inspector and Ravi Kumar, Sub Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 29/08/2013.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 46-Pres/2015—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officer of Chhattisgarh Police:-

NAME & RANK OF THE OFFICER

Shri Arman Xalxo,
Company Commander

Statement of service for which the decoration has been awarded

Heavily armed naxal cadres, around 150 in number, including CPI Maoists of Madded Area Committee and National Park Area Committee, their incharge DVC members, members of the Military Platoon, Local Guerilla Squad & Local Operation Squad had gathered near village Nilmadgu for review meeting of TCOC and training. On receiving of this input, Joint Operation team comprising of 128 Police officers and personnel of District Police and STF left Bijapur on 20.06.2013 after proper planning and briefing. Troops were dropped near Farsegarh camp from where they started to walk. Target was a place near Nilmadgu which is 25 kms from Farsegarh. The whole route is highly naxal affected. Following all Standard Operating Procedures and concealing their movement, Arman Xalxo led his men towards the target safely. Troops took LUP few kilometers short of Nilmadgu. At around 0430 hrs on 21.06.2013, CC Xalxo bifurcated his party into two groups, leading one party himself. The parties started moving forward to search the area. At around 07:30 hrs, when Xalxo's party reached near Peddabagu nala near Nilmadgu, heavy fire came from naxalites who had positioned themselves inside dense forest. Because of heavy fire from the naxals, troops were hesitant to move forward. CC Arman Xalxo took charge of the situation and commanded his men to take position and retaliate. Despite the enemy's numerical and topographical advantage, he courageously took on the attack and retaliated formidably without caring for his personal safety. Firing continued for about an hour. Undeterred by the heavy firing coming from naxals, the Police team under his leadership responded in the most effective manner, inflicting casualty on them. Dead body of one uniformed female naxal and one S.L.R. weapon was recovered along with 16 sites of temporary naxal camps.

Coy Comdr. Arman Xalxo displayed courage and conspicuous gallant act in leading his party to take on the heavily armed naxals and inflicting casualty on them.

Recovery:

S. No.	Name of Item	Quantity
1.	S.L.R. Gun	01
2.	Hand Grenade	03
3.	Bullets (.303 Gun)	27
4.	Bullets (12)	08
5.	Detonator Cap	52
6.	Detonator	04

In this encounter Shri Arman Xalxo, Company Commander displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 21/06/2013.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 47-Pres/2015—The President is pleased to award the President's Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Chhattisgarh Police:-

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

1. Lav Kumar Bhagat, Company Commander (Posthumously)
2. Celestine Kujur, Constable (Posthumously)

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 25/08/2013, Operation 'Search and Destroy' was planned by the Dy. Inspector General of Police and the Superintendent of Police of S.T.F. Four parties of STF, led by Commanders P.C. Mahanth, C.C. Lav Kumar, C.C. B.P. Singh and C.C. Jemes Ekka were formed and sent to Barsur from Jagdalpur after proper briefing. The parties were dispatched from village Barsur for search and area domination.

The Maoists were present in large numbers in the area. On the first day of the operation, Party No. 01 was caught in ambush in the forested area of Tetam and Harrakoder at around 15:30 hrs. The Police party retaliated effectively killing two women naxalites. Party No. 02 led by C.C. Lav Kumar Bhagat was also ambushed by naxals the same day at around 18:00 hrs before reaching village Nardongri. Under the command of CC Lav Kumar Bhagat, the Police personnel retaliated formidably forcing the naxals to retreat.

On 27-08-2013 both Party No. 01 and Party No. 02 jointly planned next course of action from Nardongari and started at around 05:30 hrs. Naxalites again ambushed the police parties in the morning and started firing from different directions. Naxals mounted a fierce attack and had topographical as well as numerical advantage. However, showing exemplary quality of leadership, C.C. Lav Kumar Bhagat led his men from front and braved the continuous onslaught of naxals. CC. Lav Kumar Bhagat made concerted effort to save his men in this grave situation and he himself received 2 bullets, one in knee and another one in the toe. Const. Celestine Kujur was in the same group as C.C. Lav Kumar Bhagat and he too showed exemplary courage and determination. Constable Celestine Kujur received bullet wound in his neck. Even after being injured severely, C.C.Lav Kumar continuously guided his personnel out of the ambush and his decisions and action taken on the spot were critical in forcing the naxals to flee, thus minimizing the damage to the security forces. Sheer determination and courage displayed on ground in the most adverse of situations definitely makes them deserving for the highest recognition.

C.C. Lav Kumar Bhagat and Constable Celestine Kujur displayed an exceptional quality of leadership and bravery worth emulating, where an officer stood up to the occasion and laid down his life saving his men from the deadly enemies of the democracy.

Recoveries :-

1) One 12 bore single Pipe gun length with butt 42 inch and plastic cling,

2) One Bharmar gun length with butt and pipe 45 inch only butt 32 inch with plastic cling,

3) One Plastic black pose,

4) 12 bore 14 rounds (12 Red Bullets are named KF12 & 02 green bullets).

In this encounter (Late) Shri Lav Kumar Bhagat, Company Commander and (Late) Shri Celestine Kujur, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of President's Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 27/08/2013.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 48-Pres/2015—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officer of Chhattisgarh Police:-

NAME & RANK OF THE OFFICER

Shri Amit Kumar Beriya,
Inspector

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 08/06/2013, based on specific intelligence inputs about presence of a group of heavily armed naxalites in village Bukmarka in Rajnandgaon district near Maharashtra border, the Police decided to launch a major offensive operation. The joint interstate operation involved four parties of security forces from Rajnandgaon district, Chhattisgarh and three from Garhchiroli district, Maharashtra. Inspector Amit Beriya was in command of the main striking party comprising of forces of District police, Chhattisgarh Armed Force and ITBP. With the onset of Monsoon, the terrain had become too difficult to permit swift movement. The party led by Inspector Beriya strategically moved closer to the naxal hideout and cordoned the area from all sides making it difficult for them to escape. As the party was closing in, they were attacked with burst fire. Under the command of Inspector Beriya, Police party took proper position to retaliate. Heavy fire with assault rifles and hand grenades ensued. Undeterred by difficult terrain and adverse weather conditions after heavy rains in the dense forest, Police party adopted 'fire and move' tactics and reached within the striking distance. Despite the enemy's numerical and topographical advantage, Inspector Amit Beriya courageously took on the attack, retaliated formidably with concerted effort to save his men in this grave situation and shot dead the dreaded Naxal Udham Sing @ Janglu Tulavi, Area Committee Secretary, Mohla. The naxal group was forced to break off and started receding. After this fierce encounter, extensive search of the area led to recoveries of one 7.62mm SLR Rifle, one 5.56mm INSAS Rifle, Piston Briz Block, two 12 bore Rifles, one Pistol .315 Bore, one Motorola 21Channel Wireless Manpack Set, Cartridges of different calibers and naxal literature.

Inspector Beriya displayed perfect execution of field-craft tactics in this operation, exceptional quality of leadership and exemplary courage.

In this encounter Shri Amit Kumar Beriya, Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 08/06/2013.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 49-Pres/2015—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Chhattisgarh Police:-

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

1. Narendra Yadav,
   Assistant Platoon Commander

2. Yogendra Singh (Posthumously)
   Head Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

Naxals conduct Tactical Counter Offensive Campaign every year from 15th April to 15th July aimed at causing maximum damage to security forces through increased military mobilization and attacks. In April-May 2013, the State Police conducted a counter TCOC campaign to challenge the naxals with full might in the areas where naxals are considered to have a stronghold. Large number of Police personnel from all over the state were mobilized for this exercise. The forces were well equipped and meticulously trained. Seven teams were formed. Elaborate planning and security arrangements led to successful induction of the troops into naxal stronghold areas and the forces succeeded in establishing temporary camps including a camp in Village Minpa, 8 kms from PS Chintagufa, Sukma District. Within hours of setting up, the camp was attacked by naxals from all sides. Forces retaliated in defence. Firing continued throughout the night.

On the next day, on 17.05.2013, an area domination party of 24 men, including APC Narendra Yadav and HC Yogendra Singh, led by a Company Commander moved out on the Western side of the camp. The party had just moved around 1 to 1.5 kms when the naxals who had laid an ambush started indiscriminate firing with automatic weapons. Police party also fired in defence. During the course of firing, showing exemplary courage and leadership, APC Narendra Yadav and HC Yogendra Singh kept on advancing further inspite of being heavily surrounded by naxalites. The naxals were numerically and topographically in an advantageous position. However, the duo did not fear for their lives and instead retaliated even after sustaining injuries. The firing went on for around 2 hours. In the process, APC Narendra Yadav got bullet in chest and HC Yogendra Singh on thighs and waist. Additional forces were rushed to the spot and naxals fled under pressure taking advantage of jungles. Even though all the efforts were made to save them, HC Yogendra Yadav succumbed to injuries. Their efforts not only saved lives of many of police party and prevented weapons from being looted away, but also caused considerable damage to the naxalites.

Recoveries made:

(1) Barrel muzzel loading Rifle - 01 No., Airgun -01 No., Missfired HE bomb — 01 No., Empty case HE bomb -05 Nos, scrap of HE Bomb tail unit -01 , HE bombs head cap —01 No. , damaged tail unit of HE bomb- 01 No. , water can — 01 No., .315 Rifle Empty case — 01 No. , .303 Rifle empty case- 01 No., SLR empty case -08 No. and live Tiffin bomb 5kg —01 No.

In this encounter S/Shri Narendra Yadav, Assistant Platoon Commander and (Late) Yogendra Singh, Head Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 17/05/2013.

SURESH YADAV
OSD to the President

———————

No. 50-Pres/2015- The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Chhattisgarh Police:-

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

1. Devender Kashyap,
   Company Commander

2. Nitin Upadhyay,
   Sub Inspector

Statement of service for which the decoration has been awarded

Gariyaband District is one of the highly naxal affected districts of Chhattisgarh. Manipur divisional committee of naxals had inflicted heavy causalities on the security forces in the past in which more than 22 police personnel including an Additional SP were killed in two incidents.

On 31st May 2012 at around 10:00 AM Superintendent of Police, District Gariyaband, Shri Ram Gopal received an information that one naxal group armed with automatic weapons was moving in the forest areas of Village Gawargaon and Jholarav, PS Shobha. SP decided not to miss this opportunity and inflict a blow to the naxalites who had for the last few months become more dominant in that area.

SP sensed a possible bait for the Police Party owing to the topography of the area and the manner in which the information was received. SP took the bold initiative to plan and supervise the operation personally forming 3 parties of District Executive Force and Special Task Force. Party 1 was led by SP himself from North West, Party 2 by SI Nitin Upadhayay from South and Party 3 by CC Devender Kashyap from East. When the police parties were approaching the target, SP received further information that naxalites were present in large numbers in the foothills of Jholarav pahadi. He immediately briefed Party 2 and Party 3 Commanders and instructed them to approach the target from southern and eastern side respectively. He moved from the north-west side. The police parties were suddenly attacked by naxalites. Heavy firing ensued thereafter between police parties and naxalites. Meanwhile the SP sensed a movement of Naxalites which was coming to support the trapped naxals. SP displayed great sense of strategic planning and command and made excellent use of the topographical features of the area to reposition himself such that he could support both the police parties in case of need and ambush the naxalites contingent coming in support. This decision of the SP actually changed the course of the events on the battlefield in favour of Police.

SI Nitin Upadhayay fired 57 rounds from his AK-47 rifle and coordinated the responses of his party with courage and presence of mind. He fought the Naxalites with grave risk to his life. He displayed extra-ordinary courage, exemplary leadership and responsibility beyond the call of his duties. He while leading the party 2 was under direct and heavy fire from the naxalites. He motivated the staff and bravely faced the situation.

Shri Devender Kashyap was also fighting the gun battle bravely in Party 3 and fired 12 rounds. He bravely guided his party and was successful in repulsing the naxal attack. He displayed extra-ordinary courage, exemplary leadership and responsibility beyond the call of his duties. He while leading the party was under direct heavy fire from the naxalites. He not only motivated the staff and bravely faced the situation but also guided the right section to deploy proper cut-off.

The Police party thus succeeded in killing two naxalites in uniform who were identified as Sameera @ Seema, Secretary Nagri Area Committee and Amila, Divisional CNM unit Secretary of Manipur Division of CPI (Maoist) alongwith one 5.56 MM INSAS Rifle, one 12 bore gun, 35 live 5.56 MM rounds, 2 INSAS magazines, one Tiffin Bomb and several other incriminating articles. On 12.6.2012 one more dead body in uniform of a woman naxalite Aruna, Area Committee member, Gobra Dalam was recovered from a place around 3 KM away from the encounter spot in the North West direction towards village Chameda. This was supposedly the same group which was approaching to support the naxalites in Jholarav.

SP Gariyaband was the master mind of this successful operation. He went beyond the call of his duty to personally ensure that route of movement of police parties was altered so that the police party succeeded in circumventing the naxal ambush as well as in repulsing the supporting group of naxals. The police personnel thus came out uninjured and were successful in inflicting heavy damage on naxals in their stronghold and making huge recoveries. The recovery of dead bodies of three important naxal cadres of the area is itself a rare feat. He displayed exemplary leadership, command and control over his men and strategic decision making capacity. The brave action of Shri Devender Kashyap and Shri Nitin Upadhayay resulted in this great achievement for the Police Party.

Recovery:

Sl. No.	Particulars
1	5.56mm INSAS Rifle 01 No.
2	12 Bore Single Barrel 01 No.
3	INSAS Magazine 02 Nos.
4	5.56mm live rounds 35 Nos.

5	Pipe Bomb 01 No.
6	315 Bore Ammunition 05 Nos.
7	315 Bore Empty Case 01 No.
8	Tiffen Bomb (3 kg) 01 No.
9	Motorola Wireless Set 01 No.
1 0	Detonator 05 Nos.
1 1	Desi Katta 01 No.
1 2	Multimeter 01 No.
13	Nokia Mobile 01 No.

In this encounter S/Shri Devender Kashyap, Company Commander and Nitin Upadhyay, Sub Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 31/05/2012.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 51-Pres/2015—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officer of Delhi Police:-

NAME & RANK OF THE OFFICER

Shri Bijender, (Posthumously)

Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

Ct Bijender Singh, was on patrolling duty at Beat No 10 (S N Marg) in the area of PS Kamla Market on the intervening night of 10/11.09.2012 from 11:00PM to 6:00AM alongwith HC Baljeet and CT Sandeep. At about 12.30 am all the three police personnel were standing near HDFC Bank ATM on GB Road, when a man whose name and address was later found as Irshad S/o Ishtiak R/I HNo. 1323, Vijay Park, Bhajan Pura, Delhi, come running towards them with a stab wound in the right side of his neck. He had blood smeared all over on his clothes and face. He pointed towards 4 boys running in front of them and mentioned that these boys had beaten him up and stabbed him in a scuffle, beneath the stairs of Kotha No 57, GB Road. All the three aforesaid police officials started chasing the assailants.

After a brief chase, Ct. Bijender was successful in catching hold of a boy whose name was later revealed as Aakash S/o Om Parkash r/o CPO, 26 Madangir, Delhi. On seeing that one of their accomplices has been caught, two other persons whose names and address were later revealed as Manoj S/o Bhagwan Singh R/o HNo 97, Gali No. 5, Karawal Nagar, Delhi and Aashish Bahuguna S/o Gajinder Kumar R/o 852, Sector-3, Pushp Vihar, Saket Stopped and started grappling with Ct. Bijender in order to free their accomplice Aakash. In the meanwhile, another boy whose name was later on revealed as Suraj S/o Vijay Kumar R/o C-1/917, Madangir Delhi was caught by Ct Sandeep, Aakash shouted towards Suraj and exhorted him to stab Ct. Bijender so that they could flee from the grip of Constable. On hearing this, Suraj took out a spring activated knife and inflicted injury with it on the face of Ct Sandeep, As a consequence of the injury, the grip of Ct Sandeep loosened and Suraj Managed to free himself from the grip of Ct. Sandeep. Suraj then approached Ct. Bijender and stabbed him on the left side of his chest. Despite suffering a life threatening injury Ct. Bijender did not loose his grip on Aakash. In the meanwhile, two more Constables namely Ct Ravi Mann, and Ct Karnail Singh, who were also on patrolling duty reached at the spot. All the police men then over powered and apprehended all the four accused personal and recovered weapon of offence from their possession. Ct. Bijender and Ct. Sandeep were later shifted to LNJP Hospital. Ct Bijender, succumbed to his injury and was declared as brought dead by the Doctors at the hospital.

Ct Bijender, while on his duty showed exemplary courage and unflinching devotion towards his duty in the face of grave threat to his life. Despite knowing the fact that he was stabbed in his chest, he did not let fear of death overcome him. He was instrumental in the catching of the aforesaid accused persons.

Recoveries Made:

01. Knife

In this action (Late) Shri Bijender, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 11/09/2012.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 52-Pres/2015—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jharkhand Police:-

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

1. Bindeshwar Prasad Mahto,
   Sub Inspector

2. Animesh Kumar Gupta,
   Sub Inspector

Statement of service for which the decoration has been awarded

Officer in-charge of Kharsawan police station Sub-Inspector Animesh Kumar Gupta was informed by O/C Kuchai PS S.I. B.P. Mahto that around 200-250 armed squad of MCC (Maoists) in leadership of zonal commander Kumdan Pahan, Ajay Mahato, Misil Besra, Binod, Lalsingh Hembram, Anal Da, Parikshit Munda, Maharaj Pramanik, Rammohan Munda, Pramila and several other cadre are gathered with an intention to commit an untoward incident in the PS area and they are preparing to arrange JRC meeting. This information was lodged in station diary entry no-196 at Kuchai police station on 11-05-2013. This information was cross verified by SI Animesh Kumar Gupta & OC Kuchai and found the input correct. Thereafter the senior officers were informed. On the basis of this information, a special operation was made by IG office memo 1079/c on 11/5/2013 at Headquarters in which two groups in the form of striking party were given the responsibility to carry out raid and search for the Naxalites. O/C Kuchai PS lead a group of cobra battalion-209 and Jaguar assault group along with officers and Jawans were lead by O/C-Kharsawan PS, SI Animesh Kumar Gupta had given the responsibility to operate raid and search against the naxalites group hiding at Chatnibera Shilaghati area, preparing for committing massacres. In addition to this CRPF and other police forces were deployed at different places. Both the striking parties proceeded for Shilaghati and Chatnibera area on 12-05-2013. During the search operation the striking parties arrived at Shilaghati on 13-05-2013 at 9 A.M. Thereafter both the striking parties moved across Chatnibera pahari area doing search. In between at 10:15 A.M., a group of MCC Maoists who were positioning themselves in a better ambushing place in which as per intelligence zonal commander Kundan Pahan along with Parichit Munda, Lalshing Hembram and several other mentioned above hard-core Maoists exploded consecutively three IED landmines which were planted. Subsequntly the Maoists cadre started firing heavily on both striking parties with a view to kill and snatch the arms and ammunition of both the striking parties. But SI Animesh Kumar Gupta showed exemplary courage, presence of mind, team work and sense of duty, rearranging the operational force in such a manner that only Jawans of Cobra battalion 209 CT/GD M. Shankar Lingum, CT/GD Subeesh A.K. and HC/GD Sunil Kumar Singh were injured because of Maoists three IED explosion and heavy firings. SI Animesh Kumar Gupta and O/C Kuchai retaliated against the Maoists explosion and firing in self-defense along with other police party. When the encounter by the police in retaliation started it was also countered by the above mentioned Maoists group leaders along with 200-250 hard-core armed cadre and they fired 2000-2500 rounds. But SI Animesh Kumar Gupta & SI BP Mahto took the information of raiding parties in such a way that no further loss or injury of armed forces took place. The encounters were continued up to 3 PM. Thereafter Maoists were forced to run away from encounter sight finding themselves in a weaker condition taking the benefit of dense forest and hill terrain.

Recovery:

i) 7.62 SLR 01 No.

ii) 7.62 MM Ammunition- 129 Nos.

iii) Empty cases- 06 Nos.

iv) Country made grenade- 01 No.

v) Detonator -04 Nos.

vi) Mag SLR -03 Nos.

vii) Amn pouch-01No.

viii) Pitthu-01 No.

ix) Knife- 01 No.

x) Rs. 533/-

In this encounter S/Shri Bindeshwar Prasad Mahto, Sub Inspector and Animesh Kumar Gupta, Sub Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 13/05/2013.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 53-Pres/2015—The President is pleased to award the 2nd Bar to Police Medal for Gallantry/1st Bar to Police Medal for Gallantry/ Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Madhya Pradesh Police:

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

1.	Gaji Ram Meena, Inspector General of Police	(2nd Bar to PMG)
2.	Kshitindra Prakash Khare, Dy. Inspector General	(1st Bar to PMG)
1.	Umesh Joga, Superintendent of Police	(PMG)
2.	Hari Singh Yadav, Superintendent of Police	(1st Bar to PMG)
3.	U.C. Tiwari , Inspector	(PMG)
4.	Bal Gopal Tiwari, Head Constable	(PMG)

Statement of service for which the decoration has been awarded

On receipt of an information about dreaded and wanted dacoit gang of Sunder Patel in the night of 23.12.2011, Shri G R Meena IGP Rewa along with DIG Shri K P Khare, Shri Umesh Joga SP Rewa and Shri Hari Singh Yadav SP Satna and police force proceed to the Jungle of Hardi in District Satna where the police party was divided in 4 groups. Thereafter marched through dense forest, uneven terrain, thorny bushes in cold winter, reached at the hide-out of the dacoits around 5 AM in the morning and encircled it and warned the dacoits to surrender but soon after listening to the warning of police, the dacoits abused and started firing indiscriminately with the intention to kill the police force. The dacoits took position near the thick stone wall and used it as a strong morcha, on the other hand the police force was taking position in the open area nearby bushes where Constable Sunil Tomar and Rajendera Singh narrowly escaped in the firing of dacoits. When the safety and life of these constables was in peril then IG Shri Meena fired on dacoits and saved them. In the meantime dacoits continue to fire which resulted injury to SI Animesh Dwivedi and Constable Anil Tiwari. In this crucial moment Shri G R Meena very quickly fired on dacoits from his AK-47 rifle and saved these police personnel. In the meantime a group of three policemen approaching the hide-out, a dacoit fired on them which resulted HC Sobharan Singh injured. The same dacoit again aimed but Shri Meena sensing the danger and without caring of his personal life and safety, immediately stood and fired on the dacoit. The bullets hit the dacoit who fell down. Shri G R Meena continuously boosted the morale of police force, inspired

them to fight, and tied the wound of injured jawans. In the meantime Constable Bharosharan also got injured. In this crucial moment DIG K P Khare, SP Umesh Joga, SP Hari Singh Yadav put their life in danger, advanced forward and fired on dacoits as a result three remaining dacoits shot dead. During the course of encounter, some dacoits were also hiding near the hill from where they started firing on a police party where U C Tiwari Inspector and HC Bal Gopal Tiwari were getting down from the hill rescuing injured police personnel, escaped narrowly. Both of them immediately fired on the dacoits as a result they had fled away. In this encounter Inspector U C Tiwari and Head Constable Bal Gopal Tiwari had displayed composure and extreme courage in returning the fire and saved their associate police personnel life. It was a very close range battle in which heavy exchange of fire took place between police and the dacoits for about 2 hours. Thus Shri G R Meena, Shri K P Khare, Shri Umesh Joga, Shri Hari Singh Yadav, Shri U C Tiwari and Shri Bal Gopal Tiwari performed gallant action of highest order. On searching the area dead bodies of five dacoits were found. They were identified as the gang leader Sunder Patel, Khardushan, Bhola Mawasi, Natthu Mawasi and Shripal Patel.

Thus in a fierce encounter Shri G R Meena has shown exemplary leadership and extra ordinary operational skills. He admirably led his men from the front, displayed exemplary courage by risking his personal safety in saving his fellow policemen while, ensuring the elimination of the dreaded dacoits.

Recovery:

1. .306 Bore Semi Automatic Rifle-1, live cartridges-40 Nos.
2. 30-30 Manchester rifle-01, live cartridges- 35 Nos.
3. Bore rifle-01 , live cartridges- 31 Nos.
4. 315 bore rifle-02, live cartridges- 22 Nos.
5. 12 bore rifle-01, live cartridges- 10 Nos.
6. Empty cases of above mentioned bore weapons- 103 Nos.

Articles of daily use:- 05 carry bags, blankets, woollen, shawls and clothes.

In this encounter S/Shri Gaji Ram Meena, Inspector General of Police, Kshitindra Prakash Khare, Dy. Inspector General, Umesh Joga, Superintendent of Police, Hari Singh Yadav, Superintendent of Police, U.C. Tiwari, Inspector and Bal Gopal Tiwari, Head Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of 2nd Bar to Police Medal/1st Bar to Police Medal/Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 24/12/2011.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 54-Pres/2015—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officer of Madhya Pradesh Police:

NAME & RANK OF THE OFFICER

Shri D.V.S. Bhadoriya,
Inspector

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 2nd September 2005, the Supdt. of Police, district Gwalior received information through Home Guard Sainik Gautam Sharma regarding the presence of Dacoit Bharat Yadav along with his five armed associates, in the Kondon forest near Sahsari Canal with the intention to kidnap someone from village sahsari in the night. He conveyed this information on telephone to SI R.S. Bhadoriya, SHO PS Mohna for verification and action. Simultaneously, the Supdt., of Police directed SDOP Ghatigaon and Shri D.V.S. Bhadoriya, SHO PS Purani Chhawani to reach PS Mohna immediately along with available force. No sooner the SDOP and Inspector D.V.S. Bhadoriya reached PS Mohna, the force was divided into three parties. Inspector D.V.S. Bhadoriya, SHO PS Purani Chhawani and SI R.S. Bhadoriya SHO PS Mohna were deputed to lead Party No. 1 and 2 respectively. They were given the task to cordon the dacoits from South and North-west respectively and lay ambushes. Shri Jagannath Markam SDOP remained in-charge of 3rd party earmarked as "Cut of Party" and deputed at Ishwari-Ki-Pulia. After proper briefing the parties moved in Govt. vehicles to cover a distance of about 10 K.Ms, up to village Sahsari, from there the parties moved on foot and laid ambushes at the places indicated by the informer at about 2400 hours on 2-9-2005. The place was surface, unsafe and

open all round with small bushes. At about 0100 hours on 03/09/2005, some torch lights were seen approaching towards party No 1 & 2. When the armed bandits, who were five in number, came close at a distance of about 100-150 yards, Inspector D.V.S. Bhadoriya and SI R.S. Bhadoriya challenged them to surrender and lay down their arms but they opened indiscriminate fire on the police parties. Both the Bhadoriya's again challenged them to surrender, but they used filthy language and paid no heed to the call. Then the police parties were ordered to fire in self-defense. Looking to the constant firing from Police, the bandits became panicky and continued poring bullets towards police parties. At this critical juncture, Inspector D.V.S. Bhadoriya boosted the morale of their force and instructed them to cordon the dacoits and fire in self-defense. In spite of such terrifying situation undaunted and undeterred by the constant barrage, showing exemplary courage and in utter disregard to his personal safety, Inspector D.V.S. Bhadoriya along with SI R.S. Bhadoriya, Home Guard Sainik Gautam Sharma, CT Suresh Parmar, CT Suneel Yadav, CT Ranvir Singh, CT Ajay, CT Mahendra Pratap Singh, CT Chaubey Singh Gurjar and CT Narendra Singh, crawled in most risky and unsafe open place and fire accurately towards the dacoits, with the result two dacoits fell down on the earth with cry. This foiled the courage of the remaining dacoits and they fled away taking advantage of darkness. The encounter lasted for one hour, searching was conducted in the morning on 03/9/2005 in Sunlight. Two dead bodies with two SBBL guns and live and empty rounds were recovered. The shot dead dacoits were identified as under:

1. Gang leader Bharat S/O Sirdar Yadav R/O Kemrar PS Goverdhan. District Shivpuri—carrying a reward of Rs. 15000/-.

2. Dacoits Damo @ Damodar, S/O Sirdar, R/o Kemrar PS Goverdhan, District Shivpuri - carrying a reward of Rs. 15000/-.

In the whole operation Inspector D.V.S. Bhadoriya displayed an imaging combination of courage, valour, grit and determination, coupled with indomitable will to fight till the last. He exhibited conspicuous gallantry, cool courage and gumption beyond the call of duty and unmindful of his personal safety, crawled till close of the dacoits in open field during exchange of fire.

Recoveries:

01.	12 bore SBBL	-	02 Nos.
02.	.315 bore country made	-	01 No.
03.	Live round 12 bore	-	11 Nos.
04.	Empty round 12 bore	-	12 Nos.
05.	Live round .315 bore	-	01 No.
06.	Empty round .315 bore	-	06 Nos.
07.	Articles of daily use: cloths , bag, utensils etc.		

In this encounter Shri D.V.S. Bhadoriya, Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 03/09/2005.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 55–Pres/2015—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Maharashtra Police:-

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

1. Giridhar Nago Atram, (Posthumously)
   Police Naik

2. Yashvant Ashok Kale,
   Dy. Superintendent of Police

3. Prakash Vyankat Waghmare,
Police Sub Inspector

4. Sadashiv Lakhama Madavi,
Police Naik

5. Gangadhar Madnayya Sidam,
Police Naik

6. Murlidhar Sakharam Veladi,
Police Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

Shri Yashwant Ashok Kale joined the Maharashtra Police Service on 01/06/2010 as a Deputy Supdt. of Police and since 19/09/2012 he is serving as a SDPO of Jimalgantta Sub-Division in Gadchiroli District.

Shri Prakash Venkatrao Waghmare was posted in Special Operation Squad, Aheri (locally known as C-60 team an elite team for carrying out anti-naxal operations) as a Police Sub-Inspector in 2013.

NPC Sadashiv Lakhma Madavi and NPC Gangadhar Madanayya Sidam were both posted in Special Operations Squad, Aheri (C-60 team) in 2003. Both of them are presently working as party commanders of Special Operations Squad Aheri (C-60). Sadashiv Madavi had participated in 18 encounters with naxals and has succeeded in eliminating 3 naxal cadres so far. Gangadhar Sidam had participated in 11 encounters with naxals and has succeeded in eliminating 8 naxal cadres so far.

Besides them, martyred NPC Giridhar Nago Atram was working in special operations squad since 2008. He had participated in six encounters with naxals and succeeded in eliminating two naxals and PC Murlidhar Sakharam Weladi joined Special Operation Squad, Aheri in 2012 as a Constable.

On 10/04/2014, Lok Sabha Election 2014 were held under great threat of naxal attack and the naxalites declared to boycott election. Party commander Sadashiv Madavi with their men under the leadership of PSI Prakash Waghmare were entrusted with the responsibility of escorting the polling party along with EVMs for safe conduct of Lok Sabha Election 2014 at Asha polling booth in Jamalgatta Sub-Division with a thickly forested hilly terrain and is an extremely remote area which is ideal place for naxal ambush. This party successfully concluded the election process at Asha booth and left Asha a booth along with EVMs after completion of polling process on 10/04/2014 itself, and marched towards Repanpalli base camp. They reached Naingundam Village and halted for the night in the forest area.

Thereafter, on 11/04/2014 at around 0930 hrs, the police party alongwith poll party set out from Naingundam for Repanpalli. The police party hardly had walked some kilometers and they were near Tonder crossing, when PSI Waghmare received confirmed intelligence of suspicious and unexpected movements on either side of the road flanked by thick forest and hills. Sensing lurking danger ahead, he transmitted the relevant information of RF communication set to SDPO Jimalgatta, Shri Kale. He turn assured the police party that, he alongwith some men were rushing to aid the police party.

While PSI Waghmare and his party were advancing and within a few minutes, 70-80 armed naxalites who had laid preplanned ambush on hill-tops of either side of the road unleashed a fierce attack by opening indiscriminate fire upon the police party. It was followed by intermittent explosions of claymore mines which they had pre planted on roadsides. PSI Waghmare and party commander Sadashiv Madavi, undaunted by this attack, immediately swing into action and started retaliating. PSI Waghamre, knowing the importance and safety of polling staff and EVMs, alongwith his team gave body cover to protect them from the attack, putting his own life under threat.

Meanwhile, SDPO Kale rushed towards the ambush spot alongwith party commander Gangadhar Sidam and a few men in Mine Protective Vehicle. At Tonder crossing, they faced a road blocked by the naxals. SDPO Kale realized the pertinent danger, alerted his men and attempted to remove the same. While doing so, they were suddenly attacked by the naxalites. Disregarding the naxalite attack, SDPO Kale and NPC Gangadhar Sidam alongwith their men advanced valiantly, countering the naxals by firing and moving towards the direction of attack. At this point, an IED was blasted by the naxalites and SDPO Kale narrowly escaped. Undaunted, he and his men reached the ambush spot and exhibited great level of gallantry while breaking the ambush and save the polling party and police party attacked by the naxals.

During this attack, NPC Giridhar Atram, who was the pilot of the police party immediately took one section of men and rushed from one flank towards the naxalites to break the ambush, evading bullets and IED blasts by naxalites who were on a high and dominating area. NPC Atram continued to advance in the direction of the enemy putting his own

life at peril and gave a worthy counter attack to the naxalites. The other heart of this section, PC Murlidhar Weladi who was at the leading position rushed without any fear towards the naxalites giving the naxals a tough fight and tried to break the ambush without caring for his own life.

During his gallant efforts while protecting the polling party, PC Weladi got injured severely, immediately PSI Waghmare moved ahead to give body cover to the injured PC Weladi despite being showered with bullets by naxalites and got him to safer position near the polling party, thus saving his life. Ultimately, the naxalites had to retreat into the forest owing to the heavy casualties inflicted by the brave police parties.

However, a destiny would have it, a bullet from the naxalites pierced through the forehead of NPC Giridhar Atram and he succumbed to the injury. Immediately, party commander Madavi, without any hesitation, took his position and provided the necessary cover fire so that any further casualty can be prevented. Here he displayed great leadership and gallantry while protecting his men and polling party from naxal ambush, evading heavy firing, IED blasts and pressure release bombs.

The SDPO Kale swiftly acted on the information and successfully rescued the trapped police and polling party through fierce exchange of fire. He exhibited exemplary courage and led his men from the front. Also PSI Waghmare and his men undaunted by the ambush, held their ground fast. They protected the EVMs and polling party officials, thus held the democratic value of the nation high. While doing so, they displayed immense courage and gallantry, caring less for their own lives.

Besides, after few days of this incidence, intelligence agencies shared reliable inputs that two naxal cadres were injured during this encounter and they died on the next day and were buried in the jungle by the naxals.

Recovery:

i) Iron pipe of length 32 inch & of 2.5 inch perimeter

ii) Three bundles of electric wire

iii) Camera flash switch of black colour

iv) Empty case of AK-47 rifle round 7 pieces

v) Empty case of SLR rifle round- 5 pieces

In this encounter S/Shri (Late) Giridhar Nago Atram, Police Naik, Yashvant Ashok Kale, Dy. Superintendent of Police, Prakash Vyankat Waghmare, Police Sub Inspector, Sadashiv Lakhama Madavi, Police Naik, Gangadhar Madnayya Sidam, Police Naik and Murlidhar Sakharam Veladi, Police Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 11/04/2014.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 56-Pres/2015—The President is pleased to award the President's Police Medal for Gallantry/Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Maharashtra Police:

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

1.	Ganpat Nevru Madavi, Head Constable	(PPMG Posthumously)
2.	Atul Shrawan Tawade, Police Sub Inspector	(PMG)
3.	Ankush Shivaji Mane, Police Sub Inspector	(PMG)

4.	Vinod Messo Hichami, Police Naik	(PMG)
5.	Sunil Tukadu Madavi, Police Constable	(PMG Posthumously)
6.	Indarshah Wasudev Sadmek, Police Naik	(PMG)

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 28.10.2013, on receipt of intelligence based input and as per instructions issued by Addl SP(Ops) Gadchiroli, PSI Tawade and PSI Mane along with four party commanders namely NPC Sadmek, NPC Hichami, HC Uddhav Kumare and HC Chandrayya Godari with their teams launched an anti-naxal search operation in the Hiddur jungle area, in the jurisdiction of PS Etapalli, which is the strong hold of naxalites. When these parties were traversing through the hilly, thickly forested terrain of Hiddur jungle area on foot, at about 1030 hrs, the police teams were suddenly attacked by 100-150 unknown armed naxalites laying preplanned ambush. Undaunted by this sudden attack, PSI Tawade and PSI Mane ordered their men to immediately take positions and simultaneously retaliate the fire of naxalites. Disregarding the outnumbered naxal strength, PSI Tawade along with his men kept firing at naxalites. While, PSI Mane along with some men, outflanked the naxalites in the midst of heavy exchange of gun fire and continued advancing and engaging the naxalites in a fierce gun battle which lasted for about an hour. Thus, the strong retaliation by the police party caused the naxalites to run away leaving many of their belongings. In this encounter, the police party succeeded in eliminating two women naxalites and seized their arms and ammunition. During this encounter, Party Commanders namely NPC Hichami and NPC Sadmek have shown extraordinary courage and successfully repelled the naxal attack. In fact, these police personnel risked their lives and broke the naxal ambush, thus saving the lives of their men.

Thereafter, as these police teams led by PSI Tawade and PSI Mane were coming back through the forest and was in between Rekameta and Todgatta, at a distance of 5 to 6 kms away from the earlier place of incident, were again attacked by naxalites who had laid preplanned ambush with an intention to kill these police personnel. At this, PSI Tawade and PSI Mane once again undaunted by the sudden attack, bravely guided to the police teams to take available protective cover of the ground and encouraged the police teams to retaliate the fire in self-defense. In spite of initial domination by naxals due to prior advantageous positions of terrain, PSI Tawade and PSI Mane through their relentless efforts and courageous coordination of the counter-moves, boosted the morale of the police parties. During this retaliation, HC Ganpat Madavi and PC Sunil Madavi were the two brave soldiers who were at the leading positions who fought courageously against naxalites and without caring for their own lives, they successfully broke free the naxal ambush. Thus, the naxalites had no other alternative but to flee away into the forest. However, unfortunately during this encounter, HC Ganpat Madavi, was hit with a bullet and subsequently acquired martyrdom. While another constable namely NPC Tejrao Rushi Telami, was grievously injured.

Thus, the extra-ordinary courage and dedication towards their duties, as displayed by the above police personnel have set an example to other police personnel working in this naxalites infested district.

Recoveries made :

1. .303 Rifle cartridges- 17
2. 12 Bore Rifle live cartridges- 26
3. Handmade Hand grenades-7
4. Other hand grenades- 2
5. Pithoo- 27
6. Solar Plate- 1
7. Plastic cane- 5
8. Battery- 1
9. Eight used ammunition of 12 Bore rifle
10. Eight used ammunition of SLR rifle
11. Other miscellaneous naxal material with naxal literature.

In this encounter S/Shri (Late) Ganpat Nevru Madavi, Head Constable, Atul Shrawan Tawade, Police Sub Inspector, Ankush Shivaji Mane, Police Sub Inspector, Vinod Messo Hichami, Police Naik, (Late) Sunil Tukadu Madavi, Police Constable, and Indarshah Wasudev Sadmek, Police Naik displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of President's Police Medal/Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 28/10/2013.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 57-Pres/2015—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officer of Maharashtra Police:-

NAME & RANK OF THE OFFICER

Shri Mohd Suvez Mahboob Haque,
Superintendent of Police

Statement of service for which the decoration has been awarded

Shri Mohd. Suvez Haque (DOB 01/07/1978), SP, Gadchiroli, joined the Indian Police Service in the year 2005. Thereafter he served in the capacity of Superintendent of Police in 3 naxal affected districts viz. Gondia, Chandrapur and Gadchiroli. Under his leadership, top cadres of Naxalites were arrested by the police in Gondia and Chandrapur districts including 1 State Committee Member, 1 Area Committee Secretary and 10 other members.

On 25/06/2012, he willingly took over the charge of Superintendent of Police, Gadchiroli and boosted the morale of the force, which was on low ebb due to previous setbacks.

In the intervening night of 9th and 10th December 2012, an intelligence was received about the location of large number of armed naxalites in the jungle areas of Lekurbodi village in the jurisdiction of PS Korchi. In order to boost the fighting spirit of the force, Shri Haque immediately decided to launch and lead the operation. He planned the operation, along with prob. PSIs Gade and Rathod and set out in vehicles. After reaching village Gadgada, they all alighted and two groups were formed as a strategy to reach target site, which was almost 25 kms away from the place of disembarking. Shri Haque along with his parties began traversing hilly, thickly forested terrain on foot, which is the strong hold of naxalites. They entered the forest of Lekurbodi and started the search operation. At around 1145 hrs, when these parties were searching the thick forests, they were suddenly attacked by 30-35 unknown armed naxalites, laying preplanned ambush. At once, these personnel took position behind trees and boulders to protect themselves from the volley of bullets. Shri Haque, undaunted by the sudden attack, instructed one party to retaliate the naxalites and to keep changing the position of the men. He further, directed PSI Gade and PSI Rathod to stretch their parties along the eastern and western sides and thus to surround the naxalites from behind. Shri Haque himself advanced further and encouraged his team to retaliate the naxal fire. Naxalites kept on firing heavily towards police and were desperately trying to run over the police party as they were in a advantageous position. Shri Haque, then directed a UBGL to be fired in the direction of Naxalites. Despite well directed retaliation from the police, naxals continued to put up stiff resistance to overpower the police. Shri Haque kept his cool and exhorted his team to advance further taking suitable cover. He himself advanced along with few team members and gave a volley of fire to deter the naxals from advancing towards police party. This exchange of fire continued for about half an hour, after which naxals realized the futility of their attempt and managed to escape. Shri Haque conducted a search of the place of incident and its vicinity and recovered used and unused ammunition and other material left over by the naxalites while fleeing for their lives.

While chasing these naxals, Shri Haque through the tell-tale signs and pug marks and also from the intelligence available on the ground, came to know that these naxals have run away towards nearby villages Lekurbodi and Navezari. Undaunted by the high probability of ambush and attack by the naxals, he decided to chase them and continued the search operation in the dark night. On their way, near village Navezari, they got information that naxals have stopped at a particular place. Shri Haque led his team swiftly to that location and recovered a huge cache of arms and ammunition and walkie-talkie sets belonging to the naxalites.

Shri Mohd. Suvez Haque, Supdt. of Police, Gadchiroli, who personally planned and conducted the above operation regardless of the grave threat to the police party. He displayed extraordinary courage and dedication towards his duty and put his own life in danger and successfully broke the ambush. He continued the search operation despite high probability of

ambush and recovered the cache of arms and ammunition. Thus Shri Suvez Haque while under imminent threat to his life has displayed a rare initiative and courage beyond the call of his duty.

Soon after taking over the charge of SP, Gadchiroli by Shri Haque on 25/6/2012, the district police witnessed achievements in the form of 72 encounters, killing of 40 hard-core naxalites, seizure of 66 fire arms and surrender of 67 naxals. Initiative taken by him widely known as "Gadchiroli Pattern", has now been recognized as a role model to counter Maoism. For these achievements, he has been honored with DGP's Insignia in the year 2013.

Recovery:

A) From Lekurbodi jungle area

(i) Used bullet cartridges of SLR- 02, (ii) Live ammunition of .303 rifle- 01

B) From Navezari Jungle area

i) Live ammunition of .315 musket rifle- 570 Nos. (ii) 0.22 mm live ammunition — 14 (iii) Walky Talky sets- 02

In this encounter Shri Mohd Suvez Mahboob Haque, Superintendent of Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 10/12/2012.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 58-Pres/2015—The President is pleased to award the 6th Bar to Police Medal for Gallantry/Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Manipur Police:-

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

1.	P. Sanjoy Singh, Inspector	(6th Bar to PMG)
2.	Guite Khamzamung, Constable	(PMG)

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 06.02.2012 at about 5.30 pm, a credible input was received by Inspector P. Sanjoy Singh, In-charge, Commando Post, Lamshang, Imphal West District that a valley based terrorist group who forms the part of the so called CORCOM (Coordination Committee of PLA, UNLF, PREPAK, KYKL & KCP), which is the dreadest group to be reckoned with, are loitering in the general area of Phayeng Village, Imphal West District for committing prejudicial activities which are far serious in nature, intolerably grave in impact and highly dangerous in consequence. On receipt of the reliable information, Inspector P. Sanjoy Singh contacted a column of 10-Assam Rifles and a team of HQ 9 Sector and chalked out a plan to make a tactical deployment along the Imphal-Kangchup road to be under his charge and column of 10 Assam Rifles and a team of HQ 9 Sector to be deployed along the road bifurcation leading to kadangband Village which is located at a distance of about 14 kms from Imphal.

At about 6.30 pm, two motor cycles were seen coming towards the Commando team positioned along Imphal-Kangchup road. One of the Commando personnel gave signal to the approaching two motor cycles to stop. Suddenly, the two motor cycles made a 'U' turn and were speeding back towards Phayeng side to avoid the Commando team. Inspector P. Sanjoy Singh and his team in utter disregard of their personal safety and with belligerent posture with their usual eloquence and high degree of responsibility in combating underground elements jumped in the Gypsy and immediately chased the speeding underground elements. While the chasing Commando was nearing the speeding underground elements, they opened fire from automatic weapon towards the Commando to desist them from further pursuing them. At this crucial moment, Inspector P. Sanjoy Singh, leader of the team, assisted by Constable G Khamzamung despite continuous firing from the speeding UG elements, with iron nerve and dogged determination of capturing the underground cadres pursued and advanced further by firing towards the insurgents.

The persistent chasing with continuous firing made by the Commando led by Inspector P. Sanjoy Singh made one of the speeding cadres of the motor cycle nervous and fell near the main road. Inspector P. Sanjoy and constable G Khamzamung suddenly jumped down from the Gypsy and dashed towards the direction where the motor cycle fell by firing without thinking even a moment for their lives but only to capture the speeding underground cadres. During the unparalleled action of Shri P. Sanjoy and Constable G Khamzamung one of the cadres received bullet injuries. The second motor cycle rider managed to escape under the cover of darkness. Although another team of commando led by SI, Tarun kumar Singh of Commando, Imphal West pursued the speeding motor cycle, but no result could be achieved as the speeding UGs took the advantage of the abnormal situation.

After the encounter which lasted for about 3-4 minutes, the entire area was cordoned and searched minutely and found one bullet riddled dead body and one pistol of 7.62mm caliber with two live rounds in the magazine and one empty case in the chamber and red colour Moped without registration number were recovered.

The details of the Arms & Ammn, motor cycle and other incriminating articles seized from the deceased and spot are given as below :-

(a) One 7.62 pistol with two live rounds in the magazine and one empty case in the chamber.

(b) One Chinese made hand grenade.

(c) Two empty cases of AK-47 ammunition.

(d) One wallet containing Rs. 20/-

(e) One Mobile hand set.

(f) One writing pad.

(g) One access 125 along with its key (red in colour) without regd. No.

This refer to FIR case No 10(2)2012 Lamshang PS u/s 307/34 IPC, 20 UA(P) A, Act 25(1-C)A, Act & 5 Expl. Substance Act.

FURTHER DEVELOPMENT DURING INVESTIGATION:

During investigation of the above mentioned FIR case, the deceased has been identified as Wahengbnam Jayanta Singh (43 yrs) s/o W. Heitombi Singh of Kumbi Kangijeibung Mapal, a hardcore cadre of peoples Liberation Army.

SUBSEQUENT DEVELOPMENT AFTER THE INCIDENT :-

Since the deceased PIA, W Jayanta Singh is a harcore cadre of PLA, the organization had borne the expenditure incurred in the "Sradha Ceremony" of the deceased PLA. Rs. 30000/- was dispatched through two ladies on 11.02.2012. The Commando of Bishnupur District laid a trap and caught two couriers with Rs. 30000/-. This refer to FIR case No 4(2)2012 Kumbi PS u/s 17/20 UA(A). Act.

In the encounter, Inspector P Sanjoy Singh and Constable G Khamzamung exhibited an elevated degree of conspicuous sense of courage which is not only exemplary but also rare in nature, dedication and professional skills coupled with their usual eloquence under extreme adverse condition in utter disregard of their personal safety and lives. The result of the encounter gave a gigantic demoralizing impact to the underground organization particularly the PLA.

In this encounter S/Shri P.Sanjoy Singh, Inspector and Guite Khamzamung, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of 6th Bar to Police Medal/Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 06/02/2012.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 59-Pres/2015- The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officer of Meghalaya Police:-

NAME & RANK OF THE OFFICER

Shri T.C. Chacko,
Dy. Superintendent of Police

Statement of service for which the decoration has been awarded

Based on reliable information about a joint training camp/General camp of GNLA & ULFA in the thick, impregnable jungles of Durama Range near Bandigre village, East Garo Hills District, an operational plan was drawn by a team comprising of Meghalaya Police SWAT Team and CoBRA Commandos under the assault command of Shri T C Chacko, MPS, Dy Superintendent of Police (HQ), Nongstion and Shri Dahiya Asst. Commandant CoBRA Unit to launch an operation on the highly fortified General Camp of the militants. The assault team, along with all the cut off teams, got inducted into the forest at about 21:00 hrs on 21.08.2013 and after a Cross Country walk for 39 hours reached the target area on a hillock at about 12 noon on 23.08.2013.

After placing three cut off teams on the Southern side, the likely escape routes of the militants, the assault party consisting of Shri T C Chacko, MPS, Shri Dahiya, Asst. Commandant, CoBRA Unit, Sub-Inspector Robert Sangma of SWAT, of East Garo Hills along with select few SWAT and CoBRA personnel, have merged with the surrounding jungle and crawled towards the General Camp of the Militants, braving the harsh ground, and the sentries on both the flank at a distance of about 500 meters and approached the camp with surprise to challenge the militants.

On crawling 50 meters nearer to the first hut of the camp, which has a plastic cover to protect from sun rain, while the assault team lead by Shri T C Chacko, MPS and Asst Commandant Dahiya of CoBRA was negotiating the steep climb, about 8 to 10 heavily armed GNLA and ULFA cadres opened indiscriminate fire on the party with M-16, AK-Series Rifles etc. from their advantageous position taking proper cover to pin down the Assault Team to the ground and making it difficult for the assault team to move ahead. The Assault Team lead by Shri T C Chacko and AC Dahiya of CoBRA, Sub-Inspector Robert Sangman of SWAT, Challenged the militants with retaliatory fire in self defence and have shown least concern for the risk to their life and exhibited extraordinary courage and determination not to retreat from their life threatening position, but to push forward towards the militants who were continuously firing at the approaching Assault Team. While the assault team was firing with grit and determination at the continuously firing militant Shri T C Chacko, MPS and Shri Dahiya, Asstt Comdt, CoBRA exhibiting extreme leadership and conspicuous courage, without consideration for their personal safety from the intense and indiscriminate fire of the militants, advanced forward taking cover of the cover firing by the rest of the assault team and shot dead Balsrang T Sangma the Deputy Camp Commander of GNLA General Camp who was firing from his deadly M-16 Rifle. Also the Assault Team injured 2(two) other GNLA cadres. The rest of the militants numbering about 40 (forty), undergoing training in the camp which was spread in about 2 sq. kms. area, managed to escape taking advantage of the thick forest. one M-16 Rifle, two magazines and many documents were recovered from the slain militant. The technical and human intelligence confirmed that other than Balsrang T Sangma who was killed on the spot, out of the two injured, one died in the jungle and the other escaped with bullet injuries.

Other recoveries made :

1. 41 Live rounds of 5.56mm
2. 14 Live rounds of 7.62mm.
3. 02 Empty cases of 5.56mm
4. 03 Non electronic detonators.
5. 01 Kenwood walkie talkies set.
6. 11 Shotgun live ammunition.
7. 02 Inches of safety fuse.
8. 01 Magazine pouch
9. 02 Mobile Sets.

In this encounter Shri T.C. Chacko, Dy. Superintendent of Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 23/08/2013.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 60-Pres/2015—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officer of Meghalaya Police:-

NAME & RANK OF THE OFFICER

Shri Aditya Goenka,
Addl Superintendent of Police

Statement of service for which the decoration has been awarded

The Garo National Liberation Army (GNLA), a banned militant outfit under the UA (P) Act, is operating in the Garo Hills and West Khasi Hills District, in the State of Meghalaya. The heinous criminal and anti-national activities actively indulged in by this outfit are kidnapping and abduction of civilians, government officials and teachers for ransom, rampant extortion, destruction of public and private property in demonstrative acts of violence, cold-blooded murder of police personnel and civilians, distribution of videos of such gruesome acts, inciting communal tensions by selectively attacking houses of certain communities, ambush and attacks on Security Forces.

On the 4th of April, 2012 at about 10:30 PM, source information was received that Jenny Ch. Momin @ Ringrang, the action commander of GNLA and No. 3 in the Organization, had been seen in the Kheragaldam area alongwith 10 other heavily armed militants. Immediately, the SWAT team stationed at Resubelpara, led by Shri Aditya Goenka, IPS, Additional SP (I/C SDPO Resubelpara) and including SI GR Boro, SI SM Sangma, Patrick Marak, Beriush Inghie, Madav Rabha, Blancy Lyngkoi, Remus Sangma, Arpin Nongplang, Kamles Singh, Debilan Syiemiong, Probatsom Sangma and Doma Marak was activated and mobilized to engage the Militants.

The SWAT Team travelled in a civilian Tata Sumo Vehicle to maintain the surprise element and debussed one kilometer from the Kheragaldam LP School moving tactically to avoid detection. On reaching the village, they raided the target house and nearby houses but with no result. At about 12:50 AM, while they started retreating strategically, around ten minutes later at about 01:00 AM two hundred meters from the school while on the main road some lights were seen indicating that some vehicles was approaching. There was no cover and the team merely used the undergrowth in the kutcha drains on both sides of the road to take up position. Aditya Goenka, IPS and SI GR Boro IC Resubelpara approached the two oncoming vehicles in order to check them.

Around thirty feet away from Shri Aditya Goenka, IPS, the vehicles stopped abruptly and suddenly a burst of automatic weapon fire started from both the vehicles. Since the headlights were on everyone was blinded. The rest of the team was hardly a few feet away, flanking the vehicles on both sides. The militants in the vehicle using the higher ground advantage fired indiscriminately. The entire team retaliated instinctively without taking cover in the face of grave danger to their lives.

During the course of the firing, the doors of the vehicle were flung open and some militants managed to escape under the cover of darkness. Some members of the team including SI SM Sangma, BNC Blancy Lyngkoi, BNC Kamles Singh, BNC Madav Rabha turned round and fired behind the escaping militants.

Suddenly there was firing from behind the team from the direction of the Kherageldam LP School. While attempting to help SI GR Boro and himself take cover in view of this fresh onslaught from behind, Shri Aditya Goenka, IPS was injured in the leg, for which he had to undergo surgery. The encounter carried on for about half an hour when reinforcement arrived and the militants fled away.

The dead body of the action commander Jenny Ch Momin @Ringrang was found in the drain at the side of the vehicle alongwith an AK rifle with magazine. Empty cases of AK and SLR rifles, two ID Cards of GNLA cadres, two Mobile Handsets with SIM cards and other incriminating documents were recovered. The recovered AK series rifle had been stolen from the police in an ambush laid a year ago where five members of the Police force were killed in Thapa Darenchi. The slain militants were identified as Jenny Ch. Momin @ Ringrang, The action commander of GNLA, Chenangbirth M Sangma (cadre) Rikseng Marak (Cadre), Gremilson Marak (Cadre). The operation bravely undertaken by the SWAT team completely destroyed the action command of the GNLA, which was responsible for the most daring attacks on Security forces, cold-blooded murder of civilians, demonstrative acts of violence destroying public and private property.

In this encounter, Shri Aditya Goenka, IPS and his team of officers and men displayed exemplary courage, grit and determination in the face of extreme danger to their own lives, exhibiting remarkable professional excellence and meticulous planning and execution, the team succeeded in killing four hardcore militants.

Recovery:

i)	AK-47 rifle with Magazine	01 No.
ii)	GNLA I/D cards	02 Nos.

iii) Mobile handset with SIM cards 02 Nos.

iv) Several empty bullet cases.

In this encounter Shri Aditya Goenka, Addl. Superintendent of Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 05/04/2012.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 61-Pres/2015—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Meghalaya Police:-

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

1. Goera T. Sangma,
   Sub Inspector

2. Krishna Prasad Powdel,
   Sub Inspector

3. Triplepearl Pasi,
   Bn Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

Based on reliable source information about the presence of Norok X Momin, Commander-in-Chief-of UALA and other UALA cadres at Chiokgre village, an operational plan was drawn by Shri DNR Marak, IPS, SP, East Garo Hills, Meghalaya to launch a search operation by a team comprising of Meghalaya Police SWAT Team and COBRA Commandos of Chiokgre village to arrest Norok X. Momin, Commander-in-Chief of UALA and other UALA militants. The search team, got inducted into the Chiokgre village at about 2:30 hrs on 20/05/2014.

Upon reaching Chiokgre village, the teams led by Sub Inspector Goera T. Sangma proceeded forward to Norok's house, which is the suspected location, where the Commander-in-Chief of UALA Norok X. Momin and other UALA militants were taking shelter. Upon reaching the gate of house, the police team split into buddy pairs and advanced forward. Since it was before dawn there was very less visibility, therefore the teams had to move very carefully and tactically. As the team moved forward, about 8 to 10 heavily armed UALA cadres who were at a distance of about 20 feet from the team, opened indiscriminate fire on the police team from their sophisticated weapons as a result of which Prob Sub Inspector Krishna Prasad Powdel received bullet injury on his right leg near the ankle.

The Police team challenged the militants with retaliatory fire in self defence and have shown least concern for the risk to their life and exhibited extraordinary courage and determination not to retreat from their life threatening position, but to push forward towards the militants who were continuously firing at the approaching team.

The Police team fired with grit and determination at the continuously firing militants, exhibiting conspicuous courage, without consideration for their personal safety from the intense and indiscriminate fire of the militants, advanced forward, and killed the three militants who were the sentry of the camp. Also the police team who were advancing forward tactically, fired upon the other UALA militants who were firing indiscriminately upon the police team and as a result of which killed the other two UALA militants who were firing from inside the camp. The other UALA militants and the Commander-in-Chief of UALA Norok X. Momin managed to escape taking advantage of a child whom the Commander-in-Chief of UALA Norok X. Momin used as a shield to protect himself from the police firing. Due to the presence of the small child at the line of fire the police team stopped firing as there was a possibility that it might kill the small child and as a result of which the Commander-in-Chief of UALA Norok X. Momin escaped. The firing lasted for about 15 minutes in which the 5(five) UALA militants were killed.

Recoveries made:-

1. AK- series Rifle 03 Nos.

2. AK- series Magazines - 05 Nos.

3.	Live ammunition of AK Rifle	-	110 Nos.
4.	Empty cases of AK Rifle	-	21Nos.
5.	Pistol with three magazine	-	01 No.
6.	Live ammunition of 7.62x25 mm	-	08 Nos.

In this encounter S/Shri Goera T. Sangma, Sub Inspector, Krishna Prasad Powdel, Sub Insepctor and Triplepearl Pasi, Bn Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 20/05/2014.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 62-Pres/2015—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officer of Uttar Pradesh Police:-

NAME & RANK OF THE OFFICER

Shri S.K.S. Pratap,
Inspector

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 02-01-2010 Shri S.K.S. Pratap inspector CP/SHO Phase-II Noida with his team were checking duty near Express Highway Sector-82, a Wagon-R car with number plate UP 14 AL 8817 came in speed from the Mahamaya Flyover. They tried to stop but the car driver didn't stop. After receiving the information from the control room about the stolen car, Police Party started to chase the car. The car driver tried to speed away but the jeep driver overtake them and blocked the escape of the car. At this point the firing started from the assailants. The SHO and his team without being perturbed by the sudden attack, displayed the highest tradition of devotion to duty and extreme courage and gallantry, they wanted assailants to surrender. But assailant with A.K.47 started indiscriminate fire on the police party at once. SHO took a decision and divided the policeman in two teams. During this SHO made a plan to cover that assailant. According to the plan one of the team started cover firing to keep the assailant busy and his second team challenged the assailant and made fire on the assailant in self defense. With the result of the disciplined firing by SHO and his team in the entering the firing range of assailant without caring for their lives, the assailant firing with A.K.47 was injured and fell on the ground. Then the injured was sent to the hospital, where the assailant was declared dead.

Recovery:

1- One AK-47 rifle with magazine, 06 live cartridges and 04 empty shells.

2- One revolver, 02 live cartridges and 04 empty shells of .38 bore.

In this encounter Shri S.K.S. Pratap, Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 02/01/2010.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 63-Pres/2015—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Uttar Pradesh Police:-

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

1. Vijay Singh Meena,
Superintendent of Police

2. Jogendra Kumar,
Superintendent of Police

3. Bind Kumar,
Sub Inspector

4. Shashi Bhushan Rai,
Sub Inspector

5. Ashok Kumar Singh,
Head Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 18.04.2012, Shri Jogendra Kumar, SP Mau received an information about the police encounter of SOG with notorious and rewarded criminal Dheeraj Singh in village Karmi Mathia, PS Chirrayakot, immediately, sprung into action and rushed to the site. Criminal Dheeraj and his companion, had forcibly entered in the house of Ramji Barnwal, in Karmi Mathia and brutally killed him, hostaged his 05 years child and were incessantly firing towards the police party. Shri Govind Singh, Inspector/SHO Kotwali city Mau, in the mean time, arrived there and leading the police team, strategically challenged the criminals-duo and without caring for his life and limb, displaying conspicuous gallant act of bravery, moved ahead, with controlled firing, to arrest them alive, but in indiscriminate firing by the criminals, he was seriously injured, and he promptly, rushed to hospital for treatment, where he succumbed to his injuries.

S.P.Mau arrived there with reinforcement, Shri Vijay Singh Meena, S.P.Azamgarh also reached there and challenged the criminals to surrender, but criminals dared to continue incessant firing, more violently, towards them, with an intention to kill. SP Mau, SP Azamgarh, CO city Mau, Shri Bind Kumar SI, Shri Shashi Bhushan Rai SI and Shri Ashok Kumar Singh HCAP undeterred of dangerous firing offensive of criminals-duo, strategically, counter attacked them with teargas, causing one of the criminal, coming out of the house, firing, incessantly and violently, towards the police party and in this situation of 'do or die', police team with indomitable courage and in utter disregard of their personal safety and with determination to arrest the criminal, alive, challanged him, to surrender and fearlessly moved ahead, in front of him, resorting controlled firing in self-defence and the criminal fell injured.

The police team with an objective to rescue the hostage child and capture the criminal, alive, who was terribly firing towards the police party, from inside the house, dauntlessly led the attack, themselves and police team, continuing performance of conspicuous gallant and sense of dedication towards their duty, in most unmistakable terms, without caring for their life and limb, immediately, barged in the house and ensuring the safety of hostaged child, resorted restricted firing and criminal fell down, injured and the hostage child was successfully rescued. Both the criminals were later declared to be dead and identified as notorious criminal Dheeraj and Vikas.

Recovery:

(1) 01 F.M. Pistol with Magazine, 04 live cartridges and 10 empty shells of 9 mm.

(2) 01 Pistol, 03 live cartridges and 03 missed cartridges of .32 bore.

(3) 03 Country made Pistols, 03 live cartridges and 31 empty shells of .315 bore.

In this encounter S/Shri Vijay Singh Meena, Superintendent of Police, Jogendra Kumar, Superintendent of Police, Bind Kumar, Sub Inspector, Shashi Bhushan Rai, Sub Inspector and Ashok Kumar Singh, Head Constable Displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 18/04/2012.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 64-Pres/2015- The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Uttar Pradesh Police:-

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

1. Rahul Srivastava,
Dy. Superintendent of Police

2. Vashistha Singh Yadav,
Inspector

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 18.9.2006 Inspector civil lines Allahabad Shri Vashisth Yadav and C.O civil lines Shri Rahul Srivastav immediately reached Subhash chowraha on getting a wireless message that during aTecking, criminals have bombed a head constable to death. After this brutal act, one of the criminals was trying to escape by reckless firing and bombing on the chasing Police team and the other was arrested.

Rahul Srivastava promptly asking the Control Room for reinforcement chased him along with Vasistha Yadav during which the criminal took shelter behind a garage wall and started targeted firing with a definite intention to kill the police party. Rahul Srivastav and Vasistha Yadav while skillfully saving themselves from the firing exhorted him to surrender but the audacious criminal opened a volley of fire upon which the police team also fired in self defense. The criminal tried to escape towards NY road by taking a private person hostage on gun point from which he providentially escaped. Observing the defiance and dare devilry of the desperado, Rahul Srivastava wisely asked for extra force to tactically cordon him off from the NY Road. As Rahul Srivastava and Vasistha Yadav dauntlessly moved ahead along with cordon team, braving the criminal's fusillade of firing and bombing, two police personnel got injured. Reacting bravely and dutifully the police teams under the leadership of Rahul Srivastava and Vasistha Yadav also fired in self defense by which the criminal got injured and escaped towards a lane, from where he again hurled a bomb at the police party. Keeping his cool, Rahul Srivastava strategically made his driver climb upon a wall from where he indicated about the position of the criminal through gestures. As the police team advanced again, the offensive criminal opened a burst of fire from which they had a narrow escape.

Shri Rahul Srivastava and Vasistha Yadav courageously moved towards the lane confronting the criminal face to face and resorted to restricted firing on the criminal, causing him to fall down, injured and lifeless. The criminal died in the encounter was later identified as Arun Kumar Mishra alias Pintoo Mishra.

Recovery:-

1. One pistol with magazine, 02 live cartridges, 09 empty shells and one empty magazine extra of 9 mm bore

2. Remanants of bomb and pellets.

In this encounter S/Shri Rahul Srivastava, Dy. Superintendent of Police and Vashistha Singh Yadav, Inspector Displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 18/09/2006.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 65-Pres/2015—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Border Security Force:-

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

1. Jeewan Ram Khaswan, Commandant (Posthumously)

2. Rajesh Sharan, Second-In-Command (Posthumously)

3. Ashok Kumar yadav, Inspector (Posthumously)

4. Jitender Kumar, Assistant Sub Inspector (Posthumously)

Statement of service for which the decoration has been awarded

The tactical Headquarters of 107 Battalion BSF is located at Balimela, district- Malkangiri (Odisha), which is a hyper sensitive Naxal area of the country. Being part of the Eastern Ghats, the area of responsibility of 107 Battalion BSF is hilly with thick jungles. The general area is interspersed with Nullas and water-bodies, which makes the undulated terrain treacherous and difficult. It is an old bastion of Naxals. Being tribal dominated, the Naxals have the support of the locals. The unit, under command of Shri Jeewan Ram Khaswan, was performing exceedingly well in bringing general peace among the local populace.

In the end of January 2012, a new Company Operating Base (COB) at Janbai Ghat was established, which is the gateway to the cut off area of Odisha and important for the Naxals. This move of the Battalion infringed the free movement of Naxals. Shri Rajesh Sharan Second-in-Command was camping at the COB Janbai Ghat since 8th Feb 2012 for dominating the area and strategizing the operational maneuvers to counter the Naxals. From Balimela to Chitrakonda and upto Janbai, there is a single road covered with thick jungles on both sides.

On 10th Feb. 2012, at about 0755 hrs. Shri Jeewan Ram Khaswan, Commandant alongwith Inspector (G) Ashok Kumar Yadav, Assistant Sub-Inspector (Radio Mechanic) Jitender Kumar, Constable Bishnu Pani and Constable (Driver) Suvendu Kundu left the Tac HQ Balimela for COB Chitirakonda and COB Tunnel Camp for motivating and encouraging troops to work with diligence and to become more vigilant in their area of responsibility as the Panchayat elections were to be held on 11th Feb 2012.

Shri Rajesh Sharan, Second-in-Command joined the Commandant at COB Chitrakonda and further left the Tac HQ Balimela at about 1220 hrs in the vehicle (Bolero). A TATA 207 with 6 personnel was leading the Bolero and a TATA Sumo with 3 personnel was following.

At about 1245 hrs, the Bolero traversing through the thick jungle, approx. 5 kms from COB Tunnel Camp and about 13 Kms short of Tac HQ Balimela suddenly came under a severe TED blast. The two prominent heights, one having huge boulders along the road were occupied by the Naxals. Simultaneously, a group of approx. 35 to 40 Naxals, who had laid a deliberate ambush with adequate planning, opened heavy volume of fire on the BSF team from the high ground. Commandant and his team sustained grievous injuries. Notwithstanding the same, they managed to come out of the badly damaged vehicle, positioned themselves and effectively retaliated the Naxals fire. Shri Jeewan Ram Khaswan, Commandant displaying indomitable courage and exemplary leadership led a charge on the entrenched Naxals for dislodging them. Despite grievous injuries, he stood his ground and fired till he breathed his last, exhibiting the highest degree of chivalry and courage against heavy odds. He attained martyrdom and made the supreme sacrifice for the nation.

Shri Rajesh Sharan, Second-in-Command took the charge of the team after Commandant attained martyrdom and kept on fighting and encouraging his men to continue the fight to thwart the plan of Naxals and save the rest of the party. The unexpected retaliation by the brave soldier distracted the Naxals and disorganized them. Though Shri Rajesh Sharan was in the open against the deeply entrenched and well positioned Naxals, he fought lion heartedly till his last breath and attained martyrdom exhibiting exemplary courage and conspicuous gallantry.

Notwithstanding the same, Inspector (G) Ashok Kumar Yadav managed to come out of the badly damaged vehicle, positioned himself tactically and effectively retaliated the Naxals fire. Inspector (G) Ashok Kumar Yadav remained with his Commandant and 2-I/C and continued to engage the entrenched Naxals and kept retaliating the fire. Despite severe injuries from blast, exhibiting conspicuous gallantry and indomitable courage, Inspector (G) Ashok Kumar Yadav braving the bullets of Naxals, kept on engaging them till breathed last. Inspector (G) Ashok Kumar Yadav attained martyrdom fighting gallantly.

Assistant Sub Inspector (Radio Mechanic) Jitender Kumar also sustained grievous injuries in blast. He managed to come out of the badly damaged vehicle and joined his party, positioning himself tactically and effectively. He valiantly retaliated the Naxals fire. Despite grievous injuries, he stood his ground and fired till he breathed his last, exhibiting highest degree of chivalry and courage against heavy odds. He attained martyrdom and made the supreme sacrifice for the nation.

They displayed dauntless courage, camaraderie and selfless zeal in retaliating the onslaught of the Naxals. The unexpected severe retaliation by these gallant soldiers perturbed the overwhelming Naxals, but they managed to consolidate their position due to the early injuries inflicted on the brave BSF Commanders and personnel and attained their goal.

The exemplary fighting spirit displayed by the BSF Officer and men in resurging and retaliating a deliberate well-planned ambush by the Naxals, is unparalleled. They exhibited raw courage against the heaviest of the odds and caused injuries on the well-entrenched Naxals on ground of their own choice. Their conspicuous gallant action forced the Naxals to

leave the ambush site with injuries, short of their aim of completely sweeping the operation and resultantly saved many lives of their comrades. Their valiant retaliation with intensity has made a deep dent in the psyche of the Naxals. Their un-parallel gallant action will remain a motivating factor in times to come.

Two of the Maoists namely Gopu Sandesh and Bodu Ramesh, who were members of the Balimela Ambush Party, have surrendered before SP Sukma and DIG Vizag Range on 15th Aug 2012 and 27th Oct 2012 respectively. They have confessed during investigation that the BSF officers, inspite of the blast fired back and fought valiantly. Words of praise and admiration from an arch enemy is the best tribute for the departed souls of our gallant heroes and an authentic confirmation of their gallant deeds.

Following arms/ammunition & other items were recovered :-

1.	Pencil Cell		15 Nos.
2.	.303 empty cases CTN		04 Nos.
3.	Flexible electric wire		40 Mtr. Approx.
4.	Civil jacket (old)		1 No.
5.	.303 CTN live rounds/Ammunition		17 Nos.
6.	.303 Rds charger clip		2 Nos.
7.	7.62 mm BDR live rounds :		12 Nos.
8.	7.62 mm empty fired cases BDR		27 Nos
9.	AK 47 empty fired cases	:	64 Nos.
10.	5.56 mm INSAS empty cases:		15 Nos.
11.	AK47 recoil guide spring :		01 No.
12.	AK-47 retainer spring return:		1 No.
13.	9 mm empty fired cases	:	6 Nos.
14.	Recoil spring AK-47		1 No.
15.	Grenade safety pin		1 No.
16.	Plastic water cane (10 ltr capacity		7 Nos.
17.	Plastic water cane (05 ltr Capacity)		1 No.
18.	Plastic water cane (02 ltr Capacity)		6 Nos.
19.	Steel dallu (1 ltr/02 ltr)		1 each
20.	Woolen shawl		1 No.
21.	Rice		Appx. 35 kg.
22.	1(hajur		1 pkg (500 grm)
23.	Sugar		Appx. 2 kg.
24.	Aluminum patila 124" size :		1 new
25.	Aluminum patila 12"		1 (old)
26.	Electric detonator		1 No.
27.	Digital multimedia small		1 No.
28.	Ciprobiotec Corte Tab		40 Nos.
29.	INJ Decadron		2 Nos.
30.	Tab Sulphametazole		20 Nos.
31.	Tab Dependal		10 Nos.
32.	Tab Parinorm		10 Nos.

33.	Tab Pairicool	9 Nos.
34.	Polythine approx 2 mtr.	1 piece
35.	Small bag	1 No.
36.	Country made hand grenade with mechanism	1 No.

In this encounter S/Shri (Late) Jeewan Ram Khaswan, Commandant, (Late) Rajesh Sharan, Second-In-Command, (Late) Ashok Kumar Yadav, Inspector and (Late) Jitender Kumar, Assistant Sub Inspector Displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 10/02/2012.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 66-Pres/2015—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force:-

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

1.	Kuldeep Dahiya, Assistant Commandant	(PMG)
2.	Dharmendra Roy, Constable	(1st Bar to PMG)

Statement of service for which the decoration has been awarded

A highly reliable secret information about the location of Sohan D. Shira, Commander-in Chief of banned extremist group GNLA along with other senior and junior cadres numbering around 20 in the camp established at deep jungles of East Garo Hills, Meghalaya was received by the Meghalaya police. Accordingly, on 28/8/2013 at Baljek Airport, West Garo Hills, DGP Meghalaya, IGP (L&O) Meghalaya, IGP Tura Range, Meghalaya, IGP NES CRPF, SP East Garo Hills, West Garo Hills & South Garo Hills along with Commandant-210 CoBRA had an elaborate discussion and meticulous plan to raid and destroy the GNLA camp was prepared. A combined briefing of teams of CoBRA of CRPF arid SWAT of Meghalaya police was done at Baljek Airport location on 21/8/2013 and the operation in the juOes of Durama Hills Range in district William Nagar was launched on 21/8/2013 at 2030 hrs. After two nights of strenuous navigation in the hilly and treacherous terrain, the teams reached in the vicinity of suspected camp of GNLA on 23/8/2013 at about 0830 hrs. After conducting initial reconnaissance of the area and analyzing the terrain around, cut-offs were placed at various vantage and strategic points. The camp was suspected to be located at a hill top and according to operational strategy the assault team tactically moved towards it maintaining utmost secrecy. The uphill movement with enemy positioned at the top was a very dangerous and risky proposition, nevertheless the teams proceeded towards the camp without caring for the dangers ahead. As the scouts of the team under command of Shri Kuldeep Dahiya, Asst. Comdt. moved closer to the camp, an insurgent hiding behind the dense bushes and temporary morcha opened indiscriminate fire at them. The assault teams retaliated immediately in self defense. Soon some other insurgents present in the camp occupied safe positions behind trees and morchas and joined the gun-fight. An intense battle at close proximity took place. The insurgents were firing indiscriminately coupled with firing of grenades to stop the advance of troops and inflict casualties. However, the troops under their Commander did not care for the fire of insurgents and kept advancing towards the camp adopting the tactics of fire and move. Seeing the synchronized and undeterred advance of the troops and the possibility of being run over, the insurgents began to flee from the camp one by one. Noticing the fleeing insurgents and the heavy volume of fire that the two insurgents in front were pouring to delay the advance, Shri Kuldeep Dahiya, Asst. Comdt. took the responsibility of silencing the two insurgents. He took CT/GD Dharmendra Roy along with him and the two crawled under the flying bullets, risking their lives, to gain a different firing angle. After crawling for about 50 meters they reached to the flank of the insurgents and launched a brutal assault on them by using heavy volume of fire. One of

the insurgent on receiving the fire from different direction retaliated and hurled a grenade at them. Anticipating the killing zone from the flight of the grenade the brave troopers flung for cover. The grenade blasted just a few meters before them and the two had a miraculous escape. Overcoming the shock of blast, the two in a dare devil act came out of their covers and with precise and accurate fire gunned down one of the insurgents. Another insurgent also got hit in the gun fight but he managed to flee in injured condition. Killing of the main insurgent resulted in opening of the floodgate for the troops who ultimately ran over the camp. The camp area and its vicinity were thoroughly searched by the troops in a very tactical manner and a dead body of one GNLA commander namely Balsrang T Sangma with one loaded M-16 Rifle was recovered. A huge amount of other incriminating items were also recovered from the well established and fortified camp.

During final phase of strike Shri Kuldeep Dahiya, Assistant Commandant and CT/GD Dharmendra Roy of 210 Cobra Bn moved ahead in the face of incessant heavy firing from the enemy posing grave danger to their life. Both of them exhibited remarkable courage and extreme professionalism in the line of duty. As a result of their dedication and bravery (worthy of a role model) and tactical appreciation of things in fierce encounter a GNLA commander could be neutralized and their camp destroyed. Had both of them not advanced tactically under intense fire and neutralized the insurgent, the operation would not have been a big success for the force.

Recoveries made:

1. M-16 Rifle-01 No.
2. 02 Magazine
3. 5.56 mm Live Round-41 Nos.
4. 7.62 mm Live Round-14 Nos.
5. 5.56 mm Empty cases-02 Nos.
6. Non Electronic detonators-03 Nos.
7. Kenwood walkie talkie set-1 No.
8. Shotgun live amns-11 Nos.
9. Safety fuse-02 inch
10. Magazine Pouch-01 No.
11. Black T-Shirt of GNLA-01 No.
12. Mobile handset-02 Nos.

In this encounter S/Shri Kuldeep Dahiya, Assistant Commandant and Dharmendra Roy, Constable Displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal/1st Bar to Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 23/08/2013.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 67-Pres/2015- The President is pleased to award the President's Police Medal for Gallantry to the under mentioned officer of Central Reserve Police Force:-

NAME & RANK OF THE OFFICER

Shri Arvind Singh Bisht,
Deputy Commandant

Statement of service for which the decoration has been awarded

Sukma District of Chhattisgarh is considered one of the worst Maoist affected districts of Bastar region which falls under the most potent DandaKaranya Special Zonal Committee of CPI (Maoists). The Maoists claim that it is a

"Liberated Zone" where the writ of the Maoists runs virtually unchallenged, specially on account of conspicuous lack of governance. The area is infested with three strong military companies of CPI (Maoists) and a strong mass base. In order to establish some semblance of order, two companies of CRPF i.e. Charlie and Delta of 150 Bn. have set up their camp in Chintagupha under PS-Chintagupha, Distt. Sukma in Chhattishgarh. The heightened threat perception during the State Assembly Elections-2013, witnessed the induction of two more companies of CRPF, i.e Bravo/117 and Foxtrot/75 who were specially tasked to sanitize the area and secure the roads for the movement of polling parties i.e. polling staff and their security cover on 11/11/2013 after completion of polling. Thereafter both these companies were required to be de-inducted to Dornapal on 12/11/2013. Considering that the Maoists were not in favour of the elections in Chhattisgarh and since success also had eluded them since long Shri Arvind Singh Bisht, Dy. Comdt. who was the senior most officer present in the Chintagupha Base camp of 150 Bn had an intuition that the Maoist would surely try to target the polling parties on their return. His belief was further re-enforced by the intelligence inputs available with him. In order to pre-empt this ploy of the Maoists, the officer took up the responsibility to ensure safe passage for the polling parties. He decided to lead the troops and thus positioned himself at the front of the returning parties. Before leaving the camp he distributed the troops in such a manner so that all the tactical places were covered en-route and they were briefed in detail. The party left the base camp at around 0700 hrs and moved towards Dornapal, combing approx. 200 meters of area on either side of the road. Some troops were also placed strategically, covering the possible ambush spots. At around 0730 hrs, when the scouts were approaching Tamilwada Nallah, a highly undulated and thickly vegetated area, Shri Arvind Singh Bisht, Dy Comdt suspecting something amiss, stopped the vehicles carrying the Armory and other logistics and moved with his small team towards the most suspected hill feature to sanitize the area. His intention was to clear the area from the suspected Maoist ambush/presence and thereafter occupy the dominating position till the vehicles and troops crossed the dangerous zone. The party entered the thick jungle towards the east and as they were nearing the peak the Maoists hiding in the ambush opened indiscriminate fire on the party. Sh Bisht retaliated the fire himself and simultaneously ordered his troops also to retaliate with heavy fire and make an advance. The Maoists were hiding behind the trees and boulders and firing incessantly at the troops. The troops advanced adopting the tactics of Fire and Move without caring for the bullets. Sensing the meager strength of the Maoists and realizing that additional support from the troops positioned on the road would take time, Shri Arvind Singh Bisht decided to launch a counter-attack on the Maoists. In pursuit he moved to the left flank with two constables. But before he could advance any further, a heavy volume of fire greeted him from the west and south-west directions. Soon he realized that he had only encountered the advance or cut-off party of the Maoists and the main ambush was much larger and deeper than expected. Sensing grave threat to the troops along the road he ordered his small party to engage the Maoists using Grenades and Mortars. While the rest of the troops were engaged in a fierce gunfight with the main ambush party, Shri Arvind Singh Bisht displaying rare courage under adversity and totally unmindful of his personal safety moved out of his cover and advanced towards the group of Maoists alongwith his small group challenging them. Despite the heavy volley of fire he steadily advanced towards the Maoists, but as he was inching closer to the target a bullet hit him on his right thigh injuring him seriously. But, undeterred by the serious injury and bleeding profusely, he continued to lead the troops reaching closer to the Maoists. Sensing grave threat to their lives from the death defying valour of the Commander and his troops, the Maoists fled from the area. After forcing the scouts to flee from their positions, Shri Arvind Singh Bisht, did not stop there; he further planned to launch a flanking attack on the main ambush party. Though he was unable to walk properly and was under excruciating pain, he led his handful of troops to counterattack the Maoists. On seeing the troops advancing for a flanking attack, foiling the maoist's plans the Maoists decided to retreat. Gradually the firing from Maoists subsided and the area was thoroughly searched by the troops.

During search, the troops realized that the ambush was meticulously planned to the minutest detail and the parties strategically placed to inflict maximum casualties. The killing Zone was well marked and the preparation and minute planning of Maoists suggested that they had planned to eliminate both the companies of CRPF moving on the road and loot their weaponry. An astute sense of judgment, tactical acumen, foresightedness, meticulous planning, courage under adversity and leadership qualities of a high standard displayed by Shri Arvind Singh Bisht, Dy. Comdt had succeeded in averting an incomprehensible loss to the Force. His deep understanding of the maoist tactics ensured that the troops do not fall into the trap set by the Maoists: on the contrary he took the fight into the Maoist camp by launching a counter ambush. Troops inspired by the indomitable spirit and courage displayed by their Commander, Shri Arvind Singh Bisht, effectively retaliated and broke the ambush with the help of UBGLs and Mortars. Despite being seriously injured, bleeding heavily and mobility severely restricted, Shri. Bisht exhorted and guided his team to successfully break a well planned ambush. Like a true leader of men, Sh. Arvind Singh Bisht, Dy. Comdt lead from the front and displayed rare grit under the most challenging circumstances dealing a deadly blow to the vicious motives of the Maoists, thereby preventing a major tragedy. Shri Bisht displayed most conspicuous personal bravery, rare valour under adversity and leadership qualities of the highest standard in the face of massive offensive by the Maoists and successfully launched a counter ambush to defeat the nefarious designs of the Maoists and save valuable

lives. He had set an example for generations to follow and his act of bravery would serve as an inspiration for many in times to come.

In this encounter Shri Arvind Singh Bisht, Deputy Commandant Displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of President's Police Medal and consequently carries with it the special. allowance admissible under Rule 5, with effect from 12/11/2013.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 68-Pres/2015- The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force:-

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

1. Joy Prakash Rajbonshi,
   Inspector
2. Ramaiah Karuppiah,
   Constable
3. Jitender Kumar,
   Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

An intelligence input from IB suggested presence of senior CPI (Maoist) leaders namely Arvind, Birsai, Mritunjay and Inderajeet alongwith other junior cadres in a camp established in a dense jungle falling under P/S Manika, Distt: Latehar (Jharkhand). Accordingly aerial reconnaissance and thermal imaging of the area was done with the help of Indian Air Force but exact location of the camp could not be made out. Therefore, co-ordinates of suspected locations were marked for combing. Six strike teams consisting troops of 203, 209 CoBRA, 11, 112, 214 Bn CRPF and 03 assault groups of Jharkhand Jaguar with civil police component were formed for launching a special operation code named "Ja11-3". Specific areas to target were given to each strike team. After briefing of teams on Map & Google at Ranchi, the strike teams were launched from two temporary established launch pads at Kumandih Railway station and Hehegarha village on 11.06.2013 at 1800 hours.

The troops carried out intensive combing of the jungle but contact with the naxals was not established. For de-induction, troops of 209 CoBRA were required to reach Kumandih launch pad from where they were to be transported back to base. On 12.06.2013 at about 1730 hours, when the troops were deeply exhausted from whole night and day long operation and were about to enter their launch pad at railway station Kumandih, Naxals who had laid an ambush opened heavy fire on them from two opposite directions i.e. North and South. Naxals, following the teaching of MAO that "Attack the enemy when he is exhausted", had rightly planned the ambush but they failed in choosing the right enemy. When naxals opened fire they retaliated the fire and started countering the ambush. At the time of ambush, Team No.2 commanded by Inspector Joy Prakash Rajbonshi was crossing the killing zone and thus when naxals opened fire this team got trapped in the killing Zone. Being at the killing zone this team was bearing the brunt of incessant naxal fire. At this juncture Inspr/GD Joy Prakash Rajbonshi did not get bogged down by the onslaught instead ordered his team to open heavy fire at the naxals and also to fire grenades using UBGL. The retaliatory fire by the troops pinned down the naxals to an extent. Taking the advantage, Inspector Joy Prakash Rajbonshi along with his buddy CT/GD R Karippiah came out of their covers amid heavy fire and blasting grenades and crawled towards western side to launch a flaking attack. On reaching the flank they opened heavy fire at the entrenched naxals. Their bold and courageous attack on enemy helped other CoBRA troops to move ahead and join them in the counter-attack. With the increased strength, the troops began to move ahead swiftly from the western flank adopting tactice of fire and move. Simultaneously, CT/GD Jitender Kumar of D/11 Bn deployed for security of launch pad and positioned on top of a railway station building, identified the location of naxals and opened heavy fire at them using his LMG. In retaliation naxals opened fire at him but exhibiting conspicuous bravery and valour he did not move but held his ground and kept firing without caring for his life. His precise and accurate firing helped the CoBRA troops in their advance towards the entrenched naxals. The counter-attack and precise firing by the troops coupled with support from the L MG fire of CT/GD Jitender Kumar resulted in injuries to some of the naxals

which shattered their morale and they began to withdraw carrying their injured cadres. The troops however chased the naxals for some distance but they managed to flee taking advantage of terrain and through their pre-decided escape routes.

Post operation interceptions suggested death of naxal cadre and injury to three (one of them being some prominent leader) in this encounter. The death of three naxals was later substantiated by a naxal cadre involved in the encounter and arrested from Chhattisgarh. The prominent leader namely Inderrjeet @ Kapil Yadav, ERB coy commander and a close associate of Arvindji @ Dev Kumar, CCM who had sustained injuries during this encounter was also apprehended while taking treatment at Patna, Bihar. He is one of the most dreaded naxal commanders in the state and was involved in planting of bomb in the stomach of a CRPF jawan. He had also led several attacks on security Force, in Latehar, Palamu, Garwa and Gumla districts of Jharkhand.

During the operation CT/GD Jitender Kumar displayed bravery of highest order as even after knowing the fact that he is alone and uncovered and may become the target of naxals bullets, he fired effectively at naxals giving due support to advancing troops. Insp/GD Joy Prakash Rajbonshi and CT/GD Karippiah of 209 CoBRA, without caring for their personal safety fought very gallantly. Their fire power and conspicuous bravery inflicted injuries to naxals. They not only saved the lives of security force personnel but also broke a well planned and meticulously laid ambush by naxals.

In this encounter S/Shri Joy Prakash Rajbonshi, Inspector, Ramaiah Karuppiah, Constable and Jitender Kumar, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 12/06/2013.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 69-Pres/2015—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force:-

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

1. Ariiche Anthony Maheo, Deputy Commandant — (PMG)
2. Guru Charan Kalindia, Assistant Commandant — (1st Bar to PMG)
3. Ashish Rajan, Constable — (PMG)

Statement of service for which the decoration has been awarded

An intelligence input was received about a splinter group of 10-15 Maoists belonging to 3rd CRC (Central Regional Command) present in the hilly and forest area under PS-Potangi in Koraput District, Odisha. On receipt of information, teams of 202 CoBRA were launched for a special operation under the overall supervision of Shri Ariiche A. Maheo, DC on 31/10/2013 at 2100 hrs.

At about 0900 hrs on 01/11/2013, as the troops were combing the dense and hilly jungle, Shri Guru Charan Kalindia, AC spotted some smoke and movement atop the hill they were climbing. The observation was shared immediately with the operational commander Shri Ariiche A. Maheo, DC. The commander after meticulously examining the terrain ahead and assessing the situation, divided his party into two. He ordered Shri Guru Charan Kalindia, AC to advance tactically towards the area with his team while he along with his buddy CT/GD Ashish Ranjan and some other team members moved towards the left flank to cover and assault, if required.

Since it was a broad day light, hence despite of their best efforts and tactical move, the armed Maoists occupying better and dominating position spotted the team moving under the command of Shri Guru Charan Kalindia, AC and began to fire indiscriminately coupled with lobbing of grenades. Finding that the troops were at a disadvantageous position and they had the dominance over them, the naxals got entrenched behind their well secured morchas and fired heavily turning the place into a killing zone for the troops. Staying in the place was getting dangerous and riskier by the increased volume of fire but knowing that the ground and attention of naxals was required to be held till a flanking attack by Shri Ariiche A. Maheo,

DC was launched, Shri Guru Charm Kalindia, AC braved the onslaught of naxals and kept his troops motivated to keep firing at the naxals. In the process of keeping the attention on him he took a chance and came out of his cover to neutralize the naxals. He crawled towards the camp and inflicted some damage on naxals by injuring a few of them. Putting his life at a risk he kept the battle on which was taking place at a close distance.

On the other side, Shri. Ariiche A. Maheo, DC, alongwith his buddy CT/GD Ashish Ranjan and other team members exhibited extreme courage and advanced tactically to the closest observation point. On reaching closer to the naxal camp they noticed that some naxals were well entrenched in their morchas and firing incessantly to inflict maximum damage to the troops. They also noticed that one of the Maoist who was firing with an INSAS rifle and had a wireless with him was directing the operation from the Maoist side and was frequently changing his position. It took the commander no time to understand that he was the naxal commander and needed to be neutralized first in order to send them in disarray. He along with CT/GD Ashish Ranjan waited patiently for him to come towards their direction and as he moved towards their flank they charged towards him firing from their hip position in a conspicuous act of bravery and gallantry and neutralized him on the spot. The attack from the flank and killing of their commander took naxals by surprise and their morale sagged. Seeing the advance of troops from two directions the naxals began to flee towards the other side of hillock taking advantage of thick bushes and heavy undergrowth.

In the exchange of fire, the Maoist commander who was directing the operation was neutralized and one 5.56 MM INSAS rifle, 47 Nos. live ammunitions, 101 Nos. of detonators, one wireless set, one hand grenade, one camera TED controller and other articles were recovered besides injuries to some of the naxal cadres.

In the entire operation, Shri Ariiche A Maheo, DC exhibited exemplary courage and bravery coupled with a high standard of professionalism and dedication towards duty at great risk to his own life. Shri Guru Charan Kalindia, AC also did not care for his life and stayed in the killing zone for the accomplishment of the operational plan. He not only exposed himself to the fire of naxals in order to keep them engaged but also injured a few of them. CT/GD Ashish Ranjan, though being a new entrant in the force, rendering only 01 year 04 months service, displayed the gallant and daring act by fighting shoulder to shoulder with his commander and neutralizing the naxal commander. Their praiseworthy performance not only saved the lives of CRPF personnel from the naxal onslaught but also neutralized an important naxal who was commanding the group.

In this encounter S/Shri Ariiche Anthony Maheo, Deputy Commandant, Guru Charan Kalindia, Assistant Commandant and Ashish Rajan, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal/ 1st Bar to Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 01/11/2013.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 70-Pres/2015—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force:-

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

1. Binod Kumar Singh, Deputy Commandant — (Posthumously)
2. Ramjee Ram, Sub Inspector — (Posthumously)
3. Lal Babu Sah, Head Constable/dvr. — (Posthumously)
4. Sri Ray Singh, Head Constable — (Posthumously)
5. Ashok Kumar Nirala, Constable — (Posthumously)
6. Bikarmaditya Yadav, Constable — (Posthumously)

Statement of service for which the decoration has been awarded

Chakrabandha forest in Bihar has been a safe den for Maoists owing to its strategic location i.e. distance from District Headquarters, escape routes to the adjoining states of Jharkhand and UP, undulating terrain, dense forest cover and poor communication facilities. In order to prevent SFs from entering their stronghold and carrying out operations, the area remains heavily mined with antipersonnel as well as anti vehicle mines.

The inputs on the presence of dreaded maoist leader Arvindji [Central Committee Member of CPI (Maoists)], in the area was being closely followed by the CRPF. On one such reliable input, an operation was launched jointly by troops of 205 CoBRA, 47 Bn, 159 Bn of CRPF and a team of STF on 18/10/2012 in the wee hours of the morning. The troops were divided so as to form Six Strike Teams. The main Strike Team was being led by Shri Chhote Lal, 2IC and included Shri B K Singh, Dy. Comdt. and other officers and men of 159 Bn and a team of STF.

As planned, this team moved in the wee hours of the morning from Imamganj and reached village Sewra, beyond which the terrain was hilly and forested. The strike teams kept advancing after duly clearing the roads with the help of Bomb Disposal Squads. At about 0610 Hrs, as the troops were advancing towards Village Tarchuan they were ambushed by the Maoists. The Maoists initially blasted a powerful IED planted deep inside the road followed by intense firing and thereafter detonated a series of IEDs. The most powerful TED had exploded beneath the Mine Protected Vehicle (MPV) propelling the vehicle into the air and blowing it apart. Four more motorcycles also came under the impact of the IEDs and were blown apart. SI/GD Ramjee Ram and HC/Dvr Lal Babu Sah, who were travelling sustained grievous injuries and got trapped in its mangled remains. Eight more personnel were injured but HC/GD Sri Ray Singh, CT/GD Ashok Kumar Nirala and CT/GD Bikramditya Yadav sustained serious injuries. Despite, sustaining serious injuries and bleeding profusely, SI/GD Ramjee Ram displayed tremendous resilience in the face of adversity and overcoming the excruciating pain in his left hand as it had been virtually ripped off and rendered useless, managed to retrieve his weapon and held on to it. The weapon of HC/Dvr Lal Babu Sah was badly damaged. HC Sri Ray Singh, CT Ashok Kumar Nirala and CT Bikramditya Yadav who had also suffered from serious injuries and caught in the midst of the ambush, overcame the initial shock and setback and despite experiencing severe pain and anguish displayed steely resolve and gained control of their weapons.

Apart from inflicting casualties, the primary motive of the CPI (Maoists) was to loot the weapons from the SFs to strengthen their arsenal. The Maoists sensing that the troops were badly injured and expecting no resistance what so ever, moved in for the final kill raining bullets and lobbing grenades to loot the weapons of the injured personnel and inflict further misery. They were being provided covering fire by the Maoists perched on the hill-top armed with machine guns. The troops though badly injured and out-numbered were not the ones to give up easily without putting up a valiant fight. With imminent death staring at their face, SI/GD Ramjee Ram who himself was badly injured led by example and infused fresh energy into the seriously wounded jawans, when he despite a badly mutilated left hand assisted by HC/Dvr Lal Babu Sah combined together to fire at the advancing Maoists. The other three injured personnel garnering fresh courage crawled to the nearest cover available and displaying great tenacity and presence of mind continued to fire heavily, also lobbing grenades intermittently. Such a determined and gritty response from the grievously injured jawans took the adversaries totally by surprise and stopped them in their tracks. Unfortunately, the brave-hearts lost the battle of their lives and succumbed to their injuries. They had fought like wounded tigers and not only managed to keep the marauding Maoists at bay, but had also foiled the nefarious designs of the Maoists to loot the weapons.

Shri B K Singh, Dy. Comdt., on seeing his injured troops caught in the incessant fire of Maoists advanced tactically towards the blast site and ordered his team to fire back heavily. In the ensuing fierce counter-attack he got opportunity to rescue his injured personnel from the ambush zone. After retrieving the injured and dead bodies of martyrs to a safer place, he decided to not let the Maoists get away easily and gloat of their success. He reorganized his troops to launch a second counter attack on the Maoists. The Maoists had tactically chosen the site and were perched on surrounding hilltops behind secured positions. Noticing that the Maoists were at dominating heights and watching the movement of the troops he planned to attack simultaneously from different directions duly supported by area weapons. As he along with his assault team moved ahead, he noticed around 15 landmines planted in series obstructing his advance. The Maoists were raining havoc on the troops from their almost impregnable defence compounded with planted mines in the front. He at first neutralized the landmines with the help of BDD Squad and then advanced towards the hilltop. They crawled their way to close proximity of Maoists, utilizing the minimum cover available, and launched a fierce assault using Grenades of UBGLs. The frontal attack paid dividend as some of the Maoists got injured while others were taken by surprise and pushed to the back foot. Shri B K Singh, DC who was leading the troops sustained severe gun injuries during this attack. However, the injuries did not deter him and he continued the assault bravely. The close quarter battle was on where Maoists were using grenades and heavy gun fire to inflict as many casualties to the CRPF as they could. To break the deadlock, Shri B K Singh DC, ordered his team to lob grenades in succession at the Morchas so that they could move a bit further and launch a final assault. The team members braving the flying bullets lobbed grenades in quick succession one after another. As the grenades began to explode, the Maoists were totally uprooted and they began to flee one after other carrying their injured cadres.

During the encounter, Shri B K Singh, Dy. Comdt., fought with the Maoists with dedication, zeal and courage and saved men, weapons and dead bodies of CRPF personnel. He personally led the troops and exhibited death defying valour forcing the Maoists to run away from their well entrenched positions. Despite being hit by bullets he kept the assault on and in the fierce gun fight he himself shot at and injured some Maoists. He was seriously injured in this endeavour and later succumbed to it. Similarly SI/GD Ramjee Ram, HC/DVR Lal Babu Sah, HC/GD Shri Ray Singh, CT/GD Ashok Nirala and CT/GD Bikramaditya Yadav too fought with the Maoists with dedication, zeal and courage and saved the men and weapons of CRPF personnel. They continued firing till their death or evacuation from the ambush site for treatment, which not only helped in saving the weapons and men but foiled the plan of Maoists of looting the weapons of Security Forces.

Recoveries made :-

1) Pressure Cooker bomb-09

2) Improvised Pipe IED-06

3) Cordex wire-60 mtrs

4) Electric wire-100 mtrs

In this encounter S/Shri (Late) Binod Kumar Singh, Deputy Commandant, (Late) Ramjee Ram, Sub Inspector, (Late) Lal Babu Sah, Head Constable /Dvr, (Late) Sri Ray Singh, Head Constable, (Late) Ashok Kumar Nirala, Constable and (Late) Bikarmaditya Yadav, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 18/10/2012.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 71-Pres/2015—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officer of Central Reserve Police Force:-

NAME & RANK OF THE OFFICER

Shri V. Climond Joseph, (Posthumously)
Head Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

F Coy of 186 Bn CRPF was deployed in Arunachal Pradesh and conducting counter insurgency operations. Due to heightened threat of Naxal violence during the Assembly Elections and to strengthen the security grid of the state the company was ordered to move from Arunanchal Pradesh to Chhattishgarh State. Accordingly the company moved and got deployed in the state. It established it's camp in the area under Police Station Katekalyan of Dantewada District which is a hot bed of Naxal activities. To sanitize the area before polling day which was on 11/11/2013, troops regularly conducted area domination and laid ambushes on the suspected routes. On the polling day i.e. on 11/11/2013, a platoon of F/186 was detailed to dominate the area around polling Booth No. 177 at village- Naynar, under Police Station Katekalyan, Distt. Dantewada. At around 1400 Hrs., while the platoon was patrolling the area around polling booth, a group of 30-40 maoists with the intention of trapping and killing security force personnel and looting EVMs opened heavy fire on the CRPF troops. The maoists had laid two sided ambush and were using heavy fire coupled with lobbing of grenades so as to inflict maximum casualty on the Security Forces. Finding his troops trapped in two-directional fire, HC/GD V. Climond Joseph rose to the occasion and without caring for his life positioned himself at the forefront and fired at the maoists. He positioned himself behind a tree and retaliated heavily with the intention to dislodge the well entrenched maoists. Facing the stiff challenge from the troops, the maoists resorted to indiscriminate and heavy fire due to which the lives of civilian voters and polling staff came under grave threat. Seeing this HC/GD V Climond Joseph decided to target the naxal component from where the automatic fire was coming. In the pursuit, he gallantly came out of his cover and charged towards maoists using tactics of fire and move. By doing so, he gave cover to the voters, polling staff and other troops. Resultantly other troops also joined him in his pursuit and taking a cue from his gallant move started advancing towards the Maoists using the fire and move tactics. However, during the charge, HC/GD V Climond Joseph received fatal bullet injury but that did not deter resolute and overcoming his excruciating pain, he kept leading the counter attack. Due to his gallant action and tenacious team fighting spirit, maoists who were well entrenched behind secured covers had to made a hasty retreat. Ultimately the attempt of maoists of harming voters, polling staff, capture booth or destroy the EVMs with the clear intention of disrupting the democratic process conducted in highly naxal infested area of Chhattisgarh was foiled.

During the encounter, HC/GD V Climond Joseph's gallant action kept the maoists at bay and saved the lives of the polling party, troops and the general public who had come to the polling booth to exercise their franchise in a highly naxal infested area. His brave, bold and courageous action infused a new vigor in his troops who later joined him in counter attacking the maoists and forcing them to flee to save their lives. HC/GD V Climond Joseph later succumbed to his injuries during evacuation and attained martyrdom.

In this encounter (Late) Shri V. Climond Joseph, Head Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 11/11/2013.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 72-Pres/2015—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force:-

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

1. Padam Singh,
   Constable

2. Ravindra Bhaskar,
   Constable

3. Amit Sharma,
   Assistant Commandant

4. Prabhat Kumar Pankaj,
   Sub Inspector

Statement of service for which the decoration has been awarded

Based on an intelligence input about presence of Naxals in large number in the jungles falling under Police Station Kuchai, District Saraikela Kharsawan (Jharkhand), two strike parties comprising of 08 teams of 209 CoBRA along with 02 assault groups of Jharkhand Jaguar were formed and assigned the task to carry out Special Ops Hot Search with effect from 12/5/2013 to 13/05/2013 in the deep forest area, south of village-Chatnibera, under PS-Kuchai. The Strikes entered into the target area in the intervening night of 12-13/5/2013. Strike-I, commanded by Shri Arun Kumar, DC, after clearing the jungle near village Silaghati in the early morning moved towards the jungle near village Chhatribera. Shri Amit Sharma, AC, was leading his team as part of Strike-1. At about 1015 hrs, when the leading team was negotiating a hillock, Naxals hiding on the top first triggered IEDs and then opened heavy fire on the troops. Shri Amit Kumar, AC, took no time to understand that they have come across a temporary well-defended Naxal hideout located in a dominating ground. He even noticed some morchas prepared on the trees. Without getting scared by the preparation and dominance of Naxals, he applied his professional acumen and ordered his team members to fire back heavily at the Naxals and simultaneously provide cover fire to the scouts who were caught under the incessant fire. Naxals were very defiant and challenging the troops with incessant fire. The ill motive of Naxals was initially to panic the troops with IED explosions and inflict maximum casualities. Sh. Amit Sharma, AC, on receiving the support fire, planned to counter-attack the Naxals and in the pursuit moved ahead alongwith the scouts. But the IEDs planted by Naxals were the prime obstacle in the movement. Taking the risk, Shri Amit Sharma, AC and SI/GD Prabhat Kumar Pankaj surreptitiously and cautiously moved ahead and detected the IEDs camouflaged in the front. To reach closer to Naxals it was imperative that these IEDs should be diffused. Sensing that it would not be feasible to remove all the IEDs planted, he first studied the pattern in which IEDs were laid and on finding that they were in series, he cut the wire from two ends making a few IEDs ineffective and thereby opened a safe passage for troops to charge-in. Meanwhile, CT/GD Padam Singh and CT/GD Ravindra Bhaskar the other members of the scout gave the most desirable cover fire and engaged the Naxals in a fierce gun battle. Their fierce charge with accurate and consistent fire helped in deviating Naxals attention from the party engaged in detection/destruction of IEDs. Once the passage was clear, CT/GD Padam Singh and CT/GD Ravindra Bhaskar crawled ahead towards the Naxal position. Now, CT/GD Ravindra Bhaskar CT/GD Padam Singh, Shri Amit Sharma, AC and SI/GD Prabhat Kumar Pankaj were in the frontline. They were close to the niche of Naxals. On a predetermined signal, the four simultaneously mounted a

vicious and deliberate assault on the Naxals from a close range. They took the Naxals with surprise as they were not aware of the tactical move of the troops. They were unprepared to confront such a valiant and vicious assault which pushed them on back foot. The officer/personnel in the frontline of the gun battle exhibited exemplary skill to muster courage and thrive in such challenging circumstances. They successfully gunned downed two Naxals in the encounter. They were continuously and consistently narrowing the gap between them and the Naxals. The Naxals were confronting difficulties to face the robust challenge ever and planned to withdraw from their position. Subsequently, the Naxals clandestinely escaped through the thick vegetation. The search operation resulted in recovery of a dead body of skilled Naxal and 01 SLR from the encounter site.

In this operation, CT/GD Padam Singh, CT/GD Ravindra Bhaskar, AC Amit Sharma, and SI/GD Prabhat Kumar Pankaj exhibited exemplary bravery, courage, leadership and camaraderie. The above officer, SO and men have veritably epitomized the essence of soldiering and led an enduring tale of valour which will continue to inspire others. They ignited appetite of indomitability in their team to the acme of zeal and enthusiasm and exhorted them to fight with bravery. The planning and execution of operation by the officer, SO and men exhibited their professional acumen and dedication due to which one dead body of Naxal and 01 SLR were recovered. These commandos fought against the Naxals without any fear, displayed great courage, sense of responsibility and leadership quality.

Recoveries Made:-

01 dead body, out of two naxalites who reportedly killed. 7.62 SLR rifle-01 No, 7.62 mm Ammunition-130 Rds, Empty cases-06 Nos, Country made grenade-01 No, Detonator-04 Nos, Mag SLR-03, Camouflage ammunition pouch-01, Black colour pitthu-01 No. Multipurpose Knife-01 No, pull through-02 Nos. and Rs. 533/-.

In this encounter S/Shri Padam Singh, Constable, Ravindra Bhaskar, Constable, Amit Sharma, Assistant Commandant and Prabhat Kumar Pankaj, Sub Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 13/05/2013.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 73-Pres/2015—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/ 1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force:-

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

1.	Priya Ranjan Gupta, Assistant Commandant	(PMG)
2.	Vinod Singh, Constable	(1st Bar to PMG)

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 19/05/2014, highly reliable information was received from SP East Garo Hills about the presence of 10-12 cadres of banned extremist group UALA (United A'chik Liberation Army) in Chiokgre forest under P.S-William Nagar, Distt- East Garo Hills (Meghalaya). After due deliberation, a meticulous plan was prepared to conduct Search and Destroy Operation in the area. The task was assigned to a joint team of CoBRA (CRPF) and SWAT (Meghalaya Police) U/C Sh. Priya Ranjan Gupta, Asstt. Comdt. CRPF.

The team was briefed at William Nagar base camp on 19/05/2014 by Sh. Priya Ranjan Gupta, Asstt. Comdt. All the important aspects such as previous incidents, terrain, route in and out, obstacles en-route, interim rendezvous and communication passwords were discussed at length. Troops left the base camp at around 0230 hrs on 20/05/2014 and tactically moved towards the target. The area was covered with dense jungle which hampered the visibility and movement of the troops. After a difficult and strenuous navigation in the hilly and treacherous terrain, the joint team reached in the vicinity of the suspected hide-out. The hide out was atop a hill with dense vegetation. An initial reconnaissance of the target area was conducted and cut-offs were placed at various vantage and strategic points.

At first light the assault team U/C Sh. Priya Ranjan Gupta, Asstt. Comdt. of 210 CoBRA tactically moved towards the hide-out. The uphill movement with enemy positioned on the top was a dangerous and risky proposition; nevertheless, the assault team proceeded towards the hideout without caring for the dangers ahead. The scouts were led by Shri. Priya Ranjan Gupta, AC and as they moved closer to the hide-out, two insurgents positioned behind a morcha opened indiscriminate fire at them. The team retaliated immediately and moved ahead using tactics of fire and move. But soon, some other insurgents present in the hide-out occupied safe positions behind trees and temporary morchas and joined the gun-fight. The indiscriminate and heavy volume of fire from the enemy side forced the troops to halt their advance and reshape their strategy. They took positions behind covers and an intense battle at close proximity ensued. The insurgents used indiscriminate fire coupled with lobbing of grenades to inflict maximum casualty on troops and manage their escape. To break the deadlock and prevent the escape of insurgents, Sh. Priya Ranjan Gupta, AC planned to attack them from behind. The movement out of secured covers when the bullets were thudding all around the ground and trees was a riskier proposition and entailed risk of life. Sh. Priya Ranjan Gupta, AC threw all security precautions in air for a cause, took along CT/GD Vinod Singh and crawled under flying bullets to move away from battle zone. Both the daredevils took a circular route, reached at the back of insurgents and launched a brutal assault by use of heavy gunfire. The insurgents got caught in the fire from two directions with their escape route plugged. They then decided to make a retreat but for this an escape route was required to be open. In a bid to open the escape route, two of the insurgents took position towards Sh. Priya Ranjan Gupta AC and Ct Vinod Singh and fired heavily with lobbing of a grenade. The grenade blasted just a few meters before them and the two had a narrow escape. Overcoming the shock of the grenade blast, the two in a dare devilry act came out of their covers and with precision and accurate fire gunned down both the insurgents. The neutralisation of two insurgents opened the floodgate for the other troops to carry an all-out assault on the insurgents. Troops then converged towards the rest of the insurgents adopting the tactics of fire and move and after a fierce encounter neutralized three more insurgents.

After the exchange of fire stopped, troops searched the area and recovered five dead bodies of UALA (United A'chik Liberation Army) cadres along with three AK series rifles, 05 magazines, 110 rounds of ammunitions, one 7.65 mm pistol with 08 rounds, Demand letter of UALA- 03 pages, Identity cards of UALA-03 Nos., list of UALA cadres- 02 pages, Booklet (Army formation of UALA)- 01 No., Bio-data of UALA leader- 03 pages, Badges of UALA-50 Nos. and other incriminating documents.

During the entire gunfight, Shri Priya Ranjan Gupta, AC of 210 CoBRA led his troops from the front and displayed leadership of the highest order. Shri Priya Ranjan Gupta, AC and CT/GD Vinod Singh of 210 CoBRA showed gallant act of the highest order. They risked their lives in the face of grave risk and in a fierce gunfight gunned down 05 hardcore UALA insurgents.

Recovery made:-

- 05 UALA EXTREMISTS KILLED NAMELY (I) DUNCAN N. SANGMA (II) GRIPIT CH MOMIN (III) BATNAGAR R MARAK @ TETE @ DIKDIK (IV) KEKIL R MARAK @ SAIBAT & (V) SENGNANG N MARAK @ WALTE.
- AK 47 SERIES RIFLE-03 NOS (BODY NO. G4034121959, 56-29011294 & 56-17233095)
- AK 47 SERIES MAG-05 NOS.
- 7.62x39 MM LIVE AMNS-110 RDS.
- EMPTY CASES OF 7.62x39 MM-21 NOS.
- 7.65 MM PISTOL-01 (BODY NO. 889).
- 7.65x25 MM LIVE AMNS-08 RDS.
- 7.65 MM PISTOL MAG-03 NOS.

In this encounter S/Shri Priya Ranjan Gupta, Assistant Commandant and Vinod Singh, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal/1st Bar to Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 20/05/2014.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 74-Pres/2015—The President is pleased to award the President's Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force:-

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

1. Biresh Chauhan,
   Sub Inspector

2. P. Velumurugan,
   Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

On credible information about large-scale movement of Maoists formation of companies and battalions near Duler & Poovarti Village area of Jagargunda, P.S, Dist-Sukma (CG), IGP,CRPF(S/S) Grey Hounds, Commandant 217 Bn CRPF and SP Khammam planned a joint Spl Ops (SADO) by Grey Hounds, AP Police, CRPF and CG Police wef 14/04/2013 at 0800 hrs to 19/04/2013. On 14/04/2013, after briefing the troops moved to the area of operation as per plan. The troops trekked through inhospitable undulating terrain for 40 Kms in the night amidst thick jungle ridden with land mines anci$_l$ infested with armed militia. SI/GD Biresh Chouhan who was detailed with the party noticed 14-15 uniformed naxals sitting near a nallah on the outskirt of village Poovarti. Party as per direction of party commander moved towards the position of naxals tactically according to the shade topography and succeeded to a great extent but the enemy sighted the police party and opened indiscriminate fire with automatic rifles, and detonated IEDs. Instead of taking the attack lying down SI/GD Biresh Chauhan along with his party members daringly advanced and started firing at the naxals, despite volley of fire coming from enemies (naxals) side. He showed tremendous courage and took the naxals head on. He was given support fire by CT/GD Vel Murugan assisted by 3 commandos of Grey hounds. The naxals who were nearby also joined and started firing on the SFs. But with excellent skill and quick fire power of SI/GD Biresh Chauhan and CT/GD Vel Murugan, they could neutralize 09 top Maoists cadres including one State Committee member, two district Committee Secretaries, two area Committee members and injured many more. They did not even allow the naxals to drag away the killed naxals and kept the naxals at bay. By their courageous at they not only eliminated the naxals but also recovered 13 weapons including 4 INSAS and 4 SLRs. Their dedication, high degree of courage and bravery, conspicuous commitment and presence of mind in eliminating the naxals right inside the naxals den in a professional manner deserve highest recognition as they put their lives to imminent danger with a rare degree of courage and commitment beyond the call of duty.

Recovery:

S.No.	Particulars	Qty.
1	SAS Rifle	02 Nos.
2	.303Rifle	02 Nos.
3	SLR	04 Nos.
4	SDBL	01 No.
5	Carbine	01 No.
6	Pistol	01 No.
7	Tamancha	01 No.
8	SLR Mag.	06 Nos
9	AK Mag.	06 Nos
10	Carbine Mag.	01 No.
11	7.62 MM Amn	55 Nos.
12	7.62x39 MM Amn	20 Nos.
13	Memory Card	10 Nos.
14	Sim Card	02 Nos.
15	Cell Phone	03 Nos.
16	Cash	Rs. 19600/-

In this encounter S/Shri Biresh Chauhan, Sub Inspector and P. Velumurugan, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of President's Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 16/04/2013.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 75-Pres/2015— The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Indo Tibetan Border Police:-

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

1. Shivraj Singh,
   Assistant Commandant

2. Surender Prasad,
   Inspector

3. Yudhvinder Singh,
   Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 07.06.2013 reliable information was received at THQ Manpur that around 30-40 Naxalites have taken shelter in the forest of Bukmarka village 16 km from THQ Manpur. Immediately on directions of his senior to draw up plans to launch operation, AC/GD Shivraj Singh Planned an Inter State Operation in co-ordination with other organizations and State Police.

On the intervening night of 7th and 8th June 2013, AC/GD Shivraj Singh led his team consisting of SOs-13, ORs-36 of ITBP and SOs-02, ORs-48 of CGP for operation in general area Bukmarka village. AC/GD Shivraj Singh directed ITBP Pl. No. 1&2 to cordon the village from right & left flank and striking party of 29th ITBP personnel with party of Chhattisgarh Police personnel started searching the Kothar/Behak of Bukmarka village. On reaching Bukmarka village, Insp/GD Surender Prasad was given responsibility to cordon the village from right flank.

Suddenly, on hearing gunshot from the direction of Kothar/Behak approx 50-60 mtrs distance, AC/GD Shivraj Singh, immediately reacted to the situation and indicated the Bhak from where fire comes upon the troop, accordingly fire was retaliated immediately. Suddenly two female and three male naxals wearing green uniform came out from the Behak and started running towards Bukmarka village in the opposite direction of striking party. Taking advantage of dark and undulating ground all five naxals could take cover and ran towards Nallah. Meanwhile one more naxal came out of the Behak and started running towards village Bukmarka. Immediately fire was opened upon the escaping naxal by AC/GD Shivraj Singh and CT/GD Yudhvinder Singh, as the result naxal could hardly run 10-15 mtrs when he got hit and he fell down. As the operation was on, villagers of Bukmarka started beating Drums and Nagadas to distract the force as well as to pass the information to other Maoists. Insp Surender Prasad who was covering the village from one side informed AC Shivraj Singh that the villagers have started coming out of their houses with sound of beating drums and nagadas which was managed by Insp Surender Prasad very efficiently. In between AC/GD Shivraj Singh decided to fire UBGL on running naxals and directed Insp Rajender Nage to fire three round of UBGL. Immediately after the fire of UBGL, villagers stopped playing the drums and nagadas. Chhattisgarh police personnel confirmed that the Maoist who was shot dead is as dreaded naxal Udham Singh, Commander of Mohla LOS and Secretary of Manpur Area Committee on whose head State Govt. had announced cash reward of 2.10 lacs. AC/GD Shivraj Singh directed Insp Amit Beria of Chhattisgarh Police and his party to search the Kothar/Behak along with strike party. CT/GD Yudhvinder Singh was a member of strike party and he was the first person to enter the Kothar where he saw one male and one female inside the behak. He also noticed one INSAS rifle there. Both the persons were immediately apprehended and taken in custody. Spot interrogation by AC/GD Shivraj Singh revealed that they are owner of that Kothar, who confirmed that there were eight Naxals including female under command of Udham Singh present in this Behak. Both the persons were taken to village and the lady was handed over to villagers and the male was retained for further investigation.

AC/GD Shivraj Singh with his Strike party and cordon party searched the Kothar thoroughly and recovered, SLR rifle-01, 12 bore single barrel-02, .315mm pistol-01, SLR Mag-02, INSAS Mag-01, 7.62mm BDR-51 live rounds,

AK-47-02 empty cases, Khukuri-01, Motorola VHF Set-01, flash Camera, Transistor, Medicines, Naxal Literature, Pithu, Clothing & Items of daily use and personaldiary of slain naxal Udam Singh. AC/GD Shivraj Singh also apprehended three suspected Jan Militia people from the village.

During the entire operation, AC/GD Shivraj Singh, Insp/GD Surrender Prasad and CT/GD Yudhvinder Singh have effectively taken all security precautions during the entire operation and was conducted in a very professional manner in consonance with highest traditions of ITBP. They displayed a high degree of professional ability by conducting a very clean operation resulting into killing of a dreaded hard core Maoist, and recovering a huge cache of arm & ammunition/naxal literature and others stores.

In this encounter S/Shri Shivraj Singh, Assistant Commandant, Surender Prasad, Inspector and Yudhvinder Singh, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 08/06/2013.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 76- Pres/2015—The President is pleased to award the President's Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Indo Tibetan Border Police:-

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

1. Praveen Kumar,
   Constable

2. Rakesh Kumar,
   Constable

3. Ved Pal Malik,
   Head Constable

4. Jadeja Rajender Singh,
   Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

In the year 2012, CT/GD Praveen Kumar, CT/GD Rakesh Kumar, HC/GD Ved Pal Malik and Ct/GD Jadeja Rajender Singh were selected for the sensitive and important assignment of guarding Indian Consulate General in Afghanistan and inducted for this duty on 11.05.2014, 09.05.2013, 22.04.2013 and 30.04.2013 respectively.

On 23.05.2014, at around 0325 hours a group of armed Fidayeens attacked the CGI, Herat with Rocket Propelled Grenades (RPGs) followed by heavy brust fire from automatic weapons. The duty sentries Rakesh Kumar and Praveen Kumar immediately returned fire with their automatic weapons and alerted post commander and other troops.

At about 0400 hrs, a group of Fidayeens tried to climb the boundary wall and enter the Consulate premises with the help of a ladder. One of them was successful in entering the premises, while other Fidayeens were lobbing Grenades to pin down the Commandos and helping the earlier in crossing the fenced wall and handed him over his AK-47 rifle. CT/GD Praveen Kumar and CT/GD Rakesh Kumar under directions of Post Commander displayed conspicuous act of gallantry, valour and grit in the face of enemy attack, adjusted their positions and with their precise shooting skills fired on the limbs of the Fidayeen as he was suspected to be carrying explosives on his body and killed the determined Fidayeen and forced the others to flee. Thus, thwarted the plan of Fidayeens to take hostage/killing of Consul General and the staff.

Meanwhile on the direction of Post Commander, HC/GD Vedpal and CT/GD Jadeja Rajender Singh took their positions on the nearby residential building and carefully and effectively engaged the attackers by their automatic weapons. Showing extraordinary presence of mind and conspicuous bravery in the face of enemy attack, HC/GD Vedpal and CT/GD Jadeja Rajender Singh escorted the civilian staff residing in the building to a safe room dodging the heavy volume of automatic weapons fire and ensured their safety throughout the operation. HC Vedpal and CT Jadeja Rajender Singh engaged the Fidayeens from outside. Their effective fire on the Fidayeens forced them to abandon their plan to enter the Consulate building and flee to safer place.

The gun battle continued for about 08 hours and other 03 Fidayeens were finally eliminated by continuous firing of HC/GD Vedpal and CT/GD Jadeja Rajender Singh and also by counter attack launched by the Afghan National Forces.

The tactical assessment, tremendous presence of mind, swift combat action and the grit shown by HC/GD Vedpal and CT/GD Jadeja Rajender Singh not only ensured elimination of 03 Fidayeens but averted a major mishap.

In the entire operation CT/GD Praveen Kumar, CT/GD Rakesh Kumar, HC/GD Vedpal and Ct/GD Jadeja Rajender Singh, showed exemplary bravery by killing one Fidayeen and preventing the other terrorists from entering into CGI premises and saving the life of Consul General and other staff and family members of Consulate General. The combative skills and swift action shown by them have demonstrated the sharpness, competence and combatative professionalism of ITBP in foreign soil to the international community.

In this encounter S/Shri Praveen Kumar, Constable, Rakesh Kumar, Constable, Ved Pal Malik, Head Constable and Jadeja Rajender Singh, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of President's Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 23/05/2014.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 77-Pres/2015—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Indo Tibetan Border Police:-

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

1.	Jayendra Prasad, Sub Inspector	(Posthumously)
2.	Nand Ram, Constable	(Posthumously)
3.	Bibhuti Roy, Constable	(Posthumously)
4.	Sarvesh Kumar, Constable	(Posthumously)
5.	Jomon P.G., Constable	(Posthumously)
6.	Ajay Lal, Constable	(Posthumously)

Statement of service for which the decoration has been awarded

The unprecedented heavy downpour which continued from 15th to 17th of June-2013 had caused havoc in Kedarnath valley taking toll of thousands of precious human lives. On a requisition received from civil administration Sh G.S. Chauhan, Commandant 8th BN immediately organized a fully equipped rescue team consisting of GOs- -02, SOs-02, ORs- 15 of which SI/GD Jayendra Prasad, CT/GD Nand Ram and CT/GD Bibhuti Roy were also members, the team was sent to Guptkashi by helicopter on 19/06/2013.

This team started making and negotiating track upto Rambara where thousands of sick, injured and hungry pilgrims were trapped and after giving them first aid and food, evacuated them to safer place. Some of the pilgrims because of their injury or old age compulsion including children who were not even able to walk. Members of this team carried number at such helpless victims on their back of steep slopes risking their own lives.

On 20/06/2013 one more party of SOs-02, ORs-22 consisting of CT/GD Ajay Lal, CT/GD Sarvesh Kumar and CT/GD Jomon P.G. were also sent to Guptkashi. The same day this party after helping in the construction of helipad carried out search ops and rescued several personnel and also searched for missing people in Guptkashi up hill area.

On 21/06/2013 after finishing their task at Guptkashi both teams were clubbed together and sent to Kedarnath for rescue ops. In Kedarnath out of this team one small team consisting of CT/GD Ajay Lal, CT/GD Sarvesh Kumar, CT/GD Jomon P.G., CT/GD Nand Ram and CT/GD Bibhuti Roy under leadership of SI/GD Jayendra Prasad, was

formed. This team was given the task of evacuation of pilgrims trapped in Kedar valley upto road head. These pilgrims were trapped there as few seasonal Nallahs were overflowing and the track was washed away at many places. This team not only created an alternate track, but also used their mountaineering skills, constructed one small log bridge at one such overflowing Nallah by using rope, carabineer and pullies and thus evacuated thousands of people to road head through this alternate track.

From 22/06/20I3 to 24/06/2013 this team was given the task of helipad security, crowd control, distribution of food packets and potable water which this team did with utmost sincerity without caring for personal safety and dangers to their own lives.

By 25th of June, most of the pilgrims had been evacuated from Kedarnath Valley and nearby areas. This team had been working continuously for day and night since 19th June without caring for their own health. Taking note of the excellent and extensive work done by the team of SI/GD Jayendra Prasad, they were called back to BHQ for rest and recuperation.

The ITBP team led by SI/GD Jayendra Prasad along with NDRF teams of rescuers boarded the helicopter from Kedarnath area for return journey which crashed unfortunately enroute in which 20 personnel including 06 personnel of 8th Bn ITBP SI/GD Jayendra Prasad, CT/GD Nand Ram and CT/GD Bibhuti Roy, CT/GD Ajay Lal, CT/GD Sarvesh Kumar and CT/GD Jomon P.G. lost their lives.

The rescue team saved the lives of thousands of people at Guptkashi and Kedamath area during their six days of rescue operation under extremely harsh climate, persistent rain, unhygienic working conditions, risky and inhospitable terrain and in this process they made supreme sacrifice by laying their lives for the countrymen. This courageous rescue work of ITBP was highly appreciated by the public at large and by electronic and print media. Local administration also applauded the tremendous rescue works rendered by these ITBPeans.

All team members, without caring for their personal safety did courageous and commendable task and saved the lives of thousands of pilgrims and locals.

In this action S/Shri (Late) Jayendra Prasad, Sub Inspector, (Late) Nand Ram, Constable, (Late) Bibhuti Roy, Constable, (Late) Sarvesh Kumar, Constable, (Late) Jomon P.G., Constable and (Late) Ajay Lal, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 25/06/2013.

Suresh Yadav
OSD to the President

No. 78-Pres/2015- The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of National Disaster Response Force:-

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

1.	Nitya Nand Gupta, Second-In-Command	(Posthumously)
2.	Bhim Singh, Inspector	(Posthumously)
3.	Satish Kumar, Sub Inspector	(Posthumously)
4.	K. Vinaygan, Constable	(Posthumously)
5.	Bassvaraj Yaragatti, Constable	(Posthumously)

6.	Santosh Kumar Paswan, Constable	(Posthumously)
7.	Sanjiva Kumar, Constable	(Posthumously)
8.	Pawar Shashi Kant Ramesh, Constable	(Posthumously)
9.	Ahir Rao Ganesh, Constable	(Posthumously)

Statement of service for which the decoration has been awarded

Mother Nature chose the Kedar Volley of Garhwal region in Uttarakhand as its unfortunate victim when massive cloudburst hit the area on the intervening night of 16th" and 17th June, 2013, that left a trail of death and destruction in its wake. All the valleys of Uttarakhand and Himachal were hit by the catastrophe that destroyed all means of communications in the area. NDRF was called for to assist the civil administration to search and evacuate the trapped pilgrims immediately as high altitude mountains were teeming with stranded survivors without any food/water or any shelter. It was imperative to evacuate the survivors immediately to prevent further deaths from hypothermia and starvation.

A team led by Sh. Nitya Nand Gupta, Second-in-Command, was assigned to task to rush in and conduct search & rescue operations in the vicinity of Kedarnath Temple area. The team was airlifted and dropped at the site. They were the first to land at Kedarnath after the devastating disaster. There was no surface route and weather was hostile for helicopter evacuation. Completely on their own, the team worked in difficult terrain and under hostile weather conditions.

The team immediately gauged the gravity of situation and directed the team to prepare two more helipads other than the one already existing. Exhorted and actively guided by their leader, the team managed to prepare two more helipads manually with hand tools with sheer grit and determination in absence of any earthmover or any other heavy machinery and carried out rescue operation without caring for the own life and safety. They led from the front and exhorted the team to help the stranded pilgrims by bringing (often physically carrying them) to the helipads providing them food & medicines till such time all the survivors were evacuated. It was due to the determination and commitment of the team that 1800 pilgrims/locals could be evacuated safety from the temple area.

They displayed exemplary dedication and devotion in the highest traditions of NDRF and volunteered to rush into an area fraught with extremely dangerous conditions for flying without caring for their own life to prevent any more sufferings to the hapless survivors of the catastrophe. They worked in strenuous situations continuously for eight days in extremely adverse weather conditions and stayed under the open skies with the sole aim to save the lives of stranded pilgrims and locals. The team accomplished its mission with all survivors getting evacuated and brought to the safe locations.

The weather was still perilous for the air journey but they had to come back as rescue operations had to be commenced in other areas.While on return journey from Kedarnath, after completion of mission, the helicopter crashed into the mountain due to bad weather on 25/06/2013.

They laid down their lives in the line of duty and to serve the humanity, so as to ameliorate the suffering of survivors and their families without caring own lives. They made the supreme sacrifice while serving the nation and have brought laurels to the force in carrying out their duty with courage and devotion as is our motto, "Aapda Seva Sadaiv".

In this action S/Shri (Late) Nitya Nand Gupta, Second-In-Command, (Late) Bhim Singh, Inspector, (Late) Satish Kumar, Sub Inspector, (Late) K. Vinaygan, Constable, (Late) Bassvaraj Yaragatti, Constable, (Late) Santosh Kumar Paswan, Constable, (Late) Sanjiva Kumar,Constable, (Late) Pawar Shashi Kant Ramesh, Constable and (Late) Ahir Rao Ganesh, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 25/06/2013.

SURESH YADAV
OSD to the President

The 3rd July 2015

No. 79-Pres/2015 —The following amendment is made in this Secretariat Notification No. 70-Pres/84, dated the 7th June, 1984 published in Part I Section 1 of the Gazette of India on 23rd June, 1984 relating to the award of Police Medal for Gallantry:-

For - Shri Raghav Rai

Read - Shri Ragho Rai

SURESH YADAV
OSD to the President

मुद्रण निदेशालय द्वारा, भारत सरकार मुद्रणालय, एन.आई.टी. फरीदाबाद में मुद्रित एवं प्रकाशन नियंत्रक, दिल्ली द्वारा प्रकाशित, 2015
PRINTED BY DIRECTORATE OF PRINTING AT GOVERNMENT OF INDIA PRESS, N.I.T. FARIDABAD AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 2015

www.dop.nic.in

DOPGIPF—[PART I–SEC.1]—90 Copies.